



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

5/6/72

सं० २०†
No. 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई १३, १९७२/बैशाख २३, १८९४
NEW DELHI, SATURDAY, MAY 13, 1972/VAISAKHA 23, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती हैं जिससे कि यह प्रकाशक संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड ३—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ क्षेत्र प्रशासन को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकरणों द्वारा जारी किये गए विधिक आदेश और अधिसूचनाएं।

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories).

MINISTRY OF AGRICULTURE (Department of Agriculture)

New Delhi, the 22nd February 1972

S.O. 1055.—The following draft of rules which the Central Government proposes to make, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) are hereby published, as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the 22nd of April, 1972.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified, will be considered by the Central Government.

Draft Rules

THE BEESWAX GRADING AND MARKING RULES, 1972

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Beeswax Grading and Marking Rules, 1972.

(2) They shall apply to beeswax produced in India.

2. Grade designations. Grade designations to indicate the quality of beeswax shall be as set out in column 1 of Schedule I to these rules.

3. Definition of quality.—The quality of beeswax indicated by the respective grade designations shall be

as set out against each grade designation in columns 2 to 11 of the said Schedule I.

4. Grade designation marks.—The Grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design (consisting of an outline map of India with the word 'AGMARK' and the figure of the rising Sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" (resembling the one set out in Schedule II to these rules.

5. Method of packing.—(1) Beeswax shall be moulded into circular slabs of 2 to 4 centimetres in thickness and weighing 250, 500, 1000 and 5000 grammes.

(2) Each slab of beeswax shall be wrapped in grease-proof paper or sheet of suitable material like plastic or polythelence in the manner approved by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(3) Slabs of beeswax may be packed in a suitable container as may be approved by the said officer.

6. Method of marking.—(1) A tie on-label shall be securely attached to each slab of beeswax with a piece of strong thread passed through the eye of the grade designation label and a hole made through the slab of the beeswax with a hot needle and both the ends of the thread shall, thereafter, be inserted into a lead seal and securely sealed by pressing it.

(2) In addition to the grade designation mark, each label shall be marked with such particulars and in such manner as may, from time to time, be specified by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

SCHEDULE I

[See rules 2 and 3.]

Grade designations and Definitions of quality for Beeswax.

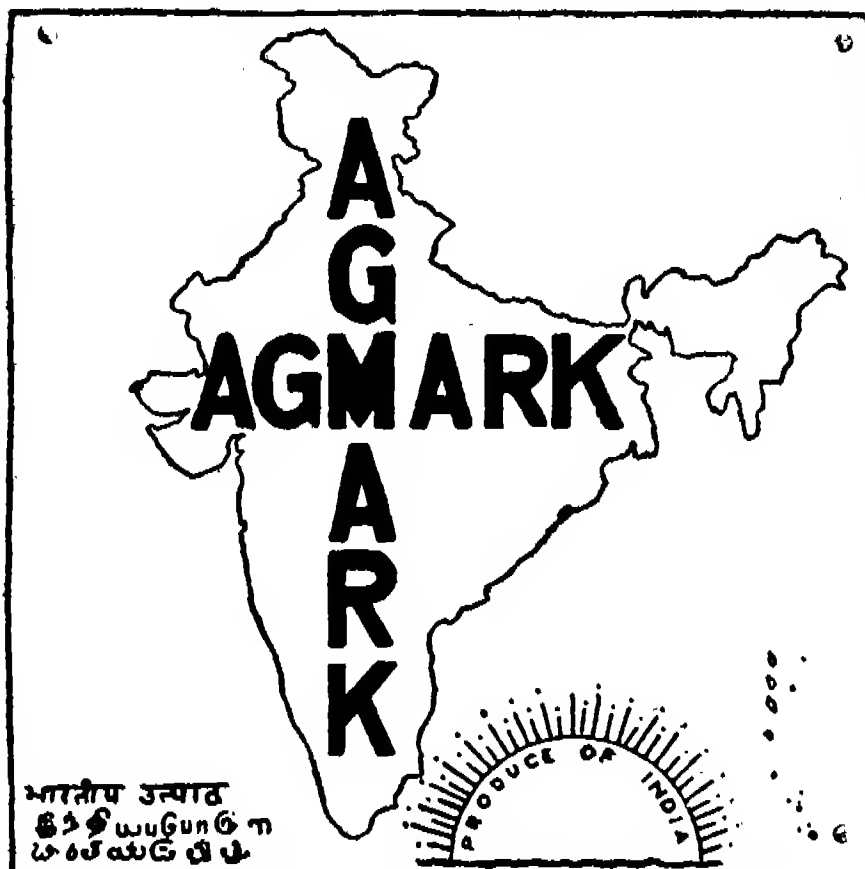
Grade Designation	Description	*Specific gravity at 27°C.	*Melt-point °C.	*Refractive Index at 75°C	*Ash percentage by weight maximum	*Total volatiles percentage by weight maximum.	*Acid value	*Saponification value	*Ester value	*Iodine value
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
Crude beeswax	Shall be the insect wax obtained from box honeycombs of domesticated honey bees, rendered in boiling water, filtered and moulded. It shall have the characteristic pleasing honey aroma. It shall be free from any metallic contaminants and added extraneous matter.	0.950 to 0.995	58.0 to 64.0
Refined beeswax	Shall be insect wax obtained from the combs of honey bees (domesticated or wild bees) by subjecting it to melting and filtration. It shall be yellow to yellowish brown in colour and have characteristic pleasing honey aroma. It shall be free from any metallic contaminants and added extraneous matter.	0.955 to 0.965	60.0 to 64.0	1.4398 to 1.4451	0.1	1.0	5 to 10	80 to 105	75 to 95	6 to 11
Bleached beeswax	Shall be the insect wax obtained from the combs of honey bees (domesticated or wild bees) by melting, filtration and subsequent bleaching by solar or chemical means. It shall be light yellow to white in colour. It shall be free from any metallic contaminants and added extraneous matter.	0.955 to 0.965	60.0 to 64.0	1.4388 to 1.4451	0.1	1.0	7 to 13	80 to 105	73 to 92	6 to 11

*Adopted from IS : 1504-1959.

SCHEDULE II

(See rule 4)

Grade designation mark for Beeswax



[No. F. 13-4/71-C&M.]

T. D. MAKHIJANI, Under Secy.

कृषि संशालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1972

क्रा० अ० 1055.—निम्नलिखित प्रारूप-नियम, जिन्हें केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्न) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाने की प्रस्थापना करती है, उक्त धारा की अपेक्षानुसार, उन सभी व्यक्तियों की, जिनका उनसे प्रभावित होना सम्भाव्य है, जानकारी के लिए एतद्वारा प्रकाशित किए जाते हैं और एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर 22-4-1972 को या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किसी ऐसी आपत्ति या सुझाव पर, जो किसी व्यक्ति से उक्त प्रारूप के सम्बन्ध में इस प्रकार विनिविष्ट तारीख से पूर्व प्राप्त होगा, केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

प्रारूप-नियम

मधुमक्खी-मोम श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1972

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना—(1) इन नियमों का नाम मधुमक्खी-मोम श्रेणीकरण और चिह्न नियम, 1972 होगा।

(2) ये नियम भारत में उत्पादित मधुमक्खी-मोम को लागू होंगे।

2. श्रेणी अभिधान.—मधुमक्खी-मोम की क्वालिटी उप-दर्शित करने के लिए श्रेणी अभिधान ऐसे होंगे जो इन नियमों की अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में उपवर्णित हैं।

3. क्वालिटी की परिभाषा.—क्रमिक श्रेणी अभिधानों द्वारा उपदर्शित मधुमक्खी मोम की क्वालिटी ऐसी होगी जो उप-दर्शित अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 11 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपवर्णित है।

4. श्रेणी अभिधान चिह्न.—श्रेणी अभिधान चिह्न ऐसे लेबल के रूप में होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिविष्ट किया गया

हो और जिस पर इन नियमों की अनुसूची 2 में दी गई डिजाइन के सदृश डिजाइन हो (जिसमें AGMARK शब्द के साथ भारत के मानचित्र की रूपरेखा और "Produce of India" शब्दों के साथ उगते हुए सूर्य की आकृत होगी और "भारतीय उत्पाद" शब्द होंगे)।

5. पैक करने की रीति.—(1) मधुमक्खी-मोम मोटाई में 2 से 4 सें०मी० और भार में 250, 500, 1000 और 5000 ग्राम की गोल सिल्लियों में ढाला जाएगा।

6. चिह्न की रीति.—(1) प्रतिबद्ध लेबल, प्रत्येक मधुमक्खी-मोम की प्रत्येक सिल्ली से श्रेणी अभिधान लेबल के ऊपरी भाग से और मधुमक्खी-मोम की सिल्ली में गर्म सुई से बनाए गए छेद में परोए गए मजबूत धागे के टुकड़े से दृढ़तापूर्वक संलग्न किया जाएगा और तत्पश्चात् उस धागे के दोनों सिरे सीमा की मुद्रा में ढाल दिए जाएंगे और उन्हें उसे दबाकर दृढ़तापूर्वक सुवर्णित किया जाएगा।

(2) श्रेणी अभिधान चिह्न के अतिरिक्त, प्रत्येक लेबल ऐसी विशिष्टियों से और ऐसी रीति में चिह्नित किया जाएगा जो केन्द्रीय सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा समय-समय पर, विनिर्दिष्ट की जाएगी।

(2) मधुमक्खी-मोम की प्रत्येक सिल्ली ग्रीज सह कागज या प्लास्टिक या पोलिथिन जैसी उपयुक्त सामग्री की शीट में भारत सरकार के कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में लपेटे जाएगी।

(3) मधुमक्खी-मोम की सिल्लियां किसी ऐसे उपयुक्त आधारपात्र में पैक की जा सकेंगी जो उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाए।

अनुसूची 1

(नियम 2 और 3 देखिए)

मधुमक्खी मोम के लिए श्रेणी अभिधान और उसकी क्वालिटी की परिभाषाएं

श्रेणी अभिधान	वर्णन	27° सें० पर आपेक्षित गुरुत्व	*गलनांक सें०	75° सें० पर अपवर्तनांक
1	2	3	4	5
अपरिष्कृत मधुमक्खी-मोम।	पालतू मधुमक्खियों के छत्ते से प्राप्त जन्तु-मोम होगा जो उबलते पानी में उबालकर, छानकर, तथा ढालकर तैयार किया जाएगा। इसमें शहद की विशेष मधुर सुवास होगी वह किसी धातु-संदूषक और मिलाये गये विजातीय द्रव्य से रहित होगा।	0.950 से 0.995	58.0 से 64.0	—
परिष्कृत मधुमक्खी-मोम।	मधुमक्खियों (पालतू अथवा जंगली) के छत्ते से गलाकर तथा छानकर प्राप्त जन्तु-मोम होगा। वह रंग में पीला से पीलापन लिये भूरा होगा तथा उसमें शहद की विशेष मधुर सुवास होगी। वह किसी भी धातु-संदूषक और मिलाये गये विजातीय द्रव्य से रहित होगा।	0.955 से 0.965	60.0 से 64.0	1.4398 से 1.4451
विरंजित मधुमक्खी-मोम।	मधुमक्खियों (पालतू अथवा जंगली) के छत्ते से प्राप्त जन्तु-मोम होगा जो गलाकर, छानकर और बाद में सीर अथवा रसायनिक साधनों से विरंजित करके तैयार किया जाएगा वह रंग में हल्के पीले से सफेद होगा। वह किसी भी धातु-संदूषक और मिलाये गये विजातीय द्रव्य से रहित होगा।	0.955 से 0.965	60.0 से 64.0	1.4388 से 1.4451

*भस्म प्रतिशत अधिक- तम भार द्वारा	*कुल वाष्पशील प्रतिशत अधिकतम भार द्वारा ।	*भस्म मान	*साबुनीकरण मान	*ईस्टर मान	*आयोडिन मान
6	7	8	9	10	11
0.1	1.0	5 से 10	80 से 105	70 से 95	6 से 11
0.1	1.0	7 से 13	80 से 105	72 से 92	6 से 11

*भा०ना० 1504—1959 से लिए गए ।

अनुसूची 2

(नियम 4 देखिए)

मधुमक्खी—मोम के लिए श्रेणी अभिधान चिह्न



[सं० फा० 13-4/71-कृ० तथा वि०]

टी०डी० मा०बीजावी, अवरुसचिध ।

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY*Bombay, the 9th February 1972*

S.O. 1050.—In pursuance of clause (c) of rule 2 of the Radiation Protection Rules, 1971, the Director, Directorate of Radiation Protection, Department of Atomic Energy, hereby makes the following order specifying the specifications for, and values of, maximum permissible radiation leakage levels for source housings of telegamma units, namely:

1. **Short title, extent and commencement.**—(1) This order may be called the Maximum Permissible Radiation Leakage Levels for Source Housings of Telegramm Units Order, 1972.

(2) It extends to the whole of India.

(3) It shall come into force at once.

2. **Definitions.**—In this order, unless the context otherwise requires, words and expressions used in this order and not defined but defined in the Radiation Protection Rules, 1971, shall have the meanings respectively assigned to them in the said Rules.

3. **Dose rate of the leakage radiation for the source housings of telegamma units with the useful beam cut off.**—For source housing of telegamma units with the useful beam cut off, the dose-rate of the leakage radiation shall be such that—

(a) at a distance of one metre from the surface of the source housing,—

(i) the maximum dose-rate in any direction does not exceed ten milliroentgens per hour; and

(ii) the average dose-rate does not exceed two milliroentgens per hour;

(b) in the case of housings for sources with a useful beam dose-rate of more than or equal to one hundred roentgens per hour at a distance of one metre from the source—

(i) the maximum dose-rate at a distance of five centimetres from any point on the source housing in any direction does not exceed one hundred milliroentgens per hour; and

(ii) the average dose-rate at a distance of five centimetres from any point on the source housing does not exceed twenty milliroentgens per hour;

(c) in the case of housings for sources with a useful beam dose-rate of less than one hundred roentgens per hour at a distance of one metre from the source—

(i) the maximum dose-rate at a distance of five centimetres from any point on the source housing in any direction does not exceed two hundred milliroentgens per hour; and

(ii) the average dose-rate at a distance of five centimetres from any point on the source housing does not exceed forty milliroentgens per hour.

4. **Dose-rate of the leakage radiation for the source housing telegamma units with the useful beam on.**—For source housings of telegamma units with the useful beam on, the dose-rate of the leakage radiation shall be such that—

(a) in the case of source housings for sources with a useful beam dose-rate of not less than one hundred roentgens per hour at a distance of one metre from the source,—

(i) the dose-rate of leakage radiation at a distance of one metre from the source shall not exceed one roentgen per hour or 0.1 per cent of the useful beam dose-rate at a distance of one metre from the source, whichever is greater; and

(ii) the beam defining diaphragms shall not allow the transmission of more than five per cent of the useful beam dose rate;

(b) in the case of source housings for sources with a useful beam dose-rate of less than one hundred roentgens per hour at a distance of one metre from the source, the maximum dose-rates of leakage radiation shall be such as may be approved by the competent authority in each case, and such approval shall be obtained prior to the commissioning of such source housing.

[No. 6/2(4)/71-(P).]

A. S. RAO, Director.

Directorate of Radiation Protection.

परमाणु ऊर्जा विभाग

बम्बई, 9 फरवरी, 1972

क्र० प्र० 1056.—विकिरण संरक्षण नियम, 1971 के नियम 2 के खण्ड (ण) के अनुसरण में, निदेशक, विकिरण संरक्षण निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, एन०डीआर टेलीगामों एककों के स्रोत वेशन के लिए अधिकतम अनुज्ञेय विकिरण क्षरण स्तरों के लिए विनिर्देशों और मानों को विनिर्दिष्ट करते हुए निम्नलिखित आदेश बनाते हैं; अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारम्भ.**—(1) इस आदेश का नाम टेलीगामा एकक स्रोत वेशनार्थ अधिकतम अनुज्ञेय विकिरण क्षरण स्तर आदेश, 1971 होगा।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है।

(3) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

2. **परिभाषाएं.**—इस आदेश में जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, उन शब्दों और अभिव्यक्तियों के जो इस आदेश में प्रयुक्त की गई और परिभाषित नहीं की गई हैं किन्तु विकिरण संरक्षण नियम, 1971 में परिभाषित की गई हैं, वे ही अर्थ होंगे जो उनको उक्त नियमों में दिए गए हैं।

3. **जब उपयोगी किरण पुंज बन्द हो तब, टेलीगामा एककों के स्रोत वेशन के लिए क्षरण विकिरण की मात्रा दर.**—जब उपयोगी किरणपुंज बन्द हो तब टेलीगामा एककों के स्रोत वेशन के लिए क्षरण विकिरण की मात्रा दर ऐसी होगी कि :—

(क) स्रोत वेशन के तल से एक मीटर की दूरी पर—

(i) किसी भी दशा में अधिकतम मात्रा दर दस मिली रुन्टगेन से अधिक नहीं है, और

(ii) प्रतिघण्टा औसत मात्रा-दर दो मिली रुन्टगेन से अधिक नहीं है ;

(ख) स्रोत से एक मीटर की दूरी पर प्रतिघण्टा एक सौ रुन्टगेन से अधिक या बराबर मात्रा दर वाली

उपयोगी किरण पुंज वाले स्रोतों के लिए वेशन की दशा में :—

- (i) स्रोत-वेशन पर किसी भी स्थान से पांच सेंटीमीटर की दूरी पर अधिकतम मात्रा दर किसी भी दिशा में प्रतिघण्टा एक सौ मिली रून्टगेन से अधिक नहीं है ; और
- (ii) स्रोत वेशन पर किसी भी स्थान से पांच सेंटीमीटर की दूरी पर औसत मात्रा दर प्रतिघण्टा बीस मिली रून्टगेन से अधिक नहीं है ;
- (ग) स्रोत से एक मीटर की दूरी पर प्रतिघण्टा एक सौ रून्टगेन से कम मात्रा दर उपयोगी किरण पुंज वाले स्रोतों के लिए वेशन की दशा में,—
- (i) स्रोत वेशन पर किसी भी स्थान से पांच सेंटीमीटर की दूरी पर अधिकतम मात्रा दर किसी भी दिशा में प्रतिघण्टा दो सौ मिली रून्टगेन से अधिक नहीं है, और
- (ii) स्रोत वेशन पर किसी भी स्थान से पांच सेंटीमीटर की दूरी पर औसत मात्रा दर प्रतिघण्टा चालीस मिली रून्टगेन से अधिक नहीं है।

4. जब लाभदायक किरण पुंज चालू है तब, टेलीगामा एककों के स्रोत वेशन के लिए क्षरण विकिरण की मात्रा दर.—

जब लाभदायक किरण पुंज चालू है तब टेलीगामा एककों के स्रोत वेशन के लिए क्षरण विकिरण की मात्रा दर ऐसी होगी कि—

- (क) लाभदायक किरण पुंज वाले स्रोतों के लिए स्रोत की दशा में स्रोत से एक मीटर की दूरी पर प्रतिघण्टा एक सौ रून्टगेन से अन्यून मात्रा दर—
- (i) स्रोत से एक मीटर की दूरी पर क्षरण विकिरण की मात्रा दर प्रतिघण्टा एक रून्टगेन से या स्रोत से एक मीटर की दूरी पर उपयोगी किरण पुंज मात्रा दर के 0.1 प्रतिशत से इनमें से जो भी अधिक हो, अधिक नहीं होगी ; और
- (ii) डायफार्मों को परिनिश्चित करने वाला किरणपुंज उपयोगी किरण पुंज दर के पांच प्रतिशत से अधिक प्रेषण नहीं होने देगा ;
- (ख) ऐसे स्रोतों के लिए स्रोत-वेशन की दशा में जिनका स्रोत से एक मीटर की दूरी पर प्रतिघण्टा एक सौ रून्टगेन से कम उपयोगी किरण पुंज मात्रा दर है क्षरण विकिरण की अधिकतम मात्रा दर ऐसी होगी जो प्रत्येक दशा में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित की जाएं और ऐसा अनुमोदन ऐसे स्रोत वेशन को चालू करने से पूर्व अभिप्राप्त किया जाएगा।

[सं० फा० 6/2(4)/71-पी)]

ऐ० एस० राव, निदेशक,।

विकिरण बचाव निदेशालय

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING :

ORDER

New Delhi, the 16th February, 1972

S.O. 1057.—In pursuance of the directions issued under the provisions of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto the Central Govt. after considering the recommendation of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in all its language versions to be of the description specified against it each in column 6 of said Second Schedule

THE FIRST SCHEDULE

- (1) Sub Section (4) of the Sec. 12 and Sec. 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).
- (2) Sub Section (3) of Sec. 5 and Sec 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XI of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No	Title of the film	Length 35 mm	Name of the applicant	Name of the producer	Whether a Scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news & current events or a documentary film
1	2	3	4	5	6
1	Maharashtra News No 235	304.00M	Director of Publicity, Govt of Maharashtra, Bombay		Film dealing with news and current events (For release in Maharashtra Circuit only)

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली 16 फरवरी, 1972

एस० नो० 1057:—इसके साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म सलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्म को उसके सभी भाषाओं के रूपान्तरों सहित जिसका विवरण उनके सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है :—

प्रथम अनुसूची

- (1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37 वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16।
(2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 11वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि०मी०	आवेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म हैं या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमैन्ट्री फिल्म है।
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)	महाराष्ट्र समाचार संख्या 235	304.00 मीटर	प्रचार निदेशक, बम्बई।	महाराष्ट्र सरकार	समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल महाराष्ट्र सर्किट के लिये)।

[संख्या फ० 28/1/72-एफ० पी परिशिष्ट 1641]

S.O. 1058.—In pursuance of the directions issued under the provisions of each of the enactments specified in the First Schedule annexed hereto, the Central Govt. after considering the recommendations of the Film Advisory Board, Bombay hereby approves the film specified in column 2 of the Second Schedule annexed hereto in Gujarati to be of the description specified against it in column 6 of the said Second Schedule

THE FIRST SCHEDULE

- (1) Sub Section 4 of the Sec. 12 and Sec. 16 of the Cinematograph Act, 1952 (Central Act XXXVII of 1952).
(2) Sub Section (3) of Sec. 5 and Sec. 9 of the Bombay Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Bombay Act XVII of 1953).
(3) Sub Section (4) of Sec. 5 and Sec. 9 of the Saurashtra Cinemas (Regulation) Act, 1953 (Saurashtra Act XVII of 1953).

THE SECOND SCHEDULE

S. No.	Title of the film	Length 35mm	Name of the applicant	Name of the producer	Whether a scientific film or a film intended for educational purposes or a film dealing with news and current events or a documentary film.
1	2	3	4	5	6
1	Mahitichitra No. 270-05M 146		Director of Information, Govt. of Gujarat, Ahmedabad		Film dealing with news and current events (For release in Gujarat Circuit only)

[No. F. 28/1/72-FP App. 1642.]

(K. K. K HAN Under Secy.

एत० अ० 1058:—इस ० साथ लगी प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम के उपबन्ध के अन्तर्गत जारी किये गये निदेश के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, फिल्म मलाहकार बोर्ड, बम्बई को सिकारियों पर विचार करने के बाद, एतद्वारा, इसके साथ लगी द्वितीय अनुसूची के कालम 2 में दो गई फिल्म को उसके गुजरान भाषा ब्यंगारो सहित जिनका विवरण उक्त सामने उक्त द्वितीय अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है : —

प्रथम अनुसूची

- (1) चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37वां केन्द्रीय अधिनियम) की धारा 12 की उपधारा (4) तथा धारा 16
- (2) बम्बई सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17 वां बम्बई अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (3) तथा धारा 9।
- (3) सौराष्ट्र सिनेमा (विनियम) अधिनियम 1953 (1953 का 17वां सौराष्ट्र अधिनियम) की धारा 5 की उपधारा (4) तथा धारा 9।

द्वितीय अनुसूची

क्रम संख्या	फिल्म का नाम	लम्बाई 35 मि०मी०	अ.वेदक का नाम	निर्माता का नाम	क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा सम्बन्धी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमैन्ट्री फिल्म है
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
(1)	महितिचित्रा संख्या 146	270.05 मीटर	सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, अहमदाबाद।		समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म (केवल गुजरात सर्किट के लिये)

[क० संख्या: 28/1/72-एफ रो परिशिष्ट/642]

क० क० आ, अवर सचिव।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 15th February 1972

S.O. 1059.—In pursuance of clause (1) of article 239 of the Constitution, the President hereby directs that the Administrator of each of the Union territory of Arunachal Pradesh and Mizoram, shall in relation to the Union territory concerned, discharge the functions of the Central Government,—

- (i) under section 5 of the Passport (Entry into India) Act, 1920 (34 of 1920);
- (ii) under rules 2 and 4 of the Passport (Entry into India) Rules, 1950;
- (iii) under rule 3 of the Registration of Foreigners Rules, 1939;
- (iv) in making orders of the nature specified in clauses (a), (b), (c), (cc), (d), (e) and (f) of sub-section (2) of section 3 of the Foreigners Act, 1946 (31 of 1946); and
- (v) under the Foreigners Order, 1948; subject to the following conditions, namely:—
 - (a) that in the exercise of such functions the said Administrator shall comply with such general or special directions as the Central Government may, from time to time, issue; and
 - (b) that notwithstanding the directions contained in this notification, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[No. 11013/1/72-F.I.]

B. R. PATEL, Jt. Secy.

New Delhi, the 19th February 1972

S.O. 1060.—Whereas under section 2 of the Bengal Police Act, 1869 (Bengal Act VI of 1869), the State Government of Maghalaya has constituted a separate General Police District (comprising the area of European Ward within the Municipality of Shillong) to be known as the Central Shillong General Police District;

And whereas by the notification of the Government of Meghalaya No. HPL 13/72/1 dated the 21st January, 1972, the functions of the State Government of Meghalaya under the said Act and the Police Act, 1861 (5 of Meghalaya No. HPL 13/72/1 dated the 21st January, 1972) ment under article 258A of the Constitution;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the second paragraph of section 4 of the Police Act, 1861 (5 of 1861), the Central Government hereby appoints Shri Kabil Ali, Deputy Superintendent of Police, Assam Police, as District Superintendent of Police for the Central Shillong General Police District with effect from the date on which he assumes charge of the aforesaid office of the District Superintendent of Police.

[No. 18/2/72-GPA.I.]

PREM PRAKASH, Under Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली 19 फरवरी, 1972

क० अ० 1060:—यत बंगाल पुलिस अधिनियम 1869 (1869 का बंगाल अधिनियम, VII की धारा 2 के

अधीन मेवालय को राज्य सरकार ने ए० ए० अलग सामान्य पुलिस जिला गठित किया है (जिसमें शिलांग की नगरपालिका के भीतर यूरोपीय वाई का क्षेत्र होगा) जिसे मध्यवर्ती शिलांग सामान्य पुलिस जिला कहा जायेगा ;

और यतः मेवालय सरकार की तारीख 21 जनवरी, 1972 की अधिसूचना सं० ए० पी० ए० 13/72/1 द्वारा उक्त अधिनियम, तथा पुलिस अधिनियम, 1861 (1861 का 5) के अधीन मेवालय के राज्य सरकार के कृत्यों को संविधान के अनुच्छेद 258 क के अधीन केन्द्रीय सरकार को सौंपा जायेगा ।

अतः अब पुलिस अधिनियम, 1861 (1861 का 5) की धारा 4 के पैराग्राफ 2 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा असम पुलिस के पुलिस उपअधीक्षक श्री काबिल अली को मध्यवर्ती शिलांग सामान्य पुलिस जिले के लिए जिला पुलिस अधीक्षक के रूप में, यह पद ग्रहण करने की तारीख से, नियुक्त करती है ।

[सं० फा 18/2/72-जी० पी० ए० (1)]

प्रेस प्रकाश, अवसर सचिव ।

New Delhi, the 22nd February 1972

S.O. 1061.—In pursuance of clause (b) of rule 2 of Citizenship Rules, 1956 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. 10/3/56-IC, dated the 9th October, 1956, the Central Government hereby appoints each of the officers specified in column 1 of the Schedule hereto annexed to perform in the State of Rajasthan the functions of the Collector under the said rules in respect of the area specified against him in the corresponding entry in column 2 thereof.

THE SCHEDULE

Designation of officer	Area
1. Sub-Divisional Magistrate, Ajmer.	Ajmer Sub-Division except Ajmer Municipality area.
2. City Magistrate, Ajmer	Ajmer Municipality area.
3. Sub-Divisional Magistrate, Beawar.	Beawar Sub-Division.
4. Sub-Divisional Magistrate, Kekri.	Kekri Sub-Division.
5. Sub-Divisional Magistrate, Kishangarh.	Kishangarh Sub-Division.

[No. 20013/1/72-L.C.]

C. L. GOYAL, Under Secy.

नई दिल्ली 22 फरवरी, 1972

का० आ० 1061.—नागरिकता नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (ख) के अनुसरण में और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 10/3/56-आई०सी०, तारीख 9 अक्तूबर, 1956 को अधिकांश करते हुए, केन्द्रीय सरकार, इससे उपाबद्ध

अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट अधिकारी को, राजस्थान राज्य में, उसके स्तम्भ 2 में तत्स्थानी प्रविष्टि में उसके सामने विनिर्दिष्ट क्षेत्र के बारे में, उक्त नियमों के अधीन कलेक्टर के कृत्यों का पालन करने के लिए, एतद्वारा नियुक्त करती है ।

अनुसूची

अधिकारी का पदविधान	क्षेत्र
1 उपखंड मजिस्ट्रेट, अजमेर	अजमेर नगरपालिका क्षेत्र के सिवाय अजमेर उपखंड
2 शहर मजिस्ट्रेट, अजमेर	अजमेर नगरपालिका क्षेत्र
3 उपखंड मजिस्ट्रेट, बीवार	बीवार उपखंड
4 उपखंड मजिस्ट्रेट, केकरी	केकरी उपखंड
5 उपखंड मजिस्ट्रेट, किशनगढ़	किशनगढ़ उपखंड

[संख्या 20013/1/72-आई०सी०]

सी० एल० गोयल, अवसर सचिव ।

New Delhi-1, the 14th March, 1972

S.O. 1062.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby entrusts to the Governments of Manipur and Tripura, with their consent, the functions of the Central Government (i) under section 5 of the Passport (Entry into India) Act, 1920 (34 of 1920); (ii) under rules 2 and 4 of the Passport (Entry into India) Rules, 1950; (iii) under rule 3 of the Registration of Foreigners Rules, 1939; (iv) in making orders of the nature specified in clauses (a), (b), (c), (cc), (d), (e) and (f) of sub-section (2) of section 3 of the Foreigners Act, 1946 (31 of 1946) and (v) under the Foreigners Order, 1948, subject to the following conditions, namely:—

- that in the exercise of such functions the said Governments shall comply with such general or special directions as the Central Government may from time to time issue; and
- that notwithstanding this entrustment, the Central Government may itself exercise any of the said functions should it deem fit to do so in any case.

[No. 11013/1/72-(I)-F.I.]

S.O. 1063.—In exercise of the powers conferred by clause (1) of article 258 of the Constitution and of all other powers enabling him in this behalf, the President hereby entrusts to the Governments of Manipur and Tripura, with their consent, the functions of the Central Government (i) for obtaining an indemnity bond in respect of a foreigner entering India; (ii) for taking any action under the terms and conditions of the bond; and (iii) for incurring any expenditure on the foreigner and his family during their residence in India and on their repatriation out of India, subject to the following conditions, namely:—

- that in the exercise of such functions the said Governments shall comply with such general or special directions as the Central Government may from time to time issue; and

(b) that notwithstanding this entrustment, the Central Government may itself exercise the said functions should it deem fit to do so in any case.

[No. 11013/1/72-(II)-F.I.]

R. A. S. MANI, Dy. Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATION

(P. & T. Board)

New Delhi, the 22nd February 1972

S.O. 1064.—In exercise of the powers conferred by section 21 of the Indian Post Office Act, 1898 (6 of 1898), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Post Office Rules, 1933, namely:—

(1) These rules may be called the Indian Post Office (Sixth Amendment) Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 17 of the Indian Post Office Rules, 1933, a clause (7) the proviso shall be omitted.

[No. 4-1/72-CI.]

P. S. RAGAVACHARI,
Director (Postal Tech.)

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1972

क्र० आ० 1064.—भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 (1898 का 6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय डाकघर नियम, 1933 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

(1) इन नियमों का नाम भारतीय डाकघर (छठा संशोधन) नियम, 1972 होगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय डाकघर नियम, 1933 के नियम 17 की धारा (7) में दिए परन्तुक को हटा दिया जायेगा।

[सं० 4-1/72-सी-1]

पी० एस० राघवाचारी,

निदेशक डाक तकनीकी।

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

New Delhi, the 20th December 1971

In the matter of Charitable Endowments Act, 1890

AND

In the matter of "The L. V. Mandke Prize Fund in connection with the Diploma in Education Examination for Primary Teachers for Men".

S.O. 1065.—Whereas a Scheme for an Endowment Fund known as the L.V. Mandke Prize Fund in connec-

tion with the Final Marathi Primary Teachers' Certificate Examination for Men had been settled and published, with the notification of the late Government of Bombay in the Department of Education and Industries No. 7953, dated the 18th February, 1948;

And whereas under the Scheme, a cash prize of rupees thirty-two was to be awarded annually to a candidate who secured the highest number of marks in subjects in which common test is applied at the Final Primary Training College Certificate Examination for (men) held by the Education Department for all the Government and recognised primary training institutions (for men) in the province of Bombay, and another cash prize of rupees fifteen was to be awarded annually to the candidate who secured the highest number of marks in Mathematics also at the said Final Primary Training College Certificate Examination.

And whereas under the Scheme, the properties of the Fund had originally vested in the Treasurer of Charitable Endowments for the Province of Bombay and the Director of Public Instruction, Bombay Province, Poona, had originally been appointed the administrator of the income accruing from the Fund;

And whereas by the Government of India in the Ministry of Home Affairs Notification No. F. 24/8/56-Judicial-II(i), dated the 19th January, 1959, the properties of the Fund for the purposes of the Scheme came to be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India;

And whereas consequent on the re-organisation of States in 1956, some areas of the adjoining States were merged with the State of Bombay, and again, on the bifurcation of the reorganised State of Bombay in 1960, some of its areas were transferred to the State of Gujarat;

And whereas consequent on the change in syllabus, the Primary Teachers Certificate Examination has been changed into Diploma in Education Examination for Primary Teachers;

And whereas consequent on the change in designation, the Director of Public Instruction, Bombay Province, Poona, is now called the Director of Education, State of Maharashtra, Poona:

And whereas the Director of Education, State of Maharashtra, Poona, acting in the administration of the said Fund, has under clause (a) of sub-section (1) of Section 6 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), made an application that the Scheme be suitably modified for and in connection with the changes aforesaid and the same have been recommended by the Government of Maharashtra;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government, with the concurrence of the Government of Maharashtra and the Director of Education, State of Maharashtra, acting in the administration of the said Fund, hereby makes the following amendments in the said Scheme and under sub-section (3) of the said section 5 appoints the date of this notification in the Official Gazette as the date on which the Scheme as so modified shall come into operation, namely:—

In the said Scheme,—

(i) for paragraph 1, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"1. The Endowment Fund shall be known as "The L. V. Mandke Prize Fund in connection with the Diploma in Education Examination for Primary Teachers for Men";

(ii) in paragraph 2, for the words "Director of Public Instruction, Bombay Province, Poona", the words "Director of Education, State of Maharashtra, Poona" shall be substituted;

(ii) for paragraphs 3 and 4, the following paragraphs shall be substituted, namely:—

“3. From out of the income from the said Fund, two prizes shall be awarded in the following manner, namely:—

(a) a cash prize of rupees thirty-three to be known as “The L. V. Mandke Efficiency Prize” shall be awarded annually to the successful male candidate who secured the highest percentage of marks among the successful candidates appearing for the Diploma in Education for Primary Teachers for men in the subjects in which a common test is applied at the said examinations held by the State Education Department for all the Government and recognised Primary Teachers’ Training Colleges (for men) in the State of Maharashtra.

Explanation.—The expression “highest percentage of marks” shall mean the aggregate percentage obtained by the candidate in all subjects except the hand-work, practical work and certified subjects, such as, drawing, music and physical training;

(b) a cash prize of the value of rupees fifteen to be known as “The L. V. Mandke Mathematics Prize” shall be awarded annually to the successful male candidate who secures the highest percentage of marks in Mathematics among the successful candidates at the examination referred to in sub-paragraph (a).

3A. Any surplus amount left over in a particular year shall be added to the corpus of the said Fund.

4. The Trust shall operate in respect of any other examination or examinations by which the said Diploma in Education Examination for Primary Teachers for Men shall, with the approval of the Government of Maharashtra, be replaced and in respect of such other purposes of a like nature or in the furtherance of the intent specified, as may, at any time seem proper to the Government of India.”

[No. F. 7-2/70-Schools-I.]

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1971

पूर्व अक्षयनिधि अधिनियम 1890 के विषय में तथा पुरुषों के लिए प्राथमिक अध्यापकों के हेतु शिक्षा परीक्षा में “डिप्लोमा” से सम्बन्धित “एल०वी० मांडके पुरस्कार फण्ड” के विषय में।

का०आ० 1059.—जबकि भूतपूर्व बम्बई सरकार के शिक्षा तथा उद्योग विभाग को अधिसूचना संख्या 7953 के अन्तिम दिनांक 18 फरवरी, 1948 के द्वारा पुरुषों के लिए अन्तिम मराठी प्राथमिक अध्यापक प्रमाण पत्र परीक्षा को अक्षय निधि के लिये एक योजना के रूप में तय किया गया और उसे प्रकाशित किया गया और जबकि योजना के अन्तर्गत बम्बई प्रान्त में सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त प्राथमिक प्रशिक्षण संस्थानों (पुरुषों के लिए) के लिए शिक्षा विभाग द्वारा (पुरुषों के लिए) संचालित अन्तिम प्राथमिक प्रशिक्षण कालेज प्रमाण पत्र परीक्षा में जिसमें ऐसे विषयों में सामान्य परीक्षा होती है, सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को 32 रु० का वार्षिक नकद पुरस्कार दिया जाता है और उक्त अन्तिम प्राथमिक प्रशिक्षण कालेज प्रमाण पत्र परीक्षा में भी प्रार्थी को जिसने गणित में सबसे

अधिक अंक प्राप्त किए हैं प्रत्येक वर्ष पन्द्रह रुपये का दूसरा पुरस्कार दिया जाना था।

और जबकि योजना के अन्तर्गत बम्बई प्रान्त और शिक्षा निदेशक, बम्बई प्रान्त पूना के लिए जो मूलतः फण्ड से ली हुई आय के प्रशासक नियुक्त किए गए थे, फण्ड का स्वामित्व मूलतः अक्षय-निधि के कोषपाल के हाथ में था,

और जबकि भारत सरकार द्वारा गृह मन्त्रालय की अधिसूचना सं० एफ० 24/8/56—कानूनी II (1) दिनांक 19 जनवरी, 1959 में योजना के लिए फण्ड का स्वामित्व भारत की अक्षय निधि को कोषपाल को सौंप दिया गया,

और जबकि 1956 में राज्यों के पुनर्गठन होने पर राज्यों में लगे हुए कुछ क्षेत्र बम्बई राज्यों में मिला दिए गए थे, और फिर 1960 में पुनर्गठित बम्बई राज्य के दिशा-चन पर कुछ क्षेत्र गुजरात राज्य को स्थानान्तरित कर दिए गए थे।

और जबकि पाठ्यचर्या में परिवर्तन होने पर प्राथमिक अध्यापक प्रमाण-पत्र परीक्षा प्राथमिक अध्यापकों के लिए शिक्षा परीक्षा के डिप्लोमा में परिवर्तित कर दी गयी है,

और जबकि सब में परिवर्तन होने पर जन शिक्षा निदेशक बम्बई, प्रान्त पूना अब शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य पूना कहे जाते हैं,

और जबकि अक्षयनिधि अधिनियम 1890 (1890 के 6) के खण्ड 6 के उपखण्ड (के) के अधीन शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य पूना उक्त खण्ड फण्ड के प्रशासन के कार्यकारी ने आवेदन किया है कि उपर्युक्त परिवर्तनों के सम्बन्ध में और जिसकी महाराष्ट्र सरकार ने सिफारिश की है, योजना का संशोधन किया जाए,

अब अतः, अक्षय निधि अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 5 के उपखण्ड (2) द्वारा दिए गए अधिकारों के अनुसार केन्द्रीय सरकार, महाराष्ट्र सरकार और उक्त निधि (फण्ड) के प्रशासन कार्यकारी शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र सरकार की सहमति से उक्त खण्ड—5 के उपखण्ड (3) के अन्तर्गत सरकार राजपत्र में इस अधिसूचना की उस तिथि का निर्धारण करता है जिस तिथि पर योजना का संशोधन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे अर्थात् :—

उक्त योजना :—

(1) पैरा-1 के लिए, निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थानी होगा अर्थात् :—

“1. अक्षयनिधि फण्ड” एल०वी० मांडके पुरस्कार फंड से सम्बन्धित पुरुष प्राथमिक अध्यापकों के लिए शिक्षा परीक्षा में “डिप्लोमा” माना जाएगा,

(2) पैरा-2 में (“जन शिक्षा निदेशक, बम्बई प्रान्त पूना” शब्दों के एवज शिक्षा-निदेशक महाराष्ट्र राज्य पूना” होगा।

- (3) पैरा-3 और 4 के लिए निम्नलिखित पैरे प्रस्थापित किए अर्थात्:—

“3. उक्त फण्ड की आय में से निम्नलिखित रूप में दो पुरस्कार दिये जाएंगे, अर्थात्:—

- (क) “एल० बी० मांडके कार्य कुशलता पुरस्कार” के रूप में माना गया। तैंतीस रुपये का नकद पुरस्कार उस सफल पुरुष प्रार्थी को जिसने महाराष्ट्र राज्य में (पुरुषों के लिए) जहां सामान्य परीक्षा लागू है और उक्त परीक्षा पर राज्य शिक्षा विभाग द्वारा सभी सरकार और मान्यता प्राप्त प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण कालेजों के पुरुषों के लिए प्राथमिक अध्यापक हेतु शिक्षा के डिप्लोमा में सफलता प्राप्त प्रार्थियों में से सबसे अधिक प्रतिशत अंक लिए हैं, उसे प्रत्येक वर्ष पुरस्कार दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण :—“सबसे अधिक प्रतिशत अंकों” का अर्थ है कि प्रार्थी ने, हस्त कार्य, व्यवहारिक कार्य और प्रमाणित विषय अर्थात्, इाईंग, संगीत और शारीरिक प्रशिक्षण विषयों के अलावा सभी विषयों में कुल प्रतिशतता प्राप्त की थी।

(ख) उप पैरा (क) के सन्दर्भ की परीक्षा में “एल० बी० मांडके गणित पुरस्कार के रूप में माने जाने वाला पन्द्रह रुपये के मूल्य का नकद पुरस्कार सफल पुरुष प्रार्थी को जिसने सफल प्रार्थियों में से गणित में सबसे अधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उसे प्रत्येक वर्ष दिया जाएगा।

3. क किसी विशेष वर्ष में बचा हुआ शेष धन उक्त फण्ड के संग्रह में जोड़ दिया जाएगा।

4. न्यास किसी ऐसी अन्य परीक्षा अथवा परीक्षाओं का संचालन करेगा, जिससे महाराष्ट्र सरकार की स्वीकृति, पुरुषों के लिए, प्राथमिक अध्यापकों की उक्त शिक्षा परीक्षा के डिप्लोमा को बखला जाए और इसी प्रकार के ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए अथवा ऐसे निर्धारित उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए, जिनको भारत सरकार किसी भी समय ठीक समझे।

[सं० एफ० 7-2/70-स्कूल-1]

In the matter of Charitable Endowments Act, 1890

AND

In the matter of “The Miss Manikbai Shinde Prize Fund in connection with the Diploma in Education Examination for Primary Teachers”.

S.O. 1066.—Whereas a Scheme for an Endowment Fund known as the Miss Manikbai Shinde Prize Fund in connection with the Primary Teachers' Certificate Examination had been settled and published with the notification of the late Government of Bombay in the Department of Education and Industries No. 8880, dated the 22nd June, 1949;

And whereas under the Scheme, a prize was to be awarded annually to a girl student who stood first in the Primary Teachers' Certificate Examination in the Bombay Province;

And whereas under the Scheme, the properties of the Fund had originally vested in the Treasurer of Charitable Endowments for the province of Bombay and the Director of Public Instruction, Bombay Province, Poona, had originally been appointed the administrator of the income accruing from the Fund;

And whereas by the Government of India in the Ministry of Home Affairs Notification No. F.24/8/50-Judicial-II(1), dated the 19th January, 1959, the properties of the Fund for the purposes of the Scheme came to be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India;

And whereas consequent on the re-organisation of States in 1956, some areas of the adjoining States were merged with the State of Bombay, and again, on the bifurcation of the re-organised State of Bombay in 1960, some of its areas were transferred to the State of Gujarat;

And whereas consequent on the change in syllabus, the Primary Teachers' Certificate Examination has been changed into the Diploma in Education Examination for Primary Teachers;

And whereas consequent on the change in designation, the Director of Public Instruction, Bombay Province, Poona, is now called the Director of Education, State of Maharashtra, Poona;

And whereas the Director of Education, State of Maharashtra, Poona, acting in the administration of the said Fund, has, under clause (a) of sub-section (1) of Section 6 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), made an application that the Scheme be suitably modified for and in connection with the changes aforesaid and the same have been recommended by the Government of Maharashtra;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government, with the concurrence of the Government of Maharashtra and the Director of Education, State of Maharashtra, acting in the administration of the said Fund, hereby makes the following amendments in the said Scheme and under sub-section (3) of the said section 5 appoints the date of publication of this notification in the Official Gazette as the date on which the Scheme as so modified shall come into operation, namely:—

In the said Scheme,—

- (i) for paragraph 1, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“1. The Endowment Fund shall be known as “The Miss Manikbai Shinde Prize Fund in connection with the Diploma in Education Examination for Primary Teachers”;

- (ii) in paragraph 2, for the words “Director of Public Instruction, Poona”, the words “Director of Education, State of Maharashtra, Poona” shall be substituted;

- (iii) for paragraph 3, the following paragraphs shall be substituted, namely:—

“3. From out of the income accruing from the said Fund, a prize shall be awarded annually to a successful girl candidate who secures the highest percentage of marks from among the successful candidates appearing for the Diploma in Education Examination for Primary Teachers held by the State Education Department for all the Government and recognised Primary Teachers' Training Colleges in the State of Maharashtra.

Explanation.—The expression “highest percentage of marks” shall mean the aggregate percentage obtained by the candidate in all subjects except the handwork, practical work and certified subjects, such as, drawing, music and physical training.

3A. Any surplus amount left over in a particular year shall be added to the corpus of the said Fund”;

(iv) for paragraph 5, the following paragraph shall be substituted, namely:—

“5. The Trust shall operate in respect of any other examination or examinations by which the said Diploma in Education Examination for Primary Teachers shall, with the approval of the Government of Maharashtra, be replaced and in respect of such other purposes of a like nature or in the furtherance of the intent specified, as may, at any time seem proper to the Government of India.”.

[No. F.7-2/70-Schools-I.]

SMT. V. MULAY,
Dy. Educational Adviser.

पूर्त अक्षयनिधि अधिनियम 1890 के विषय में

और

“प्राथमिक अध्यापकों के लिए शिक्षा परीक्षा डिप्लोमा से सम्बन्धित कुमारी माणिक बाई शिंदे पुरस्कार फंड” के विषय में।

एस० नं० 1066.—जब कि भूतपूर्व बम्बई सरकार के शिक्षा तथा उद्योग विभाग की अधिसूचना सं० 8860 दिनांक 22 जून, 1949 द्वारा प्राथमिक अध्यापक प्रमाण-पत्र परीक्षा से संबंधित अक्षयनिधि फंड को कुमारी माणिक बाई शिंदे पुरस्कार फंड के रूप में एक योजना को तय किया गया और उसे प्रकाशित किया गया था।

और जब कि योजना के अन्तर्गत, एक छात्रा को जो बम्बई प्रान्त की प्राथमिक अध्यापक प्रमाण पत्र परीक्षा में प्रथम आई थी, उसे प्रत्येक वर्ष पुरस्कार दिया जाना था।

और जब कि योजना के अन्तर्गत, फंड का स्वामित्व मूलतः बम्बई प्रान्त और जन-शिक्षा निदेशक बम्बई प्रान्त पूना के लिए जो मूलतः फंड से हुई आय के प्रशासक नियुक्त किए गए थे, फंड का स्वामित्व मूलतः अक्षयनिधि के कोषपाल के हाथ में था।

और जब कि भारत सरकार द्वारा गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० एफ 24/8/56—कानूनी II(1) दिनांक 19 जनवरी, 1959 में योजना के लिए फंड का स्वामित्व भारत की पूर्त अक्षयनिधि के कोषाध्यक्ष को सौंप दिया गया।

और जब कि 1956 में राज्यों के पुनःगठन होने पर राज्यों से लगे हुए कुछ क्षेत्र बम्बई राज्य में मिला दिए गए थे, और फिर 1960 में पुनर्गठित बम्बई राज्य के विभाजन पर कुछ क्षेत्र गुजरात राज्य को स्थानान्तरित कर दिए गए थे।

और जब कि पाठ्यचर्या में परिवर्तन होने पर प्राथमिक अध्यापक प्रमाणपत्र परीक्षा प्राथमिक अध्यापकों के लिए शिक्षा परीक्षा डिप्लोमा में परिवर्तित कर दी गई है।

और जब कि पद में परिवर्तन होने पर जन शिक्षा निदेशक बम्बई प्रान्त पूना अब शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य, पूना कहे जाते हैं,

और जब कि अक्षयनिधि अधिनियम 1890 (1890 के 6) के खण्ड 6 के उपखण्ड (1) के खण्ड (क) के अधीन शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र राज्य, पूना उक्त फंड के प्रशासन के कार्यकारी ने आदेश

किया है कि उपर्युक्त परिवर्तनों के सम्बन्ध में और जिनकी महाराष्ट्र सरकार ने सिफारिश की है योजना का संशोधन किया जाए,

अब अतः अक्षयनिधि अधिनियम 1890 (1890 का 6) के खण्ड 5 के उप-खण्ड (2) द्वारा दिए गए अधिकारों के अनुसार केन्द्रीय सरकार महाराष्ट्र सरकार और उक्त निधि फंड के प्रशासन कार्यकारी शिक्षा निदेशक, महाराष्ट्र सरकार की सहमति से उक्त खण्ड 5 के उपखण्ड (3) के अन्तर्गत सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की उस तिथि का निर्धारण करता है जिस तिथि पर योजना का संशोधन किया गया था, निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे अर्थात् :—

उक्त योजना में,—

(1) पैरा 1 के लिए, निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थानी होगा, अर्थात् :—

“1 अक्षयनिधि फंड” कुमारी माणिक बाई शिंदे पुरस्कार फंड से संबंधित प्राथमिक अध्यापकों के लिए शिक्षा परीक्षा डिप्लोमा माना जाएगा”

(2) पैरा 2 में “जिन शिक्षा निदेशक पूना” शब्दों के एवज “शिक्षा निदेशक महाराष्ट्र राज्य पूना” होगा,

(3) पैरा 3 का प्रतिस्थानी निम्नलिखित पैरा होगा, अर्थात् :—

“3. उक्त फंड की आय में से महाराष्ट्र राज्य के प्राथमिक अध्यापकों के लिए सभी सरकारी राज्य शिक्षा विभाग और मान्यता प्राप्त प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण कालेजों द्वारा डिप्लोमा के लिए बैठने वाले सफल प्रार्थियों में से सफल बालिका प्रार्थी को जिसने सब से अधिक प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं प्रत्येक वर्ष पुरस्कार दिया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—सब से अधिक प्रतिशत अंकों का अर्थ है कि प्रार्थी ने हस्तकार्य, व्यवहारिक कार्य और प्रमाणित विषय अर्थात् ड्राइंग, संगीत और शारीरिक प्रशिक्षण विषयों के अलावा सभी विषयों में कुल प्रतिशत ता प्राप्त की थी।

3ए. किसी विशेष वर्ष में बचा हुआ शेष धन उक्त फंड के संग्रह में जोड़ दिया जाएगा”,

पैरा 5 का प्रतिस्थानी निम्नलिखित पैरा होगा, अर्थात् :—

“5. न्यास (ट्रस्ट) किसी ऐसी अन्य परीक्षा अथवा परीक्षाओं का संचालन करेगा, जिससे महाराष्ट्र सरकार की स्वीकृति से प्राथमिक अध्यापकों उक्त शिक्षा परीक्षा के डिप्लोमा को बदला जाए और इसी प्रकार के ऐसे अन्य प्रयोजनों के लिए अथवा ऐसे निर्धारित उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए, जिनको भारत सरकार किसी भी समय ठीक समझे।

[सं० एफ० 7-2/70-स्कूल-1]

श्रीमती वी० मूले,

उप शिक्षा सलाहकार।

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS
(Department of Petroleum)

New Delhi, the 24th January 1972

S.O. 1067.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 3111 dated 22nd July 1971 under sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the scheduled appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas, the Competent Authority, has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil and Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Line from Sanand 28 to Sanand 15

State : Gujarat

Dist : Mehsana

Taluka : Kalol

Village	S. No.	Hectare	Are.	P.	Are
JETHALAJ	504	0	1		32
	466	0	10		36
	467	0	6		10
	461	0	7		20
	459	0	0		50
	458	0	21		67
	457/2	0	4		51

[No. 11(4)/71-Lab.&Legis.]

पेट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय

(पेट्रोलियम विभाग)

नई दिल्ली, 24 जनवरी, 1972

का०आ० 1067.—यतः पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का०आ०स० 3111 तारीख 22-7-71 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमिओं के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बंधकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

सानन्द 28 से सानन्द 15 तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : मेहसाना

तालुका : कलोल

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए आर ई	पी ए आई ई
जैठालाज	504	0	1	32
	466	0	10	36
	467	0	6	10

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए आर ई	पी ए आई ई
	461	0	7	20
	459	0	0	50
	458	0	21	67
	457/2	0	4	51

[सं० 11(4)/71-लेबर एण्ड लेजिस]

S.O. 1068.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 3112 dated 22nd July, 1971 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas, the Competent Authority, has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the

right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

For Line from Tem. Old GGS III to Perm. New Gas III

State : Gujarat

Dist : Mehsana

Taluka : Kadi

Village	S. No.	Hectare	Are	P. Are
A MNAV PUR	127	0	12	80

[No. 11(4)/71-Lab. & Legis.]

का० प्रा० 1068.—यतः पेट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना का प्रा० 3112 तारीख 22-7-71 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट

भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनियम किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में, सभी बन्धकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निर्वाह होगा।

अनुसूची

8 अस्थाई पुराने जी जी एस-3 से स्थाई नये जी जी एस-3 तक पाइप लाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात

जिला : मेहसाना

तालुका : काडी

गांव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए आर ई	पी ए आर ई
जम्बवपुरा	127	0	12	80

[सं० 11(4)/71-लेबर एण्ड लेजिस]

S.O. 1069.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Chemicals (Department of Petroleum) S.O. No. 3113 dated 22nd July, 1971 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines;

And whereas, the Competent Authority, has under sub-section (1) of section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And, further, whereas, the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the

right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from all encumbrances.

SCHEDULE

FOR LINE FROM WELL NO. SANAND 32 TO W.H.I. AT SANAND 15

State : Gujarat

Distt : Mehsana

Taluka : Kalol

Village	S. No.	Hectare	Are	P. Are.
JETHALAJ	346	0	3	96
	345	0	8	05

[No. 11(4)/71-Lab. & Legls.]

B. R. PRABHAKAR, Under Secy.

क्रा० आ० 1069.—यतः पेट्रोलियम, पाइप लाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम तथा रसायन मंत्रालय (पेट्रोलियम विभाग) की अधिसूचना क्र० आ० म० 3113 तारीख 22-7-71 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः, सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट

भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और, आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में विहित होने के बजाय तेल और प्राकृतिक गैस प्रयोग में, सभी प्रवर्धकों से मुक्त रूप में, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

कुआं संख्या सानन्द 32 से सानन्द 15 पर डब्ल्यू० एच०। तक पाइपलाइन बिछाने के लिए

राज्य : गुजरात		जिला मेहसाना		तालुका कलोल	
गाव	सर्वेक्षण संख्या	हेक्टर	ए आर ई	पी ए आर ई	
जेठालाज	346	0	3.		96
	345	0	8		05

[सं० 11(4)/71-लेबर एण्ड लेजिस]

बी० आर० प्रभाकर, अवर सचिव।

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 29th March 1972

S.O. 1070.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 36 of the Indian Electricity Act 1910, and in continuation of Ministry of Irrigation and Power Notification No. EL.II.6(11)/65, dated 31st July 1971, the Central Government hereby appoints the Director (Commercial) Central Water and Power Commission (Power Wing), New Delhi, to be the Central Electrical Inspector for India Government Mint, Hyderabad.

[No. EL.II.6(11)/65.]

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1972

क्र० प्र० 1070.—भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 की धारा 36 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा सिंचाई और विद्युत मंत्रालय की अधिसूचना सं० ई०एल०-दो-6(11)/65, दिनांक 31 जुलाई, 1971 के अनुक्रम में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेशक (वाणिज्यिक), केन्द्रीय जल और विद्युत आयोग (विद्युत स्कन्ध), नई दिल्ली को भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद के लिए केन्द्रीय बिजली निरीक्षक नियुक्त करती है।

[सं० बिजली-दो-6(11)/65.]

ORDER

New Delhi, the 29th March 1972

S.O. 1071.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby directs that the provision of Rule 118(c) of the said rules shall be relaxed in respect of the use of 6.6 kV Russian Electric excavators Model KT-4/4.6 (8 Nos.) to be used in Rajahar Open Cast Mines and Model KT-4/4.6 (5 Nos.) to be used in Nandini Open Cast Mines of Bhilai Steel Plant of Hindustan Steel Ltd in addition to the relaxation already granted by the Deputy Director of Mines Safety (Elect.), Nagpur Electrical Circle, Nagpur, Maharashtra vide his letter No. E/65/808, dated 9th June 1971. Subject to the conditions stipulated in the said relaxation order.

[No. EL.II.6(9)/70.]

आदेश

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1972

एस० प्र० 1071.—केन्द्रीय विद्युत नियमावली, 1956 के नियम 133 के उप नियम (2) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि राजहार ओपन कास्ट माइन्स में प्रयुक्त किये जाने वाले 6.6 किलोवाट रूसी विद्युत उत्खनक माडल KT 4/4.6 (8 सं०) और हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड के भिलाई इम्प्लांट संयंत्र के नदिनी ओपन कास्ट माइन्स में प्रयुक्त किये जाने वाले माडल KT 4/4.6 (5 सं०) के प्रयोग के संबंध में, उप निदेशक, खान-सुरक्षा (विद्युत), नागपुर विद्युत अंचल, नागपुर, महाराष्ट्र के द्वारा उनके पत्र सं० 5/65/808 दिनांकित 9 जून, 1971 द्वारा पहले ही स्वीकृत शिथिलीकरण के अतिरिक्त उक्त शिथिलीकरण

आदेश में अनुबद्ध शर्तों के अधीन उक्त नियमावली के (1) नियम 118 (ग) के उपबन्ध में शिथिलता लायी जायेगी।

[सं० ई एल० दो-6(9)/70]

New Delhi, the 7th April 1972

S.O. 1072.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby directs that the provisions of:—

- (i) Rule 118 (a)
- (ii) Rule 119 (1) (a)
- (iii) Rule 118 (c)
- (iv) Rule 130 and
- (v) Rule 123 (7)

of the said rules shall be relaxed in respect of the use of the following apparatus in conjunction with one 3.3 KV Russian Electric Excavator, Model EKG-4, Serial No. 2/3-414

One 100 Amps 6.6 KV oil circuit breaker without fitted with any cover load protection made in U.S.S.R. Serial No. 200.

One 250 H.P. 3:3 K.V. U.S.S.R., make Motor, Serial No. 135469.

One 30 KVA/3.3 KV 230 volts 3 phase star transformer, neutral of 230 volts insulated, type TM 330/6T.

One length of 330 metres, 6,000 volts grade, four core, 3 x 25 sq. m.m. 1 x 10 sq. m.m. ground conductor not armoured with individual screen of sufficient current capacity made in U.S.S.R. Russian standard Cost 9388—60 flexible trailing cable with one 40 Amps 3:3 KV Reyrolle Oil circuit breaker serial No. 20 SF 519.

In Gidi 'C' Colliery open cast mine of Gidi 'C' Colliery of M/s. National Coal Development Corporation limited to the extent that (1) in relation of rule 118 (a), the portable motor driving generator set in the shovel may be used at 3.3 KV (2) in relaxation of Rule 119(1) (a), One 30 KVA, 3.3 KV/230 volts 3 phase star/star Transformer with its associated equipment using energy at high voltage may not be fixed apparatus as being installed on the portable shovel moving from place to place, the same having a portable sense, (3) in relaxation of rule 118(c) the 125 volts system of supply intended for use for lighting purposes within the shovel from 30 KV 3.3 KV/230 volts 3 phase transformer one transformer having the neutral of the secondary insulated and as such the voltage of the system being obtained between a phase and insulated neutral and not being phases as contemplated in rule 118 (c) the 125 volts system of supply is specially considered and may be used (4) in relaxation of rule 130, the neutral point of 30 KVA 3.3 KV/230 volts 2 phase transformer may remain insulated and (5) in relaxation of rule 123(7), the flexible cable not exceeding 330 metres in length may be used with the portable machine and that the relaxation shall be subject to the following conditions:—

1. The 3.3 KV supply to the flexible cable should be provided with earth leakage protection.
2. The over current trips of the circuit breaker controlling 3.3 KV supply to the flexible cable shall be in keeping with the rating of the 3.3 KV motor driving the generator set, installed in the portable machine.
3. The installation and wirings inside the shovel shall comply with the relevant provisions of the Indian Electricity Rules, 1956, in particular Rules 115-117, 121, 124 and 125.
4. The flexible trailing cable should be connected to the electric supply system and the machine

by properly constructed connector boxes or totally enclosed safe attachments.

5. The excavating machine alongwith the flexible trailing cable shall be worked and handled with due care so as to avoid damage arising out of any electrical defect or in the use. The insulation resistance of the high voltage circuit including the driving motor, shall at no time be less than 10 megohms.
6. The operators of the shovel shall be trained and authorized for operating the shovel with competency and due care to avoid danger.
7. The unarmoured flexible cable supplied by the manufacturers shall be replaced by pliable armoured flexible cable of adequate current carrying capacity at an early date under intimation to the Central Government through the Electrical Inspector of Mines.

Provided that the aforesaid relaxation shall be valid for such time as the said machine is in use in the mine and due information shall be given to the Central Government through the Electrical Inspector of mines as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. EL. II-6(9)/71.]

M. RAMANATHAN,

Dy. Director (Power)

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1972

एस० आ० 1072.—भारतीय बिजली नियमावली 1956 के नियम 133 के उप नियम (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त नियमावली के

- (1) नियम 118 (क)
- (2) नियम 119 (1) (क)
- (3) नियम 118 (ग)
- (4) नियम 130 और
- (5) नियम 123 (7)

के उपबंधों को एक 3.3 के० वी० रूसी इलेक्ट्रिक एक्सकेवेटर माडल ई० के० जी०-4 क्रम संख्या 2/3-414 के साथ-साथ निम्नलिखित उपस्कर के प्रयोग के संबंध में शिथिल किया जाए।

रूस में बना एक 100 एम्पीयर्स 6.6 के० वी० आयल सर्किट ब्रेकर क्रम संख्या 200 जिसमें कोई कवर लोड प्रोटेक्शन न लगा हो।

एक 250 हार्स पावर 3.3 के० वी०, यू० एस० एस० आर०, मेक मोटर क्रम संख्या 135469

एक 30 के० वी० ए० 13.3 के० वी० 230 वोल्ट 3 फेज स्टार ट्रांसफार्मर, न्यूट्रल, 230 वोल्ट, इन्सुलेटिड टाइप टी एम 33016 टी

एक 330 मीटर लम्बा, 6000 वोल्ट ग्रेड, चार कोर 3 X 25 की मिलिमिटर 1 : 10 वर्ग मिलिमिटर ग्राउंड कंडक्टर जिसका साथ पर्याप्त करंट क्षमता का एक अपना अलग स्क्रीन लगा हो निर्माणास्थान रूस। एक 40 एम्पीयर्स 3.3 के० वी० रेरोल

आयल सर्किट ब्रेकर क्रम संख्या 20 एस० एफ० 519 के साथ रशियन स्टैंडर्ड कास्ट 9388-60 ट्रेलिंग केबल।

गिडो 'सी' कोयला खान में, मेसर्स नेशनल कोल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड की गिडो 'सी', कोयला खान की ओपन कास्ट माइन में शिथिलीकरण इस प्रकार होगा :—(1) नियम 118 (क) का शिथिलीकरण करते हुए, शावल में सुवाह्य मोटर ड्राइविंग जेनरेटर सेट 3.3 के० वी० पर प्रयोग में लाया जाए, (2) नियम 119 (1) (क) का शिथिलीकरण करते हुए, उच्च वोल्टता पर ऊर्जा प्रयोग करने वाले अपने आनुषंगिक उपस्कर के साथ एक 30 के० वी० ए० 3.3 के० वी० 230 वोल्ट 3 फेज स्टार/स्टार ट्रांसफार्मर एक स्थान पर लगा उपस्कर नहीं होगा और एक सुवाह्य शावल पर लगाया जाए जो कि एक जगह से दूसरी जगह जाता रहे, और इसी का अर्थ सुवाह्य लगाया जाए; (3) नियम 118 (ग) का शिथिलीकरण करते हुए, 30 के० वी० ए० 3.3 के० वी० 230 वोल्ट 3 फेज ट्रांसफार्मर से शावल के भीतर प्रकाश करने के उद्देश्य से प्रयोग में लाने के लिए 125 वोल्ट प्रणाली सप्लाई—एक ट्रांसफार्मर जिसमें सेकन्डरी इन्सुलेटिड न्यूट्रल होगा और इस प्रकार प्रणाली की वोल्टता एक प्रावस्था के (न कि जसा नियम 118 (ग) में परिचालित है प्रावस्थाओं के) और इन्सुलेटिड न्यूट्रल के बीच प्राप्त होगी, 125 वोल्टता प्रणाली सप्लाई का विशेष रूप से खयाल किया गया है और इस प्रयोग में लाया जाए; (4) नियम 130 का शिथिलीकरण करते हुए, 30 के० वी० ए० 3.3 के० वी० 230 वोल्ट 2 फेज ट्रांसफार्मर का न्यूट्रल प्लाइंट इन्सुलेटिड रहे और (5) नियम 123 (7) का शिथिलीकरण करते हुए, सुनम्य केबल जो 330 मीटर से अधिक लम्बा नहीं होगा, सुवाह्य मशीन के साथ प्रयोग में लाया जाए और शिथिलीकरण निम्नलिखित शर्तों पर होगा :—

- (1) सुनम्य केबल की 3.3 के० वी० सप्लाई के लिए भू रिसाव संरक्षण की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- (2) सुनम्य केबल की 3.3 के० वी० की सप्लाई पर नियंत्रण रखने वाले सर्किट ब्रेकर के ओवर करेंट ट्रिप्स, सुवाह्य मशीन में लगे जेनरेटर सेट को चलाने वाली 3.3 के० वी० मोटर की रेटिंग के साथ होंगे।
- (3) शावल के अन्वर इन्स्टालेशन और वायरिंग विस्तृत व्यासों को दृष्टि से, भारतीय विद्युत् नियमावली, 1956, के नियम 115-117, 121, 124 और 125 के संबंधित उपबन्धों के अनुसार होंगी।
- (4) सुनम्य ट्रेलिंग केबल ठीक तरीके से बनाए गये कनेक्टर बक्सों अथवा पूरी तरह से बन्द सेफ अटैचमेंट्स के द्वारा विद्युत् सम्भरण प्रणाली और मशीन के साथ लगाना चाहिए।
- (5) सुनम्य ट्रेलिंग केबल के साथ एक्सकेवेटिंग मशीन बड़े ध्यानपूर्वक चलाई जाएगी ताकि किसी बिजली सम्बन्धी खराबी अथवा प्रयोग में खराबी से होने वाली क्षति से बचा जा सके। उच्च वोल्टता सर्किट,

जिसमें ड्राइविंग मोटर शामिल है, का विसंवाहन रेजिस्ट्रेशन किसी भी समय 10 मेगाओल्स से कम नहीं होगा।

- (6) शावल के प्रचालकों को शावलों की बड़ी दक्षता पूर्वक और ध्यान से चलाने के लिए प्रशिक्षित तथा प्राधिकृत किया जाएगा ताकि कोई खतरा न रहे।
- (7) निर्माताओं द्वारा स्पलाई किया गया अकवचित सुनम्य केबल पर्याप्त करेन्ट वहन क्षमता की अनम्य कवचित सुनम्य केबल द्वारा, खानों के विद्युत् निरीक्षक के द्वारा केन्द्रीय सरकार को सूचित करते हुए, प्रतिस्थापित की जाएगी।

बशर्ते कि उपर्युक्त शिथिलीकरण उसी समय तक वैध रहेगा जब तक उस मशीन का प्रयोग खान में होता रहता है और ज्यों ही मशीन को खान से बाहर ले जाया जाएगा त्योंही उसके बारे में भारत सरकार को खानों के विद्युत् निरीक्षक के द्वारा सूचित कर दिया जाएगा।

[संख्या ई० एल०-बो 6(9)/71]

एम० रामनाथन्, उप निदेशक (विद्युत्)।

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

ERRATUM

New Delhi, the 2nd March 1972

S.O. 1073.—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Ispat Aur Khan Mantralaya) Department of Mines (Khan Vibhag) No. S.O. 3158-3159, dated the 24th August, 1971, published in Part II, Section 3 sub-section (ii) of the Gazette of India, Extra-ordinary dated the 24th August, 1971, at pages 2619 to 2621:—

(i) at page 2619:

In line 4, for "New Delhi, the 24th August 1971" read "New Delhi, the 19th August, 1971".

(ii) at page 2621:

(i) in line 16 for "village Farjara" read "village Jarjara";

(ii) in line 29, for plot No. "492" read plot No. "432".

[No. F.C.3-2(3)/71.]

N. S. BHATNAGAR, Dy. Secy.

इस्पात और खन मंत्रालय

(खान विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1972

एस० श्री० 1073.—भारत के राजपत्र, -साधारण तारीख 24 अगस्त, 1971 के भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में के पृष्ठ 2621 से 2625 तक प्रकाशित भारत सरकार, इस्पात और खान मंत्रालय,

खान विभाग की अधिसूचना संख्या का० आ० 3158-3156, तारीख 24 अगस्त, 1971 में :—

पृष्ठ संख्या 2621 पर

पंक्ति 4 में "नई दिल्ली, 24 अगस्त, 1971" के स्थान पर "नई दिल्ली, 19 अगस्त 1971" पढ़ा जाए।

[सं० फा० को० 3-2(3)/71]

एन० एस० भटनागर, उप सचिव।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 9th March 1972

S.O. 1074.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Road Transport Corporations Act 1950 (64 of 1950) the Central Government hereby appoints the first day of April, 1972, as the date on which the said Act shall come into force in the State of Uttar Pradesh.

[No. 24-T(13)/72.]

HARBANSH SINGH, Dy. Secy

शिवहरा तारा परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पत्र)

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1972

का० आ० 1074—सड़क परिवहन विगम अधिनियम 1950 (1950 का 64) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार ए. ए. ए. द्वारा अप्रैल 1972 की पहली तारीख को इस अधिनियम के उत्तर प्रदेश राज्य में लागू होने की तारीख के रूप में निश्चित करती है।

[सं० 24-टी (13)/72]

हरबंस सिंह, उप सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Banking)

New Delhi, the 16th February 1972

S.O. 1075.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of section 9 of the said Act shall not apply, till the 9th November, 1972 to the Hindustan Commercial Bank Ltd., Kanpur in respect of a property viz. a house No. 116/377 held by it Mohtasinganj, Allahabad.

[No. F.15(4)-BC/72.]

वित्त मंत्रालय

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1972

एस० श्री० 1075.—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषित करती है कि उक्त बैंक की धारा 9 के उपबन्ध, हिन्दुस्तान कमर्शियल बैंक लिमिटेड कानपुर द्वारा इलाहाबाद में मोहता सिंह गंज में धारित सम्पत्ति अर्थात् मकान नं० 116/377 के सम्बन्ध में उक्त बैंक पर, 9 नवम्बर 1972 तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या एफ० 15(4)-बी० सी०/72]

S.O. 1076.-

Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 11th February, 1972

Liabilities	Rs	Assets	Rs
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	13,91,34,000
Reserve Fund	1,50,00,00,000	Rupee Coin	5,35,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	190,00,00,000	Small Coin	2,81,000
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	39,00,00,000	Bills Purchased and Discounted :—	
		(a) Internal	23,66,26,000
		(d) External	
National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund	135,00,00,000	(c) Government Treasury Bills	33,65,01,000
		Balances Held Abroad	190,92,11,000
Deposits :—		Investments	75,74,32,000
(a) Government		Loans and Advances to :—	
(i) Central Government	223,10,49,000	(i) Central Government	
(ii) State Governments	16,24,83,000	(ii) State Governments	453,29,49,000
(d) Banks		Loans and Advances to :—	
(i) Scheduled Commercial Banks	242,89,22,000	(i) Scheduled Commercial Banks	215,65,99,000
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	9,01,05,000	(ii) State Co-operative Banks	296,15,67,000
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	81,37,000	(iii) Others	5,31,00,000
(iv) Other Banks	41,50,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund :—	
(c) Others	87,02,58,000	(a) Loans and Advances to :—	
Bills Payable	53,27,11,000	(i) State Governments	42,07,26,000
Other Liabilities	370,94,10,000	(i) State Co-operative Banks	20,79,62,000
		(iii) Central Bank Mortgage Banks	
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank	10,55,94,000
		DebenturesLoans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund :—	21,64,19,000
		Loans and Advances to State Co-operative Banks Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund :—	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	76,17,71,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	
		Other Assets	43,08,18,000
Rupees	1522,72,25,000	Rupees	1522,72,25,000

* Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities

** Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund
Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments

† Includes Rs 88,60,00,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

‡ Excluding loans and advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund

(SD.) R. K. HAZARI
Dy Governor

Dated the 16th day of February, 1972

An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act,

1934, for the week ended the 14th day of February, 1972.

ISSUE DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	13,91,34,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	46,47,70,34,000		(a) Held in India	182,53,11,000	
			(b) Held outside India	..	
TOTAL NOTES ISSUED		4661,61,68,000	Foreign Securities	23,65,78,000	
			TOTAL		421,18,49,000
			Rupee Coin		37,60,75,000
			Government of India Rupee Securities		4202,82,44,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper		..
TOTAL LIABILITIES		4661,61,68,000	TOTAL ASSETS		4661,61,68,000

(SD.) R. K. HAZARI
Dy Governor

[No.F.3(3)-BC/72.]

का० प्रा० 1070.— 11 फरवरी, 1972 की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयताएं	रुपये	आस्तियां	रुपये
युक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	13,91,34,000
आरक्षित निधि	130,00,00,000	रुपये का भिक्का	5,35,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	2,81,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	190,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :—	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	23,66,26,000
(स्थिरीकरण) निधि	39,00,00,000	(ख) विदेशी	..
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकार खजाना बिल	33,65,01,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	135,00,00,000	विदेशों में रखा हुआ बकया*	190,92,11,000
जमा राशियां :—		निवेश**	75,74,32,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	223,10,49,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	..
(ii) राज्य सरकारें	16,24,83,000	(i) राज्य सरकारों को†	453,29,49,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	242,89,22,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को@	215,65,99,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	9,01,05,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को†	296,15,67,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	81,37,000	(iii) दूसरों को	51,00,000
(iv) अन्य बैंक	41,50,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं)	
(ग) अन्य	87,02,58,000	निधि से ऋण और अग्रिम निवेश	
		(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	42,07,26,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	20,79,62,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	..
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	10,55,94,000
देय बिल	53,27,11,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
अन्य देयताएं	370,94,10,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	21,64,19,000
		राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण और अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	76,17,71,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों, डिबेंचरों में निवेश	..
		अन्य आस्तियां	43,08,19,000
	रुपये 1522,72,25,000		रुपये 1522,72,25,000

*भूकदी, अवधिक जमा और अल्पकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों के अस्थायी ओवर-ड्राफ्ट शामिल हैं।

@रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम की धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी मिलों पर अग्रिम दिये गये 88,60,00,000/- रुपये शामिल हैं।

†राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

तारीख : 16 फरवरी, 1972

(ह०) आर० के० हजारी, उप गवर्नर।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में फरवरी, 1972 की 11 तारीख को समाप्त हुए सप्ताहके लिए लेखा

इशू विभाग

देयताएं	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में रखे हुए नोट	13,91,34,000		सोने का सिक्का और वलियन :— (क) भारत में रखा हुआ .	182,53,11,000	
संचलन में नोट ⁷ .	4647,70,34,000		(ख) भारत के बाहर रखा हुआ .	..	
जारी किये गये कुल नोट .	4661,61,68,000		विदेशी प्रतिभूतियां	238,65,48,000	
			जोड़		421,18,49,000
			रुपये का सिक्का		38,60,75,000
			भारत सरकार की रुपया प्रति— भूतियां .		4202,82,44,000
			देशी विनियम बिल और दूसरे वाणिज्य-पत्र .		
कुल देयताएं	4661,61,68,000		कुल आस्तियां		4661,61,68,000

तारीख 16 फरवरी, 1972

(ह०) आर० के० हजारों,
उप गवर्नर ।

[सं० 3(3)-बी०सी०/72]

New Delhi, the 14th March, 1972

S.O. 1077.—In pursuance of sub-section (1) of section 53 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) the Central Government is pleased to direct that with effect from the 10th March, 1972 the following amendment shall be made in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, No. S.O. 1906 dated the 12th June, 1962, namely:—

In form 'A' annexed to the said notification, in the column relating to "Assets", after the item "(III) Central Land Mortgage Banks," under the Heading "Loans, advances and investments from National Agricultural Credit (Long term operations) Fund," the following item shall be inserted, namely,

(IV) "Agricultural Refinance Corporation"

[No. F. 3(9)-BC/72.]

K. YESURATNAM. Under Secy.

नई दिल्ली, 14 मार्च, 1972

एस० ओ० 1077:—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का दूसरा) की धारा 53 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार प्रसन्नतापूर्वक निदेश देती है कि 10 मार्च, 1972 से भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, अधिक कार्य

विभाग की 12 जून 1962 की अधिसूचना सं० का० आ० 1906 में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा अर्थात्:—

उपर्युक्त अधिसूचना से संलग्न प्रपत्र 'क' में "परिसम्पत्तियों" से सम्बन्धित कालम में मद "(III) केन्द्रीय भूमि बन्धक बैंक" के बाद "राष्ट्रीय कृषि श्रृण (दीर्घकालीन प्रवर्तन) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश" शीर्षक के नीचे निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी, अर्थात्:—

(1) "कृषि पुर्वित्त निगम"

[संख्या एफ० 3(9)-बैंकिंग कम्पनी/72]

के० येसुरत्नम, अवर सचिव ।

(Department of Banking)

New Delhi, the 17th February 1972

S.O. 1078.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of section 8 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), the Central Government hereby nominates Shri C. P. Srivastava, Chairman and Managing Director, Shipping Corporation of India, Steelcrete House, Dinshaw Wacha Road, Bombay-20 as a Director of the Central Board of the Reserve Bank of India.

[No. F. 3(6)-BC/72.]

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी 1972

एस० आ० 1078 :—भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 8 की उप-धारा (1) के खण्ड (ग) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा श्री सी० पी० श्रीवास्तव, अध्यक्ष और प्रबन्धक निदेशक, भारतीय जीवन निगम, स्टीलकॉट हाउस, दिनेश व चा, रोड, बम्बई-20 को भारतीय रिजर्व बैंक के केन्द्रीय बॉर्डर का निदेशक नामजद करती है।

[संख्या एफ० 3(6)-बी० सी०/72]

S.O. 1079.—In pursuance of the provisions of clause (d) of sub-section (1) of Section 6 of the Deposit Insurance Corporation Act, 1961 (47 of 1961), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby nominates Shri R. M. Mehta, Executive Director, Life Insurance Corporation of India, Bombay as a director of the Deposit Insurance Corporation for a period of two years.

[No. F. 10/1/72-ACL.]

D. N. GHOSH, Director.

एस० आ० 1079.—निक्षेप बीमा निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) के उपबन्धों के अन्तर्गत में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से, एन० द्वारा भारतीय जीवन बीमा निगम, बम्बई के कार्यकारी निदेशक श्री आर० एम० मेहता को दो वर्ष की अवधि के लिये निक्षेप बीमा निगम का निदेशक नामजद करती है।

[संख्या एफ० 10/1/72-ए० सी०-I]

डॉ० एन० घोष, निदेशक।

(Department of Banking)

New Delhi, the 17th February 1972

S.O. 1080.—In exercise of the powers conferred by section 53, read with section 56, of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sections 18 and 24 of the said Act shall not apply for a period of five years from the date of publication of this notification in the official Gazette, to the Hazaribagh, Giridih and Dhanbad Central Co-operative Banks (hereinafter collectively referred to as "the said banks") in so far as they relate to the percentages of cash reserves and assets therein respectively specified in respect of liabilities arising out of loans availed of by the said

banks from any Coal Mines Labour Welfare Fund Organisation set up as a body corporate by or under an Act of Parliament (hereinafter referred to as "the Fund.")

Provided that in computing the cash reserve under section 18, and the percentage of assets which the said banks are required to maintain under clause (a) of sub-section (2A) of section 24, respectively, of the said Act in respect of all other demand and time liabilities, the undistributed portion of the loans availed of from the Fund and the unremitted recoveries to the Fund on account of the borrowings from the Fund shall be excluded.

[No. F. 15-2/72-ACII.]

L. D. KATARIA, Dy. Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1972

आ० आ० 1080—बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10वा) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एन० द्वारा यह घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 18 और 24 के उपबन्ध, जहाँ तक कि उनका सम्बन्ध संसद् के अधिनियम के अधीन प्रथम उमके द्वारा निगम निकाय के रूप में स्थापित किसी कोयला खान श्रम कल्याण निधि संगठन (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'निधि' कहा गया है) से हजारीबाग, गिरिडीह और धनबाद केन्द्रीय सहकारी बैंकों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् सामूहिक रूप से "उक्त बैंक" कहा गया है) द्वारा उपयोग में लाये गये ऋणों से पैदा होने वाले दायित्वों के सम्बन्ध में क्रमशः निर्दिष्ट नकद प्रारक्षित निधियों और परिसम्पत्तियों के प्रतिशत से है, इन अधिनियमों के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिये उक्त बैंकों पर लागू नहीं होंगे।

परन्तु उक्त अधिनियम की धारा 18 के अधीन नकद प्रारक्षित निधियों और उक्त परिसम्पत्तियों के प्रतिशत का हिसाब लगाने समय जिन्हें अन्य सभी मांगदेय और मियादी देनदारियों के सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अन्तर्गत उक्त बैंकों को लगाने रखना पड़ेगा निधि से लिये गये ऋणों के अवितरित भाग को और निधि के लिये गये ऋणों के सम्बन्ध में निधि को न भेजी गई वसूलियाँ को छोड़ देना पड़ेगा।

[No. F. 15-2/72-ए० सी०-II]

एल० डी० कटारिया, उप सचिव।

(Department of Banking)

New Delhi, the 15th April 1972.

S.O. 1081.—Statement of the Affairs of the Reserve Bank of India, Banking Department as on the 7th April 1972.

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
Capital Paid up	5,00,00,000	Notes	13,26,20,000
Reserve Fund	150,00,00,000	Rupee Coin	4,62,000
National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund	100,00,00,000	Small Coin	3,20,000
		Bills Purchased and Discounted :—	
		(a) Internal	44,92,55,000
		(b) External	
		(c) Government Treasury Bills	9,12,82,000

LIABILITIES	Rs.	ASSETS	Rs.
National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	39,00,00,000	Balances Held Abroad*	174,75,77,000
National Industrial Credit (Long term Operations) Fund	135,00,00,000	Investments**	84,28,38,000
Deposits :—		Loans and Advances to :—	
(a) Government		(i) Central Government	666,19,64,000
(a) Central Government	244,85,76,000	(ii) State Governments@	80,54,57,000
(b) State Governments	2,04,49,000	Loans and Advances to :—	261,06,94,000
(b) Banks		(i) Scheduled Commercial Banks†—	7,13,07,000
(i) Scheduled Commercial Banks	183,43,19,000	(ii) State Co-operative Banks††	
(ii) Scheduled State Co-operative Banks	15,62,59,000	(iii) Others	
(iii) Non-Scheduled State Co-operative Banks	90,12,000	Loans, Advances and Investments from National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund—	
(iv) Other Banks	36,28,000	(a) Loans and Advances to :—	
(c) Others	114,69,34,000	(i) State Governments	51,33,44,000
Bills Payable	101,00,54,000	(ii) State Co-operative Banks	23,34,78,000
Other Liabilities	395,70,68,000	(iii) Central Land Mortgage Banks	3,00,00,000
		(iv) Agricultural Refinance Corporation	10,63,61,000
		(b) Investment in Central Land Mortgage Bank Debentures	21,22,83,000
		Loans and Advances from National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund	
		Loans and Advances to State Co-operative Banks	
		Loans, Advances and Investments from National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund—	
		(a) Loans and Advances to the Development Bank	78,32,68,000
		(b) Investment in bonds/debentures issued by the Development Bank	48,37,89,000
		Other Assets	
Rupees.	15,77,62,99,000	Rupees.	1577,62,99,000

*Includes Cash, Fixed Deposits and Short-term Securities.

**Excluding Investments from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund.

@Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund, but including temporary overdrafts to State Governments.

†Includes Rs. 25,93,33,000 advanced to scheduled commercial banks against usance bills under Section 17(4)(c) of the Reserve Bank of India Act.

††Excluding Loans and Advances from the National Agricultural Credit (Long Term Operations) Fund and the National Agricultural Credit (Stabilisation) Fund.

Dated the 12th day of April 1972.

(Sd.) S. JAGANNATHAN,
Governor.

An Account pursuant to the Reserve Bank of India Act 1934, for the week ended the 7th day of April 1972.

ISSUED DEPARTMENT

LIABILITIES	Rs.	Rs.	ASSETS	Rs.	Rs.
Notes held in the Banking Department	13,26,20,000		Gold Coin and Bullion :—		
Notes in circulation	4768,43,39,000		(a) Held in India	182,53,11,000	
Total Notes Issued	4781,69,59,000		(b) Held outside India	
			Foreign Securities	238,65,38,000	
			TOTAL		421,18,49,000
			Rupee Coin		33,22,72,000
			Government of India Rupee Securities		4327,28,38,000
			Internal Bills of Exchange and other commercial paper.
TOTAL LIABILITIES	4781,69,59,000		TOTAL ASSETS		4781,69,59,000

(Sd.) S. JAGANNATHAN,
Governor.

[No. F. 3(3)-BC/72.]
PREM KUMAR, Under Secy.

Dated the 12th day of April 1972.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 15 अप्रैल, 1972

क्र० आ० 1075—7 अप्रैल, 1972 को रिजर्व बैंक आफ इण्डिया के बैंकिंग विभाग के कार्यकलाप का विवरण

देयतायें	रुपये	आतिथ्यां	राशे
चुक्ता पूंजी	5,00,00,000	नोट	13,20,20,000
आरक्षित निधि	150,00,00,000	रुपये का सिक्का	4,62,000
राष्ट्रीय कृषि ऋण		छोटा सिक्का	3,20,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	190,00,00,000	खरीदे और भुनाये गये बिल :—	
राष्ट्रीय कृषि ऋण		(क) देशी	44,92,55,000
(स्थिरीकरण) निधि	39,00,00,000	(ख) विदेशी	
राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण		(ग) सरकारी खजाना बिल	9,12,82,000
(दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि	135,00,00,000	विदेशों में रखी हुआ बकाया*	174,75,77,000
जमा राशि :—		निवेश **	84,28,38,000
(क) सरकारी		ऋण और अग्रिम :—	
(i) केन्द्रीय सरकार	244,85,76,000	(i) केन्द्रीय सरकार को	
(ii) राज्य सरकारें	2,04,49,000	(ii) राज्य सरकारों को	668,19,61,000
(ख) बैंक		ऋण और अग्रिम :—	
(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंक	183,43,19,000	(i) अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को†	80,54,57,000
(ii) अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	15,62,59,000	(ii) राज्य सहकारी बैंकों को††	261,06,94,000
(iii) गैर अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	90,12,000	(iii) दूसरों को	7,13,07,000
(iv) अन्य बैंक	36,28,000	राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
(ग) अन्य	114,69,34,000	(क) ऋण और अग्रिम :—	
		(i) राज्य सरकारों को	51,33,44,000
		(ii) राज्य सहकारी बैंकों को	23,34,78,000
		(iii) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों को	
		(iv) कृषि पुनर्वित्त निगम को	3,00,00,000
		(ख) केन्द्रीय भूमिबन्धक बैंकों के डिबेंचरों में निवेश	10,63,61,000
		राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से ऋण और अग्रिम	
देय बिल	101,00,54,000	राज्य सहकारी बैंकों को ऋण और अग्रिम	21,22,83,000
अथ देयतायें	395,70,68,000	राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि से ऋण, अग्रिम और निवेश	
		(क) विकास बैंक को ऋण और अग्रिम	78,32,68,000
		(ख) विकास बैंक द्वारा जारी किये गये बांडों डिबेंचरों में निवेश	
		अन्य आतिथ्यां	48,37,89,000
	रुपये 1577,62,99,000	राशे	1577,62,99,000

*नकदी, आवधिक जमा और अन्वकालीन प्रतिभूतियां शामिल हैं।

**राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में से किये गये निवेश शामिल नहीं हैं।

@राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि में प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं, परन्तु राज्य सरकारों को अस्थायी ओवरड्राफ्ट शामिल हैं।
 †रिजर्व बैंक आफ इण्डिया अधिनियम को धारा 17(4)(ग) के अधीन अनुसूचित वाणिज्य बैंकों को मीयादी बिलों पर दिये गये 25,93,33,000/- रुपये शामिल हैं।

††राष्ट्रीय कृषि ऋण (दीर्घकालीन क्रियाएं) निधि और राष्ट्रीय कृषि ऋण (स्थिरीकरण) निधि से प्रदत्त ऋण और अग्रिम शामिल नहीं हैं।

(ह०) एन० जगन्नाथन, गवर्नर।

रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया अधिनियम, 1934 के अनुसरण में अप्रैल, 1972 की 7 तारीख को समाप्त हुये सप्ताह के लिये रिखा
इशू विभाग

देयतायें	रुपये	रुपये	आस्तियां	रुपये	रुपये
बैंकिंग विभाग में			सोने का सिक्का और बुलियन :—		
रखे हुये नोट	13,26,20,000		(क) भारत में रखा		
			हुआ	182,53,11,000	
			(ख) भारत के		
			बाहर रखा हुआ		
संचलन में नोट	4768,43,39,000		विदेशी प्रतिभूतियां	238,65,38,000	
जारी किये गये					जोड़
कुल नोट		4781,69,59,000	रुपये का सिक्का		421,18,10,000
			भारत सरकार की		33,22,72,000
			रुपया प्रतिभूतियां		4327,28,38,000
			देशी विनिमय बिल		
			और दूसरे वाणिज्य-		
			पत्र		
कुल देयतायें		4781,69,59,000	कुल आस्तियां		4781,69,59,000

(ह.) एन० जगन्नाथन,
गवर्नर

[म० 3(3) डी सी/72]
प्रेम कुमार, अव्वर सचिव ।

(Department of Revenue and Insurance)

INCOME TAX

New Delhi, the 1st February 1972

S.O. 1082.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961):

Institution

National Hospital, Mahim, Bombay.

[No. 29/F. No. 203/38/71-JTA.II.]

(राजस्व और बीमा विभाग)

आय कर

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1972

एस० अ० 1082.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 35 की उपधारा (1) के

खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए, विहित प्राधिकारी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था का अनुमोदन कर दिया है :

संस्था

नेशनल हॉस्पिटल, माहिम, बम्बई

सं० 29/फा० सं० 203/38/71-नई टी ए II]

New Delhi, the 15th February 1972

S.O. 1083.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, the prescribed authority, for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961):

Institution

Medical Education Foundation, Madras.

[No. 32 F. No. 203/2/72-ITA.II.]

S. N. NAUTIAL Dy. Secy.

नई दिल्ली, 15 फरवरी, 1972

एस० अ० 1083.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 35 की उपधारा (1) के

खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिये, विहित प्राधिकारी, भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था का अनुमोदन कर दिया है:

संस्था

मैडिकल ऐजुकेशन फाउन्डेशन, मद्रास ।

[सं० 32(फा० सं० 203/2/72-आई० टी० ए० II]

एस० एन० नोटियाल, उप सचिव ।

(Department of Revenue and Insurance)

New Delhi, the 17th February 1972

S.O. 1084.—In exercise of the powers conferred by Section 4 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby appoints Sarvashri K. R. Puri and R. M. Mehta as members of the Life Insurance Corporation of India for the period upto 31st August, 1972 vice Sarvashri N. V. Nayudu and M. V. Sohoni.

[F. No. 1(5)-Ins.II/70.]

R. K. MAHAJAN, Dy. Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1972

का० आ० 1084 —जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार, सर्व श्री के० आर० पुरी और आर० एम० मेहता को, सर्व श्री एन० वी० नायडू और एम० वी० सोहोनी के स्थान पर, 31 अगस्त, 1972 तक की अवधि के लिये, भारतीय जीवन बीमा निगम के सदस्य, एतद्वारा नियुक्त करती है ।

[सं० फा० 1(5)-बीमा-II/70]

आर० के० महाजन, उप सचिव

(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1971

का० आ० 5483.—आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का 50) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित स्कीम को एतद्वारा प्रवर्तित करती है ।

आपात जोखिम (मोल) बीमा स्कीम

1. संक्षिप्त नाम विस्तार और प्रारम्भ—(1) इस स्कीम का नाम आपात जोखिम (माल) बीमा स्कीम होगा ।

(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत पर है ।

(3) यह 10 दिसम्बर, 1971 को प्रवृत्त होगी ।

2. परिभाषा(एँ)—इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(i) 'अधिनियम से आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का 50) अभिप्रेत है;

(ii) 'सरकारी अभिकर्ता' से कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो अधिनियम के प्रयोजनों में से किसी के लिए केन्द्रीय सरकार के अभिकर्ता के रूप में कार्य करने के लिए धारा 6 के अधीन नियोजित है ;

(iii) 'पैरा' से इस स्कीम का पैरा अभिप्रेत है ;

(iv) 'धारा' से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है;

(V) जो शब्द और पद इसमें परिभाषित नहीं किए गए हैं उनके वही अर्थ हैं जो उन्हें अधिनियम में दिए गए हैं ।

3. स्कीम की परिधि और विस्तार—(1) केन्द्रीय सरकार, उन व्यक्तियों के सम्बन्ध में, जो माल विक्रेता या प्रदायकर्ता के रूप में भारत में कार्रबार कर रहे हैं, अधिनियम के अधीन बीमा-योग्य उस माल की बाबत जो समय-समय पर ऐसे कार्रबार के दौरान ऐसे व्यक्तियों के स्वामित्व में है या स्वामित्व में समझा जाता है, अधिनियम द्वारा उपबन्धित विस्तार तक, आपात जोखिमों के विरुद्ध ऐसे व्यक्तियों के बीमे के दायित्व का जिम्मा लेती है ।

(2) केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित का भी जिम्मा लेती है—

(क) ऐसे किसी व्यक्ति के सम्बन्ध में, जो माल विक्रेता या प्रदायकर्ता के रूप में भारत में कार्रबार कर रहा है, अधिनियम के अधीन बीमा-योग्य उस माल की बाबत, जो उसके स्वामित्व में नहीं है या उसके स्वामित्व में नहीं समझा जाता है किन्तु जिनमें उसका हित उस कार्रबार के दौरान उद्भूत होता है ; अधिनियम द्वारा उपबन्धित विस्तार तक आपात जोखिमों के विरुद्ध उस व्यक्ति का बीमा करने का दायित्व ;

(ख) उस व्यक्ति के सम्बन्ध में, जो भारत में कोई कार्रबार कर रहा है, अधिनियम द्वारा उपबन्धित विस्तार तक, आपात जोखिमों के विरुद्ध,—

(i) भारत में स्थित किसी माल की बाबत जो उस कार्रबार के प्रयोजनों के लिए अवश्य करार के अधीन से अन्यथा उसके कब्जे में है, या

(ii) भारत में स्थित उस माल की बाबत जो उस कार्रबार के दौरान उसके द्वारा धारण उसके पक्ष में बन्धक, गिरवी, या प्रभार के अधीन है, जो किसी भी दशा में ऐसे माल हैं जो उसके स्वामित्व में नहीं हैं किन्तु जो उस

व्यक्ति के संबंध में अधिनियम के अधीन
बीमा-योग्य हैं जिसके स्वामित्वाधीन वे हैं;
उस व्यक्ति का बीमा करने का दायित्व;

- (ग) उस व्यक्ति के संबंध में, जो भारत में कार्रवाई-
बार कर रहा है, भारत में स्थित किसी माल की
बात जो भारत से निर्यात के लिये, भारत में विक्रीत
होने पर, ऐसे निर्यात के प्रयोजनार्थ उसके कब्जे में
है, और ऐसे माल है जो ऐसे विक्रय से पूर्व उस व्यक्ति
के संबंध में अधिनियम के अधीन बीमा-योग्य थे
जिसके स्वामित्वाधीन वे उस समय थे, अधिनियम
द्वारा उपबंधित विस्तार तक आपात जोखिमों के
विरुद्ध उस व्यक्ति का बीमा करने का दायित्व; और
- (घ) ऐसे किसी व्यक्ति के संबंध में जो माल विक्रेता या
प्रदायकर्ता के रूप में भारत में कोई कार्रवाई-
बार कर रहा है, इन मालों की बाबत, जिनका भारत में आपात
भारत में किसी पत्तन के जरिये किया गया है,
जबकि ऐसे माल ऐसे पत्तन पर स्थित हैं या भारत
में किसी स्थान के लिये अभिवहन में हैं, अधिनियम
द्वारा उपबंधित विस्तार तक आपात जोखिमों के
विरुद्ध उस व्यक्ति का बीमा करने का दायित्व।

4. **अनिवार्य बीमा.**—(1) हर व्यक्ति, जो ऐसे माल के
विक्रेता या प्रदायकर्ता के रूप में भारत में कार्रवाई-
बार कर रहा है, जिन्हें धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन छूट नहीं दी गई है,
अधिनियम के अधीन बीमा-योग्य माल की बाबत जो समय-समय
ऐसे कार्रवाई-बार के दौरान ऐसे व्यक्ति के स्वामित्व में हैं या स्वामित्व
में समझे जाते हैं, अधिनियम द्वारा उपबंधित विस्तार तक आपात
जोखिमों के विरुद्ध बीमा की पालिसी लेगा।

परन्तु ऐसी बीमा-पालिसी लेना आवश्यक नहीं होगा यदि उक्त
माल का बीमा-योग्य मूल्य किसी एक या उसी प्रेजिडेन्सी नगर या
जिले में पचास हजार रुपये की राशी के समतुल्य या उससे कम है :

परन्तु यह और कि इस स्कीम की किसी बात की बाबत यह
न समझा जाएगा कि ऐसे व्यक्ति से जो इस स्कीम के अधीन किसी
प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में (इस आधार पर कि उस प्रेजिडेन्सी नगर
या जिले में उनका मूल्य पचास हजार रुपये से अधिक है) किन्हीं मालों
को बीमाकृत करने के लिए अनिवार्य रूप से दायित्वाधीन है इस स्कीम
के अधीन किसी अन्य प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में स्थित किन्हीं अन्य
मालों को अनिवार्य रूप से बीमाकृत करने की अपेक्षा करती है जब
तक कि यथास्थिति पश्चात्स्थित प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में स्थित
माल का मूल्य तीस हजार रुपये से अधिक न हो।

(2) जहाँ, ऐसे व्यक्ति के जिसे माल के स्टॉक की बाबत
आपात जोखिमों के विरुद्ध बीमा पालिसी लेनी है, स्वामित्व में
या स्वामित्व में समझे जाने वाले ऐसे माल के स्टॉक की कुल बिक्री
या उसमें किसी परिवर्तन के फलस्वरूप ऐसे माल के स्टॉक की बीमा
करने योग्य मूल्य में बीमा पालिसी जारी करने के पश्चात् शुद्ध
वृद्धि हुई है, वहाँ ऐसा व्यक्ति ऐसे माल के स्टॉक को बीमा करेगा

योग्य मूल्य में ऐसी शुद्ध वृद्धि की बाबत अधिनियम द्वारा उपबंधित
विस्तार तक आपात जोखिमों के विरुद्ध और बीमा पालिसी लेगा :

परन्तु कोई व्यक्ति जो ऐसे बीमा-योग्य माल का स्वामी है या
स्वामी समझा जाता है, जिसके स्टॉक में उतार-चढ़ाव होना संभाव्य
है बीमा-योग्य माल के उस समय के वास्तविक मूल्य के लिए जब कि
बीमा-पालिसी ली गई है बीमा-पालिसी देने के बजाय इस स्कीम
के अधीन, ऐसी अधिकतम रकम के लिए जिससे उपर बीमा-
योग्य माल के स्टॉक के बीमा-योग्य मूल्य का उतार-चढ़ाव संभाव्य
नहीं है, बीमा पालिसी ले सकेगा।

5. **स्वेच्छा बीमा.**—(1) कोई व्यक्ति, जो ऐसे माल के
विक्रेता या प्रदायकर्ता के रूप में कार्रवाई-बार करता है जो
अधिनियम के अधीन बीमा करने योग्य हैं और जो ऐसे
कार्रवाई-बार के दौरान उसके स्वामित्व में हैं, अपने विकल्प पर इस
तथ्य के होते हुए भी कि ऐसे माल का मूल्य एक ही प्रेजिडेन्सी नगर
या जिले में पचास हजार रुपये से अधिक नहीं है ऐसे माल की
बाबत आपात जोखिमों के विरुद्ध बीमा पालिसी ले सकेगा।

(2) धारा 5 की उपधारा (2) के खण्ड (क) से (घ) तक
में निर्दिष्ट कोई व्यक्ति अपने विकल्प पर उक्त खण्डों में से
किसी में निर्दिष्ट माल की बाबत बीमा-पालिसी ले सकेगा।

(3) जहाँ माल का कोई स्वेच्छा या बीमा इस पैरा के अधीन
किया गया हो वहाँ बीमाकर्ता के रूप में केन्द्रीय सरकार का
दायित्व बीमाकृत माल के बीमा-योग्य मूल्य के अस्सी प्रतिशत से
अधिक नहीं बढ़ेगा।

6. **अभिवहनाधीन माल.**—इस स्कीम के प्रयोजनों
के लिये, अभिवहनाधीन माल को, उस तारीख से प्रारम्भ होने वाली
जिसको वे किसी वाहक को परेषित किए गए हैं, और उस तारीख
को समाप्त होने वाली जिसको वे परेषित की परिदृष्टि किए गए हैं,
सम्पूर्ण अवधि के दौरान उस प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में जिसमें
परेषण का स्थान अवस्थित है स्थित समझा जाएगा।

7. **प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में माल के लिए एक
पालिसी.**—इस स्कीम के अधीन आपात जोखिमों के विरुद्ध माल का
बीमा करने वाला हर व्यक्ति, सभी बीमा-योग्य ऐसे माल को, जो
आवेदन के समय एक ही प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में उसके स्वामित्व
में हों और जो ऐसे आवेदन के समय इस स्कीम के अधीन आपात
जोखिमों के विरुद्ध उनका बीमा करने वाली किसी अन्य पालिसी
के अन्तर्गत नहीं आते हैं, आवृत्त करने वाली एकल पालिसी के
अन्तर्गत बीमे के लिये आवेदन करेगा, किन्तु एक से अधिक प्रेजिडेन्सी
नगर या जिले में किसी माल का बीमा करने वाला ऐसा कोई व्यक्ति
सभी प्रेजिडेन्सी नगरों या जिलों में अपने सभी मालों को आवृत्त
करने वाली एकल बीमा पालिसी के लिए आवेदन कर सकेगा, यदि उस
आवेदन में हर प्रेजिडेन्सी नगर या जिले में स्थित माल का
बीमा-योग्य मूल्य अलग-अलग उपदिशित करता है।

8. **आवेदन की पद्धति.**—(1) इस स्कीम के अधीन
बीमा के लिये प्रत्येक आवेदन प्रथम अनुसूची में उपदिशित प्रथम के

अनुसार होगा, और सरकारी अभिकर्ता को या ऐसे अधिकारी को जो उस अभिकर्ता द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो, दिया जाएगा।

(2) ऐसे प्रत्येक आवेदन के साथ किसी सरकारी खजाने में शोर एन II—प्रकोप आगत जोखिम (माल) बीमा स्कीम, 1971—बीमा प्रीमियम, के अन्तर्गत, अपेक्षित प्रीमियम के संदाय के सक्षमता में खजाना चालान लगाया जायेगा।

9. बीमा योग्य मूल्य :— इस स्कीम के प्रयोजनों के लिये माल के बीमा-योग्य मूल्य का परिनिर्धारण, तत्समय विद्यमान कोमतों के आधार पर किया जाएगा जब कि माल को आवृत्त करने वाली बीमा पालिसी प्रभावित होती है या प्रभावित होने के लिए प्रभावित हो और, जब भी ऐसी पालिसी प्रतिस्थापित या नवीकृत की जाए उस समय विद्यमान कोमतों के आधार पर किया जाएगा जब कि वह पालिसी प्रतिस्थापित या नवीकृत की जाए।

10. प्रीमियम की दर—(1) 31 दिसम्बर, 1971 को समाप्त होने वाला तिमाही को बाबत जारी की गई किसी बीमा-पालिसी के अग्रे देय प्रीमियम, बीमा तारीख के प्रत्येक सौ रुपये या उसके किसी भाग के लिए पन्द्रह नये पैसे की दर से देय होगा।

(2) उपपैरा (1) के अधीन देय किसी प्रीमियम की रकम निकटतम रुपये तक पूर्णकृत की जाएगी और उस सम्पूर्ण तिमाही के सम्बन्ध में जिसके लिए पालिसी प्रवृत्त है या प्रवृत्त रखी जाती है, एक मुश्त राशि में देय होगी, परन्तु यदि कोई माल किसी तिमाही के प्रारम्भ होने के पश्चात् इस स्कीम के अधीन बीमा योग्य या बीमाकृत हो जाता है, तो प्रीमियम एक मुश्त राशि में देय होगा, जो कि सम्पूर्ण तिमाही के दौरान बीमा योग्य माल की बाबत देय रकम में से हो रही रकम घटाकर जिसका प्रथम उल्लिखित रकम से बही आगत होगा जो कि उस तिमाही में माल के बीमा योग्य होने या बीमाकृत किए जाने से पूर्व सम्पूरित महीनों की संख्या का तीन से हो और, इस उपबन्ध के अनुसार शोध्य रकम को निकटतम रुपये तक पूर्णकृत किया जाएगा।

11. पालिसी का जारी करना और पूर्वतन पालिसियों का संचालन :—(1) यदि कोई आवेदन विहित प्ररूप में सही-सही दिया गया हो जिसके साथ, पैरा 8 के उपपैरा (2) में विनिर्दिष्ट लेखों के अन्तर्गत खजाने में प्रीमियम के संदाय को साक्षित करने वाला खजाना चालान लगा हो, तो सरकारी अभिकर्ता ऐसी प्रवेश को आप्रति के पश्चात् यथाशक्य शीघ्र बीमा पालिसी जारी करेगा।

(2) यदि आवेदन के साथ कोई चालान न हो, या यदि चालान ठीक न हो तो आवेदन अपेक्षित चालान के साथ पुनः प्रस्तुत करने के लिए आवेदक को वापस कर दिया जाएगा।

(3) यदि आवेदन के साथ लगा हुआ चालान ठीक हो, किन्तु बीमे के लिए आवेदन प्रथम अनुपूर्वी में उपदिशित प्ररूप के अनुसार न हो जो चालान सरकारी अभिकर्ता द्वारा रख लिया

जुड़ा और प्रवेश, सही करतुत प्रस्तुत करने के लिए आवेदक को वापस कर दिया जाएगा।

(4) यदि आवेदन रखा है सचला हुआ चालान ऐसी रकम है जो माल के मूल्य योग्य मूल्य पर आधारित मूल्य से कम हो, तो बीमा योग्य मूल्य के उक्त अनुपात के लिए पालिसी जारी कर दी जाएगी और कि चालान के अन्तर्गत रकम का शोध्य प्रीमियम से है, और आवेदक से अनुवृत्त रह गई सम्पत्ति के बीमा योग्य मूल्य के अतिशेष की बाबत आगे और आवेदन देने के लिए कहा जाएगा।

(5) इस पैरा के पूर्वगामी उपबन्धों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी आवेदक ने, उसी माल या उसके किसी भाग की बाबत अग्नि, समुद्र, दुर्घटना या नियत प्रत्यय बीमा जोखिमों के विरुद्ध स्वयं सरकारी अभिकर्ता से मिले किसी बीमाकर्ता से बीमा कराया होता उसके आवेदन, स्वयं अनुसर पालिसी का जारी कराना उस समय तक समाप्त कर सकता है जब तक कि उक्त बीमाकर्ता से जांच न कर ली गई हो।

12. पालिसी का प्रथम और अवधि :—इस स्कीम के अग्रे जारी की गई प्रत्येक बीमा पालिसी द्वितीय अनुपूर्वी में उद्दिष्टा प्ररूप में होगी, और जो उक्त तिमाही के अन्तिम दिन को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत होगी जिसके लिए पालिसी जारी की गई है।

13. पालिसी के प्रभावी होने की तारीख :—(1) जहाँ बीमा की पालिसी उस माल के सम्बन्ध में है, जिसकी बाबत, वह व्यक्ति, जो स्वामी है या जो उसका स्वामी समझा जाता है, पैरा 4 के उपबन्धों के अनुसार बीमा की पालिसी लेने के लिए बाध्य है, तो पालिसी इस प्रकार जारी की जाएगी कि वह उस तारीख को वह इस प्रकार दायी बन जाता है या जिस तिमाही प्रीमियम संदाय किया जाए, जो भी पश्चात्तर हो प्रभावी हो जाए।

(2) जहाँ पालिसी उन मामलों के सम्बन्ध में है, जो अनिवारितः बीमा योग्य नहीं हैं, किन्तु पैरा 5 के अग्रे बीमाकृत किये गये हों तो पालिसी इस प्रकार जारी की जाएगी कि वह अवधन में दी गई पालिसी के प्रारम्भ की तारीख से या प्रीमियम के संदाय की तारीख से जो भी पश्चात्तर हो, प्रभावी हो जाए।

(3) उपपैरा (1) के प्रयोजनों के लिए किसी व्यक्ति से, जो ऐसे माल का जो इस स्कीम के अधीन बीमा योग्य है स्वामी है अथवा समझा जाता है अपने आवेदन में वह तारीख, जिसको वह उस प्रकार दायी बन जाता है या दायी हुआ है, उपदिशित करने की अपेक्षा की जाएगी।

14. प्रीमियम का संदाय न करना और अपवर्जन :—(1) जहाँ किसी व्यक्ति ने उससे देय प्रीमियम का संदाय नहीं किया है, या अधिनियम द्वारा यथापेक्षित बीमा, या पूरी रकम का बीमा नहीं किया है और एतद्वारा किसी घा के संदाय का, जो ऐसी अनकनता के सिवाय उक्त संदाय करना पड़ता, वहाँ अपवर्जित रकम का अन्वयण शोध्य आपूर्वी के अनुसार किया जाएगा।

(2) तारीख वार्षिक जितने विवरण उधार (1) के अनुसार तैयार किया गया है, तारीखों में अधिकृत अधिकार के अन्तर्गत, केन्द्रीय सरकार को अधिकृत कर, सकेगा जिसका विवरण अन्तिम होगा।

(3) जहाँ किसी तिमाही के दौरान, उस सम्पूर्ण तिमाही या उसके भाग की बाबत, धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन किसी व्यक्ति से कोई शास्ति वसूल की जाती है वहाँ ऐसा व्यक्ति, शास्ति के साथ-साथ, उस तिमाही के अन्तर्गत भाग के लिए प्रीमियम संदत्त करेगा और ऐसे प्रीमियम के संदाय पर तथा ऐसे व्यक्ति से संपूर्ण अवेदन की प्राप्ति पर उस तिमाही के अन्तर्गत प्रभाग के लिए उसे पालिसी जारी की जाएगी।

परन्तु पालिसी उस तारीख से प्रभावी होगी जिसको प्रीमियम संदत्त किया गया है।

15. पालिसियों के अखिलेख या उन स्मार्तों पर रखा जाना जमाबंदी है—प्रत्येक स्थान पर, जहाँ इस स्कीम के अन्तर्गत बीमा योग्य या बीमा छूट माल का भण्डारण किया जाता है या उसे रखा जाता है, एक रजिस्टर रखा जाएगा जिसमें इस स्कीम के अन्तर्गत जारी की गई पालिसी, जिसके अन्तर्गत उक्त माल आता है, की संख्या और तारीख, वह स्थान जहाँ और सरकारी अधिकर्ता का कार्यालय जहाँ पालिसी जारी की गई थी, माल का मा-योग्य मूल्य, जैसा कि आवेदन में दिखाया गया है, जिसके आधार पर पालिसी जारी की गई थी या अन्य या सरकारी अधिकर्ता के अधिकार के अनुसार और बीमा पालिसी के चालू रहने की अवधि उपदर्शित की जाएगी; और उक्त रजिस्टर सूचना अधिपति करने के लिए या धारा 8 के अधीन कोई अन्य कार्यवाही करने के लिए अधिकृत कितने अधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए उपलब्ध होगा।

16. पालिसी जारी जाना—पालिसी के खो जाने के दशा में पालिसी की दूसरी प्रति जारी नहीं की जाएगी, विरुद्ध यह समाधानप्रद रूप से साबित कर दिया जाए कि पालिसी जारी की गई है तो उस पालिसी के न होने से नदरीन कोई वाद विनिर्णयित होगा।

17. परस्पर वित्त-निर्णय, रद्दकरण और प्रस्थिति—इस स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, जहाँ कोई पालिसी इस स्कीम के अधीन बीमा योग्य किसी माल की बाबत ली गई है और और उक्त माल के तत्पश्चात् धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन छूट-प्राप्त हो गया है, या "आपात जोखिम" पद में समविष्ट किसी कार्यवाही या आय से अन्यथा नष्ट हो गया है वहाँ पालिसी उस तारीख से रद्द कर दी जाएगी जिसको छूट प्रभावी होती है या, यथास्थिति, माल यथापूर्ववत्, नष्ट हो जाता है, और तदुपरि—

(क) पालिसी के अधीन कोई प्रीमियम संदेय नहीं होगा; और

(ख) उस तिमाही की बाबत जिसमें पालिसी रद्द की गई है पालिसी के रद्द किए जाने के ठीक पूर्व एकत्र किए गए प्रीमियम की रकम में से, प्रतिदाय उस

अनुपात में किया जाएगा जो उन पूरे मासों की संख्या का, जिनके लिए पालिसी रद्द की गई है, तीन से है।

18. बीमाकृत व्यक्ति द्वारा वहन की जाने वाली जोखिम का हिसाब—(1) बीमाकृत व्यक्ति प्रत्येक दावे की बाबत हानि या नुकसान का बीस प्रतिशत वहन करेगा।

(2) यदि किसी हानि या नुकसान होने के समय बीमा-योग्य माल का कुल मूल्य पालिसी के अधीन बीमाकृत राशि से अधिक हो तो बीमाकृत व्यक्ति, हानि का दर के अनुसार अनुपात वहन करने के प्रयोजन के लिए, अधिक के लिए एवं बीमाकृत राशि के बीस प्रतिशत के लिए स्वयं अपना बीमाकर्ता समझा जाएगा।

19. दावों का विवरण, सत्यापन और संयोजन—(1) सभी दावे सरकारी अधिकर्ता को लिखित रूप में, द्वितीय अनुसूची में उपवर्णित शर्तों की शर्त 7 में विनिर्दिष्ट समय के अन्दर, चतुर्थ अनुसूची में दिए गए प्ररूप में प्रस्तुत किए जाएंगे।

(2) इस स्कीम के अधीन बीमाकृत सम्पत्ति के मूल्य में आपात जोखिमों के परिणामस्वरूप हानि, उस समय विद्यमान कीमतों पर मूल्य के आधार पर, जिस समय बीमा पालिसी प्रभावी होती है या हुई हो, हानि या नुकसान होने के समय तक अवधायन के लिए सम्यक मोक देने के पश्चात्, संगणित की जाएगी या उस समय विद्यमान कीमतों पर मूल्य के आधार पर की जाएगी जिस समय हानि होती है या हुई है, इन में जो भी कम हो।

(3) दावे की प्राप्ति पर, सरकारी अधिकर्ता दावे को सत्यापित कराएगा और हानि या नुकसान, यदि कोई हो, ऐसे व्यक्ति द्वारा निर्धारित कराएगा जो तत्समय केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त मायताप्राप्त हानि-निर्धारक है, या, यदि केन्द्रीय सरकार ऐसा निदेश दे, ऐसे व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा निर्धारित कराएगा जो इस प्रयोजन के लिए विशेष रूप से प्रतिनियुक्त किए गए हों।

(4) जैसे ही हानि निर्धारक या इस प्रयोजन के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति ने दावा सत्यापित कर लिया हो और हानि या नुकसान, यदि कोई हो, निर्धारित कर लिया हो, वह उस पर सरकारी अधिकर्ता को रिपोर्ट करेगा, जो ऐसे और सत्यापन के पश्चात् जैसा करना वह ठीक समझे, रिपोर्ट को, अपनी टिप्पणियों और सिफारिशों सहित, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) को भेजेगा।

(5) यदि दावा केन्द्रीय सरकार के समाधानप्रद रूप में साबित कर दिया जाए तो केन्द्रीय सरकार द्वारा दावे के पूर्ण निवटारे के रूप में सरकारी अधिकर्ता के माध्यम से दावेदार के हक में संदाय आदेश यथा सम्भावशील जारी किया जाएगा।

(6) इस स्कीम के अन्तर्गत किसी संदाय की बाबत, जो किसी कारण से असंदात रहता है, कोई ब्याज देय नहीं होगा।

(7) संदाय की प्राप्ति पर, दावेदार केन्द्रीय सरकार के पंचम अनुसूची में उपवर्णित प्ररूप में एक रसीद सरकारी अधिकर्ता को प्रस्तुत करेगा।

20. पालिसियां या फायदे जो सम्पत्ति या इन्तर्गत न हों—इस स्कीम के अधीन जारी की गई पालिसी या ऐसी किसी पालिसी के अधीन दावा किसी अन्य व्यक्ति को समनुदेश्य या अन्तरणीय नहीं होगा और किसी ऐसी पालिसी या दावे की बाबत किसी न्यास की कोई मूचना सरकारी अभिकर्ता या केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राप्य नहीं होगी।

21. स्कीम के अधीन बीमा-योग्य सम्पत्ति के हितों की रक्षा के लिए उपबन्ध—(1) इस स्कीम के अधीन जारी की गई पालिसी आपात जोखिमों के परिणामस्वरूप हानि या नुकसान के विरुद्ध या ऐसी किसी हानि या नुकसान को न्यूनतम करने के लिए, इस स्कीम के अधीन बीमा-योग्य किसी सम्पत्ति की रक्षा करने के लिए उपबन्ध कर सकेगी।

(2) पालिसी द्वारा अधिरोपित किसी शर्त द्वारा, उस व्यक्ति से, जो माल का स्वामी है, या माल का स्वामी समझा जाता है, यह अपेक्षा की जा सकती है कि वह माल के भण्डारण या उसके पैकिंग या परिवहन के बारे में, जब वह अभिवहान में हो, ऐसी व्यक्तिगत पूर्वावधानियां बरते जैसी कि हानि या नुकसान की जोखिम समाप्त या कम करने के लिए आवश्यक हों।

22. लेखाओं का प्रकाशन—आपात जोखिम (माल) बीमा निधि में प्राप्त और से संदत्त सभी राशियों का लेखा छठी अनुसूची में उपबर्णित प्रारूप में तैयार किया जाएगा, और प्रति वर्ष किया जाएगा।

23. निर्वचन—यदि इस स्कीम के किन्हीं उपबन्धों के निर्वचन के संबंध में कोई संदेह उदभूत हो, तो यह मामला केन्द्रीय सरकार को निर्दिष्ट किया जाएगा जिसका उस पर विनिश्चय अन्तिम होगा।

प्रथम अनुसूची
(पैरा 8 देखिए)
आवेदन का प्रारूप
भारत सरकार

आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का 50) अधिनियम सं०..... के अधीन बीमायोग्य माल के बीमा के लिए आवेदन

सं०.....

1. आवेदक का नाम

2. पता

3. कारोबार

4. बीमा किया जाने वाला माल

5. माल की स्थिति, जिसमें माल का बीमायोग्य मूल्य अलग-अलग दिया गया हो :—

(1) प्रत्येक प्रेसिडेंसी नगर या जिले में स्थित,

(11) प्रत्येक प्रेसिडेंसी नगर और जिले से आभवहन में।

6. प्राक्कलित पूर्ण (जो कि वह राशि है जिसके लिए बीमा अवश्य किया जाए) रु०

7. (क) वह तारीख जिसको अधिनियम के अधीन माल अनिवार्यतः बीमा योग्य हुआ।

(ख) जहां बीमा वैकल्पिक है, वहां वह तारीख जिसको बीमा प्रारम्भ होना है।

8. क्या माल आग, समुद्री, दुर्घटना या निर्यात प्रत्यक्ष बीमा जोखिम के विरुद्ध बीमाकृत है ?

यदि हां तो कथित कीजिए—

(क) बीमाकर्ता का नाम

(ख) पालिसी सं०

(ग) बीमाकृत राशि.....रु०

9. क्या बीमा किए जाने वाले माल किसी अन्य व्यक्ति का भी कोई बीमा योग्य हित है ? यदि हां, तो विशिष्टियां दें।

टिप्पण :—एक बार जारी हो जाने के पश्चात् कोई पालिसी अधिनियम की धारा 13 में यथा उपबर्णित के सिवाय, सामनुदेशित या अन्तरित नहीं की जा सकती, न ही प्रीमियम का कोई भाग वापस किया जाएगा।

10. धारा 4 के अर्थ के अन्तर्गत यदि आप माल के स्वामी नहीं हैं तो निम्नलिखित का उत्तर दिया जाना चाहिए :—

(i) स्वामी का नाम और पता।

(ii) बीमा किए जाने वाले माल में आप का हित किस प्रकार का है ?

(3) यदि माल आपके कारोबार के अनुक्रम में और प्रयोजन के लिए आपके कब्जे में है तो वह प्रयोजन कथित कीजिए जिसके लिए माल आपके कब्जे में है।

क्या आपको जानकारी है कि स्वामी ने भी बीमा किये जाने वाले माल का बीमा करवाया है या उसके बीमा के लिये आवेदन किया है ?

11. यदि आपन इस तिमाहीं के लिये स्कीम के अधीन एक या अधिक पालिसियां ली हों, तो कृपया आवेदन के इस भाग को भरें, अन्यथा काट दें।

उसी तिमाही के लिए मुझे/हमें पहले ही जारी की गई पालिसीयों की विशिष्टियां निम्नलिखित हैं:

सं०/संख्याएं	द्वारा जारी की गई (स्थानीय कार्यालय)	तारीख	बीमाकृत राशि
--------------	--	-------	-----------------

मैं/हम समर्थन करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विवरण और विशिष्टियां सही हैं और मैं/हम आपसे, मेरे/हमारे निमित्त मानक पालिसी के निबन्धनों के अनुसार, जिन्हें मैं/हम स्वीकार करने के लिए सहमत हूँ/हैं, भारत सरकार से आपात जोखिम (माल) बीमा कराने का अनुरोध करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम एतद्वारा करार करते हैं कि यह आवेदन राष्ट्रपति और मेरे/हमारे बीच संविदा का आधार होगा।

मैं/हम *खजाना

*भारतीय रिजर्व बैंक

*भारतीय स्टेट बैंक

स्थान.....

को संवत्..... २० का चालन

तारीख..... संलग्न करता हूँ/करते हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख

(*जो लागू न हो, उसे काट दें)

अभिस्वीकृति

..... से आवेदन सं०

तारीख..... *खजाना

*भारतीय रिजर्व बैंक,

*भारतीय स्टेट बैंक,

स्थान.....

को संवत्..... २० के चालन

तारीख..... के साथ प्राप्त किया।

तारीख.....

सरकारी अभिकर्ता के

प्राधिकृत प्रतिनिधि के

हस्ताक्षर

(*जो लागू न हो, उसे काट दें)

द्वितीय अनुसूची

भाग-क पालिसी का प्ररूप

(पैरा 12 देखें)

भारत सरकार

आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, (1971 का 50)
क्रम सं०

पालिसी सं०.....

पालिसी सं० का अनुपूरक

अधिनियम के अधीन बीमा योग्य माल की बाबत बीमा की पालिसी :

(यह) पालिसी और इसका विनिर्देश जो इस पालिसी का अभिन्न भाग है, एक ही संविदा के रूप में पढ़े जाएंगे, और उन शब्दों और पदों के, जिन्हें विनिर्देश में विनिर्दिष्ट अर्थ दिए गए हैं, जहां कहीं भी वे आएँ, वही अर्थ होंगे।

विनिर्देश

भारत के राष्ट्रपति

राष्ट्रपति

सरकारी अभिकर्ता

बीमाकृत व्यक्ति

पता

बीमाकृत व्यक्ति का कारखाना

वह राशि जिसके लिए

बीमा किया गया २०

बीमा की अवधि : 19...की/केके.....दिन
से 19की/के केदिन तक।

प्रीमियम २० खजाना

भारतीय रिजर्व बैंक

भारतीय स्टेट बैंक

में स्थान

19 ..की/केकी.....दिन संवत्न किया गया।

यतः बीमाकृत के लिए एक हस्ताक्षरित आवेदन सरकारी अभिकर्ता को दिया और अंग्रेषित किया है जिस आवेदन के विषय

में उसने करार किया है कि वह इस पालिसी का आधार होगा और उसने ऊपर दी गई प्रीमियम की रकम संदत्त कर दी है :

अब यह पालिसी इसका साक्ष्य है कि बीमाकृत के राष्ट्रपति की उक्त प्रीमियम संदाय करने के प्रतिफल में राष्ट्रपति (आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 और जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है कि उपबन्धों और आपात जोखिम (माल) बीमा स्कीम उसमें अन्तर्विष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए इसके अधीन वसूल करने के लिए जो शर्तें जहां तक उनकी प्रकृति के अनुसार अनुज्ञात किया जा सके। बीमाकृत के अधिकार की पुरोभाव्य शर्तें मानी जाएंगी) करार करते हैं कि यदि ऊपर कथित बीमा की अवधि के दौरान बीमाकृत माल या ऐसे माल के किसी भाग की अधिनियम में तत्समय आधारित भाषित "आपात जोखिम" पद में समाविष्ट किसी कार्य के कारण हुई हानि या नुकसान के रूप में कोई हानि या नुकसान हो तो राष्ट्रपति यदि हानि या नुकसान उस समय हुआ हो जब प्रभावित माल भारत में स्थित है या भारत के एक स्थान परसे अन्य स्थान को अभिवहन में हैं, अधिनियम द्वारा या के अधीन उपबंधित सीमा तक इस हानि या नुकसान द्वारा कारित मूल्य में कमी के लिए बीमाकृत को क्षति पूर्ति करेगे।

जिसके साक्ष्य स्वरूप में, राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उस निमित्त सम्यक रूप से प्राधिकृत कर दिए जाने पर, इस पर अपने हस्ताक्षर किये हैं।

एतद द्वारा यह करार और घोषित किया जाता है कि . . .

*बीमाकृत माल में अपने हित के विस्तार तक

*बीमाकृत को एतद द्वारा अनुदत्त अधिकारों के लिए बीमाकृत के साथ संयुक्ततः हकदार होंगे किन्तु इतना नहीं कि उन्हें उन अधिकारों से कोई अतिरिक्त या और अधिक अधिकार प्रदान किए जाएं जो बीमाकृत के इस पालिसी के अधीन है।

आज 19 ... के/की ... दिन राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से हस्ताक्षर किया।

टिप्पण :—यह पालिसी, अधिनियम की धारा 13 के अधीन या आपात जोखिम (माल) बीमा स्कीम के पैरा 17 के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय, समनुदेशित या अंतरित नहीं की जा सकती और न ही कोई प्रीमियम वापस होगा।

शर्तें

राष्ट्रपति, बीमा की किसी ऐसी पालिसी के अधीन (जिसे इसमें इसके पश्चात् "पालिसी" कहा गया है), जिसकी ये शर्तें लागू होती हैं यदि और जहां तक कि बीमाकृत अधिनियम के अधीन बीमाकृत माल की बातें एतद्वारा बीमाकृत पालिसी के लिए बीमा किए जाने का हकदार नहीं है किसी दायित्व के अधीन नहीं होंगे।

2. पालिसी के अधीन राष्ट्रपति का दायित्व, एतद्वारा बीमाकृत राशि के कुल अस्सी प्रतिशत से अधिक नहीं होगा, और कोई हानि या नुकसान होने के पश्चात्, पालिसी द्वारा बीमाकृत राशि में से उस हानि या नुकसान की रकम घट गई समझी जाएगी, और तदुपरि राष्ट्रपति का दायित्व इस प्रकार घट गई राशि के अस्सी प्रतिशत तक सीमा होगा।

3. प्रत्येक दावे की वास्तव बीमाकृत, हानि या नुकसान का बीस प्रतिशत वहन करेगा।

4. यदि कोई हानि या नुकसान होने के समय बीमाकृत माल का कुल मूल्य, पालिसी के अधीन बीमाकृत राशि से अधिक होगा तो, बीमाकृत, हानि का दर के अनुसार अनुपात वहन करने के प्रयोजन के लिए बीमाकृत राशि के बीस प्रतिशत के साथ-साथ आधिक्य के लिए स्वयं अपने बीमाकृत के रूप में माना जाएगा।

5. यदि कोई हानि या नुकसान होने के समय, बीमाकृत द्वारा या उसकी ओर से कोई अन्य बीमा किया गया हो जिसके अन्तर्गत कोई ऐसा माल आता हो जिसे आपात जोखिमों के विरुद्ध वह हानि या नुकसान पहुंचा हो तो, पालिसी के अधीन राष्ट्रपति का दायित्व ऐसी हानि या नुकसान के उसके दर के अनुसार अनुपात के अस्सी प्रतिशत तक सीमित होगा।

6. बीमाकृत, राष्ट्रपति के अनुरोध और व्यय पर, ऐसे सभी कार्य और बातें करेगा और करने के लिए सहमत होगा तथा किए जाने के लिए अनुज्ञात करेगा, जो किन्हीं अधिकारों और उपचारों को प्रवृत्त करने के प्रयोजन के लिए, जिन के लिए राष्ट्रपति किसी नुकसान के लिए संदाय करने या पूर्ति करने पर हकदार या प्रत्याक्षीन है या होगा, राष्ट्रपति द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित की जाय, चाहे ऐसे कार्य और बातें राष्ट्रपति द्वारा उस क्षतिपूर्ति के पूर्व या पश्चात् अपेक्षित की जाएं।

7. कोई हानि या नुकसान होने पर, बीमाकृत उसकी लिखित सूचना सरकारी अभिकर्ता को तत्काल देगा और ऐसी हानि या नुकसान के पश्चात् दस दिन या ऐसे और समय के भीतर, जैसा सरकारी अभिकर्ता लिखित रूप में अनुज्ञात करे, स्वयं अपने व्यय पर सरकारी अभिकर्ता को लिखित रूप में दावा परिदत्त करेगा जिसमें हानि या नुकसान के समय उनके मूल्य को ध्यान में रखते हुए, बीमाकृत माल में बीमाकृत से भिन्न किसी व्यक्ति के हित के व्यारों और बीमाकृत माल के किन्हीं अन्य बीमाओं के व्यारों के साथ वह हानि या नुकसान उठाने वाली विभिन्न वस्तुओं या भागों के प्रसंगों का और ऐसी हानि या नुकसान की रकम का इतना विनिश्चित वृत्तान्त हो, जो युक्तियुक्त रूप से माध्य हो। बीमाकृत दावे की वास्तव, दावे की सत्यता और उसे संबंधित किन्हीं मामलों की जांच, पत्र द्वारा सत्यता सत्यापित घोषणा यदि मांगी जाए) के साथ ऐसे सभी सचूत श्री: जानकारी भी, जो युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित हो, सरकारी अभिकर्ता को देगा। पालिसी के अधीन कोई भी दावा पत्र तक नहीं होगा, जब तक कि इस शर्त के नियमों का अनुपालन न किया गया हो।

8. यदि दावा किसी भी दृष्टि से कपटपूर्ण हो, या यदि बीमा-कृत या उसकी ओर से कार्य करने वाले किसी व्यक्ति के द्वारा, किन्हीं कपटपूर्ण माधनों या युक्तियों का, इस पालिसी के अधीन कोई फायदा अभिप्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाए, या यदि कोई हानि या नुकसान बीमाकृत के द्वारा जानबूझकर किए गए कार्य या उसकी मौनानुकूलता से हुआ हो तो, पालिसी के अन्तर्गत सभी फायदे सम्पन्न हो जाएंगे :

परन्तु पालिसी के अधीन फायदे सम्पन्न नहीं होंगे, चाहे हानि या नुकसान बीमाकृत द्वारा जानबूझकर किए गए कार्य और उसकी मौनानुकूलता से हुआ हो, जहां जानबूझकर किया गया कार्य उचित प्राधिकारी के आदेशों के अधीन किया गया है या न जहां बीमाकृत उचित प्राधिकारी के आदेशों के अधीन लिए जाने वाले कतिपय उपायों के लिए अनुज्ञा देता है, और यदि कोई ऐसा प्रश्न उठे कि क्या ऊपर-उल्लिखित इस प्रकार का कोई कार्य उचित प्राधिकारी के अधीन किया गया है, तो केन्द्रीय सरकार इस बात का विनिश्चय करेगी और ऐसा विनिश्चय अंतिम होगा तथा बीमाकृत को पूर्णतः आवद्ध कर होगा।

9. कोई हानि या नुकसान होने पर जिसकी बाबत पालिसी के अधीन दावा किया गया है या किया जाए, सरकारी अभिकर्ता और सरकारी अभिकर्ता द्वारा प्राधिकृत हर व्यक्ति, तद्द्वारा कोई दायित्व उत्पन्न किए बिना तथा पालिसी की किन्हीं शर्तों पर निर्भर करने के राष्ट्रपति के अधिकार को कम किए बिना, किसी भवन या परिसर में जहां हानि या नुकसान हुआ हो प्रवेश कर सकेगा, उसे ले सकेगा, या उस पर कब्जा रख सकेगा, और किसी बीमाकृत माल पर कब्जा कर सकेगा या उसे उन्हें परिदत्त करने की अपेक्षा कर सकेगा, और सभी व्यक्तिगत प्रयोजनों के लिए तथा किसी व्यक्तिगत रीति में ऐसे माल पर कब्जा और उसके विषय में संव्यवहार कर सकेगा। यह शर्त राष्ट्रपति को ऐसा करने के लिए बीमाकृत की इजाजत और अनुज्ञा का साक्ष्य होगी। यदि बीमाकृत या उसकी ओर से कार्य करने वाला कोई व्यक्ति राष्ट्रपति की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करेगा या ऊपर-उल्लिखित कार्यों में से कोई कार्य करने में राष्ट्रपति या उसकी ओर से कार्य करने वाले किसी व्यक्ति को प्रतिबाधित या बाधित करेगा तो, इस पालिसी के अधीन सभी फायदे सम्पन्न हो जाएंगे। किसी भी दशा में बीमाकृत राष्ट्रपति के पक्ष में किसी सम्पत्ति, चाहे राष्ट्रपति द्वारा कब्जा की गई हो अथवा नहीं, का परित्याग करने के लिए हकदार नहीं होगा।

10. आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का) द्वारा या उसके अधीन यथा उपबधित के विधाय पालिसी की बाबत प्रीमियम का कोई भी प्रतिदाय अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

11. पालिसी समनुदेशनीय या अन्तरणीय नहीं होगी।

12. बीमाकृत, बीमाकृत माल के प्रकार का ध्यान में रखते हुए, उस की सुरक्षा के लिए सभी समय तत्सम पूर्वोक्तानिया करेगा और विनिश्चितता यदि किसी भी समय बीमाकृत किसी माल को

आपात जोखिमों के कारण नुकसान हुआ हो तो, बीमाकृत, यथा-स्थिति, नुकसान या और नुकसान से बीमाकृत माल को परिरक्षण करने के लिए सभी यचितयुक्त कदम उठाएगा।

13. यदि पालिसी द्वारा किए गए बीमा के लिए अपने आवेदन में बीमाकृत ने बीमाकृत माल के मूल्य के बारे में तात्त्विक गलत कथन किया हो तो, पालिसी के अधीन सभी फायदे सम्पन्न हो जाएंगे।

14. यदि बीमाकृत, आपात जोखिमों से हानि या नुकसान के प्रति माल की रक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार के प्राधिकार के अधीन किए गए या जारी किए गए किसी अनुदेश का अनुपालन न कर सके तो, पालिसी के अधीन सभी फायदे सम्पन्न हो जाएंगे।

15. निम्नलिखित शर्तें बीमाकृत के अनुरोध पर पालिसी में सम्मिलित की जा सकेंगी :—

“एतद्द्वारा यह करार और घोषित किया जाता है कि— बीमाकृत मालम अपने हित के विस्तार तक, बीमाकृत को एतद्द्वारा अनदत्त अधिकारों के लिए बीमाकृत के साथ संयुक्ततः हकदार होंगे परन्तु इतना नहीं कि उन्हें इस पालिसी के अधीन बीमाकृत के उन अधिकारों से कोई अनिश्चित या और अधिक अधिकार प्रदान किए जाएं”।

16. बीमाकृत द्वारा इस निमित्त किए गए आवेदन पर पालिसी स्कीम की द्वितीय अनुसूची के भाग ख में विनिर्दिष्ट प्ररूप में किए गए नवीकरण पृष्ठोंकन द्वारा नवीकृत की जा सकेगी, और ऐसे नवीकरण पर पालिसी उम अवधि के लिए जिसके लिए इसे नवीकृत किया गया है विधिमान्य होगी और उन्हीं निबधनों और शर्तों के अधीन होगी जो इसमें विनिर्दिष्ट है।

भाग—ख पृष्ठोंकन स०

पालिसी स० का पृष्ठोंकन—
बीमाकृत राशि— र०
बीमाकृत का नाम
—19 को में खोजने/भार—
तीय रिजर्व बैंक भारतीय स्टेट बैंक में बीमाकृत द्वारा—
र० का प्रीमियम मदत किए जाने के फलस्वरूप इस पालिसी का
उन्हीं निबधनों और शर्तों पर जो उसमें विनिर्दिष्ट है —को
प्रारम्भ और—को समाप्त होने वाली अतिरिक्त तिमाही
अवधि के लिए एतद्द्वारा नवीकरण किया जाता है।

तीसरी अनुसूची

(पैरा 14 देखिए)

जहां केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधि-कारी को यह विश्वास करने का कारण हो कि कोई व्यक्ति जो उस क्षेत्र, जिस पर वह कार्य करने के लिए प्राधिकृत है, के भीतर स्थित, अधिनियम के अधीन बीमा योग्य, किसी माल का स्वामी है या स्वामी समझा जाता है। अधिनियम या स्कीम द्वारा व्यापेक्षित,

पूर्ण रकम के लिए बीमा न करा सका हो या अधिनियम या स्कीम के अधीन बीमा की पालिसी के लिए आवेदन करने के पश्चात् अधिनियम के अधीन संदेय किसी प्रीमियम का संदाय न कर सका हो और तद्वारा उसने प्रीमियम के रूप में संदाय का अपवचन किया है, जिसका उसे, ऐसी असफलता न होने पर संदाय करना होता वह अधिकारी ऐसे व्यक्ति पर, उससे निम्नलिखित की अपेक्षा करने वाली सूचना तामील कर सकेगा—

- (i) इस निमित्त विनिर्दिष्ट ऐसी तारीख को और ऐसे समय तथा स्थान पर हेतुक वर्णित करने की, कि उसने माल का अधिनियम द्वारा यथापेक्षित या पूर्ण रकम का बीमा क्यों नहीं कराया; और आगे
- (ii) अधिकारी के समक्ष अपने मामले के समर्थन में ऐसी तारीख को कोई दस्तावेज या अन्य साक्ष्य पेश करने की।

2. हेतुक वर्णित किए जाने पर और व्यक्तिक्रमी को हेतुक के समर्थन में सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् अधिकारी माल के बीमा योग्य मूल्य का निर्धारण करेगा और ऐसे निर्धारण के आधार पर प्रीमियम की रकम का, यदि कोई हो, जिसका संदाय व्यक्तिक्रमी द्वारा अपवंचित किया गया है, अवधारण करेगा। ऐसा करने में अधिकारी ऐसी जानकारी पर, जो उसने व्यक्तिक्रमी को उसका स्पष्टीकरण देने का अवसर देने के पश्चात् धारा 11 के अनुसार प्राप्त की हो, विचार करेगा।

3. यदि कोई व्यक्ति, जो किसी माल का स्वामी है या स्वामी समझा जाता है, इस अनुसूची के पैरा 1 के अधीन जारी की गई सूचना के प्रति हेतुक वर्णित नहीं करता तो, अधिकारी ऐसी सामग्री के आधार पर जो उसे उपलब्ध हो माल के बीमा योग्य मूल्य का निर्धारण करेगा और ऐसे निर्धारण के आधार पर प्रीमियम की रकम, जिसका तब व्यक्तिक्रमी द्वारा अपवंचित किया गया है, अवधारित करेगा।

4. जब कोई राशि, इस अनुसूची के पैरा 3 या पैरा 4 के अनुसार अवधारित की गई है तो, अधिकारी, व्यक्तिक्रमी को, अपने द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित, अपने अधिलिखित निर्धारण और अवधारण की प्रति भेजेगा और उसे (i) उसके द्वारा संदेय रकम, (ii) वह तारीख जिसके भीतर इसे संवेत किया जाएगा और (iii) वह खजाना जिसमें इसे संवेत किया जाएगा, विनिर्दिष्ट करते हुए मांग की सूचना तामील करेगा।

5. कोई व्यक्ति, जिसके विरुद्ध निर्धारण और अवधारण इस अनुसूची के पैरा या 2 या पैरा 3 के अनुसार किया गया है, मांग की सूचना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय, राजस्व और बीमा विभाग को अपील कर सकेगा।

6. जहां एक ही माल की बावत निर्धारण और अवधारण एक से अधिक व्यक्तियों के विरुद्ध किया गया हो वहां अपील करने वाला व्यक्ति ऐसा पृथक् और अपने नाम में करेगा।

7. उपर्युक्त पैरा 5 या 6 के अधीन अपील में सभी तारिख कृत और तर्क होंगे जिन पर अपीलार्थी निर्भर करता है, उसके साथ

अपीलार्थी पर तामील की गई मांग की सूचना की प्रति भी होगी और अपील उस प्राधिकारी की मार्फत की जाएगी, जिसके आदेश के विरुद्ध अपील की गई है।

8. अपील प्राधिकारी विचार करेगा कि—

- (क) क्या वे तथ्य, जिन पर मांग की सूचना आधारित है, सिद्ध हो गए हैं, और
- (ख) क्या यथा संदेय अवधारित राशि अत्यधिक, पर्याप्त या अपर्याप्त है,

और ऐसा विचार करने के पश्चात् वह ऐसा आदेश पास करेगा जैसा वह उचित समझे। परन्तु अपीलार्थी द्वारा यथा संदेय अवधारित रकम में वृद्धि करने वाला कोई आदेश, उन आधारों को, जिन पर ऐसा आदेश पास होने के लिए प्रस्थापित है, उसे संसूचित किए बिना और उसके विरुद्ध हेतुक वर्णित करने के लिए उसे अवसर दिए बिना, पास नहीं किया जाएगा।

चतुर्थ अनुसूची

(पैरा 19 देखिए)

भारत सरकार

आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का...)
अधिनियम के अधीन दावों का विवरण

.....की मार्फत
सरकारी [अभिकर्ता,
.....में

..... (पता) के मैं/हम एतद्वारा सत्यनिष्ठ रूप से घोषित करता हूँ/करते हैं कि 19..... के दिन को वर्ष पूर्वाह्न/अपरान्ह भारतीय मानक समय, को या लगभग, वह माल, जो इससे उपाबध अनुसूची क में ब्यौरेवार दी गई पालिसी या पालिसियों के अधीन बीमाकृत था, आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम 1971 (1971 का.....) द्वारा यथा परिभाषित "आपात जोखिम" पद में समाविष्ट किसी कार्य द्वारा नष्ट हो गया था या उसका नुकसान हो गया था। कार्य के वास्तविक व्यौरे (वह रीति जिसमें नुकसान हुआ) नीचे दिए गए हैं :—

.....

.....

मैं/हम और आग सत्यनिष्ठ रूप से घोषित करता हूँ/करते हैं कि उक्त हानि या नुकसान के समय उक्त पालिसी या पालिसियों में यथा वर्णित सब माल का वास्तविक मूल्य रु० था, या, जो उपाबध अनुसूची ख में अधिक विशिष्ट रूप से वर्णित है, और मेरे/हमारे अलावा से भिन्न किसी व्यक्ति या उक्त माल में कोई हित नहीं है।

अतः मैं/हम इससे उपाबद्ध अनुसूची ग में यथा व्योरेवार दिए गए रु० की राशि का दावा कभारत सरकार से करता हूँ/करते हैं और मैं/हम सत्यनिष्ठ रूप से घोषित करता हूँ/करते हैं कि दावों का यह विवरण, किसी किस्म का लाभ लिए बिना, मेरे/हमारे द्वारा उठाई गई हानि का सही और यथार्थ विवरण है।

यदि 19..... के..... के..... दिन

मेरे समक्ष घोषित

हस्ताक्षर.....

और.....

द्वारा पहचान किया गया,

जिसे मैं व्यक्ति के रूप से जानता हूँ.....

.....

महत्त्वपूर्ण सूचना

मजिस्ट्रेट

हानि या नुकसान की तारीख को प्रवृत्त पालिसिया का विवरण

(1)	(2)	(3)	(4)
पालिसी संख्या	जारी करने की तारीख	बीमाकृत राशि	पालिसी में यथा वर्णित बीमाकृत माल

अनुसूची ख

अधिनियम के अधीन बीमाकृत माल का विवरण

(1)	(2)	(3)
माल का वर्णन	माल का पूरा मूल्य	का अवस्थान

अनुसूची ग

हानि या नुकसान का विवरण

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
नुकसान हुए या नष्ट हुए माल का वर्णन	परिमाण	पूरा मूल्य	बचे-बूते माल का मूल्य	वास्तविक हानि	केन्द्रीय सरकार द्वारा संदत्त की जायी गयी रकम

असेसर का प्रमाणपत्र

मैं/हम.....ने, जो आपात जोखिम (माल) बीमा सहीम की पैरा 19(3) के अधीन सम्पत्ति में असेसर नियुक्त हूँ/हैं, यह प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि हानि या नुकसान के स्थान की मेरे/हमारे द्वारा की गई सतर्क परीक्षा पर और पेश की गई वस्तुओं दस्तावेजों और अन्य साक्ष्य में अपना समाधान कर लिया है कि दावाकृत माल हानि या नुकसान के समय पूर्णतः प्रीमा नग या हुआ था और इसमें (और हमारी संलग्न रिपोर्ट में) व्यौरावार किए गए दावों का विवरण, बीमाकृत को केवल आपात जोखिम के प्रत्यक्ष परिणाम के कारण वस्तुतः हुई हानि का सही और उचित विवरण है।

निर्धारण में लिया गया समय.....

फीस रु०.....

तानि असेसर के हस्ताक्षर.....

पता

तारीख

सरकारी अभिकर्ता की सिफारिश

हम यह प्रमाणित करते हैं कि इस दावों के विवरण में व्यौरावार किया गया दावा बीमा पालिसी की शर्त 7 के अनुसार हमारे द्वारा प्राप्त किया गया था, कि अनुसूची क में अन्तर्विष्ट प्रवृत्त बीमों का विवरण सही विवरण है, कि हमने दावेदार के हक का अन्वेषण किया है, और हम सिफारिश करते हैं कि

(*संलग्न रिपोर्ट में जैसा कथित है उसे छोड़कर).....रुपए की राशि हानि के पूर्ण और अन्तिम परिनिर्धारण में संदत्त की जाए, (ii).....और (iii).....रुपए की राशि असेसर को उसकी फीस और व्यय की बाबत संदत्त की जाए।

सरकारी अभिकर्ता के हस्ताक्षर.....

तारीख

निपटारे (व्ययन) के लिए सरकारी आवेदन.....

*यदि अलग रिपोर्ट न हो तो काट दे और उसे आदयक्षरित कर दें।

पांचवी अनुसूची

(परा 19 देखें)

भारत सरकार

आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम 1971 (1971 का 50)

दावों की रसीद

दावा सं०

भारत सरकार से आपात जोखिम (माल) बीमा अधिनियम, 1971 (1971 का) में यथा परिभाषित आपात जोखिम से उद्भूत वह हानि या नुकसान, जो 19.....की/के.....के.....दिन को हुआ, जिसके परिणामस्वरूप इस पालिसी द्वारा बीमाकृत रकम में से रु० छटा दिये गये हैं, के लिये उक्त अधिनियम के अधीन जारी की गई पालिसी/पालिसियां सं०/ संख्याएं.....के अधीन उन पर सभी दावों के पूर्ण उन्मोचन में.....रुपये की राशि आज 19.....की/के.....के.....दिन प्राप्त की।

दावेदार के हस्ताक्षर

स्टाम्प

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

INCOME-TAX

New Delhi, the 17th December, 1971.

S.O. 1085.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, B-Range, Amritsar shall perform his functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in Column 2 of the Schedule below:—

SCHEDULE

Range	Income-tax Circles, Wards and Districts
(1)	(2)
B-Range, Amritsar	<ol style="list-style-type: none"> All Central Circles, which have or had their headquarters at Amritsar, Ludhiana, Ambala, Srinagar and Central Circle-III, IV & V, Kanpur. Special Survey Circle, Amritsar upto and including 14-7-67 (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Central Circles I, II, III, Amritsar and Central Circles, Ludhiana). Special Survey Circle, Patiala upto and including 14-7-67 (in respect of persons who have their principal place of business in or reside in the jurisdiction of Central Circle, Ambala). Salary Circle, Jullundur upto and including 14-7-67 (in respect of persons who reside in the jurisdiction of Central Circles, I, II, III, Amritsar).

Where an Income-tax Circle, Ward and District or part thereof stands transferred by this Notification from one to another range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

Where all Circles, Wards and Districts having headquarters at a particular place have been assigned to an Appellate Assistant Commissioner he will have jurisdiction in respect of Circle, Wards and Districts at that headquarters since abolished also.

This notification shall take effect from 1-1-1972.

Explanatory Note

The revision of jurisdiction has become necessary on account of transfer of jurisdiction over Central Circles III, IV and V, Kanpur from 'C' Range, New Delhi.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 354/F. No. 261/7/71—ITJ]

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

आय-कर

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1971

एस० नो० 1085.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उसे उस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्ण अधिसूचनाओं को प्रतिष्ठित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड एतद्वारा निवेश देता है कि सहायक आयकर आयुक्त (अपील), 'ख'-रेंज, अमृतसर, नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेगा :—

अनुसूची

रेंज	आय-कर, सर्किल, वार्ड और जिले
1	2
ख-रेंज अमृतसर	<ol style="list-style-type: none"> सभी ऐसे केन्द्रीय सर्किल जिनके मुख्यालय अमृतसर, लुधियाना, अम्बाला, श्रीनगर में हैं या थे और केन्द्रीय सर्किल-III, IV और V कानपुर। विशेष सर्वेक्षण सर्किल, अमृतसर 14-7-67 तक और जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है (ऐसे व्यक्तियों की बाबत जिनके कारबार का मुख्य स्थान केन्द्रीय सर्किल I, II, III, अमृतसर और केन्द्रीय सर्किल, लुधियाना की अधिकारिता में है या जो उसके भीतर रहते हैं)। विशेष सर्वेक्षण सर्किल, पटियाला 14-7-67 तक और जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है (ऐसे व्यक्तियों की बाबत जिनके कारबार का मुख्य स्थान केन्द्रीय सर्किल, अम्बाला की अधिकारिता में है या जो उसके भीतर रहते हैं)। वेतन सर्किल, जलन्धर 14-7-67 तक और जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है (ऐसे व्यक्तियों की बाबत जो केन्द्रीय सर्किल, I, II, III, अमृतसर की अधिकारिता में रहते हैं)।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आयकर सफिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किये गये निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएंगी, जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

जहां सभी सफिल, वार्ड और जिले जिनके मुख्यालय एक विशेष स्थान पर हैं किसी सहायक आयुक्त (अपील) को समनुवेशित कर दिये गये हैं, वहां उसे उस मुख्यालय जो उत्सादित कर दिया गया है, में के सफिलों, वार्डों और जिलों के बारे में भी अधिकारिता होगी ;

यह अधिसूचना 1-1-1972 से प्रभावी होगी।

[सं० 354/फा० सं० 261/7/71-आई० टी० जे०]

S.O. 1086.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and all other powers enabling it in that behalf, the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following amendment in the Schedule appended to its Notification No. 110 (F. No. 261/8/71-ITJ) dated the 5th April, 1971:

(1) In the said schedule against 'B' Range, Jaipur on page No. 1 under-Column 2, the following shall be deleted:—

"3. Central Circles, Jaipur."

2. This Notification shall take effect from 1-1-72.

Explanatory Note

This amendment has become necessary on account of transfer of jurisdiction over Central Circles Jaipur to the A.A.C. 'C' Range, New Delhi.

(The above note does not form part of the Notification but it is intended to be merely clarificatory).

[No. 355 (F. No. 261/21/71-ITJ)]

एस० ओ० 1086.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) केन्द्रीय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उसे उस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रत्यक्ष-कर बोर्ड अपनी तारीख 5 अप्रैल, 1971 की अधिसूचना सं० 110 (फा० सं० 261/8/71-आई० टी० जे०) से संलग्न अनुसूची में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है :

(1) उक्त अनुसूची में, पृष्ठ सं० 1 पर 'ख' रेंज, जयपुर के सामने, स्तम्भ 2 के नीचे, निम्नलिखित निकाल दिया जाएगा :—

"3. केन्द्रीय सफिल, जयपुर"।

यह अधिसूचना 1-1-72 से प्रभावी होगी।

[सं० 355 (फा० सं० 261/21/71-आई० टी० जे०)]

S.O. 1087.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling in that behalf, the Central Board

of Direct Taxes hereby makes the following further amendment in the Schedule appended to its notification No. 288 (F. No. 261/14/71-ITJ) dated 8-10-71 as amended:

"In the said schedule, the existing entries at Item No. 3 under column 2 against AAC., 'C' Range, New Delhi, shall be substituted by the following:—

'C' Range 3. Central Circles I, II, & III, Jaipur. New Delhi.

This notification shall take effect from 1-1-72.

Explanatory Note

This amendment has become necessary on account of transfer of jurisdiction over Central Circles, Jaipur to the AAC 'C' Range, New Delhi and Central Circles III, IV & V, Kanpur to AAC 'B' Range, Amritsar.

(The above note does not form part of the notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 356 (F. No. 261/14/71-ITJ)]

एस० ओ० 1087.—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रवर्त शक्तियों का और उसे उस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड अपनी तारीख 8-10-71 की अधिसूचना सं० 288 (फा० सं० 261/14/71-आई० टी० जे०) से संलग्न यथा संशोधित अनुसूची में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है :

"उक्त अनुसूची में, सहायक आयुक्त (अपील), 'ग' रेंज नई दिल्ली के सामने स्तम्भ 2 के नीचे मद सं० 3 की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्न-लिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

'ग' रेंज, नई दिल्ली 3. केन्द्रीय सफिल I, II और III, जयपुर।

यह अधिसूचना 1-1-72 से प्रभावी होगी।

[सं० 356 (फा० सं० 261/14/71-आई० टी० जे०)]

New Delhi, the 31st December, 1971

S.O. 1088.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and of all other powers enabling it in this behalf and in supersession of all the previous notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range specified in column I of the Schedule below, shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to income tax or super-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column 2 thereof:

SCHEDULE

Range (1)	Income-tax Circles, Wards and District, (2)
Central Range-I, Calcutta.	Central Circle- I, V, VII, X, XII, XXIII, XXVII, XXIX, XXXI, XXXII, and I.T.O. Collection-I (Central), Calcutta.
Central Range-II	Central Circle- II, IV, VI, VIII, IX, VX, XVIII, XIX, XXIV, XXV, XXXIII, XXX, XXXII and I.T.O. Collection-II (Central), Calcutta.
Central Range-III.	Central Circle-III, XI, XIII, XIV, XVII, XX, XXI, XVI, XXVI and I.T.O. Collection-III (Central), Calcutta.

I

2

1

2

Central Range-III Central Circle—III, XI, XIII, XIV, XVII, XX, XXI, XVI, XXVI and I.T.O. Collection-III (Central), Calcutta.

2. Where an Income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that income-tax circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range whom that Income-tax circle, Ward or District or part thereof is transferred shall, from the date this notification shall take effect, be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said circle, ward or District or part thereof is transferred.

This notification shall take effect from 1-1-1972.

Explanatory Note

The amendment has become necessary on account of creation of 3 new posts of I.T.Os. in Commissioner of Income Tax Central Charge, Calcutta.

(The above note does not form a part of the notification but is intended to be merely clarificatory)

[No. 403 (F.No. 261/12/71-IT)]

C. V. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1971

एस०ओ० 1088.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और उसे उस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस सम्बन्ध में सभी पूर्व अधिसूचनाओं को प्रतिष्ठित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आयकर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 2 में नित्यानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर सफिलों, वार्डों और जिलों में आयकर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

रेंज (1)	आयकर सफिल वार्ड और जिले (2)
केन्द्रीय रेंज-I, कलकत्ता	केन्द्रीय सफिल—I, V, VII, X, XII, XXIII, XXVII, XXIX, XXII, XXXI, XXXIII, और आयकर अधिकारी संग्रहण-I (केन्द्रीय), कलकत्ता।
केन्द्रीय रेंज—II	केन्द्रीय सफिल—II, IV, VI, VIII, IX, XV, XVIII, XIX, XXIV, XXV, XXVIII, XXX, XXXII, और आयकर अधिकारी संग्रहण-II (केन्द्रीय) कलकत्ता।

केन्द्रीय रेंज—III

केन्द्रीय सफिल—III, XI, XIII, XIV, XVII, XX, XXI, XVI, XXVI और आयकर अधिकारी संग्रहण-III (केन्द्रीय), कलकत्ता।

2. जहाँ इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तर्गत हो गया हो वहाँ उस आयकर सफिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किये गये निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आयकर सफिल वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तर्गत कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तर्गत कर दी जाएंगी, जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा।

यह अधिसूचना 1-1-1972 से प्रभावी होगी।

[सं० 403 (फा० सं० 261/12/71-आई०टी०जे०)]

सी० वी० गप्ते, अव्वर सचिव।

ORDERS

WEALTH-TAX

New Delhi, the 31st January, 1972

S.O. 1089.—In exercise of the powers conferred by Section 10 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), and in partial modification of their order No. 23/1971 of even number dated the 2nd September, 1971, the Central Board of Direct Taxes hereby orders that in the Table annexed to the aforesaid order dated the 2nd September, 1971 the entries under columns (2) and (3) against S. N. 23 and 27 shall be substituted by the following :—

S.No	Commissioners of Wealth-tax	Additional Commissioners of Income-tax (Recovery)
23	Commissioner of Wealth Tax, City-II, Bombay. Commissioner of Wealth-tax, City IV Bombay. Commissioner of Wealth-tax, (Central), Bombay (excluding Central Circles Nagpur and Central Circle, Ahmedabad)	Additional Commissioner of Income-tax (Recovery-II), Bombay.
27	Commissioner of Wealth-tax, Gujarat-I, Ahmedabad. Commissioner of Wealth-tax, Gujarat II, Ahmedabad. Commissioner of Wealth-tax, Gujarat-III, Ahmedabad. Commissioner of Wealth-tax, (Central) Bombay in respect of Central Circle, Ahmedabad.	Additional Commissioner of Income-tax (Recovery), Gujarat-Ahmedabad.

2. This order shall come into force with effect from the 1st February, 1972.

[No. 46/1971 F.No. 315/1/71/W.T.]

आदेश

धन-कर

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1972

1

2

3

केन्द्रीय सफिल, ग्रहमदावाद
के सम्बन्ध में धनकर
आयुक्त, (केन्द्रीय), बम्बई

2. यह आदेश 1 फरवरी, 1972 को प्रवृत्त होगा।

[सं० 46/1971-फा० सं० 315/1/71-ध० क०]

एस० ओ० 1089.—धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 10 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये और अपने तारीख 2 सितम्बर, 1971 के उसी संख्या वाले आदेश सं० 23/1971 को भागतः उपान्तरित करते हुये, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा आदेश देता है कि तारीख 2 सितम्बर, 1971 के पूर्वोक्त आदेश से उपाबद्ध सारणी में, क्रम सं० 23 और 27 के सामने स्तम्भ (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियां निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

S.O.1090—In exercise of the powers conferred by Section 10 of the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957) and in partial modification of their orders No. 23, 24/1971 and No. 38/1971 of even number dated the 2nd September, 1971 and 17th December, 1971, the Central Board of Direct Taxes hereby orders that in the Table annexed to the aforesaid orders dated the 2nd September, 1971 and 17th December, 1971 the entries under column (2) and (3) against S. Nos. 20, 2 and 21 respectively in the above mentioned orders shall be substituted by the following :—

क्रम सं०	धनकर आयुक्त	अपर आय कर आयुक्त (बसूली)
1	2	3
23	धनकर, आयुक्त, नगर-2, बम्बई। धन कर आयुक्त, नगर-4, अपर आयकर आयुक्त, बम्बई। धन कर आयुक्त (केन्द्रीय) बम्बई। (केन्द्रीय सफिल, नागपुर और केन्द्रीय सफिल, ग्रहमदावाद को छोड़कर)।	(बसूली-2), बम्बई।
27	धन कर आयुक्त, गुजरात-1, ग्रहमदावाद। धनकर आयुक्त, गुजरात-2 अपर आयकर आयुक्त ग्रहमदावाद। धन कर आयुक्त, गुजरात-3, ग्रहमदावाद।	(बसूली), गुजरात बम्बई

Order No.	Sl. No.	Commissioners of Wealth-tax	Commissioner of Income-tax/Additional Commissioner of Income-tax (Recovery)
1	2	3	4
23/1971	20
24/1971	2	Commissioner of Wealth-tax West Bengal-I, Calcutta. Commissioner of Wealth-tax West Bengal-II, Calcutta. Commissioner of Wealth-tax, West Bengal-III, Calcutta.	Commissioner of Income-tax (Recovery), Calcutta.
38/1971	21	Commissioner of Wealth-tax West Bengal V, Calcutta. Commissioner of Wealth-tax, West Bengal-IV Calcutta. Commissioner of Wealth-tax, Orissa, Bhubaneswar.	Additional Commissioner of Income-tax (Recovery-II), Calcutta.

2. This order shall come into force with effect from 1st February, 1972.

[No. 47/1971—F.No. 315/1/71-W.T.]

एस० ओ० 1090.—धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की धारा 10 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और अपने तारीख 2 सितम्बर, 1971 और 17 दिसम्बर, 1971 के उसी संख्या वाले आदेश सं० 23, 24/1971 और सं० 38/1971 को भागतः उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा आदेश देता है कि तारीख 2 सितम्बर, 1971 और 17 दिसम्बर, 1971 के पूर्वोक्त आदेशों से उपाबद्ध सारणी में, उपरोक्त आदेशों में क्रमशः क्र० सं० 20, 2 और 21 के सामने स्तम्भ (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियां निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित की जाएंगी :—

आदेश सं०	क्र० सं०	धनकर आयुक्त	आयकर आयुक्त/अपर आयकर आयुक्त (बसूली)
1	2	3.	4
23/1971	20	—	—

1	2	3	4
24/1971	2	धनकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-1, कलकत्ता धनकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-2, कलकत्ता धनकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-3, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, वसूली, कलकत्ता
38/1971	21	धनकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-5, कलकत्ता धनकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-4, कलकत्ता धनकर आयुक्त, उड़ीसा, भुवनेश्वर	अपर आयकर आयुक्त (वसूली-2), कलकत्ता

2. यह आदेश 1 फरवरी, 1972 से प्रवृत्त होगा।

[सं० 47/1971/का० सं० 315/1/71—घ० क०]

GIFT-TAX

New Delhi, the 31st January 1972

S.O.1091—In exercise of the powers conferred by Section 9 of the Gift-tax Act, 1958 (18 of 1958) and in partial modification of their order No. 25, 26/1971 and No. 37/1971 of even number dated the 2nd September, 1971 and 17th December, 1971, the Central Board of Direct Taxes hereby orders that in the Table annexed to the aforesaid orders dated the 2nd September, 1971 and 17th December, 1971 the entries under columns (2) and (3) against S. Nos. 20, 2 and 21 respectively in the above mentioned orders shall be substituted by the following :—

Order No.	Sl. No.	Commissioner of Gift-tax	Commissioner of Income-tax/ Additional Commissioner of Income-tax (Recovery)
25/1971

1	2	3	4
26/1971	2	Commissioner of Gift-tax, West Bengal-I, Calcutta. Commissioner of Gift-tax, West Bengal-II, Calcutta. Commissioner of Gift-tax, West Bengal-III, Calcutta.	Commissioner Income-tax (Recovery), Calcutta
37/1971	21	Commissioner of Gift-tax, West Bengal-V, Calcutta. Commissioner of Gift-tax, West Bengal-VI, Calcutta. Commissioner of Gift-tax, Orissa, Bhubaneswar.	Additional Commissioner of Income-tax (Recovery-II), Calcutta.

2. This order shall come into force with effect from 1st February, 1972.

[No. 48/1971-F.No. 380/2/71-G.T

B. NIGAM, Under Secy.

दान कर

नई दिल्ली, 31 जनवरी 1972

ए.सं. क्रो० 1091.—दानकर अधिनियम, 1958 (1958 का 18) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और अपने तारीख 2 सितम्बर, 1971 और 17 दिसम्बर, 1971 के उसी सख्या वाले आदेश सं० 25, 26/1971 और सं० 37/1971 को भागतः उपान्तरित करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा आदेश देता है कि तारीख 2 सितम्बर, 1971 और 17 दिसम्बर 1971 के पूर्वोक्त आदेशों से, उपाखण्ड सारणी में, उपरोक्त आदेशों में क्रमशः क्र० सं० 20, 2 और 21 के सामने स्तम्भ (2) और (3) के नीचे की प्रविष्टियाँ द्वारा प्रतिस्थापित की जाएगी ;

आदेश सं०	क्रम सं०	दानकर आयुक्त	आयकर आयुक्त/अपर आयुक्त (वसूली)
1	2	3	4
25/1971	20	—	—

1	2	3	4
26/1971	2 दानकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-1, कलकत्ता दानकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-2, कलकत्ता दानकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल 3, कलकत्ता		आयुक्त आयुक्त (बसूली) कलकत्ता
37/1971	21 दानकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-5, कलकत्ता दानकर आयुक्त, पश्चिमी बंगाल-4, कलकत्ता दानकर आयुक्त, उड़ीसा, भुवनेश्वर		अपर आयुक्त आयुक्त (बसूली-2), कलकत्ता

2. यह आदेश 1 फरवरी, 1972 से प्रवृत्त होगा।

[सं० 48/1971/फ० सं० 330/2/71-दानकर]

बी० निगम, अपर सचिव

INCOME-TAX

New Delhi, the 1st March, 1972.

S. O. 1092.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in that behalf and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes, hereby directs that the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income-tax or Super-Tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts, specified in the corresponding entry in column 3 thereof:—

SCHEDULE

CITs Charge	Range	Income-tax Ward/Cir. and Districts
(1)	(2)	(3)
Bombay City-I, Bombay.	B-Range, Bombay	Company Circle-I
	C-Range, Bombay	Bombay Circle, Film Circle, N.R.R.C., Salaries Branch II, Foreign Section & S.I. B. I to V.
	R-Range, Bombay.	A-IV Ward, Salaries Branch I and Bombay Refund Circle.
Bombay City-II, Bombay.	D-Range, Bombay.	Company Circle-IV
	F-Range, Bombay	A-II and Market Wards
	N-Range, Bombay.	B-I Ward and Evacuee Circle-II
	S-Range, Bombay.	Company Circle, V, B-II Ward and C-III Ward.

1	2	3
Bombay City-III, Bombay.	A-Range, Bombay.	Company Circle-II
	E-Range, Bombay	C-II and Evacuee Circle-I.
	G-Range, Bombay.	A-I and A-III Wards.
	K-Range, Bombay.	E-Ward and Hundi Circle.
	U-Range, Bombay.	A-V Ward and X- Ward.
Bombay City-IV, Bombay.	H-Range, Bombay.	B.S.D. (West).
	I-Range, Bombay.	C-I Ward.
	J-Range, Bombay	Company Circle-III.
	M-Range, Bombay	Bombay Suburban District (East).
	T-Range, Bombay.	C-IV Ward.
Bombay City-V, Bombay.	P-Range, Bombay.	D-I and D-II Wards.
	L-Range, Bombay	B-III Ward.
	Q-Range, Bombay	G-Ward and GA-Ward.
	O-Range, Bombay	C-V Ward.

Where an income-tax Circle, Ward or District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Range from whom that Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 1st March, 1972.

Explanatory Note.

The changes in jurisdiction of the Appellate Assistant Commissioners, Ranges become necessary on creation of four more charges of Appellate Assistant Commissioners, in Bombay City Charges.

(The above note does form part of Notification but is intended to be merely clarificatory).

[No. 43 (F. No. 261/9/72-ITJ)]
M.S. MORAY, Under Secy.

आय-कर

नई दिल्ली, 1 मार्च, 1972

एस० आ० 1092 :—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का और इस निमित्त उसको समर्थ बनाने वाले सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये और इस सम्बन्ध में सभी पूर्व अधिसूचनाओं को अतिष्ठित करते हुये, केन्द्रीय सरकार प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्द्वारा निदेश देता है कि नीचे की अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के सहायक आय कर आयुक्त (अपील), उसके स्तम्भ 3 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आय कर सफिलों, वार्डों और जिलों में आय कर या अधिकार के लिए निर्धारित सभी व्यक्तियों और आयों के बारे में अपने कृत्यों का पालन करेंगे :—

अनुसूची

आयकर आयुक्त का चार्ज (1)	रेंज (2)	आयकर वार्ड/सफिल और जिले (3)
बम्बई नगर—1, बम्बई	ख—रेंज, बम्बई ग—रेंज, बम्बई द—रेंज, बम्बई	कम्पनी सफिल—1 बम्बई सफिल, फिन्स सफिल, एन० आर० आर० सी०, वेतन शाखा—2, फारिन सेक्शन और एस० आई० बी० 1 से 5 क—4 वार्ड, वेतन शाखा—1 और बम्बई वापसी सफिल ।
बम्बई नगर—2, बम्बई	घ—रेंज, बम्बई । च—रेंज, बम्बई । छ—रेंज, बम्बई । घ—रेंज, बम्बई ।	कम्पनी सफिल 1-4 । क—2 और बाजार वार्ड । ख—1 वार्ड और निष्क्रान्त सफिल—32 । कम्पनी सफिल—5, ख-2 वार्ड और ग-3 वार्ड ।
बम्बई नगर—3, बम्बई ।	क—रेंज, बम्बई । ख—रेंज, बम्बई । छ—रेंज, बम्बई । ट—रेंज, बम्बई । प—रेंज, बम्बई ।	कम्पनी सफिल—2 । ग—2 और निष्क्रान्त सफिल -1 । क—1 और क—3 वार्ड । ड०—वार्ड और हुण्डी सफिल । क—5 वार्ड और ग—वार्ड ।
बम्बई नगर—4, बम्बई ।	ज—रेंज, बम्बई । झ—रेंज, बम्बई । ञ—रेंज, बम्बई । ड—रेंज, बम्बई । न—रेंज, बम्बई ।	बम्बई उपनगरीय जिला (पश्चिमी) । ग—1 वार्ड । कम्पनी सफिल—3 । बम्बई उपनगरीय जिला (पूर्वी) । ग—4 वार्ड ।
बम्बई नगर—5, बम्बई ।	त—रेंज, बम्बई । ठ—रेंज, बम्बई । थ—रेंज, बम्बई । ण—रेंज, बम्बई ।	घ—1 और घ—2 वार्ड । ख—3 वार्ड छ—वार्ड और छ क—वार्ड । ग—5 वार्ड ।

जहां इस अधिसूचना द्वारा कोई आयकर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग एक रेंज से दूसरे रेंज को अन्तरित हो गया हो वहां उस आय कर सफिल, वार्ड या जिले या उसके किसी भाग में किए गये निर्धारणों के परिणामस्वरूप की गई अपीलें, जो इस अधिसूचना की तारीख से ठीक पहले उस रेंज के, जिससे वह आय कर सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) के समक्ष लम्बित थीं, इस अधिसूचना के प्रभावी होने की तारीख से उस रेंज के, जिसको उक्त सफिल, वार्ड या जिला या उसका कोई भाग अन्तरित कर दिया गया है, सहायक आयुक्त (अपील) को अन्तरित कर दी जाएगी, जो उनके सम्बन्ध में कार्यवाही करेगा ;

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1972 से प्रभावी होगी ।

[सं० 43 (फा० सं० 261/9/72-आई० टी० जे०)]

एम० एस० मोरे, अव्वर सचिव ।

CABINET SECRETARIAT**Enforcement Directorate****(Department of Personnel)***New Delhi, the 10th April, 1972***(FOREIGN EXCHANGE REGULATION)**

S.O. 1093.—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VII of 1947) and in pursuance of the powers conferred under the Foreign Exchange Regulation (Publication of Names) Rules, 1970, the Director of Enforcement here by published the names and other particulars of the persons who have been adjudged by the Director of Enforcement to have contravened the provisions specified in sub-Section 1 of Section 23 of the Foreign Exchange Regulation Act for the period 7th November, 1970 to 6th February, 1971 being the categories of persons provided in rule 3 of the said Rules.

Sl. Name and address of the person No.	Date & No. of the order and particulars of the penalty imposed.	Provisions of the Act contravened
1 (i) M/s. Maddi Venkateratnam & Co., Pvt. Ltd., Tobacco Dealers & Exporters Post Box No. 2 Chilakaluripet, Guntur District, Andhra Pradesh.		
(ii) Shri Maddi Venkata Ratnam, Chairman.		
(iii) Shri Maddi Lakshmiah, Managing Director		
(iv) Shri Maddi Satya Narayana, Director,	No. IV/129/70 dated 18-11-70 Rs. 35,000.	5(1) (e) and 4(2)
(v) Shriram Krishnamurthy, Director,		
M/s. Maddi Venkataratnam & Co., Pvt. Ltd., Tobacco dealers & Exporters, Chilakaluripet, Guntur District. Andhra Pradesh.		
2 Shri A. L. Valliappa Chettiar, S/o Shri Alagappa Chettiar, Accountant, No. 271, West Masi Street, Maudrai,	No. IV/132/70 dated 20-12-70. Rs. 18,000.	5(i)(e) and 5(1)(aa).
3 Shri M. R. Ponnalagappa Chettiar, S/o Shri Murugappa Chettiar 2631, Manajiappa Street, Tanjore District.	No. IV/8/71 dated 27-1-71 Rs. 450 penalty and Indian currency of Rs. 25,000 confiscated.	5(i)(aa).
4 Shri A. Subramanian, C/o City Electricals, 94, Big Bazar Street, Tiruchirappalli.	No. IV/15/71 dated 27-1-1971 Rs. 500 penalty and Indian currency of Rs. 45,000 confiscated.	5(i)(aa).

[No. F. ED/Genl.(44)/70]

मंत्रिमंडल सचिवालय**(प्रवर्तन निदेशालय)****कार्मिक विभाग**

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1972

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947

एस० नं० 1093.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का सात) की धारा 27 का प्रयोग करते हुए और विदेशी मुद्रा विनियमन (नाम प्रकाशन) नियमावली, 1947 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रवर्तन निदेशक इसके द्वारा उन व्यक्तियों के नाम और अन्य व्योरे प्रकाशित करते हैं जिनके विषय में प्रवर्तन निदेशक ने यह न्याय-निर्णय दिया है कि उन लोगों ने दिनांक

7 नवम्बर 1970 से 6 फरवरी 1971 के बीच विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम की धारा 13 उप-धारा 1 में निर्दिष्ट उपबन्धों का उल्लंघन किया है। ये व्यक्ति उक्त नियमावली के नियम 3 में दी गई श्रेणियों के अन्तर्गत आते हैं।

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम और पता	आदेश की तारीख और संख्या और दिए गए दण्ड के ब्यौरे	अधिनियम के उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया
1	(1) मैसर्स महीदी बैंकटरलम एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, तम्बाकू व्यापारी और निर्यातक, पोस्ट बाक्स नं० 2 चिलकालूरिमेड, जिला आन्ध्र प्रदेश (2) श्री मही बैंकटरलम चेयरमैन, (3) श्री मही लक्ष्मीया प्रबन्ध निदेशक (4) श्री मही सत्यनारायण, निदेशक (5) श्री राम कृष्णामूर्ति, निदेशक, मैसर्स मादी बैंकटरलम एण्ड कं० प्रा० लि० तम्बाकू व्यापारी और निर्यातक, चिलकालूरिपेट, गुटूर-जिला आन्ध्र प्रदेश	सं० 4/129/70 दि० 18/11/70 रु० 35,000	5(1)(क) और 4(2)
2	श्री अल वकील्याप्पा चेट्टियार, सुपुत्र श्री अलागाप्पा, चेट्टियार, काउन्टेंट नं० 271, बैस्ट मासी स्ट्रीट, मादुरई।	सं० 4/132/70 दि० 29/12/70 रु० 18,000..	5(1)(ग) और 5(1)(कक)
3	श्री एम०आर० पुन्नलगप्पा चेट्टियार, सुपुत्र श्री मुरुगप्पा चेट्टियार, 2631, मनजियाप्पा स्ट्रीट, तनजौर-जिला।	सं० 4/8/71 दि० 27/11/71 रु० 450 दण्ड और रु० 25,000 की भारतीय मुद्रा जब्त	5(1)(कक)
4	श्री ए० सुब्रमणियन, द्वारा सिटी इलेक्ट्रीकलस, 94 बिग बाजार, स्ट्रीट, तिरुचिरापल्ली।	सं० 4/15/71 दि० 27/1/71 रु० 500 दण्ड और रु० 45,000 की भारतीय मुद्रा जब्त	5(1)(कक)

[सं० फ० प्रनि०/सा० (44)/70]

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT, 1947.

S. O. 1094.—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VII of 1947) and in pursuance of the powers conferred under the Foreign Exchange Regulation (Publication of Names) Rules, 1970, the Director of Enforcement hereby publishes the names and other particulars of the persons who have been adjudged by the Director of Enforcement to have contravened the provisions specified in Sub-Section 1 of Section 23 of the Foreign Exchange Regulation Act for the period 7th August, 1970 to 6th November, 1970 being the categories of persons provided in Rule 3 of the said Rules.

Sl. No.	Name and address of the person	Date & No. of the order and particulars of the penalty imposed	Provisions of the Act contravened
1	Mr. Peter Ernest Moritz Lesch, 207, Sea Palace Hotel, Strand Road, Bombay-1.	No. I/223/70 dated 23-9-70. Foreign currency equivalent to Rs. 3,47,800 (approx.) confiscated.	4(1)
2	M/s. M.A. Mallick & Co., 91, Mohamedali, Road, Rangoonwala Building Bombay-3.	No. 1/252/70 dated 31-10-70. Rs. 50,000/-	12(2)
3	Shri N. Ibrahim, No.8/59, Mannady Street, Madras-1.	No. IV/95/70 dated 14-8-70. Rs. 10,000.	5(1)(c)
4	Rev. Fr. D. Kuzhupil, Stella Maris, Waltair, Uplands, Waltair (A.P.)	No. IV/96/70, dated 12-8-70. Rs. 15,500/- penalty and Foreign currency equivalent to Rs. 26,345/- (approx) confiscated.	4(1), 5(1)(a), 5(1)(aa) and 9.

1	2	3
5 Shri T. Regiswamy Kannu, 1/7, Whannels Road, Egmore, Madras-8.	No. IV/102/70 dated 29-8-70 Rs. 10,000/-	5(1)(aa)
6 Shri M. M. Mohamed, Stationery & Beedi Merchant, Kappalandi, Mukku, Cochin-2.	No. 1/213/70 dated 17-9-70. Rs. 5,100/- penalty and Indian currency of Rs. 21,200/- confiscated.	5(1)(aa) and 5(1)(c).
7 Shri T. M. Kurien, No. 8, Sivaganga Road, Madras -34.	No. IV/116/70 dated 30-9-70 Rs. 70,000/-	3(1)(aa) and 5(1)(d)
8 Shri P. A. D'cruz, Amalalayan, Trichur-5, Kerala	No. IV/120/70 dated 20-10-70. Rs. 1,500 penalty and Indian currency of Rs. 10,000/- confiscated.	5(1)(aa)
9 M/s. Ambiga Stores, Cloth Merchants, Trichy Road, Gugaj, Salem-6.	No. IV/127/70 dated 31-10-70 Rs. 10,000/-	12(2)

[No. F. ED/Genl(44)/70.]

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947

एस०न० 1094.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का मात) की धारा 27 का प्रयोग करते हुए और विदेशी मुद्रा विनियमन (नाम प्रकाशन) नियमावली, 1947 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रवर्तन निदेशक इसके द्वारा उन व्यक्तियों के नाम और अन्य व्योरे प्रकाशित करते हैं जिनके विषय में प्रवर्तन निदेशक यह न्याय-निर्णय दिया है कि उन लोगों ने दिनांक 7 अगस्त 1970 से 6 नवम्बर 1970 के बीच विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम की धारा 13 उप-धारा 1 में निर्दिष्ट उपबन्धों का उल्लंघन किया है। ये व्यक्ति उक्त नियमावली के नियम 3 में दी गई श्रेणियों के अन्तर्गत आते हैं।

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम और पता	आदेश की तारीख और संख्या और दिए गए दण्ड के व्योरे	अधिनियम के उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया
1	श्री पीटर अर्नस्ट मारिट्ज, लैश, 207, सी पैलेस होटल, स्ट्रैंड रोड, बम्बई-1	सं० 1/223/70 दि० 23/9/70 लगभग 3,47,800 रुपये के बराबर मूल्य की विदेशी मुद्रा—जम्मा	4(1)
2	मेसर्स एम० ए० मलिक एण्ड कम्पनी 91, मोहम्मदअली रोड, रंगूनवाला बिल्डिंग, बम्बई-3	सं० 1/252/70 दि० 31/10/70 रु० 50,000	12(2)
3	श्री एन० इब्राहीम, नं० 8/59, मन्नादि स्ट्रीट, मद्रास-1	सं० 4/95/70 दि० 14/8/70 रु० 10,000	5(1)(ग)
4	रेबेरण्ड फादर—डी० कुसुपिल, स्टैला मारिया, वाल्टेयर, अपर्लेण्डम, वाल्टेयर (आंध्र प्रदेश)	सं० 4/96/70 दि० 12/8/70 रु० 15,500 दण्ड और लगभग 26,345 रु० के बराबर मूल्य की विदेशी मुद्रा—जम्मा	4(1), 5(1)(क) 5(1)(कक) और 9
5	श्री टी० रेगीस्वामी कन्नु 1/7 व्हेनेन्स रोड, एग्मोर, मद्रास-8	सं० 4/102/70 दि० 29/8/70 रु० 10,000	5(1)(कक)

1	2	3	4
6	श्री एम० एस० मोहम्मद, स्टेशनरी एण्ड बीड़ी मर्वेंट, कम्पलेण्डी मुक्कू, कोचीन-2	सं० 1/213/70 दि० 17/9/70 रु० 5,100—दण्ड और रु० 21,200 की भारतीय मुद्रा जम्मा	5(1) (कक) और 5(1) (ग)
7	श्री टी० एम० कुरियन, नं० 8, शिवगंगा रोड, मद्रास-34	सं० 5/116/70 दि० 30/9/70 रु० 70,000	5(1) (कक) और 5(1) (घ)
8	श्री पी० ए० डिक्कूज, अमललयम, त्रिचूर 5, केरल	सं० 4/120/70 दि० 20/10/70 रु० 1,500—दण्ड और रु० 10,000 की भारतीय मुद्रा जम्मा	5(1) (कक)
9	मेसर्स अम्बिका स्टोर्स, क्लाय भर्वेन्टस त्रिचि रोड, गुगई, सलेम-6	सं० 4/127/70 दि० 31/10/70 रु० 10,000	12(2)

[सं० फा० प्रनि०/सा० (44)/70]

Foreign Exchange Regulation Act, 1947.

S.O. 1095.—In exercise of the powers conferred by Section 27 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VII of 1947) and in pursuance of the powers conferred under the Foreign Exchange Regulation (Publication of Names) Rules, 1970, the Director of Enforcement hereby publishes the names and other particulars of the persons who have been adjudged by the Director of Enforcement have contravened the provisions specified in Sub-section 1 of Section 23 of the Foreign Exchange Regulation Act for the period 7th May, 1970 to 6th August, 1970 being the categories of persons provided in Rule 3 of the said Rules.

Sl. No.	Name and address of the person	Date and No. of the order and particulars of the penalty imposed.	Provisions of the Act contravened
1	Shri Kurban Hussain, 53, Bapu Khote Street, Bombay.	No. 1/175/70 dated 10-7-70 Rs. 3,05,000/-	4(1) 5(1)(c) and 5(1)(d).
2	Shri A. T. Mohamed, Proprietor, Shakti Match Industrial, Ottupera Valakancheri Post Office, Trichur District, Kerala State.	No. IV/66/70 dated 15-5-1970 Rs. 15,000/-	5(1)(aa) 5(1)(aa) read with Section 23B and 5(1)(c).
3	Shri M. M. Mohamed, Meera Saheb, C/o. Shri Mohammed, 126A, S. N. Street, Kilakarai P.O., Ramnad District.	No. IV/70/70 dated 29-5-70 Rs. 56,000/-	4(1), 4(2), 5(1)(aa), 5(1)(c) and 9
4	Shri L. E. Mohamed Hussain, 246, Big Street, Koothanallur, Thanjavur District.	No. IV/76/70 dated 24-6-70 Rs. 4,000/- penalty and Rs. 50,000/- confiscated.	5(1)(aa) and 5(1)(c).
5	Shri S. Abdul Jabber, S/o. Shri Sulaiman, Main Road, Solasakran- allur P.O. Mayuram Taluk, Thanjavur Distt.	No. IV/91/70 dated 28-7-70 Rs. 30,000/- penalty and Rs. 7,250/- and M. S. 42,000 (Rs. 100/- approx.) Confiscated	5(1)(aa) and 5(1)(c) and Section 9.

[No. F. ED/Genl.(44)/70]

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947

एस० नं० 1095.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का सात) की धारा 27 का प्रयोग करते हुए और दिवसों तथा तिथि पत्र (राम प्रकाश) नियमावली, 1947 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रवर्तन निदेशक इसके द्वारा उन व्यक्तियों के नाम और अन्य विवरण प्रकाशित करते हैं जिनके विषय में प्रवर्तन निदेशक ने यह न्याय-निर्णय दिया है कि उन लोगों ने दिनांक 7

मई 1970 से 6 अगस्त 1970 के बीच विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम की धारा 13 उप-धारा 1 में निर्दिष्ट उपबन्धों का उल्लंघन किया है। ये व्यक्ति उक्त नियमावली के नियम 3 में दी गई श्रेणियों के अन्तर्गत आते हैं।

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम और पता	आदेश की तारीख और संख्या और दिए गए दण्ड के ब्यौरे	अधिनियम के उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया
1	2	3	4
1.	श्री कुर्बान हुसैन, 53, वापू छोटे स्ट्रीट, बम्बई।	सं० 1/175/70 दिनांक 10/7/70 रु० 3,05,000	4(1) 5(1)(ग) और 5(1)(घ)
2.	श्री ए० टी० मोहम्मद, प्रोप्रायटर शक्ति मैच इंडस्ट्रियल, ओट्टपैरा, डाकघर वडाकैचरी, जिला— त्रिचूर, केरल राज्य	सं० 4/66/70 दि० 15/5/70 रु० 15,000	5(1)(कक) धारा 23 और 5(1) (ग) के साथ पढ़ा गया 5(1)(कक)
3.	श्री एम० एम० मोहम्मद, मीरा साहेब, द्वारा— श्री मोहम्मद, 126ए, एस० एन० स्ट्रीट, डाकघर किलाकराई, जिला—रामनद।	सं० 4/70/70 . दि० 29/5/70 रु० 56,000	4(1), 4(2), 5(1)(कक), 5(1)(ग) और 9
4.	श्री एल० ई० मोहम्मद हुसैन, 246, बिग स्ट्रीट, कूथनलर, जिला— तंजावर।	सं० 4/76/70 दि० 24/6/70 रु० 4,000—दण्ड और रु० 50,000 जन्त	5(1)(कक) और 5(1)(ग) और धारा 9 रु० 30,000—दण्ड और म० डालर 42.00 (लगभग 100 रु० जन्त)
5.	श्री एस० अब्दुल जब्बर, सुपुत्र श्री सुलेमान: मेन रोड, डाकघर सोलसकनलर, तालुका— मयूरम जिला— तंजावर।	सं० 4/91/70 दि० 22/7/70 रु० 30,000—दण्ड और म० डालर 42.00 (लगभग 100 रु० जन्त)	5(1)(कक) और 5(1)(ग) और धारा 9

[सं० फा० प्रनि/सा० (44)/70]

Foreign Exchange Regulation Act, 1947.

S.O.1016.—In exercise of the powers conferred by section 27 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1947 (VII of 1947) and in pursuance of the powers conferred under the Foreign Exchange Regulation (Publication of Names) Rules, 1970, the Director of Enforcement hereby publishes the names and other particulars of the persons who have been adjudged by the Director of Enforcement to have contravened the provisions specified in Sub-Section 1 of the Section 23 of the Foreign Exchange Regulation Act for the period 7th February, 1971 to 6th May, 1971 being the categories of persons provided in Rule 3 of the said Rules.

S. No.	Name and address of the persons.	Date and No. of the orders and particulars of the penalty imposed.	Provisions of the Act contravened
1.	2	3	4
1.	Shri Haji Essop Mohamed Dassu, Mohamed-pura, Broach.	No. I/34/71 dated 16-4-1971 Rs. 50,000/-	5(1)(c)
2.	(i) Shri Lakhmi Chand Thakurdas & (ii) Smt. Satabai Lakhmi Chand Thakurdas, 99, Niranjani Building, Block No. 307, IIIrd Floor, Marine Drive, Bombay-2.	No. I/37/71 dated 19-4-1971 Rs. 72,000/-	4(1) and 5(1)(a)
3.	Shri Tayabali Kurban Hussain Dudhwala, 53, Bhailpala Lane, Room No. 31, Bombay-3.	No. I/38/71 dated 20-4-1971 Rs. 50,000/-	5(1)(c)
4.	Shri M. N. Dinath, 71, Dinath Court, S.P. Road, Worli, Bombay-18.	No. I/39/71 dated 24-4-71 Rs. 18,650/- and Confiscated to 391- (Rs. 702/-)	5(1)(aa), 5(1)(a) 4(1) 5(1)(c) & 9
5.	(i) M/s. The Bombay Company (P) Ltd., 9, Wallace Street, Fort, Bombay.	No. I/49/71 2-5-1971 Rs. 1,45,000/-	4(3), 4(1), 9 10(1), 5(1)(a) & 5(1)(aa)

1.	2	3	4
(ii)	Mr. D. A. Bond, C/o. The Bombay Co., (P) Ltd., 9, Wallace Street, Fort, Bombay.	No. I/49/71 dated 2-5-1971 Rs. 10,000/-	4(3)
(iii)	Mr. F. C. Johnston, C/o. The Bombay Co. (P) Ltd., 9 Wallace Street, Fort, Bombay.	No. I/49/71 dated 2-5-71 Rs. 10,000/-	4(3)
6.	M/s. United Missionary Society, 10, St. George Gate, Road, Calcutta-22.	No. II/8/71 dated 19-3-1971 Rs. 85,000/-	5(1)(aa) 5(1)(a).
7.	Shri Madan Lal Kedia, 4 Road, Calcutta.	No. II/15/71 dated 19-4-71 Rs. 2,000/- Confiscation U.S. 1,500\$ (Rs. 11,250/- approx.)	4(1)
8.	Shri L. VR. Raman Chettiar, Namathanpatti P.O., Ramnad Distt.	No. IV/105/71 dated 27-3-1971 Rs. 10,000/-	5(1)(aa).
9.	Shri V. Mukundadasan, No. III/287, Thodiyil House, Illakkaman Desam, P.O. Ayiroor Village, Varkala, Kerala.	No. IV/124/71 dated 19-4-1971 Rs. 25,000/-	5(1) (c)
10	M/s. The India Famous Publicit Co., Exporters, 29, Armenian Street, Madras-1.	No. IV/137/71 dated 4-5-1971 Rs. 10,000/-	12(2)
	(2) Shri A. Kandawamy Mudaliar, Partner,		
	(3) Shri A. K. Pattabhairaman, 11, Molony Road, T. Nagar, Madras-17.		
	(4) M. Bhanumathi, Partner,		
	(5) S. Gomathi, 11, Molony Road, T. Nagar, Madras-17.		
	(6) Shri A.K. Narendran, 11, Molony Road, T. Nagar, Madras-17.		

F. No. ED/Genl(44)/70.

A. K. GHOSH
Director

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947

एच० ओ० 1096.—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1947 (1947 का सात) की धारा 27 का प्रयोग करते हुए और विदेशी मुद्रा विनियमन (नाम प्रकाशन) नियमावली, 1947 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रवर्तन निदेशक इसके द्वारा उन व्यक्तियों के नाम और अन्य बारे प्रकाशित करते हैं जिनके विषय में प्रवर्तन निदेशक ने यह न्याय-निर्णय दिया है कि उन लोगों ने दिनांक 7 फरवरी 1971 से 6 मई, 1971 के बीच विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम की धारा 13 उप-धारा 1 में निर्दिष्ट उपबन्धों का उल्लंघन किया है। ये व्यक्ति उक्त नियमावली के नियम 3 में दी गई श्रेणियों के अन्तर्गत आते हैं।

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम और पता	आदेश की तारीख और संख्या और दिए गए दण्ड के ब्यौरे	अधिनियम के उपबन्ध जिनका उल्लंघन किया गया
1.	श्री हाजी ईस मोहम्मददस्तु मोहम्मदपुरा, भड़ौच।	सं० 1/34/71 दि० 16/4/71 रु० 50,000	5(1) (ग)
2.	(1) श्री लक्ष्मी चन्द ठाकुरदास और (2) श्रीमती साताबाई लक्ष्मी चन्द ठाकुर दास, 99, निरंजन बिल्डिंग, ब्लॉक नं० 307, तृतीय फ्लोर मैरीन ड्राइव, बम्बई-2।	सं० 1/37/71 दि० 19/4/71 रु० 72,000	4(1) और 5(1) (क)
3.	श्री तैयबअली कुर्बान हुसैन दूधवाला, 53, भाजीपाला लेन, कमरा नं० 31, बम्बई-31	सं० 1/38/71 दि० 20/4/71 रु० 50,000 .	5(1) (ग)

1	2	3	4
4	श्री एस० एन० दीनय, 71, दीनय कोर्ट, एस० पी० रोड, बार्ली, बम्बई-18	सं० 1/39/71 दि० 24/4/71 रु० 18,650 दण्ड और पोंड 39 (रु० 702) जन्त	5(1) (कक) 5(1) (क) 4(1) 5(1) (ग) और और 9
5	(1) मैसर्स दि बम्बई कम्पनी (प्रा०) लि०, 9, वालेस स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई ।	सं० 1/49/71 दि० 2/5/72 रु० 1,45,000	4(3), 4(1), 9 10(1), 5(1) (क) और 5(1) (कक)
	(2) श्री डी० ए० बोण्ड, द्वारा दि बम्बई कम्पनी (प्रा०) लि० 9, वालेस स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई ।	सं० 1/49/71 दि० 2/5/71 रु० 10,000	4(3)
	(III) श्री एफ० सी० जोन्सन, द्वारा दि० बम्बई कम्पनी (प्रा०) लि० 9, वालेस स्ट्रीट, फोर्ट बम्बई ।	सं० 1/49/71 दि० 2/5/71 रु० 10,000	4(3)
6	मैसर्स यूनाइटेड मिशनरी सोसाइटी, 10, सेन्ट जार्ज गेट रोड, कलकत्ता-22	सं० 2/8/71 दि० 19/3 71 रु० 85,000	5(1) (कक) 5(1) (क)
7	श्री मदनलाल केडिया, 4, माफेयर रोड, कलकत्ता ।	सं० 2/15/71 दि० 19 4/71 रु० 2,000 दण्ड और अमेरिकन डालर 1,500 (रु० 11,250) के लगभग) जन्त	4(1)
8	श्री एल० बी० आर० रमन चेटियारनामथन पट्टी डाकघर, रमनद जिला ।	सं० 4/105/71 दि० 27/3/71 रु० 10,000	4(1) (कक)
9	श्री बी० मुकुन्दधिसन, नं० 111/287, थोडियल हाउस, इल्लाक्कमन, देसम, डाकघर, आइरुर् गांध, वरकाला, केरल ।	सं० 4/12/124 71 दि० 19/4/71 रु० 25,000	5(1) (ग)
10	मैसर्स दि इण्डिया फेस पुलिफ्ट कम्पनी, एक्सपोर्ट्स, 29, अर्मीनियन स्ट्रीट, मद्रास-1 ।))
	(2) श्री ए० कणास्वामी मूवालयर, पार्टनर ।))
	(3) श्री ए० के० पट्टाभिरमन, 11 मोलोनी रोड, टी० नगर, मद्रास-17 ।	सं० 4/137/71 दि० 4 5 71	12(2)
	(4) एम० भानुमती, पार्टनर, ।) रु० 10000)
	(5) एम० गोमती, 11, मोलोनी रोड, टी० नगर, मद्रास-17 ।))
	(6) श्री ए० के० नरेन्द्रन, 11 मोलोनी रोड, टी० नगर मद्रास-17 ।))

[सं० फा० प्रनि/सा० (44)/70]

अजित कुमार बोष, निदेशक ।

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 24th February 1972

S.O. 1097.—In pursuance of the provisions of rule 48 of the Fundamental Rules, the President hereby makes the following rules further to amend the Supplementary Rules issued with the Government of India, Finance Department letter No. 104-CSR, dated the 4th February, 1922, namely:—

1. (1) These rules may be called the Allotment of Government Residences (General Pool in Delhi) Second Amendment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Part VIII of the Supplementary Rules, in Division XXVI-B, S.R. 317-B-9 shall be omitted.

[No. F. 12033(8)/69-Pol.(II).]

R. B. SAXENA,

Dy. Director of Estates (Policy).

निर्माण और आवास मंत्रालय

सम्पदा निदेशालय

नई दिल्ली, 24 फरवरी 1972

का० आ० 1097 राष्ट्रपति, मूल नियम के नियम 45 के उप-बंधों के अनुसरण में, भारत सरकार के वित्त विभाग के पत्र सं० 104-सी० एम० आर०, तारीख 4 फरवरी, 1922 के साथ जारी किए गए अनुपूरक नियम में और संशोधन करने लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम सरकारी निवास स्थानों का आवंटन (दिल्ली में साधारण (मूल द्वितीय नियम, 1972 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अनुपूरक नियम के भाग 8 में, प्रभाग 26-ख में से अनु० नि० 31-ख 9 हटा कर दिया जाएगा।

[सं० का० 12033(8)/69-नीति(2)]

राम बहादुर सक्सेना,

उप सम्पदा निदेशक (नीति)

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 29th January 1972

S.O. 1098.—Whereas, Shri N. Chandrasekharan Nair, Drugs Controller for the State of Kerala, Trivandrum has been renominated under clause (h) of section 3 of the Pharmacy Act, 1948 (8 of 1948), by the Government of Kerala to represent that State on the Pharmacy Council of India with effect from the 5th October, 1970;

And whereas, Shri M. K. Rangnekar, Commissioner, Food and Drugs Administration, Maharashtra State, Bombay has been re-nominated under clause (h) of section 3 of the said Act by the Government of Maharashtra to represent that State on the Pharmacy Council of India with effect from the 19th September, 1970;

And whereas Shri P. S. R. K. Harnath, Professor of Pharmacology, Kurnool Medical College, Kurnool has been nominated under clause (h) of section 3 of the said Act by the Government of Andhra Pradesh to represent that State on the Pharmacy Council of India with effect from the 3rd August, 1971;

And whereas Dr. Mohinder Singh Grewal, Professor of Pharmacology, Medical College, Patiala has been nominated under clause (h) of section 3 of the said Act by the Government of Punjab to represent that State on the Pharmacy Council of India with effect from the 30th November, 1971;

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act the Central Government hereby directs that Shri N. Chandrasekharan Nair and Shri M. K. Rangnekar shall continue to be, and Dr. P. S. R. K. Harnath and Dr. Mohinder Singh Grewal shall be, with effect from the respective dates aforesaid, members of the Pharmacy Council of India constituted by the notification of the Government of India in the Ministry of Health No. 7-23/59-D, dated 21st December, 1959 and makes the following further amendments in the said notification, namely:—

In the said notification, under the heading "VI. Members nominated by State Governments under clause (h)", for the entries against serial Nos. 1 and 8 the following entries shall respectively be substituted, namely:—

"Dr. P. S. R. K. Harnath, Professor of Pharmacology, Kurnool Medical College, Kurnool".

"Dr. Mohinder Singh Grewal, Professor of Pharmacology Medical College, Patiala".

[No. F. 6-6/69-MPT(Vol.II.)]

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 फरवरी, 1972

एस० आ० 1098 :—यतः भारतीय भोजन परिषद् में केरल राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये उस सरकार द्वारा फार्मसी अधिनियम, 1948 (1948 का 8) की धारा 3 के खण्ड (ज) के अधीन केरल राज्य, त्रिवेन्द्रम, के अधिव नियंत्रक, श्री एन० चन्द्रशेखरन नय्यर, को 5 अक्टूबर, 1970 से पुनः मनोनीत किया गया है।

और यतः श्री एम० के० रंगनेकर, आयुक्त, खाद्य एवं औषध प्रशासन, महाराष्ट्र राज्य, बम्बई, को 19 सितम्बर, 1970 से भारतीय भोजन परिषद् में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये महाराष्ट्र सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (ज) के अधीन पुनः मनोनीत किया गया है।

और यतः श्री पी० एस० आर० के० हरनाथ, भोजन विज्ञान के प्राध्यापक, कुरनूल मेडिकल कालेज, कुरनूल, को 3 अगस्त, 1971 से भारतीय भोजन परिषद् में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिये मध्य प्रदेश सरकार द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (ज) के अधीन मनोनीत किया गया है।

और यतः, डा० मोहिंदर सिंह ग्रेवाल, भोजन शास्त्र के प्राध्यापक मेडिकल कालेज, पटियाला, को 30 नवम्बर, 1971 से भारतीय भोजन परिषद् में पंजाब राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये पंजाब सरकार

द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 3 के खण्ड (ज) के अधीन मनोनीत किया गया है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 के अनुकरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि क्रमशः उपर्युक्त विधियों से श्री एम० चन्द्रशेखरन् नय्यर और श्री एम० के० रंगेशकर तथा डा० पी० एम० आर० के० हरनाथ और डा० मोहिन्द्र सिंह प्रेवाल भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 7-23/59-डी दिनांक 21 दिसम्बर, 1959 द्वारा गठित भारतीय भेषज परिषद् के सदस्य बने रहेंगे और उक्त अधिसूचना में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः—

उक्त अधिसूचना में “VI खण्ड (ज) के अधीन राज्य सरकारों द्वारा मनोनीत सदस्य” शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 और 8 में निर्दिष्ट प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ क्रमशः रख ली जाएँ, नामतः—

“डा० पी० एम० आर० के० हरनाथ,
भेषज शास्त्र के प्राध्यापक,
कुरुनूल मेडिकल कॉलेज, कुरुनूल,”
“डा० मोहिन्द्र सिंह प्रेवाल,
भेषज शास्त्र के प्राध्यापक,
मेडिकल कॉलेज, मदुराई 18”

[सं० प० 6-6/69-एम० पी० टी]

New Delhi, the 9th March 1972

S.O. 1099.—Whereas in pursuance of the provision of clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), Dr. H. H. Shah, Dean Faculty of Medicine, M.P. Medical College Jamnagar, has been elected by the Sauray University to be a member of the Medical Council of India with effect from the 7th December, 1971 vice Dr. A. D. Joseph who has ceased to be a member under sub-section (3) of sections of the said Act:

Now, therefore in pursuance of the provision of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 5-13/59-MI, dated the 9th January, 1960, namely—

In the said notification, under the heading “Elected under clause (b) of sub-section (1) of Section 3”, for the entry against serial No. 37, the following entry shall be substituted, namely:—

“Dr. H. H. Shah,
Dean, Faculty of Medicine,
M. P. Shah Medical College, Jamnagar”

[No. F. 4-33/71-MPT]

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1972

का० प्रा० 1099.—यतः भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 3 की उप धारा (1) के खण्ड (ख) के उपबन्धों का अनुपालन करते हुए एम० पी० शाह० मेडिकल कॉलेज, जामनगर के चिकित्सा संकाय के डीन डा० एच०एच० शाह को 7 दिसम्बर, 1971 से डा० ए० डा० जॉसेफ जो उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (3) के अधीन अब

सदस्य, न रह, के स्थान पर सौराष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय चिकित्सा परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप धारा (1) के उपबन्धों का अनुपालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की अधिसूचना संख्या 5-13/5-चि० दिनांक 9 जनवरी, 1960 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, नामतः :

उक्त अधिसूचना में धारा 3, की उप धारा (1) के खण्ड (ख) के अधीन निर्वाचित शीर्ष के अन्तर्गत प्रविष्टि संख्या के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखनी जाय :

“डा० एच० एच० शाह,
डीन, चिकित्सा संकाय,
एम० पी० शाह मेडिकल कॉलेज,
जामनगर”।

[सं० प० 4-33/71-एम० पी० टी०]

ORDERS

New Delhi, the 5th February 1972

S.O. 1100.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-18/60-MI, dated the 30th December, 1960, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D. (University of Muenster Germany) shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. Sister M. Anand who possesses the said qualification is for the time being attached to the Missionaries of Charity, Anna Nagar, Madurai-18, for the purposes of Charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period of two years from the date of publication of this order in the Official Gazette, or
- (ii) the period during which Dr. Sister M. Anand is attached to the said Missionaries of Charity, Anna Nagar, Madurai-18, whichever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. F. 19-30/71-MPT.]

आदेश

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1972

एम० प्रो० 1100.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 30 दिसम्बर, 1960 की अधिसूचना सं० 16-18/60 एम० आई० द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए म्यूनीटर विश्वविद्यालय जर्मनी द्वारा प्रदत्त एम०डी० नामक चिकित्सा अर्हता मान्य चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० सिस्टर एम० आनन्द को जिसके पास उक्त अर्हता है धर्मार्थ कार्य के प्रयोजनों के लिए फिलहाल मिशनरीज आर्ब चैरिटी, अन्ना नगर, मदुराई 18 के साथ सम्बद्ध है।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) के परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा —

(1) सरकारी राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशित होने की तिथि से 2 वर्ष की अवधि;

अथवा

(2) उस अवधि को जब तक डा० सस्तिर एम० आनन्ड जो उक्त मिशनरीय आश चेरिटि, अन्ना नगर, मदुराई-18 के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वाक्त डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[पत्र संख्या एक० 19/30/71 एम० पी० टी०]

New Delhi, the 9th March 1972

S.O. 1101.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 16-1/62-MI, dated the 26th July, 1962, the Central Government has directed that the Medical qualification, M.D., C.M. awarded by the University of McGill, Montreal, Canada shall be recognised medical qualification for the purposes of the Indian Medical Council Act 1956 (102 of 1956);

And whereas Dr. John E. Hall who possesses the said qualification is for the time being attached to the Lions Club of Worli, Bombay, for purposes of teaching, research and charitable work;

Now, therefore, in pursuance of clause (c) of the proviso to sub-section (1) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby specifies—

- (i) a period of ten days commencing from the 13th March, 1972, or
- (ii) the period during which Dr. John E. Hall is attached to the said Lions Club of Worli Bombay, which ever is shorter, as the period to which the medical practice by the aforesaid doctor shall be limited.

[No. V.11016/8/72-MPT.]

P. C. ARORA, Under Secy.

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1972

एस० ओ० 1101.—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य मंत्रालय की दिनांक 26 जुलाई 1962 की अधिसूचना संख्या 16-1/62-चि० 1 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने निदेश दिया है कि भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) के प्रयोजनों के लिए यूनिवर्सिटी ऑफ मेकगिल मांट्रियल, कनाडा द्वारा प्रदत्त एम० डी० सी० एम० नामक चिकित्सा अर्हता मान्यता चिकित्सा अर्हता होगी;

और यतः डा० जॉन ई० हॉल को जिसके पास उक्त अर्हता है शिक्षण अनुसंधान तथा धर्मार्थ प्रयोजनों के लिए फिलहाल लायन क्लब आफ वर्ली बम्बई के साथ सम्बद्ध हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (1) परन्तुक के भाग (ग) का पालन करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा —

(1) 13 मार्च, 1972 से उस दिन की अवधि के लिए

अथवा

(2) उस अवधि को जब तक डा० जान ई० हॉल जो उक्त लायन क्लब आफ वर्ली, बम्बई के साथ सम्बद्ध रहते हैं, जो भी कम हो वह अवधि विनिर्दिष्ट करती है, जिसमें पूर्वाक्त डा० मेडिकल प्रैक्टिस कर सकेंगे।

[प० सं० बी० 11016/8/72-एम० पी० टी०]

प्रकाश चन्द्र प्रोरा, अधर सचिव।

(Department of Health)

New Delhi, the 5th February 1972

S.O. —Whereas an application has been received by the Central Government from the person acting in the administration of the Scheme for the administration of the property of the Pasteur Institute of India (hereinafter referred to as the said Scheme), for modification of the said Scheme:

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), the Central Government, with the concurrence of the person who has made the application, hereby makes the following amendment in the said Scheme, namely:—

In paragraph 4 of the Scheme, for the words and brackets "A Deputy Director General of Health Services", the words "Additional Director General/or A Deputy Director General of Health Services" shall be substituted.

[No. F. 24-46/68-MA.]

SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1972

एम० ओ० 1102.—यतः केन्द्रीय सरकार को भारतीय पाश्चर संस्थान—सम्पत्ति—प्रबन्ध योजना (जिसे इसके बाद उक्त योजना कहा जायेगा) के संचालन में कार्य करने वाले व्यक्तियों से उक्त योजना में संशोधन करने के लिये एक आवेदन प्राप्त हुआ है।

अब, अतः पूर्ण अक्षेय निधि अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 5 की उपधारा (2) द्वारा शक्तियों का प्रयोग करने हेतु केन्द्रीय सरकार आवेदकों की सहमति से उक्त योजना में एतद्द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त योजना के पैरा 4 में कोष्ठक में उल्लिखित शब्द "स्वास्थ्य सेवाओं के एक उपमहानिदेशक" के स्थान पर "स्वास्थ्य सेवाओं के अपर महानिदेशक अथवा एक उपमहानिदेशक" शब्द रखा जाये।

[सं० प० 24-46/68-एम० ए०]

सती बासकृष्णा, अधर सचिव।

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 9th March 1972

S.O. 1103.—In exercise of the powers conferred by Section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with Rules 2, 4 and 5 of the Development Councils (Procedural) Rules 1952, the Central Government hereby nominate till 21st October, 1973 Shri M. R. Gopal Reddy, Member, Lok Sabha, to be a Member of the Development Council for Textile Machinery Industry established by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development S.O. 4073 dated 22nd October, 1971 for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery and direct that the following addition shall be made in the said order, namely:—

23. Shri M. R. Gopal Reddy, Member, Lok Sabha, 1, Ashoka Road, New Delhi-1.

[No. 2-2/71-H.M.1.]

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1972

का०आ० 1103—उद्योग विकास तथा विनियमन अधिनियम 1951 (1951 का 65 वां) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवम् विकास परिषद (कार्यावधि) नियम, 1952 के नियम 2, 4 और 5 के साथ पड़ते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा श्री एम० आर० गोपाल रेड्डी, सदस्य, लोक सभा को 21.10.1973 तक के लिए भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के का०आ० 4073 दिनांक 22.10.71 के आदेश द्वारा स्थापित वस्त्र मशीनों के निर्माण अथवा उत्पादनरत अनुसूचित उद्योगों के लिए वस्त्र मशीन उद्योग की विकास परिषद का सदस्य नामित करती है और यह निदेश देती है कि उक्त आदेश में निम्नलिखित को शामिल किया जाएगा। अर्थात् :—

23. श्री एम० आर० गोपाल रेड्डी,
सदस्य, लोक सभा,
1-अशोक रोड; नई दिल्ली-1.

[सं० 2-2/71-एच०एम०-1]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 22nd February 1972

S.O. 1104.—In Order of the Government of India, Ministry of Industrial Development No. 4073 dated 22nd October 1971, establishing a Development Council for the scheduled industries engaged in the manufacture or production of Textile Machinery, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (ii) dated the 30th October, 1971; the following amendment shall be made, namely:—

In the said Order, for the entry occurring against S. No. 17, the following entry shall be substituted, namely:—

17. Shri M. L. Gupta, Deputy Secretary, Ministry of Foreign Trade, Udyog Bhavan, New Delhi

[No. 2-2/71-HM(1).]

S. KANNAN, Under Secy

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1972

का०आ० 1104.—भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उप-खण्ड (2) में दिनांक 30 अक्टूबर, 1971 को प्रकाशित भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं० 4073 दिनांक 22-10-71 के द्वारा स्थापित सूती वस्त्र, मशीनों के निर्माण, अथवा उत्पादनरत अनुसूचित उद्योगों की विकास परिषद में निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा, अर्थात् :—

उक्त आदेश में, क्रम सं० 17 के सामने दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

17. श्री एम० एल० गुप्ता,
उप-सचिव,
विदेश व्यापार मंत्रालय,
उद्योग भवन, नई दिल्ली ।

[सं० 2-2/71-एच०एम०(1)]

एस० कन्नन, अवर सचिव ।

ORDER

New Delhi, the 6th May 1972

S.O. 1105/IDRA/6/1/2/72.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) read with rule 3 and sub-rule (1) of rule 5 of the Development Councils (Procedural) Rules, 1952, the Central Government hereby appoints (i) the Director of Sugar, and Ex-officio Additional Registrar of Cooperative Societies, 0 Mds(- y neHMMRF RF HWDD HMFR RFD M State of Maharashtra, Poona and (ii) Shri K. G. Badlani, I.A.S., Secretary to the Government of Gujarat Agriculture, Forests and Cooperation Department, Sachivalaya, Gandhinagar, as members of the Development, Sachiv for Sugar Industry for a period up to and inclusive of the 26th November, 1973, and makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 5275/IDRA/6/12/71, dated the 27th November, 1971, namely:—

(i) for serial No. 11 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be substituted, namely:—

"11. The Director of Sugar and Ex-officio Additional Registrar of Cooperative Societies, State of Maharashtra, Poona." and

(ii) after serial No. 29 and the entry relating thereto, the following serial No. and entry shall be inserted, namely:—

"30. Shri K. G. Badlani, I.A.S., Secretary to the Government of Gujarat, Agriculture, Forests and Cooperation Department, Sachivalaya, Gandhinagar (Near Ahmedabad)".

[No. 15(1)/71-LC.]

S. A. T. RIZVI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली 6 मई, 1972

का० आ० 1105. आई० डी० आर० ए० 6/12/72.—
उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का

65) की धारा 6 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं विकास परिषद (कार्यविधि) नियम 1952 के नियम 3 और नियम 5 के उप-नियम (1) के साथ पढ़ते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा (1) चीनी निदेशक, तथा पदेन अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समिति, महाराष्ट्र राज्य, आई० ए० एस०., सचिव गुजरात सरकार, कृषि वन तथा सहकारिता विभाग सचिवालय, गांधी नगर को 26 नवम्बर, 1973 तक की अवधि के लिये चीनी उद्योग की विकास परिषद का सदस्य नियुक्त करती है और भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० 5275/आई डी आर ए/6/12/71, दिनांक 27 नवम्बर, 1971 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

- (1) क्रम सं० 11 तथा उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित क्रम सं० तथा प्रविष्टि रखी जायेगी, अर्थात् :—

“11-चीनी निदेशक तथा भूतपूर्व अतिरिक्त रजिस्ट्रार,

सहकारी समिति, महाराष्ट्र राज्य, पूना 1”
और

- (2) क्रम सं० 29 तथा उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के बाद, निम्नलिखित क्रम सं० तथा प्रविष्टि निविष्ट की जाएगी, अर्थात् :—

“30-श्री के० जी० बदलानी, आई० ए० एस०., सचिव, गुजरात सरकार, कृषि वन तथा सहकारिता विभाग, सचिवालय, गांधी नगर (अहमदाबाद के समीप) ।

[सं० 15(1)/71-एल सी]

एस० ए० टी० रिजवी, अवध सचिव ।

Indian Standards Institution

New Delhi, the 14th February, 1972

S. O. 1106.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that one hundred and thirteen licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been renewed :—

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and date	Period of Validity From	To	Name & Address of the Licence	Article/Process covered by the Licence and the Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-66 7-2-1958	1-3-1971	29-2-1972	Woodcrafts Assam, P.O. Mariani, Distt. Sibsagar (Assam).	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.
2.	CM/L-107 4-11-1958	16-2-1971	15-2-1971	Assam Veneer & Saw Mills Ltd., 9, Clive Row, Calcutta-1.	Tea-chest plywood panels—I S : 10—1964.
3.	CM/L-167 22-2-1960	1-3-1971	29-2-1972	Shalimar Biscuits Pvt. Ltd., Sun Mill Estate, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-13.	Biscuits—IS : 1011—1968.
4.	CM/L-225 16-9-1960	1-3-1971	29-2-1972	Veneer Mills (P) Limited, Dibrugarh (Assam).	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.
5.	CM/L-232 17-10-1960	1-2-1971	31-1-1972	Assam Plywood Products, 84, Jatindra Mohan Avenue, Calcutta-5.	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.
6.	CM/L-278 27-2-1961	1-3-1971	29-2-1972	Aluminium Cables & Conductors (U.P.) Pvt. Ltd., 47, Hide Road, Extension, Calcutta-27.	All aluminium conductors and aluminium conductor steel reinforced—IS : 398—1961.
7.	CM/L-302 25-5-1961	1-3-1971	29-2-1972	National Plywood Industries, 6, Gorapada Sarkar Lane, Calcutta-4.	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.
8.	CM/L-327 31-7-1961	1-2-1971	31-1-1972	India Plywood Company Patipukur, Calcutta-48	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.
9.	CM/L-374 11-1-1962	1-4-1971	31-3-1972	Abrol Engineering Co., Circular road, Kapurthala (Punjab)	Metal clad switches double pole with rewirable fuses, 15 Amp, 250 volts and tripple pole with HRC fuses, 100 Amps, 500 volts—IS : 4064-1967.
10.	CM/L-480 29-11-1962	1-2-1971	31-1-1972	Jai Electrical Industries, S/52, Industrial Area, Jullundur City	Metal clad switches, 15 Amp, 250 volts with HC and MEM types, fuse bases and carriers—IS : 4064-1967
11.	CM/L-545 5-6-1963	1-3-1971	29-2-1972	Assam Veneer & Saw Mills, Ledo (Assam)	Tea-chest plywood panels—IS : 10—1964.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)																			
12.	CM/L-624 23-1-1964	1-3-1971	29-2-1972	Polymer Products Company, Safi Vihar Road, Bombay-72 AS	Plastic water closet seats and covers—IS : 2548-1967.																			
13.	CM/L-719 29-6-1964	16-3-1971	15-3-1972	Ajanta Iron & Steel Company, Loni Road, Shahdara-Delhi,	Structural Steel (ordinary quality), M.S. bars, 25 mm Dia and other sections of equivalent are only—IS : 1977-1969.																			
14.	CM/L-745 21-7-1964	1-2-1971	31-1-1972	The Lloyd Bitumen Products Pvt. Ltd. 1, Taratalla Road, Calcutta-53.	Hot applied sealing compounds for joints in concrete, grade B—IS : 1834-1961.																			
15.	CM/L-756 12-8-1964	1-3-1971	29-2-1972	Shree Venkateswara Minerals Pvt. Ltd. 3, Elaiva Mudali Street, Tondiarper, Madras-21.	DDT DP—IS : 564-1961.																			
16.	CM/L-760 21-8-1964	16-3-1971	15-9-1971	Berco Welding & Electrical Equipment Co. Railway Road, Jullundur City.	Arc welding transformers, single operator type 380440 volts, up to 350 Amps, Max continuous and welding current—IS 1851-1966.																			
17.	CM/L-785 22-9-1964	16-3-1971	15-3-1971	Art Leather Private Ltd. Via Poona (Maharashtra).	Tracing cloth—IS : 2037-1962.																			
18.	CM/L-925 28-11-1964	1-12-1970	30-11-1971	The Hooghly Mills Co. Ltd., 9, Garden React Road, Kid- derpore Calcutta-43.	(1) Indian Hessian—2818-1964 (2) Hessian bags—IS : 3790-1966.																			
19.	CM/L-926 28-11-1964	1-12-1970	30-11-1971	The Hooghly Mills Co. Ltd. 9 Garden Reach Road, Kid- derpore, Calcutta-43.	Jute sackings— (1) A-twill jute bags—IS : 1943-1964 (2) B-twill Jute bags—IS : 2566-1965 (3) Jute corn sacks—IS : 2875-1964 (4) B-twill cloth—IS : 3667-1966 (5) Jute corn sack cloth—IS : 3750-1966.																			
20.	CM/L-987 29-12-1964	1-2-1971	31-1-1972	The Raja Bahadur Motilal Poona Mills Ltd. 5, Raja Bahadur Motilal Road, Poona-1	Drafting machine, stands & drafting units— "IS : 2287-1963.]																			
21.	CM/L-1009 9-2-1965	1-3-1971	31-8-1971	U.P. Cable Company, 4, D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-110044	Rubber Insulated Cables : <table><tr><th>Type</th><th>Voltage grade</th><th>Conductor</th></tr><tr><td>(1) VIR taped untaped barbed and compound- ded cables.</td><td>250/440 Volts</td><td rowspan="4">Copper or Aluminium Only.</td></tr><tr><td>(2) Weatherproof cables</td><td>250/440 Volts</td></tr><tr><td>(3) Tough rubber sheated cables.</td><td>250/440 Volts.</td></tr><tr><td colspan="2">IS : 434 (Parts I & II)-1964</td></tr></table>	Type	Voltage grade	Conductor	(1) VIR taped untaped barbed and compound- ded cables.	250/440 Volts	Copper or Aluminium Only.	(2) Weatherproof cables	250/440 Volts	(3) Tough rubber sheated cables.	250/440 Volts.	IS : 434 (Parts I & II)-1964								
Type	Voltage grade	Conductor																						
(1) VIR taped untaped barbed and compound- ded cables.	250/440 Volts	Copper or Aluminium Only.																						
(2) Weatherproof cables	250/440 Volts																							
(3) Tough rubber sheated cables.	250/440 Volts.																							
IS : 434 (Parts I & II)-1964																								
22.	CM/L-1013 23-2-1965	1-3-1971	29-2-1972	Arail Brothers, 14/4, Mathura Road, Faridabad.	Cast iron flush r/c cisterns (bell type) high level 10, 12.5 and 15 litres capacity—IS : 774-1964																			
23.	CM/L-1130 25-5-1965	1-3-1971	31-8-1971	Sarvodaya Rosin Works, (Prop. M/s. Prabhat General Agencies), Jullundur Road, Hoshiarpur, (Punjab).	Rosin (gum rosin) type—pale, medium and dark— IS : 553-1969.																			
24.	CM/L-1159 29-10-1965	16-1-1971	15-1-1972	The National Cable Works, Ltd. 20, Gopalpara Road, Behala, Calcutta-34.	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purpose—IS : 398-1961.																			
25.	CM/L-1201 20-1-1966	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	PHC DP IS 561-1962.																			
26.	CM/L-1202 20-1-1966	1-3-1971	29-2-1972	Do.	Endrin EC—IS : 1310-1958.																			
27.	CM/L-1206 4-2-1966	1-3-1971	28-2-1972	U. P. Cables Company, 4 D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.	<table><tr><th>Type</th><th>Voltage Grade</th><th>Conduc-tors</th></tr><tr><td colspan="3"><i>PVC Insulated Cables :</i></td></tr><tr><td>(i) Single core (unsheathed)</td><td>250/440 volts</td><td rowspan="3">Alumi- nium only.</td></tr><tr><td>(ii) Single core (sheathed)</td><td>250/440 "</td></tr><tr><td>(iii) Single core (unsheathed)</td><td>650/1100 "</td></tr><tr><td>(iv) Single core (Unsheathed)</td><td>250/440 "</td><td>Copper only.</td></tr><tr><td colspan="3">IS : 694 (P T I & II)-1964.</td></tr></table>	Type	Voltage Grade	Conduc-tors	<i>PVC Insulated Cables :</i>			(i) Single core (unsheathed)	250/440 volts	Alumi- nium only.	(ii) Single core (sheathed)	250/440 "	(iii) Single core (unsheathed)	650/1100 "	(iv) Single core (Unsheathed)	250/440 "	Copper only.	IS : 694 (P T I & II)-1964.		
Type	Voltage Grade	Conduc-tors																						
<i>PVC Insulated Cables :</i>																								
(i) Single core (unsheathed)	250/440 volts	Alumi- nium only.																						
(ii) Single core (sheathed)	250/440 "																							
(iii) Single core (unsheathed)	650/1100 "																							
(iv) Single core (Unsheathed)	250/440 "	Copper only.																						
IS : 694 (P T I & II)-1964.																								

PVC Insulated Cables :

(i) Single core (unsheathed)	250/440 volts	Alumi- nium only.
(ii) Single core (sheathed)	250/440 "	
(iii) Single core (unsheathed)	650/1100 "	
(iv) Single core (Unsheathed)	250/440 "	Copper only.
IS : 694 (P T I & II)-1964.		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. CM/L-1210 15-2-1966	16-2-1971	15-2-1972	Annapurna Biscuits Mfg. Co., 84/67, G.T. Road, Kanpur.	Biscuits— IS : 1011-1968.	
29. CM/L-1223 9-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	Calcutta Plywood Mfg. Co., Ledo (Assam).	Tea-chest plywood panels— IS : 10-1964.	
30. CM/L-1225 11-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	J. J. H. Industries Pvt. Ltd., 9 Transport Depot Road, (Hide Road Extension) Calcutta—27.	Hard drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398-1961.	
31. CM/L-1226 11-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	Bindawala Industrial Corporation, 6, Hanspukur Ist Lane, Calcutta-7.	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes— IS : 398-1961.	
32. CM/L-1272 31-3-1966	16-2-1972	15-6-1971	Kisan Chemicals, 127 Industrial Area, Chandigarh	Dieldrin emulsifiable concentrates—IS:1054-1962.	
33. CM/L-1300 25-7-1966	1-2-1971	31-1-1972	Bhandari Crossfields Pvt. Ltd., Manglia Gaon (Near Indore),	Compounded feeds for cattle—IS: 2052-1968.	
34. CM/L-1325 31-8-1966	1-4-1971	31-3-1972	The Premier Cable Company Karukutty, Angamally P.O. Ernakulam District, (Kerala).	PVC Insulated Cables with aluminium conductor 250/440 Volts Grade : (i) Single core (PVC sheathed) (ii) Single core (unsheathed) (iii) Twin core with E.C.C. (iv) Three core flat (v) Three core circular 650/1100 volts grade: (i) Single core (PVC sheathed) (ii) Single core (unsheathed) (iii) Three core flat (iv) Three core circular IS : 694 (Part II)-1964.	
35. CM/L-1365 14-12-1966	16-12-1970	15-6-1971	The Modi Torch Works, Modinagar Distt. Meerut (U.P.)	Flashlights—IS : 2083-1962.	
36. CM/L-1366 16-12-1966	1-4-1971	31-3-1972	Bramcci Suri Private Ltd., G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	Automotive brake lining type I-A and J-P, IS : 2742-1964.	
37. CM/L-1367 16-12-1967	16-1-1971	15-1-1972	Emco General Industries, 44A, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.	Low density polythene pipes for cold water services— IS : 3076-1968.	
38. CM/L-1378 30-12-1966	1-4-1971	31-3-1972	The Premier Cable Company Ltd., Karukutty Angamally, P.O. Ernakulam, District Kerala).	PVC insulated (heavy duty) electric cables with aluminium conductors for working voltages up to and including 1100 volts—IS: 1554 (Part I) 1964.	
39. CM/L-1396 28-2-1967	16-2-1971	15-2-1972	Krishni Rasayan, Ranital, Distt. Balasore (Orissa).	Endrin EC—IS : 1310-1958.	
40. CM/L-1397 28-2-1967	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	COC WDP—IS : 1507-1966.	
41. CM/L-1398 28-2-1967	1-3-1971	29-2-1972	Do.	Aldrin DP—IS : 1308-1958.	
42. CM/L-1414 27-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	Orient Iron & Steel Co. Pvt. Ltd. 2, Height Road, Liluah, Howrah.	Structural steel (special quality)—IS : 226-1969.	
43. CM/L-1415 27-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	Do.	Structural steel (ordinary quality)—IS : 1977-1969.	
44. CM/L-1419 28-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	The Indian Steel Rolling Mills, Ltd., Main Road, Tiruninravur Chingleput Distt.	Structural steel (ordinary quality)—IS : 1977-1969.	
45. CM/L-1420 28-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	Do.	Structural steel (standard quality)—IS:226-1969.	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
46	CM/L-1447 19-5-1967	1-2-1971	31-2-1972	Bhandri Crossfields Pvt. Ltd., Mangla Gaon (Near Indore).	Poultry feeds growing, laying and starting— IS : 1374-1968.
47	CM/L-1461 16-6-1967	16-2-1971	15-2-1972	Tata Fison Industries Ltd., Plot No. 94, Industrial Estate Ambatur, Madras-58.	BIIC DP—IS : 561-1962.
48	CM/L-1486 10-8-1967	16-2-1971	15-2-1972	Do.	COC WDP—IS : 1507-1966.
49	CM/L-1495 22-8-1967	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	Malathion WDP—IS : 2569-1963.
50	CM/L-1510 8-9-1967	16-3-1971	15-3-1972	Associated Wires & Conductors Co. Private Ltd., Tanda Road, Jullundur City.	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes—IS : 398-1961.
51	CM/L-1511 8-9-1967	16-3-1971	15-3-1972	Hemu Productions (India), Mamooobhanja Street, Aligarh, (U.P.).	Motrice locks (vertical type)—IS : 2209-1966.
52	CM/L-1521 15-9-1967	16-2-1971	15-2-1972	Tata Fison Industries Limited, Plot No. 94, Industrial Estate, Ambatur, Madras-58.	DDT WDP—IS : 565-1961.
53	CM/L-1524 15-9-1967	16-2-1971	15-2-1972	Do.	BHC WDP—IS : 562-1962.
54	CM/L-1532 28-9-1967	16-2-1971	15-7-1971	The Rashtriya Engineering Works (Registered) G.T. Road, Batala (Punjab).	Sand cast iron soil pipes, 50 mm, 75 mm and 100 mm sizes only—IS : 1729-1964.
55	CM/L-1551 24-10-1967	1-3-1971	31-8-1971	Mahabir Steel Rolling Mills, Qabool Nagar, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32.	Rolled steel sections F4B, F7B, F5 F8 and T6 for Doors, windows and ventilators IS : 1038- 1968.
56	CM/L-1598 27-12-1967	16-2-1971	15-8-1971	Murarka Engineering Works, 28/37 Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi-15	Spring leaves and leaf springs for automobile suspension—IS : 1135-1966.
57	CM/L-1609 5-1-1968	16-1-1971	15-1-1972	Beezee Industries, 39/2, Canal West Road, Calcutta-4.	Tea-chest metal fittings—IS : 10-1964.
58	CM/L-1618 12-1-1968	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla Bombay-70.	BHC WDP—IS : 562-1962.
59	CM/L-1619 12-1-1968	16-1-1971	31-8-1971	Central Insecticides & Fertilizers 110 Industrial Estate, Indore (M.P.)	Endrin emulsifiable concentrates—IS : 1310— 1958.
60	CM/L-1625 23-11-1968	16-2-1971	15-2-1972	Krishna Minerals & Traders, 12, Industrial Area, Jaipur West (Rajasthan).	DDT dusting powders—IS : 564-1961.
61	CM/L-1634 15-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	Bhanodaya Enterprises Pvt. Ltd., Tadepalli, Gantur District (A.P.)	BHC DP—IS : 561-1962.
62	CM/L-1635 15-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	Do.	Endrin EC—IS : 1310-1958.
63	CM/L-1636 15-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	Tata Fison Industries Ltd., Plot No. 94, Industrial Estate, Ambatur, Madras-58	Endrin EC—IS : 1310-1958.
64	CM/L-1638 16-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	Hindustan Conductors Pvt. Ltd., Opp. Rly. 'D' Cabin Chhani Road, Beroda-2.	Hard-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes—IS : 398-1961.
65	CM/L-1641 22-2-1968	1-3-1971	29-2-1972	Mansingka Industries Pvt. Ltd., Pachora, Distt. Jalgaon (Maharashtra).	18—litre square tins—IS : 916-1966.
66	CM/L-1650 8-3-1968	16-3-1971	15-3-1972	The Indian Aluminium Cables Ltd., 7/1 Mile Stone, G.T. Road, Ghaziabad (U.P.)	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes—IS : 398-1961.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67	CM/L-1658 22-3-1968	1-4-1971	31-3-1972	The Premier Cables Company Ltd. Karukutty, Angamally Ernakulam District (Kerala)	Hard-drawn stranded aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes—IS : 398—1961.
68	CM/L-1663 27-3-1968	16-3-1971	15-3-1972	Oswal Electricals, 49 Industrial Area, Faridabad.	Single-phase small ac and universal electric motors with class 'A' insulation from 0.18 KW (1/4 hp) to 0.75 Kw (1 hp)—IS : 996-1964.
69	CM/L-1728 25-6-1968	1-4-1971	31-3-1972	The Indian Steel Rolling Mills Ltd., Main Road, Tiruninravur, Chingleput Distt.	Hot rolled mild steel medium tensile and high yield strength steel deformed bars for concrete reinforcement—IS : 1139-66.
70	CM/L-1738 11-7-1968	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla Bombay-70.	DDT—DP—IS : 564-1961.
71	CM/L-1777 30-8-1968	1-4-1971	31-3-1972	The Indian Steel Rolling Mills Ltd. Main Road, Tiruninravur, Chingleput Distt.	Cold twisted deformed bars—IS : 1786-1966.
72	CM/L-1782 5-9-1968	16-3-1971	15-3-1972	National Metal Industries, 314 Bhagirathpura, Indore.	Structural steel (standard quality) IS : 226-1969.
73	CM/L-1783 5-9-1968	16-3-1971	15-3-1972	Do.	Structural steel (ordinary quality) IS : 1977- 1969.
74	CM/L-1790 13-9-1968	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	Malathion EC—IS : 2567-1963.
75	CM/L-1862 23-12-1968	16-3-1971	15-3-1972	Eastend Supply Company, 12/1, Canal East Road, Calcutta-4.	Tea-chest plywood panels—IS : 10-1964.
76	CM/L-1876 23-12-1968	16-3-1971	15-3-1972	Union Products, 13, Harish Meogi Road, Calcutta-4.	Tea-chest plywood panels—IS : 10-1964.
77	CM/L-1880 30-12-1968	1-1-1971	31-12-1971	Wood Craft Products Limited., E-34, Greater Kailash-I, New Delhi-48.	Wooden flush door shutters (solid core type) with plywood face panel—IS : 2202 (Part I)-1966.
78	CM/L-1907 29-1-1969	1-2-1971	31-7-1971	Devi Industries, Pimpri, Poona-18.	Cement or concrete pipes (with or without reinforcement)—IS : 458-1961.
79	CM/L-1910 31-1-1969	1-2-1971	31-1-1972	U. K. Paint Industries, G.T. Road, Amritsar (Punjab).	Distemper, dry, colour as required—IS : 427-1965.
80	CM/L-1911 5-2-1969	16-2-1971	15-2-1972	Krishna Minerals & Traders, 12, Industrial Area, Jaipur West (Rajasthan).	Aldrin dusting powders—IS : 1308-1958.
81	CM/L-1916 13-2-1969	16-2-1971	15-2-1972	B. D. Khaitan & Co., Raymoud Grinding Mills, Mayanagarh (Behala) P.S. Maheshtholla 24 Parganas.	BHC DP—IS : 561-1962.
82	CM/L-1918 13-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Siruguppa Road, Avammabavi, Bellary.	BHC DP—IS : 561-1962.
83	CM/L-1923 21-2-1969	1-1-1971	31-12-1971	Veneer Mills, Jalpuri Extension, Mysore-7.	Tea-chest plywood panels—IS : 10-1964.
84	CM/L-1929 27-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	Sri Vijayadurga Pulverising Mills, Siruguppa Road, Avammabavi, Bellary.	Endrin EC—IS : 1310-1958.
85	CM/L-1930 27-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	Do.	BHC WDP—IS : 562-1962.
86	CM/L-2012 8-7-1969	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	BHC EC—IS : 632-1966.
87	CM/L-2075 22-9-1969	16-2-1971	29-2-1972	Indian Wire & Steel Products, 10, Stark Road, Liluah, Howrah (West Bengal).	Mild Steel wire for general engineering pur- poses—IS : 280-1962.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
88	CM/L-2077 22-9-1969	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	Organo mercurial dry seed dressing formulations —IS: 3284-1965.
89	CM/L-2078 29-9-1969	1-3-1971	29-2-1972	Do.	Aldrin EC—IS : 1307-1958.
90	CM/L-2157 28-11-1969	16-12-1970	30-9-1971	Kohinoor Paint Colour & Varnish Works, Chhehata, Near Railway Station Amritsar.	Aluminium paint for general purposes—in dual containers—IS: 2339-1963.
91	CM/L-2171 10-12-1969	1-3-1971	29-2-1972	Assam Metal Works, 35, Chittaranjan Avenue Calcutta-12.	Tea-chest plywood panels—IS : 10-1964.
92	CM/L-2185 31-12-1969	1-1-1971	30-6-1971	Jayanti Timber Industries, Saharapur Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana).	Plywood tea-chest battens—IS : 10-1964.
93	CM/L-2198 7-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	Kumardhubi Eng. Works, P. O. Kumardhubi, Distt. Dhanbad.	Austenitic manganese steel castings—IS : 276- 1969.
94	CM/L-2199 8-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	Steel Equipment Construction Pvt. Ltd., 22 G. T. Road, (North) P.O. Liluah, Distt. Howrah	Structural steel (Standard quality)—IS : 226-1969.
95	CM/L-2200 8-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	Do.	Structural steel (ordinary quality)—IS : 1977-1969.
96	CM/L-2220 22-1-1970	1-2-1971	31-1-1972	Kanoria Chemical & Industries Ltd. P.O. Renukool, Distt. Mirzapur (M.P.)	BHC technical—IS : 560-1961.
97	CM/L-2234 9-2-1970	16-2-1971	31-10-1971	The Alkali Chemical Corporation of India Limited, B/1 Hide Road Calcutta.	Endrin EC —IS : 1310-1958.
98	CM/L-2251 10-2-1970	16-2-1971	15-2-1972	Vijay Timber Trading Co., Dhangu Road, P. O. Pathankot, Distt. Gurdaspur (Punjab).	Plywood tea-chest battens—IS: 10-1964.
99	CM/L-2252 10-2-1970	16-2-1971	15-2-1972	B. Uttam Singh & Sons, 12, Basti Nau, Jullundur City.	Hockey sticks—IS: 829-1965.
100	CM/L-2254 16-10-1970	16-2-1971	15-8-1971	Ruby Industries, 17/89, Ramndrim Bazar, Kanpur.	Miners safety leather boots and shoes with leather sole only—IS : 1989-1967.
101	CM/L-2258 16-2-1970	16-2-1971	15-8-1971	Moti Electric Industries Pvt., Ltd., 15-A, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Weatherproof polyethylene insulated, taped/un- taped braided and compounded cables, alumi- nium conductors, single core, 250/440 and 650/1100 volts and flat twin core 650/1100 volts grade—IS : 3035 (Part II)-1965. Weather proof polyethylene insulated and poly the- lene sheathed cables single core, aluminium conductor, 650/110 volts grade only—IS : 3035 (Part II) 00-1967.
102	CM/L-2259 20-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	Wakwall & Company, Branakulam, Cochin-18.	Tea-chest batten S—IS: 10-1964.
103	CM/L-2263 25-2-1970	1-3-1971	31-8-1971	U. P. Cable Company, 4 D.L.F. Industrial Area, Najafgarh Road, New Delhi.	Weather proof polyethylene insulated, taped or untaped, braided and compounded cables, twin core aluminium conductor 250/440 volts grade only—IS : 3035 (Part II)-1965.
104	CM/L-2264 26-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	Indian Wire & Steel Products, 10 Stark Road, Liluah, Howrah (West Bengal).	Structural steel (standard quality)—IS: 226-1969.
105	CM/L-2265 26-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	Do.	Structural steel (ordinary quality)—IS: 1977-1969.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
106	CM/L-2266 27-2-1970	1-3-1971	30-9-1971	Jayalakshmi Fertilizers, G.N.T. Road, Madhavaram, Madras-60.	BHC WDP—IS : 562-1962.
107	CM/L-2267 27-2-1970	1-3-1971	30-9-1971	Do.	Endrin EC—IS : 1310-1958.
108	CM/L-2269 27-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate, Loni, Distt. Meerut (U.P.)	Malathion emulsifiable concentrates—IS: 2567. 1963.
109	CM/L-2270 4-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	Iron & Steel Manufacturers Syndicate 8, Eden Hospital Road, Calcutta-12.	Tea-chest metal fittings—IS: 10-1964.
110	CM/L-2276 16-3-1970	16-3-1971	29-2-1972	Jaipal Udyog, 34-35, Rural Industrial Estate Loni, Distt. Meerut (U.P.)	BHC emulsifiable concentrates—IS : 632-1966.
111	CM/L-2277 16-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	Do.	Endrin emulsifiable concentrates—IS: 1310- 1958.
112	CM/L-2279 16-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	Central Insecticides & Fertilizers, Saki Naka, Vihar Lake Road, Kurla, Bombay-70.	DDT WDP—IS: 565-1961.
113	CM/L-2323 15-5-1970	1-3-1971	31-8-1971	Commercial Timber Industries, Saharanapur Road, Yamunanagar Distt. Ambala (Haryana).	Plywood tea-chest battens—IS: 10-1964.

[No. CMD/13 : 12]

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 1972

एस० नो० 1106.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 8 के उप विनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में विवरण सहित दिए गए 113 लाइसेंसों का नवीकरण किया गया है :

अनुसूची

क्रमांक	लाइसेंस संख्या और दिनांक	वैधता की अवधि से तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी पदनाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	सी एम/एल-66 7-2-1958	1-3-1971	29-2-1972	बडफापट असम डाकघर मरियानी जिला सिब- सागर (असम) के तखते— IS: 10-1964
2.	सीएम/एल-107 4-11-1958	16-2-1971	15-2-1971	असम बेनियर एण्ड स/ गिल्स लि० 9-बलाइय रो कलकत्ता-1 के तखते— IS: 10-1964
3.	सी एम/एल-167 22-2-1960	1-3-1971	29-2-1972	शालीमार बिस्कुट प्रा० लि० सन मिल इस्टेट, मनमिल पीड, लोअर परेल, बम्बई-13 बिस्कुट— IS: 1011-1968

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
4	सी एम/एल-225 16-9-1960	1-3-1971	29-2-1972	वेनियरमिल्स (प्रा०) लि०, डिब्रूगढ़ (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS 10-1969
5.	सी एम/एल-232 17-10-1960	1-2-1971	31-1-1972	असम प्लाइवुड प्राइवेट्स, 84, जतीन्द्र मोहन एवेन्यू, कलकत्ता-5	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS: 10-1964
6.	सी एम/एल-278 27-2-1961	1-3-1971	29-2-1972	एल्यूमिनियम केबल्स एण्ड कंडक्टर्स (यू० पी०) प्रा० लि० 47-हाइड रोड एक्सपेंशन कलकत्ता- 27	एल्यूमिनियम चालक और इस्पात प्रबलित एल्यूमिनियम चालक— IS: 398-1961
7.	सी एम/एल-302 25-5-1961	1-3-1971	29-2-1972	नेशनल प्लाइवुड इंडस्ट्रीज, 6—गौरपाव शंकर लेन, कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS: 10-1964
8.	सी एम/एल-327 31-7-1961	1-2-1971	31-1-1972	इंडिया प्लाइवुड कम्पनी, पासी पुकूर कलकत्ता-48	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS: 10-1964
9.	सी एम/एल-374 11-1-1962	1-4-1971	31-3-1972	एग्रोल इजीनियरिंग कं० सकुर्लर रोड कपूरथला (पंजाब)	नया तार लग सकने योग्य दोहरे पोल वाले धातु के ढक्कनदार स्विच, 15 अम्पी 250 वोल्ट, और एच आर सी फ्यूज वाले तिहरे पोल वाले धातु के ढक्कनदार स्विच 100 अम्पी 500 वोल्ट — IS. 4064-1967
10.	सी एम/एल-480 29-11-1962	1-2-1971	31-1-1972	जय इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज एस/52, इंडस्ट्रियल एरिया, जलन्धर सिटी ।	एच सी धातु के ढक्कनदार स्विच, 15 अम्पी 250 युक्त वोल्ट और एम० ई० एम० प्रकार के फ्यूज आधार और बाहुक— IS: 4064-1967
11.	सी एम/एल-545 5-6-1963	1-3-1971	29-2-1972	असम वेनियर एण्ड सा मिल्स, लोडो (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS: 10-1964
12.	सी एम/एल-624 23-1-1964	1-3-1971	29-2-1972	पालीमर प्राइवेट्स कम्पनी, साकीनाका कुरला, बिहार रोड, बम्बई-72 (एस)	अंग्रेजी टट्टियों के लिए प्लास्टिक की सीट और उनके ढक्कन— IS: 2546-1967
13.	सी एम/एल-719 29-6-1964	16-3-1971	15-3-1972	अंजना आयरन एण्ड स्टील कम्पनी, लोनी रोड शाहू दरा-दिल्ली	संचरना स्पात (साधारण किस्म) 25 मिमी व्यास वाली मृदु इस्पात की सरिया और समान व्यास वाले अन्य सेक्शन— IS: 1977-1969
14.	सी एम/एल-745 24-7-1964	1-2-1971	31-1-1972	दिलायड बिट्यूमेन प्राइवेट्स प्रा० लि०, 1—तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53	कंक्रीट में जोड़ देने के लिए गर्म सीलिंग मिश्रण, ग्रेड बी— IS: 1834-1961

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
15. सी एम/एल-756 12-8-1964	1-3-1971	29-2-1972	श्री वेंकटेश्वर मिनरल्स प्रा० लि० इलय्या मवाली स्ट्रीट, टोंडियारपेट, मद्रास-21	डी डी टी धूलन पाउडर--- IS: 564-1961	
16. सी एम/एल-760 21-8-1964	16-3-1971	15-9-1971	बर्को वैलिडिंग एण्ड इलेक्ट्रिकल इक्विपमेण्ट कं० रेलवे रोड जलंधर सिटी	ग्रार्क वैलिडिंग टांसफार्मर एक दिश चालित प्रकार के, 380-440 वोल्ट, 350 एम्पी तक के अधिकतम अवरित और वैलिडिंग धारा--- IS: 1851-1966	
17. सी एम/एल-785 22-9-1964	16-3-1971	15-3-1971	आर्ट लेदर प्राइवेट लि० बगस्ता पूना (महाराष्ट्र)	ट्रेसिंग कपड़ा--- IS: 2037-1962	
18. सी एम/एल-925 28-11-1964	1-12-1970	30-11-1971	दि हुगली मिल्स कं० लि० 9-गार्डन रोड रोड खिदिरपुर कलकत्ता-43	(1) भारतीय हेसियन--- IS: 2818-1964 (2) हेसियन बोरे--- IS: 3790-1966	
19. सी एम/एल-926 28-11-1964	1-12-1970	30-11-1971	दि हुगली मिल्स कं० लि० 9-गार्डन रोड रोड, खिदिरपुर, कलकत्ता-43	पटसन सैकिंग--- (1) ए-ट्रिबल पटसन बोरे--- IS: 1943-1964 (2) बी-ट्रिबल पटसन बोरे--- IS: 2566-1965 (3) भक्का के पटसन बोरे--- IS: 2875-1964 (4) बी-ट्रिबल कपड़ा--- IS: 3667-1966 (5) भक्का के पटसन सैकिंग कपड़ा--- IS : 3750-1966	
20. सी एम/एल-987 29-12-1964	1-2-1971	31-1-1972	दि राजबहादुर मोतीलाल पूना मिल्स, लि०, 5- राजबहादुर मोतीलाल रोड, पूना-1	ड्राफ्टिंग मशीन, स्टैंड और ड्राफ्टिंग इकाईयां--- IS: 2287-1963	
21. सी एम/एल-1009 9-2-1965	1-3-1971	31-8-1971	यू० पी० केबल कम्पनी, 4-डी एल एफ इंड- स्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड नई दिल्ली-1	रबड़ रोहित केबल--- टाइप वोल्तता ग्रेड चालक (1) बी आई 250/440 आर लगे, वोल्त बिना टेप लगे ब्रेडेड और सहमिलित केबल--- (2) ऋतुसह 250/440 केबल [] वोल्त (3) सखत 250/440 रबड़ के वोल्त	केबल तांबा या एल्यु- मिनियम

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
					खालदार केवल IS: 434 (भाग 1 और 2) — 1964
22. सी एम/एल-1013 22-2-1965	1-3-1971	29-2-1972	अरुण ब्रदर्स, 14/4, मथुरा रोड, फरीदाबाद	ऊर्ध्वपर लगने वाली छलवा लोहे की नीचे से बोड़ी पलश की टंकियां, 10, 12, 5 और 15 लीटर समाई वाली— IS: 774-1964	
23. सी एम/एल-1130 25-5-1965	1-3-1971	31-8-1971	सर्वोदय रेजिन वर्क्स, (प्रो० मेमर्स प्रभात अंतरल एजेंसि, मीज) जलधर रोड, होशियारपुर (पंजाब)	बरोज (गॉद बरोजा) टाइप-पीला, मध्यम और काला— IS: 553-1969	
24. सी एम/एल-1159 20-10-1965	16-1-1971	15-1-1972	दिनेशनल केबल वर्क्स लि०, 20, गोलपाड़ा रोड, बेहल, कलकत्ता-34	शिरोपरि पावर प्रेरण कार्यों के लिए सख्त बिचे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाल एल्युमिनियम चालक— IS: 398-1961	
25. सी एम/एल-1201 20-1-1966	1-3-1971	21-2-1971	सेंट्रल इमेक्सीसाइड्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, साकीनाका, बिहार लेक रोड, कुरला बम्बई-70	बी एच सी धूलन पाउडर— IS: 561-1962	
26. सी एम/एल-1202 20-1-1966	1-3-1971	29-2-1972	„	एन्ड्रित का पायसनीय तेज द्रव— IS: 1310-1958	
27. सी एम/एल-1206 4-2-1966	1-3-1971	28-2-1972	यू० पी० केबल कम्पनी, 4-डी एल एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली	टाइप वोल्तना ग्रेड चालक पी० बी सी रोधित केबल :- (1) इकहरी 250/440 कोर (बिना वोल्ट खोल वाले, (2) इकहरी 150/440 कोर (खोल वोल्ट वाले) (3) इकहरी 650/440 कोर (बिना वोल्ट खोल वाले) (4) इकहरी 250/440 कोर (खोल वोल्ट वाले) IS: 694 (भाग 1 और 2) — 1964	केवल एल्यु- मिनि- यम

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
28. सी एम/एल-1210 15-2-1966	16-2-1971	15-2-1972	अन्नपूर्णा बिस्कुट मैनु० कं०, बिस्कुट— 84/67 जी टी रोड कानपुर	IS: 1011-1968	
29. सी एम/एल-1223 9-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	कलकत्ता प्लास्टिड मैनु० कं० लीडो (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लास्टिड के तख्ते— IS: 10-1964	
30. सी एम/एल-1225 11-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	जे० जे० इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 9—ट्रांसपोर्टे डिपो रोड, (हाइड रोड, एक्सटेंशन) कलकत्ता-27।	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सख्त खिचे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्यु- मिनियम चालक— IS: 398-1961	
31. सी एम/एल-1226 11-3-1966	16-3-1971	15-3-1972	बिदावाला इंडस्ट्रियल कार- पोरेशन 6—हुंसपुर पहली गली, कलकत्ता-7	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सख्त खिचे लड़दार एल्यु- मिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्युमिनियम चालक— IS: 398-1961	
32. सी एम/एल-1272 31-5-1966	16-2-1971	16-6-1971	किसान केमिकल्स, 127, इंडस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़।	डाइएलिडन पायसनीय तेज द्रव— IS: 1054-1962	
33. सी एम/एल-1300 25-7-1966	1-2-1971	31-1-1972	भंडारी फ़ासफील्ड प्रा० लि० मंगलिया गांव, (निकट इंदौर)	पशुओं के लिए मिश्रित आहार— IS: 2052-1968	
34. सी एम/एल-1325 31-8-1966	1-4-1971	31-3-1972	दि प्रीमियर केबल कम्पनी कार्लकुट्टी, डाकघर अंग- मल्ली एर्नाकुलम् जिला (केरल)	पी बी सी रोहित केबल एल्युमिनियम लगे चालक :— 250/440 बीएल्ट ग्रेड— (1) इकहरी कोर (पी बी सी खोलवाले) (2) इकहरी कोर (बिना खोल वाले) (3) दुहरी कोर इ सी सी लगे (4) तीन कोर वाले चपटे (5) तीन कोर वाले गोल 650/1100 बीएल्ट ग्रेड (1) इकहरी कोर (पी बी सी खोल वाले) (2) इकहरी कोर (बिना खोल वाले) (3) तीन कोर वाले चपटे (4) तीन कोर वाले गोल IS: 694 (भाग 2)—1964	
35. सी एन/एल-1365 14-12-1966	16-12-1970	15-6-1971	दि मोदी टार्च वर्क्स, मोदी नगर, जिला मेरठ (उ०प्र०)	फ्लैश लाइट— IS: 2083-1962	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
36. सी एम/एल-1366 16-12-1966	1-4-1971	31-3-1972	ब्रामेक सूरि प्राइवेट लि० जी टी रोड गाधियाबाद	स्वचल गाड़ियों के ब्रेक लाइनिंग टाइप-ए और बी— IS: 2742-1964	
37. सी एम/एल-1367 16-12-1966	16-1-1971	19-1-1972	एम्को जनरल इंडस्ट्रीज, 44 ए-रफी अहमद किद- वाई रोड कलकत्ता-16	नल से पीने का पानी भरने के लिए अल्प घनत्व वाले पोलिइथिलीन पाइप— IS: 3076-1968	
38. सी एम/एल-1378 30-12-1966	1-4-1971	31-3-1972	दि प्रीमियर केबल कम्पनी लि० कारुकुट्टी अगमल्ली डाकघर, एन कुलम जिला (केरल)	पी बी सी रोधित (भारी इयूटी बिजली के केबल एल्यूमिनियम चालकों वाले 1100 तक की कार्यकारी बोल्टता के लिए— IS: 1554 (भाग 1)-1964	
39. सी एम/एल-1396 28-2-1967	16-2-1971	15-2-1972	कृषि रसायन, रानीताल, जिला बालासोर (उड़ीसा)	एन्विन का पायसनीय तेज द्रव— IS: 1310-1958	
40. सी एम/एल-1397 28-2-1967	1-3-1971	29-2-1971	सेंट्रल इसेक्यूटीवाइस एण्ड फर्टीलाइजर साकीनाका, बिहार लेन रोड, कुरला, बम्बई-70	सी० ओ० सी० जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS: 1507-1966	
41. सी एम/एल-1398 28-2-1967	1-3-1971	28-2-1972	„	एल्लिइन का धूलन पाउडर— IS: 1308-1958	
42. सी एम/एल-1414 27-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	ओरियंट आयरन एण्ड स्टील कं० प्रा० लि०, 2—हाइट रोड लिलुवा हावड़ा	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226-1969	
43. सी एम/एल-1415 27-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	ओरियंट आयरन एण्ड स्टील कं० प्रा० लि०, 2—हाइट रोड लिलुवा, हावड़ा	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977-1969	
44. सी एम/एल-1419 28-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	दि इंडियन स्टील रोलिंग लि०, मेन रोड, तिरुनिन- रावूर, जिगलेपट जिला ।	मिलस संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS: 1977-1969	
45. सी एम/एल-1420 28-3-1967	1-4-1971	31-3-1972	„	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS: 226-1969	
46. सी एम/एल-1447 19-5-1967	1-2-1971	31-1-1973	भंडारी फासफील्ड प्रा० लि० मंगलिया गांव (निकट इन्दौर)	नए चूर्ण, बहनेवाली तथा अड़े देने वाली मृगियों का चूगा— IS: 1374-1968	
47. सी एम/एल-1461 16-6-1967	16-2-1971	15-2-1972	टाटा फायशन इंडस्ट्रीज लि०, प्लाट सं० 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बत्तूर, मद्रास- 58	बी एच सी धूलन पाउडर— IS: 561-1962	
48. सी एम/एल-1486 10-8-1967	16-2-1971	15-2-1972	टाटा फायशन इंडस्ट्रियल लि०, प्लाट सं० 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट अम्बत्तूर, मद्रास-58	सी ओ सी जल विसर्जनीय धूलन पाउडर— IS: 1507-1966	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
49	सी एम/एल-1495 2-8-1967	1-3-1971	21-2-1972	सैट्रल इमेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकीनाका, विहारलेक रोड, कुर्ना-बम्बई-70	मालाथियोन जल विसर्जनीय धूलन पाउडर— IS: 2569-1963
50	सी एम/एल-1510 8-9-1967	16-3-1971	15-3-1972	एसोसिएटेड वायर्स एण्ड कन्डक्टर्स कं० प्रा० लि०, टांडा रोड, जलंधर शहर	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यो के लिए सखन खिन्ने लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्युमिनियम चालक— I : 398-1961
51	सी एम/एल-1511 8-9-1967	16-3-1971	15-3-1972	हेमू प्रोडक्शन (इंडिया) मामूभांजा सड़क अली-गढ़ (उ०प्र०)	मॉर्टिम ताले (खड़े लगने वाले)— I : 2209-1966
52	सी एम/एल-1521 15-9-1967	16-2-1971	15-2-1972	टाटा फायरफ्लूइड लि०, प्लाट सं० 94, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बाला-58	डी डी टी जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— I : 565-1961
53	सी एम/एल-1524 15-9-1967	16-2-1971	15-2-1971	„	बी एच सी जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS: 562-1962
54	सी एम/एल-1532 28-9-1967	16-1-1971	15-7-1971	वि राष्ट्रीय इंजीनियरिंग वर्क्स (रजि०) जी टी रोड, बटला (पंजाब)	बालू ढले लोहे के मल पाइप, केवल 50 मिमी, 75 मिमी और 100 मिमी साइजों वाले— IS: 1729-1964
55	सी एम/एल-1551 24-10-1967	1-3-1971	31-8-1971	महाबीर स्टील रोलिंग मिल, कबूल नगर, जी टी रोड शाहदरा, दिल्ली-32	दरवाजों, खिड़कियों और रोगनदानों के लिए बेल्डित इस्पात के सेक्शन, एफ 4 बी, एफ 7 बी, एफ 5 एफ 8, और टी 8— IS: 1038-1968
56	सी एम/एल-1598 27-12-1967	16-2-1971	15-8-1971	मुरारका इंजीनियरिंग वर्क्स, 28/37, इंडस्ट्रियल, एरिया नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	स्वचल गाड़ियों के निलम्बन के लिए पत्तादार कमानियाँ और कामादी की पत्तियाँ— IS : 1135-1966
57	सी एम/एल-1609 5-1-1968	16-1-1971	15-1-1972	बीजी इंडस्ट्रीज, 3912, कॅनलवेस्ट रोड, कलकत्ता-4	चाय की पट्टियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS : 10-1964
58	सी एम/एल-1618 12-1-1968	1-3-1971	29-2-1972	सैट्रल इमेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकीनाका, विहार लेक रोड कुर्ना, बम्बई-70	बी एच सी जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 562-1962
59	सी एम/एल-1619 12-1-1968	16-1-1971	31-8-1971	सैट्रल इमेक्टीसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, 110, इंडस्ट्रियल इस्टेट, इन्दौर (म०प्र०)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज दव— IS : 1310-1958

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
60.	सी एम/एल-1625 23-1-1968	16-2-1971	15-2-1972	कृष्णा मिनरल एण्ड ट्रेडर्स, 12, इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर पच्छिम (राज- स्थान)	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1961
61.	सी एम/एल-1634 15-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	मानोदय इन्टर प्राइजेज प्रा० लि०, ताड़ेपल्ली, गुण्डूर, जिला (आ०प्र०)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962
62.	सी एम/एल-1635 15-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	,,	एंड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958
63.	सी एम/एल-1636 15-2-1968	16-2-197	15-2-1972	टाटा फायनर इंडस्ट्रीज लि० प्लाट नं० 91, इंडस्ट्रियल इस्टेट, अम्बतूर-मद्रास-58	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— : 1310-1958
64.	सी एम/एल-1638 16-2-1968	16-2-1971	15-2-1972	हिन्दुस्तान कंडक्टर्स प्रा० लि०, रेलवे डी केबिन छाती रोड क समीप. बड़ीदा-2	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्य के लिए सख्त खिंचे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्यु- मिनियम चालक— IS 398-1961
65.	सी एम/एल-1641 22-2-1968	1-3-1971	29-2-1972	मानसिंह का इंडस्ट्रीज प्रा लि०, पछोरा, जिला जल- गांव (महाराष्ट्र)	18 मीटर समाई वाले बर्गाकार टिन— IS : 916-1966
66.	सी एम/एल-1653 8-3-1968	16-3-1971	15-3-1972	दि इंडियन एल्युमिनियम केबल, लि०, 711, वां भील पत्थर, जी टी रोड गाजियाबाद (उ०प्र०)	शिरोपरिपावर प्रेषण कार्य के लिए सख्त खिंचे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्युमि- नियम चालक— IS : 398-1961
67.	सी एम/एल-1658 22-3-1968	1-4-1971	31-3-1972	दि प्रीमियर कबल कम्पनी लि०, कार्मुकुटी, अंगमल्ली डाकघर, एर्नाकुलम जिला (केरल)	शिरोपरिपावर प्रेषण कार्य के लिए सख्त खिंचे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्युमिनियम चालक— IS : 397-1961
68.	सी एम/एल-1663 27-3-1968.	16-3-1971	15-3-1972	ओसवाल इलेक्ट्रिकल्स, 49-इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद	एक फेजी ए सी और यूनिवर्सल विजली के मोटर, ए श्रेणी के रोधन वाले 0.18 किवा (1/2 हापा) से० 0.75 किवा (1 हा० पा०) वाले— IS : 996-1964
69.	सी एम/एल-1728 25-6-1968	1-4-1971	31-3-1972	दि इंडिया स्टील रोलिंग मिल्स लि०, मेन रोड, तिरुतिनैरावूर चिंगलपेट जिला	कच्चीट प्रबलन के लिए गर्म रोल साधारण इस्पात की मध्यम तनाव वाली, उच्च तनाव वाली और उच्च पराभव सामर्थ्य वाली इस्पात की विकृत स्रियः— : 1139-1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
70. सी एम/एल-1738 25-6-1968	1-3-1971	29-2-1972	सेंट्रल इमेक्टीमाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकी नाका, बिहारलेक रोड, कुरला बम्बई-70	डी डी टी धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
71. सी एम/एल-1777 30-8-1968	1-4-1971	31-3-1972	दि इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स लि०, तिरुनिनरावूर चिगलपेट जिला	5डी मरोड़ी वित सरिया— IS : 1786-1966	
72. सी एम/एल-1782 5-9-1968	16-3-1971	15-3-1972	नेशनल मेटल इंडस्ट्रीज, 314, भगीरथपुरा, इन्दौर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 226-1969	
73. सी एम/एल-1783 5-9-1968	16-3-1971	15-3-1972	नेशनल मेटल इंडस्ट्रीज, 314-भगीरथपुरा इन्दौर	संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 226-1969	
74. सी एम/एल-1790 13-9-1968	1-3-1971	29-2-1972	सेंट्रल इमेक्टीमाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकीनाका बिहार लेक रोड, कुरला, बम्बई-70	मालाथिलोन पायसर्नाय तेज द्रव— IS : 2567-1963	
75. सी एम/एल-1862 23-12-1968	16-3-1971	15-3-1972	इंस्टेण्ड सप्लाय कम्पनी 12/1, कानल पूर्व रोड, कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS : 10-1964	
76. सी एम/एल-1876 23-12-1968	16-3-1971	15-3-1972	यूनियन प्रॉडक्ट्स 13-हरीश नियोगी रोड, कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिए प्लाइवुड के तख्ते— IS : 10-1964	
77. सी एम/एल-1880 30-12-1968	1-1-1971	31-12-1971	बुड क्राफ्ट प्रॉडक्ट्स लि०, इ-34 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-48	लकड़ी के समतल कपाट (ठोस मध्य भाग वाली) ऊपर प्लाइवुड लगे— IS : 2202 (भाग 1)-1966	
78. सी एम/एल-1907 29-1-1969	1-2-1971	31-7-1971	देवी इंडस्ट्रीज पिम्परी, पूना-18	सोमेट के कंक्रीट पाइप (प्रबलन सहित अथवा रहित)— IS : 458-1961	
79. सी एम/एल-1910 31-1-1969	1-2-1971	31-1-1972	यू० के० पेन्ट इंडस्ट्रीज, जी० टी० रोड, अमरतसर (पंजाब)	वांछित रंग का डिस्टेंपर, सूखा— IS : 427-1965	
80. सी एम/एल-1911 5-2-1969	16-2-1971	15-2-1972	कृष्णा मिनरल एण्ड ट्रेडर्स, 12-इंडस्ट्रियल एरिया जयपुर, पश्चिम (राजस्थान)	ऐलिट्रन धूलन पाउडर— IS : 1308-1958	
81. सी एम/एल-1916 13-2-1969	16-2-1971	15-2-1972	बी० जी० खेतान एण्ड कं०, रेमंड ग्राइडिंग मिल्स, भायनागढ़ (बेहला) पुलिस स्टेशन, महेशतला- 24 परगना	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	
82. सी एम/एल-1918 13-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	श्री विजयदुर्गा पुल्गराईजिंग मिल्स, सिरुगप्पा रोड, अवन्मावाडी, बेलारी	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1962	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
83. सी एम/एल-1923 21-2-1969	1-1-1971	31-12-1971	बेनियर मिल्स, जलपुरी एक्सटेंशन, मैसूर-7	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते 6— IS : 10—1964	
84. सी एम/एल-1929 27-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	श्री विजय दुर्गा पुल्बराइजिंग मिल्स, सिरुगप्पा रोड, भवम्माबावी, बेलारी।	एन्ड्रुन का पायसनीय तेज ब— IS : 1310—1958	
85. सी एम/एल-1930 27-2-1969	1-3-1971	29-2-1972	श्री विजय दुर्गा पुल्बराइजिंग मिल्स सिरुगप्पा रोड, भवम्माबावी, बेलारी,	बी एच सी जलविसर्जनीय घूलन पाउडर— IS : 562—1962	
86. सी एम/एल-2012 8-7-1969	1-3-1971	29-2-1972	सेंट्रल इंसेक्टोसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकीनाका, बिहार लेक रोड, कुरसा, बम्बई-70	बी एच सी का पायसनीय तेज ब्रव— IS : 632—1966	
87. सी एम/एल-2075 22-9-1969	16-2-1971	29-2-1972	इंडियन वायर एण्ड स्टील प्रॉडक्ट्स, 10-स्टार्क रोड लिलुवा, ह्याबड़ा- (प० बंगाल)	सामान्य इंजीनियरिंग कार्यों के लिए मृदु इस्पात के तार— IS : 280—1962	
88. सी एम/एल-2077 22-9-1969	1-3-1971	29-2-1972	सेंट्रल इंसेक्टोसाइड्स एण्ड फर्टीलाइजर्स, साकीनाका, बिहार लेक रोड, कुरसा बम्बई-70	बीजों पर लगाने के कार्बनिक पारेक पदार्थ— IS : 3284—1965	
89. सी एम/एल-2078 29-9-1969	1-3-1971	29-2-1972	" "	एन्ड्रुन पायसनाय तेज ब्रव— IS : 1307—1958	
90. सी एम/एल-2157 28-11-1969	16-12-1970	30-9-1971	कोहनूर पेस्टकलर एण्ड धानिषा बर्क्स, छेहरसा निकट रेलवे स्टेशन अमृतसर।	बुहरे डब्बों में सामान्य कार्यों के लिये एन्टर्मिनियम का रंग-रोगन— IS : 2339—1969	
91. सी एम/एल-2171 10-12-1969	1-3-1971	29-2-1972	असम मेटल वर्क्स 35 चित- रंजन एंटेनू, कलकत्ता-12	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते— IS : 10—1964	
92. सी एम/एल-2185 31-12-1969	1-1-1971	30-6-1971	जर्नी टिम्बर इंडस्ट्रीज सहारनपुर रोड, यमुनानगर जिला धर्माला (हरियाणा)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड की पेटियां— IS : 10—1964	
93. सी एम/एल-2198 7-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	कुमारवी इंजीनियरिंग वर्क्स, डाकघर कुमारवर्मा, जिला धरमाद।	अस्टिनाइट मंगनीज इस्पात की ठली बस्तुरे— IS : 270—1969	
94. सी एम/एल-2199 8-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	स्टील इन्विजमेंट कॉस्ट्रक्शन प्र० लि०, 22 जी० टी० रोड (उत्तरी), डाकघर लिलुवा जिला ह्याबड़ा।	संरचना इस्पात (मानक विरम)— IS : 220—1969	
95. सी एम/एल-2200 8-1-1970	16-1-1971	15-1-1972	" "	संरचना इस्पात (साधारण विरम)— IS : 1977—1969	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
96. सी एम/एल-2220 22-1-1970	1-2-1971	31-1-1972	कनोडिया केमिकल्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०, डाकघर रेनुकूट जिला मिर्जापुर (म० प्र०)	बी एच सी तकनीकी— IS : 560-1961	
97. सी एम/एल-2334 9-2-1970	16-2-1971	31-10-1971	दि भलकली केमिकल्स कार्पोरेशन ग्राफ इण्डिया लिमिटेड, बी/1 हाइड रोड, कलकत्ता ।	एन्ड्रोन पायसीन तेज द्रव— IS : 1310-1958	
98. सी एम/एल-2251 10-2-1970	16-2-1971	15-2-1972	गिजय टिम्बर ट्रेडिंग क० बंगू रोड, डाकघर पठानकोट, जिला गुरदासपुर (पंजाब)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड की पेटियाँ— IS : 10-1964	
99. सी एम/एल-2252 10-2-1970	16-2-1971	15-2-1972	बी० उत्तम सिंह एण्ड संस 12-बस्ती नौ, जलंधर गहर	हाकी स्टिक— IS : 829-1965	
100. सी एम/एल-2254 16-10-1970	16-2-1971	15-8-1971	रूबी इंडस्ट्रीज, 17/89 रामनारायण बाजार, कानपुर	केबल चमड़े के तले वाले खनिकों के चमड़े के सुरक्षा बूट और जूते— IS : 1989-1967	
101. सी एम/एल-2258 16-2-1970	16-2-1971	15-8-1971	मोती इलेक्ट्रिक इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 15-ए नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	क्रुसह पोलीइथाइलीन रोधित टेप लगे टेप रहित/ब्रेडेड और सहमिलित ऐल्युमिनियम चालकों वाले इकहरी कोर वाले 250/440 और 650/1100 वोल्ट ग्रेड के— IS : 3035 (भाग 2)-1965 क्रुसह पोलीइथाइलीन रोधित और पोलीइथाइलीन बोलदार केबल, इकहरी कोर के, केबल ऐल्युमिनियम चालकों वाले 650/1100 वोल्ट ग्रेड के— IS : 3035 (भाग 3)-1967	
102. सी एम/एल-2259 20-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	वाकवेल एण्ड कम्पनी एनर्गिज, कोबीन-18	चाय की पेटियों के लिये धातु की फिटिंग IS : 10-1964	
103. सी एम/एल-2263 25-2-1970	1-3-1971	31-8-1971	यू० पी० केबल क० 4-डी० एल० एफ० इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली ।	क्रुसह पोलीइथाइलीन रोधित टेप लगे या टेपरहित ब्रेडेड और सहमिलित केबल, केबल दुहरी कोर के, ऐल्युमिनियम चालित वाले 250/440 वोल्टता ग्रेड के— IS : 3035 भाग 2)-1965	
104. सी एम/एल-2264 26-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	इंडियन वायर स्टील प्राइवेट्स, संरचना इस्पात (मानक किस्म) 10-स्टार्क रोड, लिलुवा हावड़ा (प० बंगाल) ।	IS : 226-1969	
105. सी एम/एल-2265 26-2-1970	1-3-1971	29-2-1972		संरचना स्पात (साधारण किस्म)--- IS : 1977-1969	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
106. सी एम/एल-2266 27-2-1970	1-3-1971	30-9-1971	जय लक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, जी० एन० टी० माधवराम मद्रास-60	बी० एच० सी० जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 562--1962	
107. सी एम/एल-2267 27-2-1970	1-3-1971	30-9-1971	जयलक्ष्मी फर्टिलाइजर्स, जी० एन० टी० माधवराम मद्रास--60	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310--1958	
108. सी एम/एल-2269 27-2-1970	1-3-1971	29-2-1972	जयपाल उद्योग, 34/35, रुल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोनी, जिला मेरठ (उ० प्र०)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567--1963	
109. सी एम/एल-2270 4-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	आयरन एण्ड स्टील मैनु० सिडीकोट, 8, इंडन ग्राम्प- ताल, रोड कलकत्ता-12	चाय की पेटियों के लिये धातु की फिटिंग-- IS : 10--1964	
110. सी एम/एल-2276 16-3-1970	16-3-1971	29-2-1972	जयपाल उद्योग, 34/35, रुल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोनी, जिला मेरठ (उ० प्र०)	बी० एच० सी० पायसनीय तेज द्रव IS : 632--1966	
111. सी एम/एल-2277 16-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	जयपाल उद्योग, 34/35, रुल इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोनी, जिला मेरठ (उ० प्र०)	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310--1958	
112. सी एम/एल-2279 16-3-1970	1-3-1971	29-2-1972	मैकूल इमेक्वीटाइजर्स एण्ड फर्टिलाइजर्स, सक्तीनाका, बिहार लोक रोड, कुरला, बम्बई-70	डी० डी० टी० जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 565--1961	
113. सी एम/एल-2323 15-5-1970	1-3-1971	31-8-1971	कर्मोशियल टिम्बर इंडस्ट्रीज, सहारनपुर रोड, यमुनानगर जिला अम्बाला (हरि- याणा)	चाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड की पेटियाँ -- IS : 10--1964	

New Delhi, the 15th February 1972

[सं० सी० एम० डी०/13 : 12.]

S.O. 1107.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time and consequent upon splitting up of the Indian Standard for reamers into various Indian Standards, it is, hereby notified that IS: 1836-1961 Specification for reamers, details of which were published under notification number S.O. 78 dated 3 January, 1962 in the Gazette of India, Part II, Section 3—Sub-section (ii) dated 13 January 1962, has been cancelled.

[No. CMD/13:7.]

नई दिल्ली, 15 फरवरी 1972

एस० ओ० 1107—यमय समय पर सशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार तथा रीमरों के भारतीयमानक को विभिन्न भारतीय मानकों में विभक्त किए जाने के फलस्वरूप अधिसूचित किया जाता है कि IS : 1836-1961

रीमरों की विशिष्टि जिसके व्योरे एस० ओ० 78 दिनांक 3 जनवरी 1962 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग 2, खण्ड 3 उपखण्ड (2) दिनांक 13 जनवरी, 1962 में प्रकाशित हुए थे, रद्द कर दिया गया है।

[सं० सी० एम० डी०/13 : 7.]

S.O. 1108.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955, as amended from time to time, it is hereby, notified that the Standard Mark for reamers, relating to IS: 1836—1961 Specification for reamers, details of which were published in the Gazette of India, Part II Section 3(ii) dated 1 October 1966 under number S.O. 2924 dated 13 September 1966, has been rescinded with effect from 1 February 1972.

[No. CMD/13:9.]

एस० ओ० 1108.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपनियम (2) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि रीमरों के मानक चिह्न से सम्बन्धित I : 1836-1961 रीमरों की विशिष्टि जिसके ध्योरे एस० ओ० 2924 दिनांक 13 सितम्बर, 1966 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3 उपखण्ड (2) दिनांक 1 अक्टूबर, 1966 को प्रकाशित हुए थे, 1 फरवरी, 1972 से रद्द कर दिया गया है।

[सं० सी०एम०डी० 11319]

New Delhi, the 16th February 1972

S.O. 1109.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended subsequently, the Indian Standards Institution hereby notifies that licence No. CM/L-990, particulars of which are given below, has been cancelled with effect from

7 January 1972 on account of unsatisfactory performance of the licensee

Licence No. and Date	Name & Address of Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L-990 11-1-1965	Asiatic Ply-wood Industries Barrackpore Trunk Road, Panihati, 24 Parganas having their office at 30, Strand Road, Calcutta-1.	Tea-chest ply-wood panels	IS : 10-1964

[No. CMD/55:990]

नई दिल्ली, 16 फरवरी, 1972

एस० ओ० 1109.—संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 14 के उप-विनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी एम/एल-990 जिसके ध्योरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, लाइसेंसधारी का कार्य संतोषजनक न होने के कारण 7 जनवरी, 1972 से रद्द कर दिया गया है :

अनुसूची

लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम व पता	रद्द किये गये लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया	सम्बन्धी भारतीय मानक
सी एम/एल- 990 11-1-1965	मैसर्स एशियाटिक प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, बैरकपुर ट्रंक रोड, पनीहाटी, 24 परगना, इनका कार्यालय 30, स्ट्रैंड रोड, कलकत्ता-1 में है।	घाय की पेटियों के लिये प्लाईवुड के तख्ते।	IS : 10—1964

[सं० सी० एम० डी०/55 : 990]

S. O. 1110.—In pursuance of sub-regulation (4) of regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks Regulations 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies, that the licences No. CM/L-1836 and CM/L-1941 particulars of which are given below, have been cancelled with effect from 1 January 1972 as the party has stopped the manufacture of the products.

Licence No. and Date	Name & Address of the Licensee	Article/Process covered by the licence cancelled	Relevant Indian Standard
CM/L-1836 15-11-1968	BiharI secti cides, A-4, Industrial Area, Aditya pur Jamshed-pur (Bihar)	Endrin Emulsifiable Concentrates.	IS :1310-1958
CM/L-1941 19-3-1969	Do	BHC Dusting Powder	IS :561-1962

[No. CMD/55:1836]

एस० ओ० 1110—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम, 14 के उपविनियम (4) के अनुसार भारतीय मानक संस्था पर अधिसूचित किया जाता है कि लाइसेंस संख्या सी० एम०/एल-1836 तथा पी० एम०/एल-1941 जिनके व्योरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, फर्म द्वारा उत्पादन बन्द कर देने के फलस्वरूप 1 जनवरी, 1972 से रद्द कर दिये गये हैं :

अनुसूची

लाइसेंस संख्या और तिथि	लाइसेंसधारी का नाम और पता	रद्द किये गये लाइसेंस में सम्बद्ध वस्तु/प्रक्रिया	सम्बद्ध भारतीय मानक
सी एम/एल-1936 15-11-1968	बिहार इमेवटीसाइड्स, ए-4, इंड-स्ट्रियल एरिया, आदित्यपुर, जमशेदपुर, (बिहार)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव	IS : 1310—1958
सी० एम/एल-1941 19-3-1969	..	डी० एच० सी० धूलन पाउडर	IS : 561-1962

[सं० सी० एम० डी०/55 : 1836]

New Delhi, the 21st February 1972

S.O. 1111.—In continuation of the notification published under No. S.O. 269 dated 29 November, 1971 in the Gazette of India, Part II, Section 3 (ii) dated 1 January, 1972, it is hereby notified that for purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS:325-1961 shall run concurrently with IS:325-1970 for a further period of six months, namely up to 31 July 1972...

[No. CMD/13:2]

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 1972

का०आ० 1111.—भारत के राजपत्र भाग II, खण्ड 3(2) दिनांक 1 जनवरी 1972 में एस०ओ० संख्या 269 दिनांक 29 नवम्बर 1971 के अन्तर्गत प्रकाशित अधिसूचना के क्रम में सूचित किया जाता है कि भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) योजना के कार्यों के लिए आई एस : 325-1961 आगामी छह महीनों अर्थात् 31 जुलाई 1972 तक के लिए आई एस : 325-1970 के साथ लागू रहेगा।

[सं० सी० एम० डी०/13:2]

New Delhi, the 22nd February 1972

S.O. 1112.—The Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the schedule given hereafter, have lapsed or their renewals deferred :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. and Date of Issue	Name & Address of the licensee	Article/Process and the Relevant IS : Designation	S.O. Number and date of the Gazette Notifying Grant of Licence	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	CM/L-491 2612-1962	Ganpathy Engineering Mfrs. Pvt. Ltd. Ganapathy, Coimbatore.	Metal clad switches—IS: 4064-1967	S.O. 241 dated 26-1-1963	It was deferred after 15-1-1969 and stands lapsed after that date.
2	CM/L-582 19-9-1963	Kaman Tubes Private Ltd., Agra Road, Kurla, Bombay-70.	Free cutting brass rods and sections—IS : 319-1968	S.O. 2959 dated 19-10-1963	Deferred after 15-10-71

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
3	CM/L-605 29-11-1963	Skytone Electricals (India) 42 Industrial Area, Faridabad (Haryana).	Type	Voltage Conduc- Grade for	S.O. 3539 dated 21-12-1963	It was deferred after 3-5-1971 and now stands lapsed after that date.
			(a) VIR cables for (i) Braided and compounded (ii) Tough rubber sheathe (iii) Weatherproof	fixed wiring 250/440 Copper & 650/1100 Allu- minium Volts		
			(b) VIR flexible cords (iv) Twisted and circular artificial silk or glass cotton braided IS: 434 (Parts I & II)-1964.	250/440 Copper Volts only		
4	CM/L-891 28-11-1964	Alliance Jute Mills Co., Ltd., P. O. Jagatdal, 24 (Parganas) (W.B.)	Indian hessian—IS : 2818-1964		S. O. 79 dated 2-1-1965	It was deferred after 30-11-1968 and stand lapsed after that date.
5	CM/L-892 28-11-1964	Do.	Jute sackings— IS : 1943-1964, IS : 2566-1965, IS : 2874-1964, IS : 2875-1964, IS : 3667-1966, IS : 3668-1966, IS : 3750-1966, IS : 3751-1966 and IS:3794-1966.		S. O. 79 dated 2-1-1965	It was deferred after 30-11-1968 and stands lapsed after that date.
6	CM/L-902 28-11-1964	Shree Ambica Jute Mills Pvt. Ltd, P.O. Belurmath, Howrah	Heavy cee jute bags—IS : 2874-1964.		Do.	Deferred after 30-11-1971.
7	CM/L-971 28-11-1964	Chittavalsah Jute Mills Co. Ltd. Chittavalsah, Visakhapatnam	Indian hessian—IS : 2818-1964.		Do.	It was deferred after 30-11-1969 and stands lapsed after that date.
8	CM/L-972 28-11-1964	Do.	Jute sackings—IS : 1943-1964, IS : 2566-1965, IS : 2874-1964, IS : 2875-1964, IS : 3667-1966, IS : 3668-1966, IS : 3750-1966, IS : 3751-1966 and IS : 3794-1966.		Do.	Do.
9	CM/L-973 28-11-1964	Nellimarla Jute Mills Co. Ltd. Nellimarla, Visakhapatnam.	Indian hessian—IS : 2818-1964		Do.	Do.
10	CM/L-974 28-11-1964	Do.	Jute sackings—IS : 1943-1964, IS : 2566-1965, IS : 2874-1964, IS : 2875-1964, IS : 3667-1966, IS : 3668-1966, IS : 3750-1966, IS : 3751-1966 & IS : 3794-1966		Do.	Do.
11	CM/L-1115 28-7-1965	The Laboratory Glassware Co., 3612 Timber Market, Ambala Cantt.	One mark pipettes—IS : 1117-1958.		S.O. 2667 dated 28-8-1965	It was deferred after 31-7-1970 and stands lapsed after that date.
12	CM/L-1131 27-8-1965	Traco Cable Co. Ltd., Irimpanam, Thiruvankulam Village, Kanayannur Taluk, Ernakulam Distt. (Kerala)	Type Grade Voltage Conductor		S. O. 3020 dated 25-9-1965	Deferred after 31-12-71
			(a) PVC insulated cables			
			(i) Single core (unsheathed) volts	250/440 Copper or aluminium		
			(ii) Single core (unsheathed) volts	650/1100 Aluminium only		
			(iii) Single core (PVC sheathed) volts	650/1100 Aluminium only		
			(b) PVC insulated flexible cords			
			(iv) Twin twisted (unsheathed) volts	250/440 Copper only		
			IS : 694 (Parts I & II)-1964			

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
13	CM/L-1335 27-9-1966	Electrical Mfg. Co. Ltd., 136, Jessore Road, Calcutta-28	(i) Fittings for aluminium and steel cored aluminium conductors for overhead power lines IS : 2121-1962. (ii) Insulator fittings for overhead power lines—IS : 2486 (Parts I & II)-1963	S.O. 3299 dated 5-11-1966	Deferred after 31-5-1971
14	CM/L-1364 12-12-1966	Bombay Cable Co. Pvt. Ltd., Agra Road, Bhandup, Bombay-78.	Type <i>PVC insulated cables</i> (i) Single core } 250/440 Aluminium (unsheathed) } (ii) Single core } 650/1100 only (PVC sheathed) } volts (iii) Flat twin Do. Do. or without E.C.C. (PVC sheathed) (iv) PVC insulated 250/440 Copper unsheathed single core volts only IS : 694 (Parts I & II)-1964.	S.O. 243 dated 21-1-1967	Deferred after 15-12-1971.
15	CM/L-1523 15-9-1967	National Agro Chemicals, C-2, Industrial Area, Patna-13.	Emulsifiable concentrates— IS : 1310-1951	S.O. 3733 dated 21-10-1967	Lapsed after 15-11-1971
16	CM/L-1537 5-10-1967	Indian Crafts & Industries, 14/15, Civil Lines, Kanpur and 17/101, Ram Narain Bazar, Kanpur.	Miners safety leather boots and shoes IS : 1989-1967	S.O. 4258 dated 9-12-1967	Deferred after 31-10-71.
17	CM/L-1566 24-11-1967	Keen Pesticides Pvt. Ltd., Tower House, M.G. Road, Ernakulam.	BHC water dispersible powder concentrates—IS : 562-1962.	S.O. 4568 dated 23-12-1967	Deferred after 15-12-71
18	CM/L-1600 27-12-1967	Traco Cable Co. Ltd., Irimpanam Thiruvankulam, Village, Kanayannur Taluk, Ernakulam Distt. (Kerala).	Hand-drawn stranded aluminium and steel-cored aluminium conductors for overhead power transmission purposes IS : 398-1961.	S.O. 284 Dated 20-1-1968	Deferred after 31-12-71
19	CM/L-1640 21-2-1968	Grand Iron Works, Okhla Industrial Estate, Okhla, New Delhi-20	Cast iron, flushing cisterns high level, bell type, 12.5 litres capacity only— IS : 774-1964	S.O. 1195 dated 30-3-1968	Lapsed after 15-11-71
20	CM/L-1686 30-4-1968	Palsons Industries, Sultanpur Road, Kapurthala	Door closers (hydraulically regulated)— IS : 3564-1966	S.O. 2127 dated 15-6-1968	Deferred after 31-12-71
21	CM/L-1762 9-8-1968	Usha Martin Black (Wire Ropes) Ltd., Tatisilwai, Ranchi, (Bihar).	(a) Steel wire ropes for general engineering purposes—IS : 2266-1963 (b) Steel wire suspension ropes for lifts and hoists—IS : 2365-1963 and (c) Round strand galvanized steel wire ropes for shipping purposes— IS : 2581-1968	S.O. 3677 dated 19-10-1968	Deferred after 31-12-71
22	CM/L-1835 15-11-1968	National Agro Chemicals, C-2, Industrial Area, Patna-13	Aldrin emulsifiable concentrates IS : 1307-1958	S.O. 4594 dated 28-12-1968	Lapsed after 15-11-1971
23	CM/L-1852 4-12-1968	K. L. Kapoor & Co., 4 Kishan Dayal Jalan Road, Salkia, P.O., Ghusuri, Howrah.	Cast iron flushing cisterns (siphonic type) high level, 15 litres capacity— IS : 774-1964	S.O. 370 dated 25-1-1969	Deferred after 30-11-71
24	CM/L-1874 23-12-1968	Prakash Pulverising Mills, Industrial Area, Alwar (Rajasthan).	Copper oxychloride water dispersible powder concentrates—IS : 1507-1966	Do.	Lapsed after 31-12-71
25	CM/L-2043 8-8-1969	Keen Pesticides (Pvt.) Ltd., Industrial Estate, Mudical P.O. (Via) Perumbavoor, (Kerala).	BHC dusing powders—IS : 561-1962	S.O. 3930 dated 27-9-1969	Deferred after 15-12-71
26	CM/L-2056 25-8-1969	Standard Mineral Products Pvt. Ltd., Subhas Nagar, Jogeshwari (East), Bombay-60.	BHC emulsifiable concentrates— IS : 632-1966	Do.	Lapsed after 15-12-1971

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27	CM/L-2057 25-8-1969	Do.	Aldrin emulsifiable concentrates — IS : 1307-1958	S.O. 3930 dated 27-9-1969	Lapsed after 15-12-1971
28	CM/L-2148 26-11-1969	Nirmala Industries, Mettupalayam Road, Coimbatore-11.	Horizontal centrifugal pumps for clear, cold, fresh water, size 76 64 mm only IS : 1520-1960	S.O. 5045 dated 27-12-1969	Deferred after 31-12-71
29	CM/L-2165 5-12-1969	Do.	Three-phase induction motor— IS : 325-1961	S.O. 437 dated 7-2-1970	Deferred after 31-12-71
30	CM/L-2196 31-12-1969	N. C. Chakraborty Fabricators, Pvt. Ltd., 69/2, Chetla Road, Calcutta-27.	Tea-chest plywood metal fittings— IS : 10-1964	Do.	Deferred after 31-12-71
31	CM/L-2225 29-1-1970	Jai Chemicals, 14/1, Mile, Delhi-Mathura Rd., Faridabad (Haryana)	BHC water dispersible powder concen- trates—IS : 562-1962	S.O. 771 dated 28-2-1970	Deferred after 30-11-71
32	CM/L-2400 31-8-1970	Artee Minerals, 15/7 Mathura Road Faridabad (Haryana)	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567-1963	S.O. 57 dated 2-1-1971	Deferred after 30-11-71
33	CM/L-2431 20-10-1970	Swarup Chemicals, Water Works Road, Aish Bagh Lucknow.	Aldrin dusting powders—IS : 1308-1958	S. O. 561 dated 30-1-1971	Lapsed after 31-10-1971
34	CM/L-2449 4-11-1970	The National Tile Works, ¹ 14-A, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Enamel, interior (a) undercoating (b) finishing, colour as required— IS : 133-1965	S.O. 3593 dated 2-10-1971	Deferred after 15-11-71
35	CM/L-2450 6-11-1970	Indian Traders Pvt. Ltd., Industrial Area, Najafgarh Road, Delhi.	(i) PVC insulated, PVC sheathed, aluminium conductor, flat twin, 250/440 volts; (ii) PVC insulated cable with aluminium conductor, single core (unsheathed) 250/440 volts; and (iii) PVC insulated cable with aluminium conductor, single core (PVC sheathed) 650/1100 volts— IS : 694 (Part II)-1964	Do.	It was deferred after 15-11-1971 and stands lapsed after that date.
36	CM/L-2465 30-11-1970	The National Tile Works, 14-A, Najafgarh Road, New Delhi-15.	Ready mixed paint, brushing, finishing, exterior, semi-gloss for general pur- poses, Type I, Class A—IS : 117-1964	Do.	Deferred after 30-11-71
37	CM/L-2466 30-11-1970	Artee Minerals, 15/7, Mathura Road, Faridabad (Haryana)	BHC emulsifiable concentrates— IS : 632-1966	Do.	Deferred after 30-11-71
38	CM/L-2468 30-11-1970	The National Tile Works, 14-A, Industrial Area, 1 Najafgarh Road, New Delhi-15.	Integral cement waterproofing com- pounds IS : 2645-1964	Do.	Do.
39	CM/L-2470 30-11-1970	Rajasthan Rajya Sahakari Karya Vikraya Sangh Ltd., 89, Industrial Area, Jhotwara (Jaipur West) Jaipur (Rajasthan).	BHC dusting powders—IS : 561-1962	Do.	Do.
40	CM/L-2471 30-11-1970	Haryana Chemicals & Pesticides T/62, Industrial Area, Bhadurgarh, Distt. Rohtak, (Haryana).	BHC dusting powders—IS : 561-1962	Do.	Do.
41	CM/L-2472 30-11-1970	Kohlnoor Paint Colour and Varnish Works, Chhehrta, Near Rly. Station, Amritsar.	(i) Oil paste for paints to Indian Standard colours—IS : 86-1950. (ii) Oil paste for paints to Indian Standard colours—IS : 94-1950 (iii) Oil paste for paints, interior white— IS : 96-1950.	S.O. 3593 dated 2-10-1971	Deferred after 30-11-71
42	CM/L-2474 3-12-1970	Metal Works & Printing Works, Kalkhali, Dum Dum R-Gopalpur, 24 Parganas (W. Bengal).	Tea-chest metal fittings—IS : 10-1964	S.O. 2014 dated 22-5-1971	Lapsed after 30-11-1971

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1972

एस० अ० 1112.—नीचे जिन प्रमाणन मुहर लाइसेंसों के व्योरे अनुसूची में दिए गए हैं, ये लाइसेंस या तो रद्द हो गए हैं अथवा उनका नवीकरण स्थगित कर दिया गया है :

अनुसूची

क्रमांक	लाइसेंस संख्या और तारीख	लाइसेंसधारी का नाम और पता	वस्तुप्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पदनाम	एस० अ० सं०	विवरण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम/एल-491 26-12-1962	गणपति इंजीनियरिंग मैन्यु. प्रा० लि०, गणपति, कोयम्बटूर।	धातु चड़े खिच- IS:4064-1967	एस० अ० 241 दिनांक 26-1-1963	इस का नवीकरण 15-1-1969 के बाद स्थगित किया गया था, अब उसी तिथि से रद्द हो गया है।
2.	सी एम/एल-582 19-9-1963	कमानी ट्यूब प्रा० लि०, आगरा रोड, कुरला, बम्बई-70।	सुकटय पीतल की सरिया और अन्य सेक्शन—IS:319-1968	एस० अ० 2959 दिनांक 19-10-1963	15-10-1971 के बाद स्थगित।
3.	सी एम/एल-605 29-11-1963	स्काईटोन इलेक्ट्रिकल (इंडिया), 43-इंडस्ट्रि- यल एरिया, फरीदाबाद (हरयाणा)।	टाइप बोल्डता चालक ग्रेड (क) जड़ाऊ वायरिंग के लिए बी आई आर केबल (1) ब्रेडेड } 250/ तांबा और सह- } 440 अथवा मिलित } और एल्यु- (2) सख्त } 650/ मिनीयम रबड़ के } 1100 खोल वाले } बोल्ड (3) ऋतुसह (ख) बी आई आर लच- कीली डोरियां (4) मरोड़ी } 250/ केबल और गोल } 440 तांबा बनावटी } बोल्ड रेगम या ग्लेस काटन का ब्रेड चढ़ी IS:434(भाग 1 और 2)-1964	एस० अ० 3539 दिनांक 21-12-1963	इस का नवीकरण 31-5-1971 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से इसको रद्द माना जाए।
4.	सी एम/एल-891 28-11-1964	एलायंस जूट मिक्स कं० लि०, डाकघर जगतदल, 24-पर- गना (प० बंगाल)।	भारतीय हेसियन- IS:2818-1964	एस० अ० 79 दिनांक 2-1-1965	इस का नवीकरण 30-11-1968 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से रद्द माना जाए।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. सी एम/एल-892 28-11-1964	एलायन्स जूट मिल्स कं० लि० डाकघर जगतवल, 24— परगना (पं० बंगाल) ।	जूट सैकिंग : IS:1943-1964 IS:2566-1965 IS:2874-1964, IS:2875-1964, IS:3667-1966, IS:3668-1966, IS:3750-1966, IS:3751-1966, और IS:3794-1966		एस०ओ० 79 दिनांक 2-1-1965	इस का नवीकरण 30-11-1968 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से यह रद्द हो गया है ।
6. सी एम/एल-902 28-11-1964	श्री, अम्बिका जूट मिल्स प्रा० लि०, डाकघर बेलूर- मठ, हावड़ा ।	भारी सी पटसन बोरे— IS:2874-1964		"	30-11-1971 के बाद स्थगित ।
7. सी एम/एल-971 28-11-1964	चित्तवलशाह जूट मिल्स कं० लि० चित्तवलशाह, विशाखा- पत्तनम् ।	भारतीय हेसियन— IS:2818-1964		"	इस का नवीकरण 30-11-1969 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से यह रद्द हो गया है ।
8. सी एम/एल-972 28-11-1964	"	पटसन सैकिंग IS:1943-1964, IS:2566-1965, IS:2874-1964, IS:2875-1964, IS:3667-1966, IS:3668-1966, IS:3750-1966, IS:3751-1966, और IS:3794-1966		"	"
9. सी एम/एल-973 28-11-1964	नेल्लीमर्ला जूट मिल्स कं० लि०, नेल्लीमर्ला, विशाखापत्तनम् ।	भारतीय हेसियन— IS:2818-1964		एस०ओ० 79 दिनांक 2-1-1965	इस का नवीकरण 30-11-1969 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से यह रद्द हो गया है ।
10. सी एम/एल-974 28-11-1964	"	पटसन सैकिंग IS:1943-1964, IS:2566-1965, IS:2874-1964, IS:2875-1964, IS:3667-1966, IS:3668-1966, IS:3750-1966, IS:3751-1966, और IS:3794-1966		"	"

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
11.	सी एम/एल-1115 28-7-1965	दिलबोरेटरी ग्लासवेयर कं० 3612, टिम्बर मार्केट, अम्बाला कैण्ट	एक चिह्न वाले पिपेट— IS:1117-1958	एस० ओ० 26667 दिनांक 28-8-1965	इस का नवीकरण 31-7-1970 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी तिथि से यह रह हो गया है।
12.	सी एम/एल-1131 27-8-1965	ट्रैको केबल कं० लि० इरिम्प- नम्, तिरुवनकुलम गांव, कन्न- यन्नूर तालुक, एर्नाकुलम जिला (केरल)	टाइप बोल्टता चालक प्रेड (क) पी वी सी रोडित केबल (1) इकहरी 250/ तांबा या कोर (बिना 440 एल्युमि- खोल वाले) बोल्ट नियम (2) इकहरी 650/ केवल कोर (बिना 1100 एल्युमि- खोल वाले) बोल्ट नियम (3) इकहरी 650/ केवल कोर (पी 1100 एल्युमि- वी सी खोल बोल्ट नियम वाले) (ख) पी वी सी रोडित लवकीली डोरिया टाइप बोल्टता चालक प्रेड (4) दुहरी 250/ केवल मरोड़ी (बिना 440 तांबा खोल वाली) बोल्ट IS:694(भाग 1 और 2)-- 1964	एस० ओ० 3020 दिनांक 25-9-1965	31-12-1971 के बाद स्थगित
13.	सी एम/एल-1335 27-9-1966	इलेक्ट्रिकल मैन्यू० कं० लि० 136, जैसोर रोड, कल- कत्ता-28	(1) शिरोपरि पावर लाइनों के एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्युमिनियम चालकों के फिटिंग— IS:2121-1962 (2) शिरोपरि पावर लाइनों के लिए रोधक फिटिंग— IS:2486(भाग 1 और 2)-1963	एस० ओ० 3299 दिनांक 5-11-1966	31-5-1971 के बाद स्थगित
14.	सी एम/एल-1364 12-12-1966	बम्बई केबल कं० प्रा० लि०, आगरा रोड, भांडुप, बम्बई-78	टाइप बोल्टता चालक प्रेड पी वी सी रोडित केबल (1) इकहरी 250/ केवल कोर (बिना 440 एल्युमि- खोल वाले) बोल्ट नियम	एस० ओ० 243 दिनांक 21-1-1967	15-12-1971 के बाद स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			टाइप वोल्डता ग्रेड चालक पी वी सी रोधित केबल		
			(2) इकहरी 650/ केबल कोर (पी वी सी 1100 एल्युमिनियम खोल वाले) वोल्ड		
			(3) चपटे दुहरे इ सी सी सहित अथवा रहित (पी वी सी खोल वाले)		
			(4) इकहरी 250/ केबल कोर के पी 440 तांबा वी सी रोधित, वोल्ड बिना खोल वाले IS:694(भाग 1 और 2)— 1964		
15. सी एम/एल-1523 15-9-1967	नेशनल ऐग्रो केमिकल्स, सी- 2, इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-13	एन्ड्रोन पायसनीय तेज द्रव- IS:1310-1958	एस० ओ० 3733 दिनांक 21-10-1967	15-11-1971	के बाद रद्द
16. सी एम/एल-1537 5-10-1967	इंडियन क्राफ्ट एंड इंडस्ट्रीज, 14/15, सिविल लाइंस, कानपुर और 17/101, राम नारायण बाजार, कान- पुर	खनिकों के चमड़े के बचाव बूट और जूते IS:1989-1967	एस० ओ० 4258 दिनांक 9-12-1967	31-10-1971	के बाद स्थगित
17. सी एम/एल-1566 24-11-1967	कीन पेस्टोसाइड्स प्रा० लि०, टावर हाउस, एम०जी० रोड, एर्नाकुलम ।	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण IS:562-1962	एस० ओ० 4568 दिनांक 23-12-1967	15-12-1971	के बाद स्थगित
18. सी एम/एल-1600 27-12-1967	ट्रैको केबल कं० लि० इरिम्प- नम, तिरुवंकुलम् गांव, कन्न- यन्नूर तालुक, एर्नाकुलम जिला (केरल)	शिरोपरि पावर प्रेषण कार्यों के लिए सख्त बिंबे लड़दार एल्युमिनियम और इस्पात की कोर वाले एल्यु- मिनियम चालक— IS:398-1961	एस० ओ० 284 दिनांक 20-1-1968	31-12-1971	के बाद स्थगित
19. सी एम/एल-1640 21-2-1968	ग्रीड आयरन वर्क्स, ओखला इंडस्ट्रियल इस्टेट, ओखला, नई दिल्ली-20	केबल 12.5 मीटर समझ वाली ठलवां लोहे की ऊंचाई पर लगने वाली नीचे की चौड़ी फ्लश की टंकियां— IS:774-1964	एस० ओ० 1195 दिनांक 30-3-1968	15-11-1971	के बाद रद्द
20. सी एम/एल-1686 30-4-1968	पालसंस इंडस्ट्रीज, सुलतान- पुर रोड, कपूरथला	डोर क्लोजर (द्रव नियंत्रित)— IS:3564-1966	एस० ओ० 2127 दिनांक 15-6-1968	31-12-1971	के बाद स्थगित
21. सी एम/एल-1762 9-8-1968	उषा मार्टिन ब्लैक (बायर- रोस) लि०, तातीसिल्वाय, रांची (बिहार)	(क) सामान्य कार्यों के लिए इस्पात के तार के रस्से— IS:2266-1963 (ख) लिफ्टों और ऊपर उठाने के	एस० ओ० 3677 दिनांक 19-10-1968	31-12-1971	के बाद स्थगित

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
			लिए इस्पात के तार के निलम्बन रस्से— IS:2365-1963 ग) जहाजरानी कार्यों के लिए जस्ता षट्ठे इस्पात के गोल सड़दार तार के रस्से— IS:2581-1968		
22. सी एम/एल— 1835 15-11-1968	नेशनल ऐग्रोकेमिकल्स, सी-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-13	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— IS:1307-1958	एस० ओ० 4594 दिनांक 28-1-1968	15-11-1971 के बाद रद्द ।	
23. सी एम/एल-1852 4-12-1968	के० एल० कपूर एण्ड कं०, 4-किशन दयाल जालान रोड, सल्किया, डाकघर धुसूरी, हावड़ा ।	15 लीटर समाई वाली (साइफन- नुमा) ऊंचाई पर लगने वाली दलवां लोहे की फलश की टंकियां— IS:774-1964	एस० ओ० 370 दिनांक 25-1-1969	30-11-1971 के बाद स्थगित ।	
24. सी एम/एल— 1874 23-12-1968	प्रकाश पुन्वराइजिंग मिल्स, इंडस्ट्रियल एरिया, अलवर (राजस्थान)	तांबा ब्राक्सीक्लोराइड का जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS:1507-1966	एस० ओ० 370 दिनांक 25-1-1969	31-12-1971 के बाद रद्द ।	
25. सी एम/एल-2043 8-8-1969	कीन पेस्टीसाइड्स (प्रा०) लि०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मुदिकल डाकघर, (बरास्ता) पेरम्मबवूर (केरल)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS:561-1962	एस० ओ० 3930 दिनांक 27-9-1969	15-12-1971 के बाद स्थगित ।	
26. सी एम/एल-2056 25-8-1969	स्टैण्डर्ड मिनेरल प्राइड्स प्रा० लि०, मुभाष नगर, जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई- 60	बी एच सी पायसनीय तेज द्रव— IS: 632-1966	एस० ओ० 3930 दिनांक 27-9-1969	15-12-1971 के बाद रद्द ।	
27. सी एम/एल-2057 25-8-1969	„	एन्ड्रिन का पायसनीय तेज द्रव— IS: 1307-1958	„	„	
28. सी एम/एल-2148 26-11-1969	निर्मल इंडस्ट्रीज, मेट्रोपॉल- यम रोड, कोयम्बटूर-11	साफ, ठंडे और ताजे पानी के लिये केवल 76×64 मिमी साइज वाले क्षैतिज अपकेन्द्री पम्प— IS: 1520-1960	एस० ओ० 5045 दिनांक 27-12-1969	31-12-1971 के बाद स्थगित ।	
29. सी एम/एल-2165 5-12-1969	„	तीन फेजी प्रेरण मोटर— IS: 325-1961	एस० ओ० 437 दिनांक 7-2-1970	31-12-1971 के बाद स्थगित ।	
30. सी एम/एल-2196 31-12-1969	एन० सी० चक्रवर्ती फैब्री- केटर्स प्रा० लि०, 69/2, चेतला रोड, कलकत्ता-27	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— IS: 10-1964	„	31-12-1971 के बाद स्थगित ।	
31. सी एम/एल-2225 29-1-1970	जय केमिकल्स, 14/1 बी, मील, दिल्ली-मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	बी एच सी जल विसर्जनीय तेज चूर्ण— IS: 562-1962	एस० ओ० 771 दिनांक 28-2-1970	30-11-1971 के बाद स्थगित ।	

1	2	3	4	5	6
32.	सी एम/एल-2400 31-8-1970	भारती मिनरलस, 15/7, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	मालाथियोन पायसनीय तेज द्रव- IS : 2567-1963	एस० ओ० 57 दिनांक 2-1-1971	30-11-1971 के बाद स्थगित ।
33.	सी एम/एल-2431 20-10-1970	स्वरूप केमिकल्स, वाटर वर्क्स रोड, ऐश बाग, लखनऊ ।	एल्ट्रिन का घुलन पाउडर IS : 1308-1958	एस० ओ० 561 दिनांक 30-1-1971	31-10-1971 के बाद रद्द ।
34.	सी एम/एल-2449 4-11-1970	वि नेशनल टाइल वर्क्स, 14- ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	भीतरी इन्नेमल : (क) नीचे परत देने के लिये (ख) बांछित रंग का फिनिश देने वाला IS : 133-1965	एस० ओ० 3593 दिनांक 2-10-1971	15-11-1971 के बाद रद्द ।
35.	सी एम/एल-2450 6-11-1970	इंडियन ट्रेडर्स प्रा० लि०, इंडस्ट्रियल एरिया, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली ।	(1) बुहरे चपटे, पी वी सी रोधित, पी वी सी खोल वाले, एल्युमि- नियम चालक, 250/440 बोल्ड, (2) एकहरी कोर के पी वी सी रोधित एल्युमिनियम चालकों वाले केबल, (बिना खोल वाले), 250/440 बोल्ड, और (3) एकहरी कोर के पी वी सी रोधित एल्युमिनियम चालकों वाले केबल (पी वी सी खोल वाले), 650/1100 बोल्ड— IS : 694 (भाग 2)— 1964	„	इस का नवीकरण 15-11-1971 के बाद स्थगित कर दिया गया था, अब उसी स्थिति से यह रद्द हो गया है ।
36.	सी एम/एल-2465 30-11-1970	वि नेशनल टाइल वर्क्स, 14- ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15	सामान्य कार्यों के लिये भट्ट-चम- कीला बुरुश द्वारा बाहर लगाने का फिनिश देने वाली तैयार मिश्रित रंग रोगन, टाइप-1, श्रेणी ए— IS : 117-1964	„	30-11-1971 के बाद स्थगित ।
37.	सी एम/एल-2466 30-11-1970	भारती मिनरलस, 15/7, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरियाणा)	बी एच सी पायसनीय तेज द्रव- IS : 632-1966	एस० ओ० 3593 दिनांक 2-10-1971	30-11-1971 के बाद स्थगित ।
38.	सी एम/एल-2468 30-11-1970	वि नेशनल टाइल वर्क्स, 14- ए, इंडस्ट्रियल एरिया, नजफ- गढ़ रोड, नई दिल्ली-15	जलरोक बमाने का समेकित सीमेण्ट मसाला— IS : 2645-1964		
39.	सी एम/एल-2470 30-11-1970	राजस्थान राज्य सहकारी क्रय-विक्रय संघ लि०, 89, इंडस्ट्रियल एरिया, जोत- वाड़ा (जयपुर पश्चिम), जयपुर (राजस्थान)	बी एच सी घुलन पाउडर— IS : 561-1962		

1	2	3	4	5	6
40	सी एम/एल-2471 30-11-1970	हरयाणा केमिकल्स एण्ड पेस्टीसाइड्स, टी/62, बंड- ट्रियल एरिया, बहादुरगढ़, जिला रोहतास (हरयाणा)	बी एच सी धूलन पाउडर- IS : 561-1962	एस० ओ० 3593 दिनांक 2-10-1971	30-11-1971 के बाद स्थगित
41.	सी एम/एल-2472 30-11-1970	कोहमूर पेंट कलर एण्ड बार्निश वर्क्स, छेहरटा, निकट रेलवे स्टेशन, अमृत- सर ।	(1) भारतीय मानक रंगों के अनुरूप रंग-रोगन के लिये तेल पेस्ट- : 86-1950 (2) भारतीय मानक रंगों के अनुरूप रंग-रोगन के लिये तैल पेस्ट— IS : 94-1950 (3) भीतरी सफेदी के रंग-रोगन के लिये तेल-पेस्ट— IS : 96-1950	„ „	„ „
42.	सी एम/एल-2474 3-12-1970	मेटल बेयस एण्ड प्रिंटिंग वर्क्स, कलखाली, दमदम ग्राम- गोपालपुर, 24-परगना (प० बंगाल)	चाय की पेटियों के लिये धातु के फिटिंग— IS : 10-1964	एस० ओ० 2014 दिनांक 22-5-1971	30-11-1971 के बाद रद्द ।

[सं० सी० एम० डी०/13-14]

New Delhi, the 23rd February 1972

S. O. 1113.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from 1 February, 1972 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
1	2	3	4	5
1	Parallel hand reamers with parallel shanks	IS : 5444—1969 Specification for parallel hand reamers with parallel shanks.	One reamer	2.5 paise
2	Long fluted machine reamers with morse taper shanks	IS : 5445—1969 Specification for long fluted machine reamers with morse taper shanks	One reamer	2.5 paise
3	Chucking reamers with parallel shanks	IS : 5446—1969 Specification for chucking reamers with parallel shanks	One reamer	2.5 paise
4	Chucking reamers with morse taper shanks	IS : 5447—1969 Specification for chucking reamers with morse taper shanks	One reamer	2.5 paise
5	Taper pin hand reamers	IS : 5881—1970 Specification for taper pin hand reamers	One reamer	2.5 paise
6	Socket reamers with parallel shanks	IS : 5882—1970 Specification for socket reamers with parallel shanks	One reamer	2.5 paise
7	Socket reamers with morse taper shanks	IS : 5907—1970 Specification for socket reamers with morse taper shanks	One reamer	2.5 paise
8	Taper pin machine reamers	IS : 5918—1970 Specification for taper pin machine reamers	One reamer	2.5 paise
9	Machine bridge reamers	IS : 5919—1970 Specification for machine bridge reamer	One reamer	2.5 paise
10	Shell reamers	IS : 5926—1970 Specification for shell reamers	One reamer	2.5 paise
11	Machine jig reamers	IS : 6091—1971 Specification for machine jig reamers	One reamer	2.5 paise

[No. CMD/13110]

नई दिल्ली, 23 फरवरी, 1972

एस० नो० 1113:—संख्या भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955, के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की प्रति इकाई मुहरांकन फीसों जिनके व्योरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, निर्धारित की गई हैं और ये फीसों 1 फरवरी, 1972 को लागू हों जाएंगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद का नाम	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
1	2	3	4	5
(1)	समान्तर शैंक वाले हाथ के समान्तर रीमर	IS: 5444-1969 समान्तर शैंक वाले हाथ के समान्तर रीमरों की विशिष्टि	एक रीमर	2.5 पैसा
(2)	मोर्स गावदुम शैंक वाले लम्बे पनारीदार मशीन रीमर	IS: 5445-1969 मोर्स गावदुम शैंक वाले लम्बे पनारीदार मशीन रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसा
(3)	समान्तर शैंक वाले चक्र में लकड़ने वाले रीमर	IS: 5446-1969 समान्तर शैंक वाले चक्र में लगने वाले रीमर विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसा
(4)	मोर्स गावदुम शैंक वाले चक्र में लगने वाले रीमर	IS: 5447-1969 मोर्स गावदुम शैंक वाले चक्र में लगने वाले रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(5)	गावदुम पिन वाले हाथ के रीमर,	IS: 5881-1970 गावदुम पिन वाले हाथ के रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(6)	समान्तर शैंक वाले साकेट रीमर	IS: 5882-1970 समान्तर शैंक वाले साकेट रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(7)	मोर्स गावदुम शैंक वाले साकेट रीमर	IS: 5907-1970 मोर्स गावदुम शैंक वाले साकेट रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(8)	गावदुम पिन वाले मशीन रीमर	IS: 5918-1970 गावदुम पिन वाले मशीन रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(9)	मशीन त्रिज रीमर	IS: 5919-1970 मशीन त्रिज रीमर की विशिष्टि	एक रीमर	2.5 पैसे
(10)	शेल रीमर	IS: 5926-1970 शेल रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे
(11)	मशीन जिग रीमर	IS: 6091-1971 मशीन जिग रीमर की विशिष्टि।	एक रीमर	2.5 पैसे

S. O. 1114.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Products	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Making Fee per Unit	Date of effect
1	Miners' cap lamp batteries (lead acid type)	IS : 2512—1963 Specification for miners' cap lamp batteries (lead acid type)	One battery	3 paise	1 Feb. 1972
2	Diazinon emulsifiable concentrates.	IS : 2861—1964 Specification for diazinon emulsifiable concentrates	One litre	5 paise	16 Jan. 1972
3	Fenitrothion emulsifiable concentrates	IS : 5281—1969 Specification for fenitrothion emulsifiable concentrates	One litre	5 paise	16 Oct. 1970
4	Country spirit	IS : 5287—1969 Specification for country spirit	100 litre	(i) 10 paise per unit the first 10,000 units (ii) 5 paise per unit for the next 40,000 units (iii) 2 paise per unit for the remaining units	1 st Jan. 1972

[No. CMD/13 : 10]

एस० ओ० 1114 :—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955, के विनियम, 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न वस्तुओं की प्रति इकाई मुहरांकन फीसों जिनके व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, निर्धारित की गई हैं और ये फीस उनके आगे दी गयी तिथियों से लागू हो जायेंगी :

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद का नाम	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	5	6
(1)	खनिकों के टोपी लैम्पों की बैटरियाँ (सीसा अम्ल टाइप)	IS : 2512—1963 खनिकों के टोपी—लैम्पों की बैटरियों की विशिष्टि (सीसा अम्ल टाइप)	एक बैटरी	3 पैसे	1 फरवरी, 1972
(2)	डायाजिनोन पायसनीय तेज द्रव	IS : 2861—1964 डायाजिनोन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि ।	एक लीटर	5 पैसे	16 जनवरी, 1972
(3)	फेनीट्राथियोन पायसनीय तेज द्रव	IS : 5281—1969 फेनीट्राथियोन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्टि	एक लीटर	5 पैसे	[16 अक्टूबर, 1970]
(4)	देसी शराब	IS : 5287—1969 देसी शराब की विशिष्टि ।	100 लीटर	(1) पहली 10000 इकाइयों के लिए 10 पैसे प्रति इकाई (2) अगली 40000 इकाइयों तक के लिए 5 पैसे प्रति इकाई । (3) शेष अगली इकाइयों के लिए 2 पैसे प्रति इकाई ।	16 जनवरी, 1972

[संख्या सी० एम० डी०/13 : 10]

S. O. 1115.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

THE SCHEDULE





Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of effect
1	2	3	4	5	6
1	IS : 2512	Miners' cap lamp batteries (lead acid type)	IS : 2512—1963 Specification for miners' cap lamp batteries (lead acid type)	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (a), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1 Feb. 1972
2	IS : 2861	Diaz non emulsifiable concentrates	IS : 2861—1964 Specification for diaz non emulsifiable concentrates	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (a) the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 Jan 1972
3	IS : 5281	Fenitrothion emulsifiable concentrates	IS : 5281—1969 Specification for fenitrothion emulsifiable concentrates	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (a) the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 Oct 1970
4	IS : 5287	Coultary spirit	IS : 5287—1969 Specification for coultary spirit	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (a), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 Jan 1972

[No. CMD/13 : 9]

एस० ओ० 1115.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि मानक चिह्न जिनके डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानकों के शीर्षक सहित नीचे अनुसूची में दिए हैं, भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किए गए हैं ।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न दी गई विधियों से लागू हो जाएंगे :

अनुसूची


क्रमांक	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	भारतीय मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
1	2	3	4	4	6
1	आई एस: 2512 	खनिकों के टोपी-लेम्पों की बैटरियाँ (सीसा अम्ल टाइप)	IS : 2512-1963 खनिकों के टोपी लेम्पों की बैटरियों की विशिष्ट (सीसा अम्ल टाइप)	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई एस आई' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक संस्था की दी हुई है।	1 फरवरी 1972
2	आई एस: 2861 	डायोजिनोन पायसनीय तेज द्रव	IS : 2861-1964 डायोजिनोन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई एस आई' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	16 जनवरी 1972
3	आई एस: 5281 	फेनीट्रायियोन पायसनीय तेज द्रव	IS : 5281-1969 फेनीट्रायियोन पायसनीय तेज द्रव की विशिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई एस आई' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	16 अक्टूबर 1970
4	आई एस: 5287 	देसी शराब	IS : 5287-1969 देसी शराब की विशिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'आई एस आई' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	16 जनवरी 1972









[सं० सी० एम० डी०/13 : 9]



S.O. 1116 —In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1 February 1972:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
1	2	3	4	5
1	IS : 5444 	Parallel hand reamers with parallel shanks	IS : 5444-1969 Specification for parallel hand reamers with parallel shanks	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design

1	2	3	4	5
2	IS : 5445 	Long fluted machine reamers with morse taper shanks	IS : 5445—1969 Specification for long fluted machine reamers with morse taper shanks	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
3	IS : 5446 	Chucking reamers with parallel shanks	IS : 5446—1969 Specification for chucking reamers with parallel shanks	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
4	IS : 5447 	Chucking reamers with morse taper shanks	IS : 5447—1969 Specification for chucking reamers with morse taper shanks	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
5	IS : 5881 	Taper pin hand reamers	IS : 5881—1970 Specification for taper pin hand reamers	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
6	IS : 5882 	Socket reamers with parallel shanks	IS : 5882—1970 Specification for socket reamers with parallel shanks	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
7	IS : 5907 	Socket reamers with morse taper shanks	IS : 5907—1970 Specification for socket reamers with morse taper shanks	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
8	IS : 5918 	Taper pin machine reamers	IS : 5918—1970 Specification for taper pin machine reamers	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
9	IS : 5919 	Machine bridge reamers	IS : 5919—1970 Specification for machine bridge reamers	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.




1	2	3	4	5
10	IS : 5926 	Shell reamers	IS : 5926—1970 Specification for shell reamers	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.
	IS : 6091 	Machine jig reamer	IS : 6091—1971 Specification for machine jig reamers	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col (2), the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.








[No. CMD/13/9]


एस० आ० 1116.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955 के नियम 4 के उपनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिमूर्चित किया जाता है कि मानक चिह्न जिन्हें उचित और शाब्दिक विवरण सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे आसूची में दिए हैं, भारतीय मानक संस्था चिह्न द्वारा निर्धारित किए गए हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न 1 फरवरी 1972 से लागू हो जाएंगी :

आसूची

क्रमांक	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बन्धी भारतीय मानक की पद-संख्या और शीर्षक	भारतीय मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1	2	3	4	5
1	IS : 5444 	समान्तर शैंक वाले हाथ के समन्तर रीमर	IS : 5444—1969 समान्तर शैंक वाले हाथ के समन्तर रीमरों की विनिर्दिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई देने वाली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसे दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।
2	IS : 5445 	मोसं गावदुम शैंक वाले लम्ब पनारीदार मशीन रीमर	IS : 5445—1969 मोसं गावदुम शैंक वाले लम्ब पनारीदार मशीन रीमर की विनिर्दिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई देने वाली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।
3	IS : 5446 	समान्तर शैंक वाले चक में लगने वाले रीमर	IS : 5446—1969 समान्तर शैंक वाले चक में लगने वाले रीमर की विनिर्दिष्ट	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई देने वाली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।

1	2	3	4	5
4	IS : 5447 मोर्स गावदुम शैक वाले चक में लगने वाले रीमर	IS : 5447-1969 मोर्स गावदुम शैक वाले चक में लगने वाले रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ' ISI ' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
5	IS : 5881 गावदुम पिन वाले हाथ के रीमर	IS : 5881-1970 गावदुम पिन वाले हाथ के रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ' ISI ' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
6	IS : 5882 समान्तर शैक वाले साकेट रीमर	IS : 5882-1970 समान्तर शैक वाले साकेट रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें ' ISI ' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
7	IS : 5907 मोर्स गावदुम शैक वाले साकेट रीमर	IS : 5907-1970 मोर्स गावदुम शैक वाले साकेट रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें " ISI " शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
8	IS : 5913 गावदुम पिन वाले मशीन रीमर	IS : 5913-1970 गावदुम पिन वाले मशीन रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें " ISI " शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
9	IS : 5919 मशीन ब्रिज रीमर	IS : 5919-1970 मशीन ब्रिज रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें " ISI " शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				
10	IS : 5926 भेल रीमर	IS : 5926-1970 भेल रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें " ISI " शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।	
				

1	2	3	4	5
11	IS:6091 	मशीन जिग रीम	IS: 6091-1971 मशीन जिग रीमर की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "IS" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई दी है और प्रस्ताव में तैयार किया गया है और ऐसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की संख्या दी हुई है।


[सं.सी.एम.डी./13:9]

New Delhi, the 6th April 1972

S. O. 1117—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 16 February 1972 :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	IS: 1601 	Diesel engines	IS: 1601—1960 Specification for performance of constant speed internal combustion engine for general purposes.	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. 2, the number designation of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.


[No. CMD/13:9]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1972

सं. सी. 1117.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) नियम 1955, के नियम 4 के उपबिनिबन (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिसूचित किया जाता है कि मानक चिह्न जिसकी डिजाइन और शाब्दिक विवरण तलतलखाने भारतीय मानक के धीरे-धीरे नीचे अनुसूची में दिये गये हैं, भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किया गया है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त यह मानक चिह्न 16 फरवरी, 1972 से लागू हो जायेगा :

अनुसूची

क्रम]	मानक चिह्न की संख्या]	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग डिजाइन]	सम्बद्ध भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक	भारतीय मानक चिह्न की डिजाइन का शाब्दिक विवरण
1.	IS : 1601 	डीजल इंजन	IS : 1601—1960 सामान्य कार्यों के लिए प्रचलित अंतर्बाही इंजन को कार्य-प्रदता की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई दी है और प्रस्ताव में तैयार किया गया है और ऐसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी हुई है।

[सं. सी. एम. डी./13:9]

S. O. 1113—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies the marking fee per unit for diesel engines, details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 16 February 1972:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
I.	Diesel engines	IS:1601—1960 Specification for performance of constant speed internal combustion engine for general purposes	One engine	(i) Rs. 5.00 per unit for the first 1,000 units (ii) Rs. 3.00 per unit for the next 10,000 units and (iii) Rs. 1.50 per unit for production beyond 11,000 units.

[No. CMD/13:10]

M. V. PATANKAR,
Dy. Director General

एस० नं० 1113.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955, के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था की ओर से अधिभूषित किया जाता है कि डीजल इंजनों में प्रति इकाई मुद्रांकन फीस जिसके ब्यौरे नीचे प्रतिसूची में दिये गये हैं, निर्धारित की गई है और यह फीस 16 फरवरी 1972 से लागू हो जायेगी :

प्रतिसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की परतें तथा और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुद्रांकन फीस
1.	डीजल इंजन	IS : 1601—1960 सामान्य कार्यों के लिए अचरगति अंतर्बाही इंजन की कार्यप्रवृत्ति की विशिष्टता	एक इंजन	(1) पहली 1000 इकाइयों के लिए रु० 5.00 प्रति इकाई; (2) अगली 10000 इकाइयों के लिए रु० 3.00 प्रति इकाई; और (3) 11000 इकाइयों से ऊपर उत्पादन के लिए रु० 1.50 प्रति इकाई।

[सं० सी० एम० डी०/13:10]

एम० बी० पाटनकर,
उपमहानिदेशक

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 22nd April, 1972

S.O. 1119—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta in the industrial dispute between the employers in relation to the National Insurance Company Limited, Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on the 18th April, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 72 of 1971

PARTIES:

Employers in relation to the National Insurance Company Limited, Calcutta,
AND
Their workmen.

PRESENT:

Sri S. N. Bagchi, Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers, Shri R. N. Gupta.

On behalf of Workmen, Shri R. P. Robindranathan, Vice-President.

Sri A. K. Roy Choudhury, General Secretary.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Insurance.

AWARD

By Order No. F. 17011/2/71-LRI, dated 30th April, 1971, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the National Insurance Company Limited, Calcutta and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the action of the management of Messrs National Insurance Company Limited, Calcutta, in making deductions from the wages of their workmen, who could not attend the duties on the 5th and 6th August, 1970 was justified? If not, to what relief are they entitled?"

2. The management of the Insurance Company and the Union during the pendency of the proceedings of adjudication came to a compromise and recorded the terms thereof and filed the memorandum of compromise before this Tribunal on 12th July, 1971 when there was no Presiding Officer. Mr. Justice A. C. Sen who was the Officer-in-charge of this Tribunal received that compromise document but could not record it. I then joined and fixed this date for recording the compromise. There was a term in the compromise document being paragraph 3 where it was recorded that the payment for the two days, 5th and 6th August, 1970, of wages to the workmen would be made by the management on 30th July, 1971 along with the salary of the month of July 1971. Today in continuation of the original petition of compromise both the parties filed another petition recording therein that in terms of paragraph 3 of the original compromise petition the payment had already been made and received by the workmen for the two days. So, there is no claim now pending against the Company by the workmen.

3. I have perused the document of compromise and I consider the terms thereof to be fair, just and equitable. I therefore, record both the two compromise petitions and pass an award in terms of the compromise petitions which shall form part of the award.

Thus I render my award.

(Sd.) S. N. BAGCHI,
Presiding Officer.

Dated, April 12, 1972.

Memorandum of settlement between National Insurance Co. Ltd., 18, Robindra Sarani, Calcutta and its workmen represented by National Insurance Employees Association, 37, Suren Sarkar Road, Calcutta-10.

For the Employer: Sri S. N. Gupta, General Manager.

For the workmen: 1. Shri P. P. Ravindranathan, Vice-President of the Union.

2. Shri A. K. Roy Choudhury, General Secretary of the Union.

Short recital of the case

The Central Government vide its order dated 30th April, 1971 referred the Dispute "Whether the action of the management of M/s. National Insurance Co. Ltd., Calcutta, in making deductions from the wages

of their workmen, who could not attend their duties on the 5th and 6th August, 1970 was justified? If not, to what relief are they entitled?" To the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta. Subsequently after the said reference negotiations were held between the parties out of Court and after mutual negotiations the following settlement has been arrived at on 9th July, 1971:

Ters of Settlement

It is hereby agreed as follows:

1. That the Company shall grant special leave to the workmen who absented from duty on 5th and 6th August, 1970 and accordingly the Company shall pay to the workmen concerned their salary for these two days.

2. That the workmen shall accept the payment of salary for these two days on account of special 12 in full and final settlement of their claim over the issue before the Central Government Industrial Tribunal.

3. That the said payment shall be made by the Company to the concerned workmen on 30th July, 1971 along with the salary for the month of July, 1971.

4. That the parties will file a joint petition before the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta on 12th July, 1971 with the prayer that the Tribunal may give its award in terms of this settlement.

5. That the parties shall meet their own cost in respect of this dispute before the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta.

For the Employer:

Witnesses: 1.

2.

For the Workmen:

(Sd) Illegible.

(Sd) Illegible.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA.

In the matter of Industrial Dispute.

BETWEEN

National Insurance Company Ltd., Calcutta.

AND

Its workmen represented by National Insurance Employees' Association, Calcutta.

AND

In the matter of Central Government Order dated 30th April, 1971, Reference No. 72 of 1971:

Joint Petition of the Parties:

Most respectfully sheweth:

That in terms of Paragraph 3 of the Memorandum of Settlement dated 9th July, 1971 between the aforesaid parties filed before this Learned Tribunal the National Insurance Co. Ltd., has made and the workmen have accepted the payment.

In the circumstances it is prayed that the learned Tribunal be pleased to accept the settlement dated 9th July, 1971 and pass its award in terms of the said settlement and/or pass such order or orders as the learned Tribunal may deem fit and for this act of kindness the parties as in duty bound shall every pray.

For and on behalf of National Insurance Co. Ltd.
(Sd) Illegible.
General Manager.

For and on behalf of National Insurance Employee's Association.
(Sd.) Illegible,
General Secretary.

[No. F.L. 17011/2/71/LRI.]_{1A}

New Delhi, the 28th April, 1972

S.O. 1120.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to Bhakra Management Board, Nangal and its workmen represented by the Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township which was received by the Central Government on the 24th April, 1972.

In the matter of arbitration under Section 10-A of the Industrial Dispute Act, 1947 in the industrial dispute between the Member (Irrigation), Bhakra Management Board, Nangal Township and Shri Ram Lal, Chowkidar, represented by the General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township.

PRESENT

Shri K. Shammughavel, Arbitrator and Regional Labour Commissioner (Central), Office of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi.

Shri K. R. Prabhakar, Executive Engineer, Township and Personnel Division, Bhakra Management Board, Nangal Township.—*Representing the employer.*

Shri Ram Kishan Singh, General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township.—*Representing the workman.*

AWARD

New Delhi, the 22nd April, 1972.

(No. 25/71-Con.1.)

In a dispute arisen out of suspension of Shri Ram Lal, working as a Chowkidar, under the Bhakra Management from 2nd January, 1971 to 6th January, 1971 and of recovery of Rs. 96/- only towards cost of stolen articles from his pay, the Member (Irrigation), Bhakra Management Board (hereinafter referred to as management), Nangal Township and the workman represented by the General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township (hereinafter referred to as union) agreed to refer the following matter in the dispute between them for my arbitration under Section 10-A of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the Management of Bhakra Management Board, Nangal Township is justified in suspending Shri Ram Lal, Chowkidar from 2nd January, 1971 to 6th January, 1971, and recovering Rs. 96/- as cost of stolen articles from his pay and, if not, to what relief he is entitled?"

2. The parties had further agreed that the decision of the Arbitrator shall be binding on them. The arbitration agreement was published in the Gazette of India *vide* Ministry of Labour & Rehabilitation (Department of Labour and Employment) Notification No. L.42012/38/71-LR.III dated 10th November 1971.

3. The parties were called to submit their respective statements on their cases endorsing copies to each other as well as their comments on each other's statement of the case. After having received the statements I heard them on 14th December 1971 at Chandigarh. Whereas the management was represented by Shri K. R. Prabhakar, Executive Engineer, Township and Personnel Division, Bhakra Management Board the workman was represented by Shri Ram Kishan Singh, General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township. On that day a report in the matter furnished by Labour Welfare Officer of the management was shown to the union by the representative of the management which was accepted as an authenticated one. The report was also perused by me. As the representatives of the parties wanted to produce witnesses for examination and cross-examination the arbitration proceedings were adjourned and held at Nangal on 8th April, 1972, and on 9th April, 1972.

4. On behalf of the management Shri B. D. Dogra, S.D.O. Reservoir and on behalf of the union S/Shri Ram Lal, Chowkidar, Jagat Ram, Pump Operator, Saligram, Pump Operator and Ram Kishan Singh, General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh were examined and cross-examined. On 9th April, 1972, the parties advanced their respective arguments.

5. The relevant background of the case was that in the morning shift of 19th February 1968 it was reported that Kunda of TNP Store, Water Supply and Sanitation Sub-Division of Bhakra Management Board, Nangal was found broken and thereafter it was detected that a theft of 91 brass water meter weighing about 180 KGs, had taken place. Immediately after knowing the theft the concerned official got a case registered in the Police Post of Nangal. The Police on investigation had informed the management that they were unable to trace out the culprit. Then Shri B. D. Dogra, the then S.D.O. Estate of the management was ordered by his Executive Engineer to hold an enquiry in the theft. Accordingly he conducted an enquiry. Statements of the workmen working in the third shift of 18th February 1968 and in the 1st shift of 19th February 1968 were recorded. In his enquiry report submitted to his higher authorities he had opined that it was very difficult for him to pin point any particular person suspected to be involved in the theft case; however the possibility of collaboration of outsider with resident staff could not be ruled out. He also felt that the Chowkidars of both the shifts i.e. 3rd shift of 18th February 1968 and 1st shift of 19th February 1968 namely Shri Kehar Singh and Shri Ram Lal respectively had failed to perform their duties and therefore they must be penalised for that.

6. After a lapse of about 2 years a chargesheet was issued to Shri Ram Lal by the Executive Engineer, Township and Personnel Division of the management *vide* their letter No. 2679/16-I dated 20th May, 1970 saying that a theft of 91 brass water meter weighing about 180 KGs. costing about Rs. 960/- took place in the store of Water Supply Section during the night of 18/19th February, 1968 when Shri Ram Lal was on watch and ward duty in the first shift of 19th February 1968 i.e. between 12.00 P.M. to 8.00 A.M. In the chargesheet it was stated that the theft had occurred due to the fact that Shri Ram Lal was negligent in his duties and he had failed to perform his duties properly and vigilantly and consequent negligence on his part had resulted in loss of Government Store. It was further stated that the above acts alleged to have been committed by him amounted to item of major misconduct under clause 13(iii) (b) & (h) of the Standing Orders relating to non-factory workmen and warranted taking disciplinary action against him. He was therefore asked to show cause within ten days of the receipt of the chargesheet as to why disciplinary action should not be taken against him in accordance with the Standing Orders. The workman *vide* his letter dated 4th June, 1970, addressed to the management denied the allegation made against him in the chargesheet and stated that he was innocent in the whole matter.

7. Not being satisfied with the reply of the workman the management informed him *vide* their letter No. 11021/PST dated 21st October, 1970, that after careful examination of his explanation and the report of the Enquiry Officer, appointed to enquire into the charges against him the management provisionally proposed to suspend him for 10 days and to recover 10 per cent of the cost of the materials stolen i.e. Rs. 96/- and the workman was given an opportunity to show cause against the proposed punishment. On receipt of the above show cause notice the workman *vide* his letter dated 7th December, 1970 replied that the action proposed by the management against him was unjustified and illegal on the following grounds:—

(1) According to the principles of natural Justice, fundamental Rules and Standing Orders applicable to the non-factory workmen of Nangal Bhakra Project which apply to him the show

cause notice issued to the workman was wrong, unjustified and one sided as the above said chargesheet was issued to the workman on 21st May, 1970, whereas the theft was apprehended on 18/19th February, 1968.

- (2) The enquiry into the theft was conducted by Shri B. D. Dogra, S.D.O. on 8th April, 1968, 20th April, 1968 and on 26th April, 1968. It was therefore evident that the enquiry against the allegations stated in the chargesheet had already been conducted much earlier before the issue of the chargesheet.
- (3) The enquiry officer Shri B. D. Dogra concluded that it would be very difficult for him to pin point any person suspected to be involved in the case. The enquiry officer further stated that the Chowkidars on duty on 18/19th February, 1968 failed to perform their duties and they must be penalised for that. So it was not proper for the management to hold Shri Ram Lal alone responsible for the theft.
- (4) According to the normal procedure, laid down in matters of disciplinary proceedings, the management not being satisfied with the reply received from the concerned workman to be the chargesheet issued to him, would appoint an enquiry officer under intimation to the workman to enquire into the charges mentioned in the chargesheet. No such procedure had been followed in his case.

8. Hence the workman, had pleaded in his appeal letter dated 7th December, 1970, addressed to the Executive Engineer, Township and Personnel Division, Nangal Township that the proposed punishment would not be imposed on him. On receipt of the appeal from the workman the management evidently not being satisfied with it imposed, the punishment i.e. suspension of 10 days and recovery of Rs. 96/- on the workman. On an appeal made to the Superintendent Engineer, Bhakra Dam Circle, Appellate Authority in regard to disciplinary matter for withdrawal of the above said punishment, the appellate authority had reduced the suspension period from 10 days to 5 days and upheld the recovery of Rs. 96/- from his pay. The punishment thus awarded to the workman had already been implemented.

9. Being not satisfied with the action of the management in awarding the punishment as explained above an industrial dispute on behalf of the workman was raised before the Assistant Labour Commissioner (Central), Chandigarh by the Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township and it was agreed by the parties to refer the dispute to my arbitration.

10. The specific issue referred to for my arbitration is whether the management are justified in punishing Shri Ram Lal, Chowkidar by way of suspension from 2nd January, 1971 to 6th January, 1971, and by recovery of Rs. 96/- as cost of stolen articles, from his pay. The question of punishment will arise only when the management had established beyond doubt that the workman had committed the offence, alleged against him. The theft in question had taken place on 18/19th February, 1968, and an enquiry was conducted on 8th April, 1968, 20th April, 1968, and on 26th April, 1968. The enquiry officer, on completion of the enquiry could not conclusively prove that the Chowkidars on duty on 18/19th February, 1968, were responsible for the theft in either on the basis of any direct or of circumstantial evidence. The relevant para of the enquiry report read as under:—

"I feel that the Chowkidars of both the shifts viz. Shri Kehar Singh and Shri Ram Lal have failed to perform their duties and they must be penalised for that."

Feelings of an enquiry officer should not be the basis of an award of punishment on a workman. The charges against the workman should be specifically,

conclusively proved and only thereafter a punishment commitment upto with the offence could be imposed. Further after lapse of about two years, the management issued a chargesheet to one of the Chowkidars i.e. Shri Ram Lal who had failed to perform his duties according to the feelings of the enquiry officer. In this connection, it may be stated that the theft have taken place either in the third shift or in the first shift to 18/19th February, 1968. So it is not fair on the part of the management to issue a chargesheet to the Chowkidar who was on duty in the first shift only. The charge levelled against him are (i) negligence of duty and (ii) failed to perform his duties promptly and vigilantly which lead to the loss of Government Store.

11. According to the management the above charges, attract clause 13(iii) (b) & (h) of the Standing Orders relating to non-factory workmen. The relevant portion of the Standing Orders are given below:—

13(iii)(b) reads as "wilful damage to or loss of employers goods or property and 13(iii) (h) reads as "habitual negligence or neglect of work."

12. According to the union Shri Ram Lal had put in an unblemished service of 20 years with the management. During the arbitration proceedings the management could not refute the above statement of the union either by oral or documentary evidence nor could they cite any occasion during which time they had an opportunity to find fault with Shri Ram Lal during his long service with them. As such, Shri Ram Lal cannot be charged for habitual negligence or neglect to work. Regarding the other charge namely that he was involved in the commitment of the offence of wilful damage to or loss of employers goods or property the management cannot make a *prima-facie* case against Shri Ram Lal on account of the theft under issue. Shri Ram Lal had not wilfully damaged or lost the employers goods or property. This would arise only when the goods lost were expressly entrusted in his hands. The Chowkidars were not in the know of the articles, kept in the Store. Incidentally, it may be stated that no system of "taking over charge or handing over charge" charge was in vogue in the performance of the duties of the Chowkidars.

13. Notwithstanding the above, after the issue of the chargesheet the workman gave a reply denying all the charges and expressed his innocence in the matter. The management thereafter did not hold any domestic enquiry as required under the circumstances. On the other hand, they had imposed the punishment on the workman in the light of his explanation as well as of finding of the enquiry conducted as back as in 1968. The management have awarded the punishment on the workman saying that they have taken action against him on the basis of the findings of the enquiry officer, appointed to enquiry into the charges against him which is far from true. As stated earlier no domestic enquiry was conducted after the issue of the chargesheet. It was their bounden duty to hold such a domestic enquiry when they were not satisfied with the reply of the workman, on issue of the chargesheet. As such the management could not be justified in taking action against the workman on the basis of the findings of the enquiry report which is unconnected with the charges levelled against him.

14. Even though Shri Ram Lal had been designated as Chowkidar, in actual practice he was attending to of a helper to the Pump Driver such as to watch the level of filter tanks and also of storage tanks. In this connection, the relevant portion from a letter No. 9887/PS dated 7th April, 1971, from the Executive Engineer Township and Personnel Division, Nangal Township addressed to Shri Ram Lal Chowkidar, given below corroborates the above facts. "However, after hearing the case it was found that

several duties were entrusted to you and major part of which related to helping Pump Driver. On the day of the theft Shri Ram Lal was performing duties of a helper to the Pump Driver. This was seen from a report submitted by the Labour Welfare Officer of the management to the Superintendent Engineer, Bhakra Dam Circle, Nangal Township. The above facts also show that Shri Ram Lal had not committed the offence charged against him.

15. During the course of the arbitration proceedings it was brought to my notice that when Shri Ram Lal was placed under suspension for 10 days from 2nd January, 1971 to 11th January, 1971, he was directed by the S.D.O. Water Supply and Sanitation vide letter No. 953/41 dated 17th December, 1971 to attend the office of the S.D.O. for marking attendance. Accordingly the workman had attended the office during the period of suspension. The suspension under reference had been imposed on the workman as a punishment, not a suspension pending enquiry. As such, there was no necessity for the administration of direct the workman to attend the office. On this account also the workman was entitled to receive wages for the period of his suspension.

16. In the light of the above, I am satisfied that Shri Ram Lal was not at all responsible for the theft of the 91 brass water meters which took place on 18/19th February, 1968, and I therefore award that the management are not justified in suspending Shri Ram Lal, Chowkidar from 2nd January, 1971, to 6th January, 1971, and recovering Rs. 96/- as cost of stolen articles from his pay and as such Shri Ram Lal would be paid full wages for his period of suspension from 2nd January, 1971 to 6th January, 1971, if he were on duty and the amount of 96/- already recovered would be refunded to him.

NEW DELHI,
the 22nd April, 1972.

(Sd.) K. SAHNMUGHAVEL,

Arbitrator and Regional Labour Commissioner, (C).

[No L.4-2012/38/71/LRIII.]

New Delhi, the 5th May 1972

S.O. 1121.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay, in the matter of an application under Section 33A filed by Shri D. S. Gaikwad, which was received by the Central Government on the 3rd May, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT LABOUR COURT No. 2, BOMBAY

COMPLAINT No. LC-2/33 of 1971

(Arising out of Application No. LC-2/574 of 1971)

PARTIES:

Shri D. S. Gaikwad, General Secretary, Poona Cantt. Kamgar Sangh, 1388, Bhimpura, Poona-1.—Complainant.

Versus

The Cantonment Executive Officer, Cantonment Board, Poona-1.—Opponent.

PRESENT:

Shri N. K. Vani,—Presiding Officer.

APPEARANCES:

For the Complainant—Shri D. S. Gaikwad, (Self).

For the Opponent—Shri Sathye, Office Superintendent.

INDUSTRY: Cantonment Board. STATE: Maharashtra.

Bombay, the 24th April, 1972

AWARD

This is a complaint under Section 33A of the I.D. Act, 1947 by Shri D. S. Gaikwad, General Secretary, Poona Cantonment Kamgar Sangh against the opponent the Cantonment Executive Officer, Cantonment Board, Poona.

2. The facts giving rise to this complaint are as follows:—

3. One Smt. Rathod filed application under Section 33C(2) of the I.D. Act, 1947 against the opponent for getting the benefits due to her determined and computed in terms of money. During the pendency of her application the opponent appointed two Nursing Orderlies in the Cantonment General Hospital with the intervention of the Employment Exchange viz. Shri Bhim Dharma Salvi and Shri Chandrakant Sakharam Sonavane.

4. The complainant Shri Gaikwad contends that the opponent has contravened Section 33A of the I.D. Act, 1947 and that the Labour Court be pleased to decide the case.

5. The opponent has filed written statement at Ex. 1/E.

6. According to the opponent:—

- (i) The complainant has not shown how and in what manner he i.e. the opponent has committed contravention of the provisions of Section 33 of the I.D. Act, 1947.
- (ii) Two Nursing Orderlies have been appointed through the Employment Exchange. There were two vacancies of Nursing Orderlies. These posts require technical special qualifications. There were no persons in the staff fit for such work and therefore outsiders were appointed. The persons who are appointed are suitable for the technical job of Nursing Orderlies in the Hospital.
- (iii) The complainant be called upon to furnish details as to how the breach is committed and the opponent be given opportunity to file detailed reply after such information is furnished.

7. After the opponent's filing Ex. 1/E, the complainant has filed detailed reply at Ex. 2/W. It is as follows:—

- (i) The opponent has appointed two Nursing Orderlies through the Employment Exchange. There were persons in the staff fit and suitable for such work.
- (ii) The opponent has also failed to abide the directions contained in the Office Memorandum of Government of India, Ministry of Defence No. 28(38)A/63/D (Appts). dated 24th August 1968 wherein it is directed that "It has been decided in consultation with DGF&T and the Ministry of Home Affairs that with immediate effect retrenched workman may be reemployed without the intervention of Employment Exchange, Annexure C to the original complaint. The matter is connected with the dispute pending before the Hon'ble Labour Court. In this circumstance the opponent has been guilty of a contravention of the provisions of Section 33 of the Industrial Disputes Act, 1947.
- (iii) The appointment has failed to take approval of the Hon'ble Labour Court for the action taken by him.
- (iv) Section 33(1) of the I.D. Act, 1947 provides that during the pendency of proceedings

before the authorities mentioned in the section, no employer shall (a) in regard to any matter connected with the dispute alter to the prejudice of the workmen concerned in such dispute, the conditions of the service applicable to them immediately before the commencement of such proceedings, save with the express permission in writing of the authority before which the proceedings are pending.

- (v) The complainant accordingly prays that the Hon'ble Court may be pleased to decide the complaint set out and pass such orders thereon as it may deem fit and proper.

8. The opponent has filed his further reply at Ex. 3/E.

9. According to the opponent:—

- (i) As stated in the previous reply dated 27th December 1971, the posts required technical qualifications and as such they were filled directly through the Employment Exchange.
- (ii) The directions in the Office Memorandum referred to in para. 2 of the reply of the applicant are not applicable to the opponent as they are meant purely for the guidance of the Government Department. Besides, the Memorandum applies to the cases of retrenched persons only. Smt. Rathod is not a retrenched person and as such the Memorandum is not applicable in her case. Further, the word 'may' is used in the Memorandum and as such it is not obligatory to abide by the Memorandum. It is left to the choice to follow the Memorandum or otherwise. A glance at the memorandum will show that it is purely for the guidance of the departments under the Government.
- (iii) There is no contravention of Section 33 of the I.D. Act, 1947 as nothing has been done prejudicial to the case pertaining to the applicant. The applicant's case is limited to her own grievance and as such what happens to other staff is irrelevant in this case as it is individual case. Besides, the cadre of the Nursing orderlies is different from that of Junior Grade Clerks—a cadre in which the applicant worked as a substitute.
- (iv) The applicant is not in service and as such the question of change in conditions of service, even assuming there is one, will not be applicable to her case. In fact, nothing has been done to prejudice the point in dispute in the present case.
- (v) As the complaint is not tenable at law the same be dismissed.

10. During the course of hearing of this complaint the complainant Shri Gaikwad has given application as mentioned below:—

"May please your honour,

The complainant prays for withdrawal of the complaint with permission to take suitable steps in the matter separately".

11. The opponent has given his say on this application. The same is as follows:—

"I have got no objection to permit the applicant to withdraw the case."

12. As the opponent has no objection for withdrawal of the case, I see no reason to reject the complainant's application for withdrawal of his complaint. There is no harm in giving him the permission to take suitable steps which may be open to him. I therefore pass the following order.

ORDER

- (i) The complainant is allowed to withdraw the complaint with permission to take suitable

steps as may be open to him in respect of the matter in dispute relating to Smt. Rathod.

- (ii) Award is made accordingly.
(iii) No order as to costs.

(Sd.) N. K. VANI,
Presiding Officer,
Central Govt. Labour Court No. 2,
Bombay.
24-4-72

[No. F. L-13012/1/72-L.R.I.]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 5th May 1972

S.O. 1122.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of Shri H. D. Goll, Regional Labour Commissioner (Central), Bombay, Arbitrator, in the industrial dispute between the management of Mineral Sales Private Limited Co. Op. Colony, Hospet (Mysore State) and their workmen, which was received by the Central Government on the 1st May, 1972.

In the matter of arbitration under section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947 in the Industrial Dispute between the management of mineral sales (Private) Limited, Hospet and their workmen represented by the United Mineral Workers Union, Hospet.

PRESENT:

Shri H. D. Goll Regional Labour Commissioner,
(Central) Bombay, Arbitrator.

Representing the Management.—Shri Narendrakumar Beldota, Director, Mineral Sales (P) Ltd., Hospet.

Representing the workmen.—Nil.

By an agreement dated 1st January, 1972 the management of M/s. Mineral Sales (Private) Ltd., Hospet and the United Mineral Workers' Union have agreed to refer the industrial dispute on the following issues for my arbitration under Section 10A of the Industrial Disputes Act, 1947. The Arbitration agreement was published by the Government of India, under Notification No. 866, dated 4th March 1972.

Item No. 5.—Whether S/Sri M. D. Hussaman, T. Mohamad and Harising, working in weigh bridge are eligible for over time for the years 1969, 1970 and 1971.

Item No. 6.—Whether it is necessary to convert all daily rated workers into monthly rated workers.

Item No. 7.—Whether it is necessary to provide leave facilities as below:

- (a) 18 days sick leave, 12 days casual leave, 18 days earned leave and 15 days half pay leave.
- (b) Whether it is necessary to amend the existing procedure adopted for applying leave by the workers to the management.
- (c) Whether it is necessary to provide special leave for Gurkha watchman who have to travel longer distance to their home and back whenever they go on earned leave.

Item No. 8.—Whether it is necessary to supply free fuel to all the workers.

Item No. 9.—Whether it is necessary to give mining allowance and house rent to all the workers.

Item No. 10.—Whether it is necessary to provide conveyance allowance which was stopped from July, 1970 and if so whether it is necessary to pay arrears, of conveyance allowance from July, 1970 upto date.

Item No. 12.—Whether it is necessary to increase maternity benefit now paid @ Rs. 15/- to female workers to Rs. 150/-.

Item No. 13.—Whether it is necessary to declare all temporary employees on roll who have put in more than six months service as permanent workers with all facilities available for permanent workers.

Item No. 14.—Whether it is necessary to provide primary education facilities in the labour camps to afford education to their children.

Item No. 15.—Whether it is necessary to supply soaps and towels to all drillers and blasters and dust allowance to all workers.

Item No. 18.—Whether it is necessary for the company to declare as paid holidays all important festivals in a calendar in addition to six paid holidays allowed as per standing orders.

Item No. 19.—Whether it is necessary to introduce attendance bonus to all the workers including piece rated workers to serve as an incentive for regular and timely attendance to improve production.

Item No. 22.—Already withdrawn.

Item No. 23.—Whether it is necessary for the management to recognise United Mineral Workers' Union, Hospet.

Item No. 23.—Whether it is necessary for the management to depute mines mate after 5 p.m. to supervise loading of ore in lorries to prevent complications from labour side and also prevent illicit loading."

2. The arbitration proceedings were fixed on 21st March 1972 at Hospet and the parties were requested to attend the hearing and file their statements of the case. Though the representative of the Management attended the proceedings, the Union did not send any representative. Therefore, the final did not send any representative. Therefore, the final hearing was fixed on 24th April 1972, at Hyderabad which was subsequently adjourned to 25th April 1972 under intimation to the parties. Though the Management attended hearing on 25th April 1972 the Union did not attend. However, it has submitted a letter (Annexure-1) stating that the issues in question have been settled with the Management and that they did not press the demands. It has also requested that the arbitration proceedings may be dropped.

3. In view of the same I feel that there is no necessity to give any award on the issue. I, therefore, pass no award.

(Sd.) H. D. Golt,

Regional Labour Commissioner (C),
27th April, 1972. Bombay.

[No. F.B1/105(19)/71]

Minutes of Arbitration Proceedings held on 25th April 1972 at Hyderabad before Sri H. D. Golt, Regional Labour Commissioner (C) Bombay, in the industrial dispute between the management of M/s. Mineral Sales (Pvt.) Ltd., Hospet and United Mineral Workers Union, Hospet.

PRESENT:

On behalf of the management.—Sri Narendrakumar Baldota, Director, M/s Mineral Sales (Pvt.) Ltd., Hospet.

On behalf of the workmen.—Nil.

Sri Narendrakumar Baldota attended the proceedings on behalf of the management, but none represented the union. However, the union has submitted a letter stating that a settlement has been arrived at with the management on the issues pending before Arbitrator and it requested that the arbitration proceedings may be dropped.

In view of this, the proceedings are treated as closed.

(Sd.)/- (Narendrakumar Baldota).

Sd/- H. D. Golt,
Regional Labour Commissioner (C),
Bombay and Arbitrator.

Hyderabad.
D/25-4-72.

[No. L-29013/1/72-LR-IV.]

S.O. 1123.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in a petition filed under section 33A of the Act by Shrimati D. B. Krupavaramma, Mid-wife, Singareni Collieries Company Hospital, Post Office Kothagudem Collieries against the management of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudem, which was received by the Central Government on the 26th April, 1972.

**BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL)
AT HYDERABAD**

PRESENT:

Sri P. S. Ananth, B.Sc., B.L., Chairman, Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

MISCELLANEOUS PETITION No. 204 of 1968

IN

INDUSTRIAL DISPUTE No. 30 of 1967

BETWEEN:

Smt. D. B. Krupavaramma, Mid-wife, Singareni Collieries Company Hospital, Kothagudem.—
Petitioner.

AND

The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.—*Respondent.*

APPEARANCES:

Sri K. G. Kannabiran, Advocate, for Petitioner.
Sri M. V. Subrahmanyam, Personnel Department, for Respondent.

AWARD

This is a petition filed by the petitioner under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the said Act) contending that the respondent has contravened the provisions of Section 33 of the said Act.

2. The petitioner is working as Mid-wife in Singareni Collieries Company Hospital, Kothagudem and the respondent is the Management of Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem represented by the Chief Surgeon and Medical Officer. The petitioner in her petition contended that though she has been working as Mid-wife for over 20 years, the respondent called upon the petitioner to submit a certificate, that the introduction of the new rules is in violation of Section 33 of the said Act in view of the pendency of I.D. No. 30 of 1967. The respondent contended that there has not been any contravention of Section 33 of the said Act, that while implementing the Wage Board Recommendations as approved by the Government the Management has for the first time requested the petitioner to produce her Mid-Wifery

and Registration Certificates which she failed to do so and that the introduction of the new rules is not in violation of provisions of Section 33 of the said Act.

3. The evidence on the side of the petitioner was recorded in this case and the matter was being adjourned from time to time and finally when the matter was posted to 3rd April 1972 for further enquiry, on that day a joint common memo was filed in M.P. Nos. 204 of 1968 and 14 of 1969 praying that the petitions may be dismissed as withdrawn.

4. Inasmuch as the parties have filed a joint memo praying that this M.P. and M.P. No. 14 of 1969 may be dismissed as withdrawn and since the parties have settled the matter, there is no need for holding any further enquiry as regards the contentions of the parties. So the petition is dismissed as withdrawn.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of the Tribunal, this the 7th day of April, 1972.

(Sd.) P. S. ANANTH,
Industrial Tribunal.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witnesses examined
for Petitioner:

P.W.1: D. B. Krupavaramma.

Witnesses examined
for Respondent:

Nil.

Documents exhibited for Petitioner

Ex. A1: Register showing that Smt. D. B. Krupavaramma received a certificate from Gandhi Hospital, Secunderabad.

Ex.A2: Representation dated 13th May 1968 of Smt. D. B. Krupavaramma addressed to the Superintendent, Gandhi Hospital, Secunderabad.

Ex.A3: Certificate issued by the Superintendent, Gandhi Hospital, Secunderabad that Smt. D. B. Krupavaramma has undergone Midwife training.

Ex. A4: Office Order dated 30th May 1969 issued by the S. C. Co. Ltd., Kothagudem in respect of Smt. B. Krupavaramma.

Ex.A5: Draft letter of Superintendent of Gandhi Hospital, Secunderabad, dated 8th April 1968 in respect of issue of certificate of Smt. Krupavaramma.

Ex.A6: Memorandum of Superintendent, K. E. M. Hospital, Secunderabad dated 28th March, 1949 addressed to the Chief Surgeon and Medical Officer, S. C. Co. Ltd., Kothagudem stating that Smt. D. B. Krupavaramma has undergone training.

Industrial Tribunal.

[No. 7/21/67-LRII-(1).]

S.O. 1124.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Hyderabad, in a petition filed under section 33A of the Act by Shrimati D. B. Krupavaramma, Mid-wife, Singareni Collieries Company Hospital, Post Office Kothagudem Collieries against the management of Singareni Collieries Company Limited, Post Office Kothagudem which was received by the Central Government on the 26th April, 1972.

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT:

Sri P. S. Ananth, B.Sc., B.L., Chairman, Industrial Tribunal, Andhra Pradesh, Hyderabad.

Miscellaneous Petition No. 14 of 1969

Industrial Dispute No. 30 of 1967:

BETWEEN:

Smt. D. B. Krupavaramma, Mid-Wife, Singareni Collieries Company Hospital, P. O. Kothagudem Collieries, Petitioner

AND ..

The Management, Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem Collieries.—Respondent

APPEARANCES:

Sri K. G. Kannabiran, Advocate, for Petitioner.
Sri M. V. Subrahmanyam, Personnel Department for Respondent.

AWARD

This is a petition filed under Section 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 (hereinafter referred to as the said Act) praying that the order of transfer of the petitioner should be withheld till the disposal of M.P. No. 204 of 1968.

2. The petitioner is the Mid-Wife in Singareni Collieries Company Hospital Kothagudem and the respondent is the Management of Singareni Collieries Company Limited. In the petition the petitioner contended that during the pendency of M.P. No. 204 of 1968 filed by her the Management has transferred the petitioner to Mandamari Division, that this transfer is unfair and unjust and that the transfer should be withheld till the disposal of M.P. No. 204 of 1968. The respondent contended in its counter that the transfer had to be affected in normal course in view of the vacancy that had arisen at Mandamari Division, that it is purely an administrative act and that it does not change the service conditions and that there has been no violation of Section 9A of the said Act.

3. The evidence on the side of the petitioner was recorded and the matter was being adjourned from time to time and finally when the matter was posted to 3rd April, 1972 for further enquiry, on that day a joint common memo was filed in M.P. Nos. 14 of 1969 and 204 of 1968 praying that the petitions may be dismissed as withdrawn.

4. Inasmuch as the parties have now filed a joint memo praying that this M.P. and M.P. No. 204 of 1968 may be dismissed as withdrawn and since the parties have settled the matter, there is no need for holding any further enquiry as regards the contentions of the parties. So the petition is dismissed as withdrawn.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of the Tribunal this the 7th day of April, 1972.

(Sd.) P. S. ANANTH,
Industrial Tribunal.

APPENDIX OF EVIDENCE:

Witnesses examined
for Petitioner.

P.W.1: D. B. Krupavaramma

Witnesses examined,
for Respondent.

Nil.

Documents exhibited for Petitioner.

Ex. A1: Lr. No. P.4/2882/2205 dated 30th May, 1969 the office order of the Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem c.c. to Smt. G. Kurpavaramma, Midwife, Main Hospital, Kothagudem.

Documents exhibited for Respondent.

Ex. B1: Form 'E' Notice of change of service conditions prepared by the employer Singareni Collieries Company Limited, Kothagudem.

(Sd.) P.S.
Industrial Tribunal.
[No. 7/21/67-LRII-(ii).]

New Delhi, the 6th May 1972

S.O. 1125.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Sarpi Kajora Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th April, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

REFERENCE No. 64 OF 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Sarpi Kajora Colliery,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Sri S. N. Bagchi—Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers.—Sri K. P. Mukherjee, Bar-at-Law.

On behalf of Workmen.—Sri B. S. Azad, General Secretary, Khan Shramik Congress.

STATE: West Bengal. INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. L-1912/24/71-LRII, dated the 26th April, 1971, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Sarpi Kajora Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:—

“Whether the management of Sarpi Kajora Colliery, Post Office Ukhra, District Burdwan was justified in not providing employment to Shri Amulya Pal, Water Mazdoor with effect from the 12th November, 1970? If not, to what relief is the workman entitled?”

2. The parties have come to a compromise over the matter in dispute referred to this tribunal for adjudication. The memorandum of compromise have been filed setting forth the terms therein signed by the Manager of the colliery concerned as well as by the General Secretary of Union. The workman concerned has given his left thumb impression on the document and he admits before me that he has accepted the terms of compromise and has nothing to complain.

3. I have pursued the terms of compromise and heard the learned Counsel for the management and the General Secretary of the Union. The terms are

fair, equitable and beneficial to the workman concerned. I, therefore, record the terms of compromise which shall form part of my award.

Thus I render my award.

(Sd.)—

S. N. BAGCHI,
Presiding Officer.

Dated, the 18th April, 1971.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

In the matter of

REFERENCE No. 64 OF 1971

AND

In the matter of the Management in relation to Sarpi Kajora Colliery,

AND

Their workmen represented by Khan Shramik Congress.

The humble joint petition of compromise between the parties above named most respectfully.

SHEWETH:

1. That the parties herein jointly submit that without prejudice to the respective contentions of the parties in the pleadings submitted before this Hon'ble Tribunal, the parties herein have mutually settled the subject matter of the issue referred to adjudication proceedings in terms of Government Order dated the 26th April, 1971 on the following terms:

- (a) That the management of Sarpi Kajora Colliery, P.O. Ukhra, District Burdwan would pay within one week from the date of this joint petition of compromise sum of Rs. 700/- (Rupees Seven hundred only) to Sri Amulya Pal in full and final settlement of all his claims and/or dues upto date including the claim of reinstatement as well as the subject matter of the Government order dated the 26th April, 1971.
- (b) That Sri Amulya Pal, the person concerned in the present reference No. 64 of 1971 pending before this Hon'ble Tribunal confirms the provisions of the present joint petition of compromise.
- (c) That the parties herein in terms of the present joint petition of compromise have mutually settled the subject matter of the present reference No. 64 of 1971 and the said Sri Amulya Pal agrees and confirms the same.

2. The parties herein jointly submits that this Hon'ble Tribunal be pleased to consider the terms of settlement between the parties referred to above and as both the parties are not interested to contest relating to the said adjudication proceeding in view of the aforesaid terms of settlement mutually arrived at between the parties appropriate Award be made by this Hon'ble Tribunal.

Your petitioners therefore jointly pray that this Hon'ble Tribunal be pleased to consider the present joint petition of compromise and make appropriate Award as it deems fit and proper;

And your petitioners as in duty bound shall ever pray.

Dated, the 18th April, 1971.

L.T.D.

for Sarpi Kajora Colliery,

(Sd.) Illegible.

Manager.

L.T. Amulya Pal.

[No. L/1912/24/71-LRII.]

S.O. 1126.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th April, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA.

REFERENCE No. 49 of 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Sir S. N. Bagchi Presiding officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers

Sri J. Shran, Personnel Officer.

On behalf of Workmen

Sri Benarashi Singh Azad, General Secretary, Khan Shramik Congress.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Mine.

AWARD

By Order No. 6/88/70-LR.II, dated 23rd March, 1971, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:

"Whether the action of the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited, Post Office Ukhra, District Burdwan, in reverting Shri Jogeswar Gope, from the post of Prop Mistry to that of Prop Mazdoor with effect from 26th October, 1969 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. This case is fixed for peremptory hearing on 26th April, 1972 but the Union and the management in connection with another case appeared to-day before the Tribunal with a memorandum of compromise and prayed for recording the same and passing an award in terms of the memorandum of compromise between the parties and for rendering an award thereof. I have heard both the representatives of the management and the union and considered the terms of the compromise as recorded in the memorandum.

3. The workman was working as Prop Mazdoor but was by way of promotion appointed as a Prop Mistry for six weeks. He proved to be incompetent and was reduced to the post of Prop Mazdoor. That caused the dispute. The management undertakes to employ the workman as an apprentice for two months as Prop Mistry Category IV(13) of the Coal Wage Board recommendations and undertakes to pay him the wages, etc., in that category for two months within which period he should prove his worth failing which he should be reverted to his original post as Prop Mazdoor. Both the parties agree to the memorandum of compromise. Considering the situation, I find the terms to be fair, just

and beneficial to the interest of the workman. Accordingly, I record the memorandum of compromise and render my award thereon to which the memorandum of compromise shall form part.

The reference is disposed of accordingly.

(Sd.) S. N. BAGCHI,

Presiding Officer.

Dated 24th April, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 49 of 1971

BETWEEN:

Employers in relation to the management of Bankola Colliery of Messrs Burrakur Coal Company Limited,

AND

Their workmen represented by Khan Shramik Congress, P.O. Ukhra, Burdwan.

The parties above named most respectfully Sheweth.

1. That without prejudice to their respective contentions, the parties have mutually settled the dispute in question on the following terms:

(a) That Shri Jogeswar Gope shall be made Prop Mistry with effect from tomorrow the 25th April, 1972 and will be as apprentice for two months in cat. IV 13 WOR. If his work is found satisfactory, he will be confirmed as Prop Mistry thereafter; if his work is not found satisfactory he will be reverted back to the post of Prop Mazdoor.

(b) The parties will bear their own costs.

The parties therefore, pray that the Hon'ble Tribunal would be graciously pleased to pass an award in terms of the settlement mentioned above and for this the parties shall remain ever pray.

This memorandum will form part of the Award.

(Sd.) Illegible

(Sd.) Illegible

For workmen

For Management.

Khan Shamik Congress. Personnel officer Bankola Colliery

Dated 24th April, 1972

[No. 6/88/70-LR.II.]

S.O. 1127.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jaipuria Kajora Colliery, Post Office Andal, District Burdwan and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th April, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 73 of 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Jaipuria Kajora Colliery,

AND

Their workmen.

PRESENT:

Shri S. N. Bagchi

Presiding Officer.

APPEARANCES:

On behalf of Employers

Sri R. P. Singh,

Labour Officer.

On behalf of Workmen

Sri Benarashi Singh Azad, General Secretary, Khan Shramik Congress.

STATE: West Bengal.

INDUSTRY: Coal Mine.

AWARD

By Order No. L-1912/27/71-LR.II, dated 11th May, 1971, the Government of India, in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following Industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Jaipuria Kajora Colliery and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:—

Whether the management of Jaipuria Kajora Colliery, Post Office Andal, District Burdwan was justified in not declaring the following workmen as permanent? If not, to what relief are they entitled and from what date?"

Name of workmen	Designation
1. Shri Ranjit Talukdar	Timber Mazdoor
2. Shri Kartick Banerjee	Lamp Issuer
3. Shri Monu Gope	Line Mazdoor
4. Shri Karuna Dey	Bailing Mazdoor
5. Shri Khudiram Bouri	Trammer
6. Shri Sarge Bouri	Trammer."

2. The parties have come to a compromise over the dispute under reference. Heard both the representatives of the parties. Perused the terms of compromise and considered the same. The terms are fair, equitable and beneficial to the interest of each of the workmen party to the dispute represented by the Union. The terms of compromise be and are hereby recorded. The terms of compromise, as prayed for by the parties, shall form part of the which shall be drawn in terms of such memorandum of compromise.

Thus I render my award.

Dated, 18th April, 1972.

(Sd.) S. N. BAGCHI,
Presiding Officer.

BEFORE THE HON'BLE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA.

REFERENCE No. 73 of 1971

In the matter of an Industrial Dispute
BETWEEN

Employees in relation to Jaipuria Kajora Colliery.

AND

Six workmen represented by Khan Sramik Congress Post Office Ukhra,, District Burdwan.

Both the parties in the above matter beg to submit as under:

1. That the above matter has been pending before your Honour for adjudication.

2. That without prejudice to what has been stated in their written statements filed before the Hon'ble Tribunal, both the parties have amicably settled and resolved the dispute on the following terms and conditions.

Terms of Settlement

A. That the Union, Khan Sramik Congress admits that the six workmen referred to in the Reference were Temporary/Casual workers, working in different jobs as substituted in temporary vacancies caused by

the temporary absence of the permanent workmen and there was to scope of their absorption in permanent posts.

B. That in view of the fact that a new section of the mine viz. Panel K5 has been started from 15th March 1972, where there is scope of absorption of these workmen, both the management and the Union agree that these six workmen, Sarvasri Ranjit Talukdar, Kartick Banerjee, Manu Gope, Karuna Dey, Khudiram Bouri, Sargo Bouri have been absorbed in permanent posts with effect from 1st April, 1972.

C. That the Union agree that the management will place them in respective categories as per job requirements.

D. That the Union agree that these workmen shall have no further claim on the management in respect of the present references or otherwise.

E. That both the parties agree that a joint petition be filed before the Hon'ble Central Government Industrial Tribunal, praying to dispose of the case in terms of this settlement.

It is, therefore, prayed that the Hon'ble Tribunal may graciously be pleased to consider the aforesaid settlement as a fair and reasonable and pass an award in terms thereof.

for the Employer

P. C. DIXIT,

Agent, Jaipuria Kajora Colliery, For the Employer.
P.O. Andal (Burdwan).

(Sd.) B. S. Azad,
Gl. Secy. Khan Sramik
Congress, P.O. Ukhra
(Burdwan).

Witness:—

1. (Sd.) Illegible.

2. (Sd.) Illegible.

Dated, the 12th April 1972.

[No. L/19012/27/71-LR.II.]

S.O. 1128.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Messers Equitable Coal Company Limited, Post Office, Dishergarh, District Burdwan, and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd May, 1972.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

REFERENCE No. 47 of 1971

PARTIES:

Employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Messers Equitable Coal Company Limited,

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri S. N. Bagchi, Presiding Officer.

APPEARANCE:

On behalf of the Employers—Shri Monoj K. Mukherjee—Advocate, with Shri H. R. Das Gupta, Personnel Officer.

On behalf of Workmen—Shri B. Roy Choudhury, Advocate.

STATE: West Bengal

INDUSTRY: Coal Mines.

AWARD

By Order No. L-1912(14)/71-LR.II, dated 10th March, 1971, the Government of India, in the Ministry of

Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment), referred the following industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Ranipur Colliery of Messers Equitable Coal Company Limited and their workmen, to this Tribunal, for adjudication, namely:—

"Was the management of Ranipur Colliery of Messers Equitable Coal Company Limited, Post Office Dishergarh District Burdwan justified in dismissing Shri A. K. Chatterjee, Surveyor, Ranipur Colliery with effect from 12th September, 1970? If not to what relief the said workman is entitled?"

2. The management, with a copy sent to the General Secretary, Association of Indian Mine Surveyors, District Dhanbad, Bihar, filed its statement of case, stating *inter-alia* as follows: The reference is neither legally maintainable nor warranted in the facts and circumstances of the case. Sri A. K. Chatterjee, the concerned employee, was at the material time getting wages at a rate more than Rs. 500/- per month and was employed in a supervisory capacity and as such the employee being not workman" within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947, no industrial dispute can be raised in respect of him. The concerned employee reported sick on 11th May, 1970 and left colliery without permission and absented since 12th May, 1970. By a letter dated 17th June, 1970 the management called upon him to present himself at the Central Hospital, Kalla for medical examination within 3 days of the receipt of the letter failing which, it was specifically mentioned in that letter, that action will be taken against him. In spite of receipt of the said letter, the employee concerned continued to be absent without permission, without any satisfactory cause when on 17th July, 1970 a chargesheet was issued to him. The reply to the chargesheet having had not been found satisfactory the management decided to hold an enquiry to be conducted by Sri Amulya Ratan Roy, an Assistant of the Labour Department of the employers. The employee concerned fully participated in the enquiry in which he was given full opportunity to defend himself by cross-examination the witnesses of the management and by producing his own witnesses. The employee, however, availed him of the opportunity of cross-examining the witnesses of the management but did not adduce any evidence on his behalf. In the enquiry the charge levelled against the employee of unauthorised absence was duly proved but in consideration of the apology tendered in his own statement in the enquiry proceedings the management before passing the dismissal order decided to give him an opportunity to report for duty. Accordingly, a letter dated 12th August, 1970 was issued to the employee asking him to join within 3 days from the date of receipt thereof which was duly received by him on 20th August, 1970. The employee, however, did not report for duty as directed whereupon the management dismissed him from service by its letter dated 12th September, 1970. No collateral consideration weighed with the management in issuing the order of dismissal and the dismissal order was passed after a proper enquiry held in strict conformity with the principles of natural justice. The order of dismissal being legal and valid, the employee is not entitled to any relief. The management stated that it had not been served with a copy of the written statement, if any, filed by the workmen and reserved its right to file a rejoinder if and when the copy of such written statement was received.

3. The Association of Indian Mine Surveyors, hereinafter called the Union, on 29th April, 1971 presented before this tribunal its statement of case in which it has alleged *inter-alia* as follows: Shri A. K. Chatterjee, Mine Surveyor, workman, reported sick on 11th May, 1970, to the Medical Officer, Ranipur colliery. Sri Chatterjee was declared sick by the Medical officer of the colliery and his name was entered by him (Medical officer) in the Medical record (Sick Register)

for the purpose and he was advised to have better treatment as the case was complicated in his opinion. Shri Chatterjee to have better and specialised treatment and diagnosis of his case rushed to Calcutta as the normal facilities available in the coalfield for the diagnosis was not considered to be adequate for the purpose. Sri Chatterjee was asked by the Manager by his letter dated 17th June, 1970 to attend the Coal Mines Welfare Department's Central Hospital at Kalla for the treatment of his case. In compliance with the instructions contained in the said letter Sri Chatterjee attended Coal Mines Welfare Central Hospital, Kalla since 26th June, 1970 to 21st September, 1970. As per advice of the specialist Doctor of the C.M.W. Central Hospital, Kalla he attended the Hospital and was undergoing a prolonged treatment there and at the same time he was advised by him to have complete rest for the recovery. While he was under the above treatment and advice as per instruction of the Manager vide his letter dated 17th June, 1970 he was charge-sheeted by the Manager, Ranipur Colliery vide chargesheet No. 74 dated 17th July, 1970 on the plea that he was absent from duty without obtaining proper permission from the Manager. The management terminated the services of Sri Chatterjee by the Manager's letter dated 12th September, 1970. Sri Chatterjee had a long 18 years faithful and sincere services under the management with entire satisfaction of the superior officer and during the long period of his service there was no occasion from the management's side to rise any trouble for him. The management terminated the services of Sri Chatterjee, Mine Surveyor, without valid reasons and in utter disrespect to the principle of the natural justice while he was under the medical treatment and advice as directed by the Manager, Ranipur colliery vide his letter dated 17th June, 1970 without ascertaining from the authorities concern, i.e. the Medical Department wherein he was undergoing the specialised treatment whether he was fit to resume his normal duties or not. The act on the part of the management for terminating the services of Sri Chatterjee, Mine Surveyor, on flimsy and ill-based ground was a case of *malafide* intention of the management as Sri Chatterjee was getting a salary quite high and the management could procure the services of a surveyor on a very low salary in comparison to Sri Chatterjee's salary and by this act of termination the Management wanted to deprive the workman from his past long sincere services under the management. The workman Surveyor is therefore, to be reinstated in his job with full back wages and arrears.

4. The statement of case filed by the union was not at all verified by anybody. It was signed by the General Secretary of the Association of the Indian Mine Surveyors, Dhanbad.

5. The management's statement of case was forwarded to the General Secretary, Association of Indian Mine Surveyors, the Union, under Registered post with Acknowledgement Due. The Management filed its written statement with permission of the Tribunal on 27th April, 1971 and it was duly verified by S. P. Sharma, Constituted Attorney of the Equitable Coal Company Limited. The Association in its unverified written statement did not say that it had received copy of the management's statement of case. The rejoinder was filed by the union on 3rd September, 1971 forwarding a copy to the management. Ranipur colliery, Messers Equitable Coal Co. Ltd. The then Presiding Officer in-charge had no power to pass any order in the proceeding and recorded that rejoinder was received and was placed on record on 3rd July, 1971. So the unverified written statement of case and unverified rejoinder filed without the leave of the Tribunal by the Union are in record. Rule 109(I) of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 says "Within two weeks of the date of receipt of the order of Reference the party representing the workmen or in the case of individual workman the workman himself and the employer involved with the dispute shall

file with the Tribunal. . . . statement of demand relating only to the issues as are included in the Order of reference and shall forward a copy of such statement to each one of the parties involved in the dispute. Provided that the Tribunal, as the case may be considered it necessary, it may extend the time limit for filing such statement. Within two weeks of the receipt of the statement referred to in Sub-rule (1) the Opposite party shall file its rejoinder with the Tribunal. . . as the case may, and simultaneously forward a copy thereof to the other party. Provided that such rejoinder shall relate only to such of the issues as are included in the order of reference. Provided further that the Tribunal. . . if it is necessary may extend time limit for filing such rejoinder". In the present case the reference was registered on 29th March, 1971 an order was passed for issue of notice to parties. Notices were issued on 3rd April, 1971. The Manager of the Ranipur colliery received the notice on 12th April, 1971 and the General Secretary of the Union received the notice on 15th April, 1971. On 20th April, 1971 the management by a petition stated that it had received the notice on 12th April, 1971 and applied for 15 days' time for submitting written statement. The Tribunal on 23rd April, 1971 allowed the management time to file statement of case on 4th May, 1971. The management received the notice of extension of filing the statement of case on 30th April, 1971 but on 27th April, 1971 the management presented its written statement before this Tribunal which was placed on record. The statement was duly verified according to legal form. The union that received the notice calling upon it to file the statement of case for the workman on 15th April, 1971 submitted its statement on 29th April, 1971, within date but without any verification of the statement. The union's statement filed on 29th April, 1971 does not show that it had served its copy to the management while the management statement shows that it had sent its copy per Registered post with Acknowledgement due to the union. Within 15 days from the date of receipt of the notice from the Tribunal, the union, however, filed its statement of case before this Tribunal. The rejoinder by the union was filed before this Tribunal on 3rd September, 1971. In it also it was not stated when the union got the copy of the statement of case filed by the management before this Tribunal on 27th April, 1971 although in the management's statement it is clearly stated that it had sent the copy of the management's statement to the union per registered post with acknowledgement due on 24th April when the statement was prepared by the management. The union did not take leave of the Tribunal when it filed its rejoinder without verification on 3rd September, 1971, that means about 5 months after the union had first filed its statement of case and also about 5 months after the union had filed its statement of case. It is nowhere stated in the rejoinder filed on 3rd September 1971 by the union when it had received the statement of case filed by the management before this Tribunal on 27th April, 1971 copy whereof was forwarded to the union under registered post in 24th April, 1971. Sub-rule (2) of Rule 10B of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 says, "Within two weeks of the receipt of the statement referred to in Sub-rule (1) the Opposite party shall file its rejoinder with the. . . Tribunal and simultaneously forward a copy thereof to the other party; . . . Provided further that the Tribunal if considers it necessary may extend the time limit for filing such rejoinder". The rejoinder filed by the union on 3rd September, 1971 clearly violates Sub-rule (2) of Rule 10(B) and the proviso of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957. It was, therefore, made clear to the union's learned Advocate at the commencement of the proceeding that this Tribunal shall not consider the rejoinder filed by the Union violating a clear provision of law. Though the statement of case filed by the union contains no verification, and therefore, infringes the law of pleadings, the Tribunal however made it clear that the statement of case filed by the union shall be taken at its face value though it is not a

legally constituted document. However, the parties were allowed on 24th February 1972 to carry on with the proceedings which was fixed for final hearing on that day. Upon the statement of case made by the learned Advocate for the union representing the workman and Sri H. R. Das Gupta, representing the management, the following points were formulated for decision of the dispute under adjudication in this proceeding:

- (i) Is the disputant Sri A. K. Chatterjee, a workman as contended by him? If not, is he a supervisory officer or an official under the relevant provisions of the Mines Act, Regulations and Rules and a staff under Chapter VIII, Section E Sub-head B 'Survey Department' Serial No. 1 in the list of designated staff, at page 79, Volume I of the Coal Wage Board recommendations?
- (ii) What was the legal effect of the order dated 12th August, 1970 that was passed by the Manager, after holding the domestic enquiry relating to the charge levelled against the disputant on 17th July, 1970 and of the final order dated 12th September, 1970 resulting in the workman's dismissal?
- (iii) If the disputant is a workman within Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, had he been dismissed with effect from 12th September, 1970 under a legally constituted domestic proceedings on the alleged charge in conformity with law and the rules of the Standing orders as well as the rules of natural justice and fair play? If not, is he entitled to be reinstated with his back pay allowances as claimed or to any other relief or reliefs as would be considered fit and proper?

Decision

Point (i):

6. I have already observed that in paragraph 2 of the management's statement of case duly verified by its constituted attorney Sharma, it has been specifically stated that on 12th September, 1970 the employee Sri Ajit Kumar Chatterjee was getting wages at more than Rs. 500/- per month and was employed in a supervisory capacity. He was not, therefore, a workman within Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. So no industrial dispute can be raised in respect of him. In paragraph 1 of the statement of case by the union it is stated that Sri Ajit Kumar Chatterjee, Mine Surveyor, workman, reported sick on 11th May, 1970 to the Medical officer, Ranipur colliery. The statement of case filed by the union on 29th April, 1971 nowhere state that on 12th September, 1970 Sri Ajit Kumar Chatterjee, Surveyor of Ranipur colliery was not getting wages above Rs. 500/- per month and was not doing work in a supervisory capacity as a Surveyor of the colliery. Only in paragraph 1 of the statement of the case filed by the union it said that Sri A. K. Chatterjee, Mine Surveyor, workman, reported sick on 11th May, 1970 to the Medical Officer, Ranipur colliery. I have already observed that I could not take into consideration the Union's rejoinder filed in violation of law. The rules of the Industrial Disputes Act, Central Rules, 1957, are parts of the Act itself and have the same force as the provisions of the Act have. So violation of a mandatory provision of Sub-rule (2) of Rule 10(B) of the Industrial Disputes (Central) Rules, 1957 relating to the filing of the rejoinder by the Union, bars this Tribunal to take any part of the rejoinder into consideration. I made it clear when the matter was being heard to the learned Advocate representing the Union for the workman. On 15th August, 1969 vide Service Card, Ex. M(14) Sri A. K. Chatterjee, the workman surveyor was drawing pay at the rate of Rs. 565/- per month. He was dismissed as the Wage card shows on 10th September, 1970. The dispute under reference as alleged arose on 12th September,

1970. PW 1, Amulya Ratan Roy referring to the Pay sheet of March, 1970 relating to Sri Chatterjee said that the monthly wages of Sri Chatterjee was Rs. 565/- in March, 1970. The management's witness Amulya Ratan Roy in his evidence was asked to read Coal Mines Regulation No. 49 regarding the duties of the surveyor. He said that although the surveyor has to do some manual work, he supervises the work, such as construction of building and work of other men who survey under him such as the work of Chairman. He further said that marking of faces of seams, alignment of gallery driving survey demarcation, and marking of sites of danger as done by the several subordinates to the surveyor are to be supervised by the surveyor. In his estimate a surveyor does work in a supervisory capacity. A. K. Chatterjee, the employee while deposing before this Tribunal said nothing as to what was the nature of his duties, whether he was doing mainly supervisory or clerical, or technical, or skilled manual work. He only produced certain papers. He did not deny that in 1970 March he was getting wages at Rs. 565/- per month and that he was doing technical and supervisory work as a surveyor. The point does not relate to matters involved mainly on the question of his dismissal.

7. Now, let us see the legal position. Section 2(a) and (b) of the Industrial Disputes Act says that Central Government is the appropriate Government in relation to an industrial dispute relating to coal mines. Section 2(1b) of the Act says, "Mine means a mine as defined in clause (j) of Sub-section (1) of Section 2 of the Mines Act, 1952". It is indisputable that Ranipur colliery is a coal mine. Section 2(1) clauses (m) and (o) of the Mines Act, 1952 says, "prescribed" means prescribed by rules, regulations or by-laws, as the case may be". While clause (o) "regulations", "rules" and "by-laws", made under Mines Act". Section 57 of the Mines Act, 1952 empowers the Central Government to make regulations while Section 58 of the said Act empowers the Central Government to make rules. Section 59 of the Act prescribes the manner of publications and regulation and rules Section 59 sub-section (5) of the Mines Act says, "Regulations and Rules shall be published in the official Gazette, and, on such publication shall have effect as if enacted in this Act". So, the Coal Mines Regulations, 1957 and the Mines Rules of 1955 are to be read with the Mines Act of 1952 as amended upto date. The Mines Act, The Coal Mines Regulation and the Mines Rules, all constitute the law relating to regulation of labour and safety in mine. The Mines Act, 1952 says, that it is an Act passed for amending and consolidating the law relating to the regulation of labour and safety in mines. The Coal Mines Regulation 1957 and the Mines Rule 1955, framed under Section 57 and 58 of the Mines Act, 1952 respectively as well as the Mines Act of 1952 thus relate to Regulation of labour and safety in mines. The words "Regulation of Labour" in the Mines Act, 1952 have relevancy in the present case which I shall later on discuss. The law relating to the regulation of labour and safety of mines, particularly the coal mines is to be found in the Mines Act, 1952. The Coal Mines Regulations, 1957 and Mines Rules 1955. For the regulation of labour in respect of coal mines, not only the Mines Act but also the Coal Mines Regulations and the Mines Rules shall govern in addition to the Industrial Disputes Act, 1947 and other correlated laws, where an industrial dispute arises and is referred to for adjudication by a Tribunal in between the management and the labour in a coal mining industry.

8. The Industrial Disputes Act was enacted to make provisions for investigation and settlement of industrial disputes and for certain other purposes as indicated in the several provisions of the Act. The general law relating to the regulation of labour as enacted in the several provisions of the Industrial Disputes Act, 1947 is, however, subject to the special

law of Mines Act, 1952, Coal Mines Regulations 1957, and the Mines Rules of 1955 as amended upto date. 'Industry' in Section 2(j) of the Industrial Disputes Act is (a) business, trade, undertaking, manufacture or calling of employers and (b) includes any calling, service, employment, handicraft or industrial occupation or avocation of workmen. In the coal industry the employers' undertaking relates to the mining of coal as well as business in coal and the employees are employed by the employer in its undertaking of the coal mining as well as its business of coal mined. The regulation of labour in the coal mining industry as well as its safety is governed by the special law such as the Mines Act, 1952, Coal Mines Regulations of 1957 and Mines Rules of 1955, so far as those are not inconsistent with any provision in the law relating to Industrial Disputes Act, 1947 and the correlated laws. In the definitions of 'industry' (Section 2(j)), "industrial disputes" (Sec. 2(k)), "wages" (Section 2(rr)) and "workman" in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, we find the expression "workman". Section 2(s) of the Industrial Disputes Act defines 'workman':

"workman" means any person (including an apprentice) employed in any industry to do any skilled or unskilled manual, supervisory, technical or clerical work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person.

- (i) ***
- (ii) ***
- (iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity; or
- (iv) who, being employed in a supervisory capacity, draws wages exceeding five hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature."

Now, the words 'any industry' in the definition of workman are the linch pin on the point now being considered. The point is whether the surveyor A. K. Chatterjee in Ranipur colliery i.e. in the coal industry was a workman or he was employed in a supervisory capacity drawing wages exceeding Rs. 500/- per month. 'any industry' in Sec. 2(s) read with clause (iv) of the Industrial Disputes Act includes also the coal industry. The regulation of labour in coal industry is governed not only by the Mines Act of 1952 but also by the Coal Mines Regulations, 1957 and the Mines Rules, 1955. The words "regulation of labour" have been used in the Mines Act, 1952 in a generic sense meaning "workman" in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and "official" in para 2(20) of the Coal Mines Regulations, 1957. The only question now is whether on 12th September, 1970 Sri A. K. Chatterjee was employed in a supervisory capacity in the colliery as a surveyor of the colliery, and was drawing wages exceeding Rs. 500/- per month. Section 2(h) of the Mines Act also defines "employed in a mine" i.e. works under an appointment by or with the knowledge of the Manager. Section 2(2) of the Mines Act, says, that a person working or employed in or in connection with a mine is said to be working or employed (a) below ground and (b) above ground. Chapter VI Section 28 of the Mines Act says, that no person shall be allowed to work in a mine on more than 6 days in any one week.

Section 31 of the Mines Act prescribes the hours of work below ground which shall not be more than 48 hours in any week or more than 8 hours in any day. Section 34 says that no person shall be required or allowed to work in the mine if he was already working in any mine within the preceding 12 hours. Sub-section (5) of Section 36 of the Mines Act says that no person shall be working in a mine otherwise than in accordance with the notice required by Sub-section (1). Section 37 of the Mines Act says that nothing in Section 28, Section 30, 31, 34 or sub-section (5) of Section 36 shall apply to person who may by rules be defined to be persons holding position of supervision or management or employed in a confidential capacity. Coal Mines Regulations 1957 superseded the Coal Mines Regulations of 1926. Section 2(20) of Coal Mines Regulations 1957 defines: 'Official' means a person appointed in writing by the owner, agent or manager to perform duties of supervision in a mine or part thereof, and includes an under-manager or assistant manager, an overman, a sirdar, an engineer and a surveyor. Chapter VII, Rule 47 of Mines Rules, 1955 is to be read with Section 37 of the Mines Act, 1952. Rule 46 of the Mines Rules says:

"Person holding positions of supervision or management etc.—For the purpose of Section 37 the following shall be deemed to be persons holding position of supervision or management or employed in a confidential capacity—

(e) surveyor and assistant surveyor

In the Coal Mines Regulation, 1957 a surveyor is included within the category of 'official'. In the Mines Rules read with Section 37 of the Mines Act, the surveyor shall be deemed to be persons holding position of supervision. The expression "shall be deemed to be person holding position of supervision....." in Rule 46 of the Mines Rules is a legal fiction by which a surveyor even though not employed in a supervisory capacity shall be deemed to be holding position of supervision. In *East End Dwellings Co. Ltd. vs Finsbury Borough* 1952, Appeal Cases, p. 109, Lord Asquith observed that a legal fiction in the expression "shall be deemed", created by a Statute, has to be given full effect without allowing the mind to boggle. The expression "shall be deemed to be a Court" was explained by their Lordships of the Supreme Court in *Jugal Kishore vs Sitamasi Co-operative Society*, A.I.R. 1967, Sc. 1494 holding that though in reality the Register of a Co-operative Society was not a court but the Legislature wanted it to be treated as a Court and relied on the decisions reported in A.I.R. 1930 PC. 54. A.I.R. 1965 Sc. 33. So, by the deeming clause in Rule 46 of the Mines Rules a surveyor in the mine shall be deemed to be a person holding position of supervision. Thus, by the Statute a surveyor shall be considered as being employed in a supervisory capacity within clause (iv) of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. He is an "official" under Sec. 2(20) of the Coal Mines Regulations, 1957 and he shall be deemed to be a person holding position of supervision in relation to mine i.e. colliery under the Mines Rules 1955, Rule 46(e). So, by Statute the Surveyor A. K. Chatterjee has been made to hold a position of supervision or in other words he was being employed in a supervisory capacity within the meaning of Section 2(s) (iv) of the Industrial Disputes Act, 1947. If by a Statute Sri A. K. Chatterjee, surveyor, was made to hold a position of supervision, he must be held to be a person being employed in a supervisory capacity within Section 2(s) (iv) of the Industrial Disputes Act. At the material time that means in September, 1970, his wages exceeded Rs. 500/- per month. So, he is

not a "workman"—was not a workman on 12th September, 1970. I have already observed that the Industrial Dispute as defined in Section 2(k) of Industrial Disputes Act, 1947 must be a dispute or a difference between the employers and the workmen. As the alleged dispute or difference is not a dispute or a difference between the employer Equitable Coal Company, and the surveyor A. K. Chatterjee, who is not a workman, as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, falling within the exception as in clause (iv) of Section 2(s) of Industrial Disputes Act, read with Rule 46(e) of the Coal Mines Rules, 1955 and paragraph 2(20) of the Coal Mines Regulations, 1957, so, the alleged dispute referred to for adjudication is not an industrial dispute within Section 2(k) of the Industrial Disputes Act, 1947. Sri A. K. Chatterjee, Surveyor was being employed upto 11th September 1970 in a supervisory capacity—a capacity which by Statute was created in his favour and he was then drawing wages above Rs. 500/- per month. It is to be noticed that under Rule 46(e) of the Mines Rules, 1955 Sri A. K. Chatterjee was holding the position of supervision being a surveyor and under paragraph 2(20) of the Coal Mines Regulations, 1957 he was an official. "Official" as used is a noun and according to Chamber's Twentieth Century Dictionary means one who holds an office. A workman as Chamber's dictionary says "a man who works esp. manually—a skilled artificer". An official, therefore, cannot be a workman. The expression "includes" in relation to a surveyor in the definition of "official" in paragraph 2(20) of the Coal Mines Regulations, 1957 read with Rule 46(e) of the Mines Rules, 1955 makes the surveyor A. K. Chatterjee an official employed in a supervisory capacity. In Section 2(s) (ii) of the Industrial Disputes Act there is the word "mainly" while in Sec. 2(s) (iv) there is no such word Surveyor A. K. Chatterjee under Section 37 of the Mines Act, 1952 is a person who is not restricted by the provisions of Section 28, 30, 31, 34 or sub-section (5) of Section 36 of the Mines Act which apply to a workman in a colliery but not a surveyor, "official" employed in a supervisory capacity. The definition of "workman" in Sec. 2(s) in Industrial Disputes Act in relation to regulation of labour in the Coal industry is controlled and conditioned by the provisions of the Mines Act, 1952. Mines Rules 1955 and the Coal Mines Regulation, 1957. The Mines Act, 1952 as the preamble says is an Act to amend and consolidate the law relating to the regulation of labour and safety of mines. The Industrial Disputes Act, 1947 provides for investigation and settlement of industrial disputes mainly. In the definition of industrial disputes in Sec. 2(k) of the Industrial Disputes Act there is the expression "or condition of labour" meaning the condition of service of workmen or in other words of workmen" as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. In the Coal Mining industry a person "employed" as defined in Sec. 2(h) of the Mines Act, 1952 is to be regulated by the law as in the Mines Act, 1952, the Mines Rules 1955 and Mines Regulations 1957 read with the provisions of Industrial Disputes Act that are not inconsistent and irreconcilable with the Mines Act, Rules and the Regulations. If a workman, as defined in Section 2(s) of the Industrial Disputes Act is employed in a coal industry, and if by the provisions of the Mines Act, 1952, Mines Rules 1955 and the Coal Mines Regulations, 1957 he comes within the expression "being employed in a supervisory capacity draws wages exceeding rupees five hundred per mensem as in clause (iv) of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, such workman then ceases to be a workman under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. Sri A. K. Chatterjee who was employed upto 11th September, 1970 is assumed to be primarily a workman under Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. His employment in the coal industry, as a surveyor, is to be regulated by the provisions of the Mines Act, Mines Rules and

the Coal Mines Regulations. I have pointed out that assuming that the surveyor A. K. Chatterjee was a "skilled manual workman" drawing wages above Rs. 500/- per month upto 11th September, 1970, he had been by the provisions of the Mines Act, Mines Rules and the Coal Mines Regulation to which I have already referred, employed in a supervisory capacity and had been also an official. Being an official employed in a supervisory capacity by the provisions of the Statute, Shri A. K. Chatterjee upto 11th September, 1970 drew wages per month at Rs. 565/-. So, there can be no question of his not coming within clause (iv) of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. So, "workman" surveyor Chatterjee having had been employed in a supervision capacity as an official, and drawing wages above Rs. 500/- per month upto 11th September, 1970, ceased to be a "workman" within Section 2(s) of the Industrial Disputes Act and came within clause (iv) of Section 2(s) of the Act.

9. Mr. Roy Choudhury the learned Advocate for the union submitted that the Tribunal should not look into the Mines Act, Mines Rules and Mines Regulations for deciding whether surveyor Chatterjee was a workman, under Section 2(s) or was not a workman, falling within the exception of Section 2(s) (iv) of the Industrial Disputes Act. He submitted that Chatterjee being employed as a surveyor did only "skilled manual work" and did not do, even under the Mines Act, any work of supervision. Although upto 11th September, 1970 he drew wages above Rs. 500/- per month, he did not on that account only ceased to be a workman. I could not persuade myself to accept his submission. I have already observed that the Mines Act, 1952 consolidates the law relating to regulation of labour and safety of Mines. Section 57 of the Mines Act authorises the Central Government to make regulations while Section 58 Rules. Accordingly, the Central Government made the Regulations and the Rules which are parts of the Mines Act. The Coal Mines Regulations, 1957, in Regulation 2(20) defines 'official' which includes a surveyor. Regulation 12(2)(c) requires that a Board constituted under Regulation 11 of the Regulations shall issue surveyors certificate under conditions laid down in the Regulations. Regulation 17 of the Regulations requires practical experience of candidates for surveyor examination. Regulation 36 provides that the Owner, Agent or Manager shall appoint such number of competent persons including officials and technicians as is sufficient to secure during each of the working shifts adequate safety in respect of the Mines and equipment thereof, through supervision of all operations in the mines, installations, running and maintenance, in safe working order of all machinery in the mines and the enforcement of the requirement of the Mines Act and the Mines regulations. A surveyor is an official and as such a competent person. Regulation 38 of the Regulations says that every person shall strictly adhere to the provisions of the Mines Act and the Regulations and orders made thereunder and to any order or direction issued by the Manager or an official with a view to the safety or convenience of persons, not being inconsistent with the Act and the regulations nor shall he neglect or refuse to obey such orders or directions. A surveyor being, an official-cum a competent person is required to pass orders or give directions. Regulation 39 says that every competent person shall be subject to orders of superior officials and shall not depute any person to perform his work without the sanction of his superior official. So, Surveyor's work cannot be deputised by any other person without the order of the surveyor's superior official though he is himself an official. Regulation 40(2) says that every official shall to the best of his power see that the persons under his charge understands and carry out their respective duties properly. So, a surveyor, an official shall see that the persons under his charge understands and carry out their respective duties properly. Regulation 49 specifies the duties

and responsibilities of the surveyors, viz., making accurate surveys, levelling, preparing plans, sections and tracing thereof as the Manager may direct and as may be required by the Act or by the Regulations or orders made thereunder and shall sign the plans, sections, tracings and date his signature. He shall be responsible for accuracy of any plan, section or tracings that has been prepared and signed by him. He shall record in bound paged book the full facts when working of the mine have approached to about 75 metres from the mine boundary or from disused or waterlogged working; any doubts which may exist concerning the accuracy of the plans and sections prepared under these regulations and any other matter relating to the preparation of the plans and sections that he may like to bring to the notice of the manager. Every entry in the book shall be signed and dated by the surveyor and countersigned and dated by the manager. Regulation 48 is to be read with Regulation 64 of the Coal Mines Regulations relating to the preparation of plans etc. by surveyors. Paragraph 64 says that every plan, section and tracing thereof prepared under the regulations shall be prepared by or under the personal supervision of the surveyor. Every plan or section or any part thereof prepared by or under the supervision of the surveyor shall carry thereon the certificate by him to the effect that the plan or section or part thereof is correct.

10. The paragraph 552, page 149, Volume I, Majumdar award (Award of the All India Industrial Tribunal, Colliery Disputes), says that with regard to Chief surveyors of Head surveyors whose work has been considered to be mainly supervisory, there is no difficulty as both parties record that they are not workmen. The dispute is centred round to only those who do the work of survey by themselves with the assistance of chainmen and coolies and the evidence on the nature of his duties can be summed up as follows"... In paragraph 556 Majumdar award says "the work of surveyor in reconitering for survey work, in handling and carrying instruments, in taking measurements with a metallic chain and even in measuring stocks of coal with a tape, must be stated to be as much manual as skilled. In other words, we consider the work of the surveyor as skilled manual work and that is sufficient to hold that he is a workman". The Majumdar award in paragraph 553 observed with reference to Mines Act, Regulations and Mines Rules while dealing with persons holding positions of supervision or management including the surveyor assistant surveyor, an overman and the Sirdar, the Accountant and the Register keeper, etc., that supervision only means that even persons who cannot be normally held to belong to supervisions or management are held for certain special purposes to belong to supervision or management. It would not affect their status as workmen if they are doing either clerical or manual work just because the rules framed for the purpose of section 27 deem them to be supervisors". I have already observed that the expression 'shall be deemed to be persons holding position of supervision in Rule 48(e) of the Mines Rules, 1955 relating to surveyor or assistant surveyor, on the law as laid down by the Supreme Court, makes a surveyor governed by the Mines Act, Rules and Regulations employed in a supervisory capacity. As observed by Lord Asquith, which I have already quoted, a legal fiction created by a Statute has to be given its full effect without allowing the mind to boggle. Majumdar tribunal did not notice that a person who under Section 37 of the Mines Act, 1952 read with Mines Rules and Regulations already discussed in an official, holding position of supervision, enjoys certain statutory privileges and are not restricted like a workman by the provisions of Sections 28, 30, 31, 34 or sub-section (5) of Section 36 of the Mines Act. Regulation 64 clearly says that plans, sections and tracings thereof prepared

under the Coal Mines Regulations shall be prepared by or under the personal supervision of the surveyor. Regulation 40(2) of the Coal Mines Regulations says that an official such as the surveyor in the present case shall to the best of his power see that the persons under his charge understands and carry out their respective duties properly. Regulation 35(2) of the Coal Mines Regulations says "No person shall be appointed as a surveyor more than one mine or in any other supervisory capacity in the same mine without the permission in writing of the Regional Inspector". Sub-regulation (2) of Regulation 35 is to be read with Regulation 2(20)—Official—of the Coal Mines Regulations, 1957. An official means a person appointed by the owner, agent or Manager to perform duties of supervision in a mine or part thereof and includes.....a surveyor. So, surveyor is appointed to perform duties of supervision in a mine in addition to his doing certain highly technical work. The expression "or in any other supervisory capacity" in the same mine" in Sub-Regulation (2) of Regulation 35 of the Coal Mines Regulations clearly indicates that if one appointed a surveyor in a mine, he cannot be appointed at the same time an under-Manager in the same mine. The under-Manager and the surveyor, as the definition 'official' shows are to perform duties of supervision in a mine. The work of supervision to be performed by a surveyor and the work of supervision to be performed by an under-Manager, as the Mines Act and Regulations shows are materially different. A surveyor is included within the expression "official" who is to perform duties of supervision in a mine, even though he has to do certain work of highly technical nature as under Regulation 49 of the Regulations. The Majumdar award in paragraph 556, Volume I, makes the surveyor "a skilled manual worker". I am sorry I cannot agree with such nomenclature. The surveyor is not a skilled manual worker. He is to acquire a high degree of proficiency in the science of survey particularly mining survey. He is required to obtain a certificate under regulation 12(c) of the Mines Regulations i.e. a surveyor's certificate of competency to survey the working of the mine referred to under the regulation as "surveyors certificate" after passing the examination held by a Statutory Board of examiners. Regulation 17 of the Coal Mines Regulations says that no person shall be admitted as a candidate at any examination for supervisor's certificate unless the Board is satisfied that he has not less than two years practical experience of survey of which at least 6 months shall have been of practical experience of survey in the working below ground of a mine having an average monthly output of not less than 1000 tons. So, a surveyor is not a skilled manual worker, he is clearly a technician in the work of surveying minds who must be certified by the authority as competent to survey the workings of a mines as prescribed by the Coal Mines Regulations, 1957.

11. Now, let us see page 79, Chapter VIII of the recommendations of the Coal Wage Board implemented by the management in the colliery. Chapter VIII—Our Wage structure—Section E Technical and Supervisory staff—Their scale of pay. At page 78, the Board says amongst other things, bearing in mind the responsibilities and duties of the technical and supervisory staff, we feel that they should be divided into 8 grades (A to H) for which we recommend the following pay scale at the cost of living index No. 160:

A.....Rs. 405-20-605-25-730

B..... ***

B. Survey Department

The Board observed, "We are aware that the scales prescribed by the Majumdar Tribunal as modified by

the Labour Appellate Tribunal were on the low side for Surveyors and many units in the industry had to pay higher scales to attract qualified personnel. Their responsibilities have also increased during recent years. Taking these facts into consideration, we are recommending the following pay scales for the employees in this department:

Surveyor Grade A Rs. 405-20-605-25-730.

So, A. K. Chatterjee, Surveyor, Grade A, drew upto 11th September, 1970 pay at Rs. 565/- per month in Grade A and he is according to the Coal Wages Board recognitions, with in technical and supervisory staff. Page 79 further shows that under the surveyor there is the Assistant surveyor qualified, Assistant surveyor unqualified, Tracer, Head Chairman, Ferro-Printer, Chairman. Now, the surveyor has certainly to do some technical manual work and he is certainly to do some supervisory work, since he has under his charge as an official cum- competent person Assistant surveyor, tracer, Head Chairman, Ferro-printer, and Chairman. Majumdar award in paragraph 552, Volume I, page 149 used the expression "Chief Surveyors or Head Surveyors", but in the Mines Act, Rules and Regulations, there is no such expression as "Chief Surveyor or Head Surveyor". One is to get a surveyor's certificate under the Regulations before he can be employed in a mine as a surveyor. If a mine engages 20 surveyors, it may designate one of its surveyors for administrative purposes as Head surveyor or Chief surveyor but still he is a surveyor under the Mines regulation and must hold a surveyor's certificate. A surveyor's duties and responsibilities, and his nature of work have all been statutorily prescribed by the Mines Act, the Regulations and the Rules which I have already discussed. By agreement nobody can override any provisions in the Statutes. Even in the present case, if both the management and the union agreed that A. K. Chatterjee was a surveyor, but he is not so, under the Industrial Disputes Act read with the Mines Act, Rules and Regulations, I would not have bestowed any consideration to such agreement. It is the accepted principle of law that no amount of agreement between contracting parties can override the specific provisions of law to the contrary. Because, before the Majumdar tribunal parties agreed that Chief surveyor or Head surveyor did mainly supervisory work, so they should be held not workmen. A surveyor under the Mines Act read with the Mines Rules and the Mines Regulations already discussed is a statutory official appointed to perform duties of supervision in a mine or part thereof. A surveyor and an under Manager, both as official, appointed to perform duties of supervision in a mine or part thereof cannot in the same mine by provisions of paragraph 35(2) of the Coal Mines Regulations hold two such posts at a time. One cannot supervise the work of himself. A surveyor who is an "official" and as such a competent person, is to make through supervision of all operations in the mine and all operations includes survey operations as also the enforcement of requirements of the Mines Act, Rules and the Regulations in relation to mining survey matters. A surveyor, being an official under Reg. 2(20) of Coal Mines Regulation 1957 employed to perform duties of supervision, is required under paragraph 40(2) of the Regulation to see, that means to supervise, that the persons under his charge understand and carry out their respective duties properly. If we now look in to Coal Wage Board recommendations, Volume I, page 79, B—Survey Department and find the persons who are under the charge of a surveyor, it would be abundantly clear that the surveyor is to supervise, in addition to his doing his part of the coal mine survey work of highly technical nature, the work

of Assistant surveyors—qualified or unqualified, tracers, head chainman, chainman and ferro printer, and he is also required to see that each of them understood and carried out their respective duties properly. Regarding Rule 46(e) of the Mines Rules 1955, with reference to the expression 'shall be deemed to be person holding position of supervision' in regard to surveyor, Assistant surveyor in clause (e) of the Mines Rules, the Majumdar award could not consider a surveyor to be a person given the status of an official under Regulation 2(20) of Coal Mines Regulations, 1957 appointed to perform duties of supervision of the mine or part thereof. How a surveyor, whose duty, as prescribed by Act, the Regulations and the Rules is to perform the same having possessed of highly technical knowledge of Coal mining survey, is clear from the Act and the Regulations and the Rules themselves, which I have already discussed. The Majumdar award did not discuss the Statutes relating to duties and responsibilities of the surveyor. It could not have the opportunity to notice how a surveyor was considered by the Report of the Coal Wage Board Recommendations. The Regulation 2(20) of Coal Mines Regulations, 1957 also could not be considered by the Majumdar Tribunal. The Coal Wage Board considered a surveyor in the Survey department to be one within technical and supervisory staff. If the definition of workman under Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act, means any persons (including an apprentice) employed in any industry to do any skilled or unskilled, manual, supervisory, technical or clerical work for hire or reward ... the Majumdar award in para 556 observed, "In other words we consider the work of the surveyor as skilled manual work and that is sufficient to hold that he is a workman". The Majumdar tribunal did not consider the provisions of the Mines Act, Mines Rules and Regulations relating to the duties and responsibilities of a surveyor, the duties and responsibilities of an official and the duties and responsibilities of a competent person. Under the Industrial Disputes Act a workman may be a skilled manual worker. Is a surveyor skilled manual worker? The Coal Mines Regulations, 1957 clearly show that a surveyor is not a skilled manual worker but is a highly technical worker. If Majumdar award would have found that a surveyor was a technical worker, I could have understood the rationale of Majumdar award's such finding relating to a surveyor. If statutes are to be followed, a surveyor or a head surveyor or a chief surveyor is what statutes make him. Statutes make a surveyor an official appointed to perform duties of supervision in a mine or part thereof. If we look into the Mines Act, Coal Mines Regulation and the Mines Rules relating to the duties and responsibilities of the surveyor qua official and a competent person in relation to the working of a mine and regulation of labour in the mine particularly coal mines, a surveyor may be held to be a workman who is to do technical work as laid down by the Mines Act, Regulations and the Rules. But a surveyor cannot be skilled manual workman. So, the finding of the Majumdar award that a surveyor is a skilled manual workman is against the provisions of law. The expressions "any industry" in Sec 2(s) relating to a workman would include coal industry or any industry relating to mines. I have already observed that in Sec. 2(1)(1b) and (c) of the Industrial Disputes Act, a mine means a mine as defined in Cl. (i) of sub-section (1) of Section 2 of the Mines Act, 1952. So, the expression "any industry" in Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act includes a coal mine and labour in a coal mine is to be regulated by the Mines Act, 1952. Coal Mines Regulations 1957 and the Mines Rules, 1955. The rules and the regulations are parts of the Act. The expression "shall be deemed to be persons holding position of supervision in relation to surveyor in clause (e) of the rule 46 of the Mines Rules, 1955 in view of the law laid down by the Supreme Court and the Court of Appeal in Eng-

land shall be given full effect without any hoggling. In other words, a surveyor who is an official under Regulation 2(20) of the Mines Regulations, appointed to perform duties of supervision shall be deemed to be holding position of supervision under Cl. (e) of Rule 46 of the Mines Rule. The expression "shall be deemed" shall make a surveyor holding a full fledged position of supervision. So, the combined effect of paragraph 2(20) of the Coal Mines Regulation, 1957 which does not use any expression shall be deemed, and Rule 46(e) of Mines Rule 1955 as explained above is that Sri A. K. Chatterjee was employed upto 11th September, 1970 as a surveyor in the colliery concerned was an official appointed to perform the duties of supervision in the Mines and shall be considered to be holding the position of supervision to this extent that he was "being employed in a supervisory capacity", as that expression occurs in clause (iv) of Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act. He drew upto 11th September, 1970 monthly wages of Rs. 565/-. Therefore, he is not a workman in view of clause (iv) of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act. He is, under the Coal Wage Board recommendations, a technical and supervisory staff and as such is also not a workman under Sec. 2(s) of the Industrial Disputes Act. He comes within Section 2(s) (iv) of the Industrial Disputes Act and as such he is not a workman, nor was a workman on 12th September, 1970. Accordingly, there can be no industrial dispute, relating to his dismissal, as alleged, between the employer Equitable Coal Co. Ltd., and the employee Sri A. K. Chatterjee, the surveyor who has been dismissed with effect from 12th September, 1970 by the employer Equitable Coal Company Limited.

12. Therefore, this Court has no jurisdiction to entertain the reference which does not relate to an industrial dispute under Section 2(j) of the Industrial Disputes Act. The reference is, accordingly, incompetent in law.

Points (ii) and (iii):

13. Points (ii) and (iii) may be considered together, Mr. Roy Choudhury for the workman represented by the union referred to the Standing Orders of the Coal Mining Industry, 1950 certified by the authority. Relying on clause (1) sub-clause (a)—'Employees'—submitted that Sri A. K. Chatterjee the workman was not an employee since his pay exceeded 300/- per month on the date of dispute i.e. on 12th September, 1970 and as such the proceedings initiated against the workman resulting in his order of dismissal under the relevant provisions of the Standing orders for the Coal Mining industry were fundamentally illegal and could not sustain. As I find that Sri A. K. Chatterjee was employed in a supervisory capacity, drawing basic wages on 12th September, 1970, at Rs. 565/- per month and was not a workman within Sec. 2(s) clause (iv) I.D. Act, 1947 read with the relevant provisions of the Mines Act, Regulations and the Rules, already discussed, the domestic proceedings, initiated and conducted against him resulting in his dismissal by the management under the provisions of Standing Ext. M(11), cannot sustain. So, in either view the domestic proceedings initiated and conducted against Sri Chatterjee resulting in Sri Chatterjee's dismissal on 12th September, 1970, under the provisions of the Standing orders of the Coal Mining industry suffer from inherent lack of jurisdiction in the authority of the management that had initiated and conducted domestic proceedings resulting in the dismissal of Sri Chatterjee, the surveyor of the colliery. So, as Chatterjee, according to Mr. Roy Choudhury, is not an employee, within the Standing orders, he does not come within the purview of any of the provisions of the certified Standing orders, Ext M(11). As, I find his not a "workman" and not an employee

within paragraph 1(a) of the certified Standing orders, Ext. M(11), he cannot be governed by any of the provisions of the Standing orders under which the domestic proceedings were initiated and conducted against him, resulting in his dismissal. So, he should be governed by the general law of Master and Servant read with the relevant provisions of the Mines Act, Regulations and the Rules. The domestic enquiry proceedings against Shri Chatterjee would, therefore be considered by me as the one not under the Certified Standing orders of the Coal Mining Industry, but under the general law of master and servant, as well as the law relating to the Regulation of labour in Coal industry i.e. Mines Act, Rules and Regulation, [See-J. J. Mody *vs* State of Bombay, 1962 IL-LJ, page 507 (Div. Bench Gujarat High Court)]. Chapter IV of the Mines Act in Section 17 says, that except as may be otherwise prescribed by the Rules and Regulations every mine, shall be under one Manager who shall have the prescribed qualification and shall be responsible for the control, management, supervision and direction of the mine and the owner or agent of every mine shall appoint himself or some other person, having such qualification to be such manager. So, the Manager has statutory responsibilities for control, management, supervision and direction of the Mine. The Manager shall be responsible for the control... of the Mine. Control signifies disciplinary and directive control. Regulation 39 of the Coal Mines Regulations prescribes, duties of competent persons and says—every competent person shall be subject to order of superior officials, and shall not (a) depute another person to perform his work without sanction of his superior official; (b) absent himself without having previously obtained permission from such official for the term of his absence or without having been relieved by a duly competent person, and (c) without permission from such official perform during his shift any duties other than those for which he has been appointed. Regulation 41(10) of the Coal Mines Regulation says that the Manager may suspend or take such disciplinary action against an employee for contravention of any of the provisions of the Act, these regulations or orders made thereunder. Sri A. K. Chatterjee, surveyor as an official was appointed to perform duties of supervision in the mine and shall be deemed to be a person holding position of supervision (vide para 2(20) of the Coal Mines Regulations read with Rule 46(e) of the Mines Rules, 1955). So, he is an official appointed to perform duties of supervision and shall be deemed to be a person holding position of supervision while performing the duties of a surveyor of the mine. This is his statutory position. He is both an official and a competent person. Regulation 36 of the Coal Mines Regulations authorises the owner, agent or Manager to appoint such number of competent persons including officials and technicians as deemed fit. So, Manager can appoint an official *cum* competent person and he is a superior official in relation to a surveyor of coal mine who is an official subordinate to the Manager as well as a competent person, appointed to perform duties of supervision as a statutory surveyor of the mine, and as a statutory official statutorily holding position of supervision and appointed to perform duties of supervision in the mine. As an official subordinate to the Manager and as a competent person, he could not absent himself without previously obtaining permission from such official meaning the Manager for the term of his absence without having been relieved by a duly competent person [vide paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulations]. As the Gujarat High Court lays down (supra), I hold that the violation of Regulation 39(b) of the Coal Mines Regulations would be a statutory misconduct as well as a common law misconduct, being an act or conduct of a servant inconsistent or incompatible with due or peaceful discharge of his duty to his master. As Sri Chatterjee, surveyor-*cum*-official and competent person, appointed to perform duties of supervi-

sion of the mine, holding position of supervision in relation to the mine, absented himself without previously obtaining permission from the Manager for the term of his absence and without having been relieved by a duly competent person, he violated paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulation, 1957 for which the Manager is competent under paragraph 41(10) of the Regulation to take disciplinary action against Sri Chatterjee for contravention of paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulation, 1957. Any employee in paragraph 41(10) of the Coal Mines Regulation, 1957 means and includes the surveyor Chatterjee. Employee has not been defined in Coal Mines Regulations. In Section 2(1)(h) of the Mines Act, 1952 it is said, "a person is said to be employed in a mine who works under appointment by or with the knowledge of the Manager whether on wage or not, in any mining operation, or in cleaning or oiling any part of any machinery used in or about the mine, or in any other kind of work whatsoever incidental to, or connected with, mining operation". Regulation 37(1) of the Coal Mines Regulations says that the owner, agent and Manager shall provide for the safety and proper discipline of persons employed in the mine. Sri A. K. Chatterjee was employed in the mine concerned as a surveyor. His duty was that before he absented himself from his duty as a surveyor appointed to perform duties of supervision of the mine or part of the mine as an official subordinate to the Manager as well as a competent person, he was required to obtain previous permission from the Manager for the term of his absence and he could not leave his post without having been relieved by a duly competent person i.e. an official-*cum*-surveyor appointed to perform duties of supervision of mine or part of the mine and holding position of supervision in the mine. If he absented himself in violation of Regulation 39(b) from performing his duties in the mine even for a day without having had been relieved by a competent person and without having had received previous permission from the Manager for the period of his absence he is liable to be proceeded with for disciplinary action for violation of paragraph 39(b) of the Regulation and the Manager under paragraph 41(10) of the Regulation is the competent person to suspend and to take disciplinary action against Sri A. K. Chatterjee for such violation of paragraph 39(b) of the Regulations. Such disciplinary action if taken by the Manager or an enquiry officer appointed by the Manager shall be perfectly legal in view of the provisions of paragraph 39(b) read with paragraph 41(10) of the Coal Mines Regulations 1957. In such a disciplinary action the enquiry officer if duly appointed by the Manager can conduct the enquiry observing the rules of natural justice. If on the report of the enquiry officer the Manager is satisfied that the employee concerned offended against paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulation he can well dismiss him since it is he who can appoint official and competent person. Regulation 36 read with Regulation 2(20) of the Coal Mines Regulation authorises the owner, agent or Manager to appoint persons to perform duties of supervision in a mine or a part of the mine and a surveyor is included within the expression "official" appointed by the owner, agent or Manager to perform duties of supervision in a mine or part thereof. Similarly, a competent person including an official and a technician shall be appointed by the owner, agent or Manager. As the Manager is the appointing authority of an official-*cum*-competent person, appointed to perform duties of supervision in a mine, such as a surveyor he is also the competent person under paragraph 41(10) of the Coal Mines Regulation to suspend or to take any disciplinary action against such official-*cum*-competent person—"any employee"—in this case the surveyor Sri Chatterjee for contravention of paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulation, 1957. Paragraph 37(1) of the Coal Mines Regulation authorises the owner, agent and Manager to provide for safety and proper discipline of persons employed in the mine. So, the Manager in view of Regulation 37(1)

read with Regulation 41(10) is the authority to suspend surveyor A. K. Chatterjee and to take such disciplinary action for his alleged contravention of paragraph 39(b) of Coal Mines Regulation as he deems fit and proper. This is the legal position under the Statute i.e. codified Common law of master and servant in Coal mining industry. I have already stated that I shall examine the proceedings of the domestic enquiry from the common law stand point only.

14. Now, let us examine how Sri Chatterjee was dealt with by the management. On 17th July 1970 the Manager of Ranipur colliery vide Ex. M1 called upon Chatterjee, surveyor of the colliery to show cause within 48 hours in writing in the reply form attached to the chargesheet why disciplinary action should not be taken against him for the following misconduct:

"You reported sick on 11th May 1970 and thereafter left the colliery without permission from 12th May 1970 onwards. You were also asked vide this office letter No. WO/70/10/525 of 17th June 1970, the receipt of which was duly acknowledged by you on 25th June 1970 to present yourself at the Central Hospital, Kalla, for medical examination within 3 days on receipt of the said letter but till date you failed to appear before the Central Hospital, Kalla, you have thereby remained absent continuously from 12th May, 1970 onwards without permission and without any satisfactory cause. You have thereby committed misconduct under order 27(16) of the Standing orders."

I would however consider the misconduct as the one for contravention of Regulation 39(b) of Coal Mines Regulation, 1957. On 22nd July, 1970 on the form Ex. M-1 Sri Chatterjee gave the reply:

"With reference to your chargesheet I have to inform you that I have been treated at Kalla Central Hospital from the very beginning of my disease i.e. from August '69, but finding no good result from Kalla hospital, I started treatment at Calcutta. All prescriptions and certificate of mid-time rest from Calcutta doctors have been shown to the then Manager. Since then treatment from Calcutta was going on but after having your letter as mentioned in C.S., again I started taking treatment at Kalla Hospital and hence the same treatment continuing. The doctor of Kalla Hospital (E.N.T. Specialist) has advised me to take rest so until recovery I am not being able to join your colliery."

When I left colliery i.e. on 11th May, 1970 condition of disease was very serious and as I was not provided with quarter so no body was to look after me there. Your M.O. and W.O. have signed the form of Kalla Hospital and advised me to get myself admitted at Kalla Hospital, so by Process I produced sick report and left the colliery".

On 22nd July, 1970, with reference to the charge sheet dated 17th July, 1970 and written explanation of Shri Chatterjee thereon, the Manager informed Chatterjee that his explanation was not satisfactory. He proposed that a domestic enquiry would be conducted by Sri Amulya Ratan Roy, Assistant of the Labour Department on 7th August, 1970 at 10 a.m. in the office of the Assistant, Labour Department, into the matter. Sri Chatterjee was advised to present himself with all necessary evidence and witnesses, if any, upon which he might seek to rely in defence at the time, date and place mentioned in the letter. It was made clear in the letter that if he failed to attend the proceedings the same will be conducted *ex-parte*. Copy of the letter was forwarded to the Welfare Officer, Medical Officer, Ranipur Colliery, Balaram Patra and Amulya Ratan Roy, Assistant, Labour Department, Ex. M3 dated 27th July, 1970. The enquiry proceedings, Ex. M4 commenced on 7th August, 1970 on the charge sheet and the explanation thereto conducted by Sri

Roy, employer's witness No. 1. J. Dhar, Welfare Officer, Ranipur colliery, PW 1 deposed. The surveyor Chatterjee was present at the enquiry. From Dhar's statement it appears that on 9th May, 1970 Chatterjee came with a form for treatment and investigation at Central Hospital Kalla which was duly forwarded by the Medical Officer, Dhar, Welfare Officer signed the form on behalf of the Manager so as to enable Chatterjee to get his treatment at Kalla hospital. Since then the management received no information from Chatterjee. Chatterjee was residing at the colliery quarter and it is not correct that he has not been supplied with any quarter at the colliery. Chatterjee was present and cross-examined the Welfare Officer, J. Dhar. From the cross-examination it appears that Chatterjee resides in the Mess quarter. He could not be provided with family quarter when he came to Ranipur colliery in May 1969 as it was not then available. Chatterjee himself came to Welfare Officer to get the form certified. Balaram Patra, is P.W.3 the time-keeper. He got sick report from the colliery Medical officer in respect of Chatterjee, surveyor for his sickness certifying that he was sick from 11th May, 1970. According to the certificate of the colliery Medical Officer Balaram Patra the time-keeper marked Chatterjee absent on and from 11th May, 1970 in attendance register. Upto 7th August, 1970 the time-keeper was marking Chatterjee as sick in the attendance register. After 7th August, 1970 the time-keeper got no information about Chatterjee from the management. Chatterjee declined to cross-examine the time-keeper. So, it is clear that from 11th May, 1970 to 7th August, 1970 in the attendance register of the colliery Chatterjee was marked absent because he did not attend to his duties during that period that means for over 3 months, May to June, June to July and July to August, i.e. for about 3 months. This is the hard fact. Then, on 7th August, 1970 Chatterjee examined himself as a witness vide Ex. M4(1). He was suffering from chronic pain in the abdomen and sore in throat for one year and was treated both by the colliery doctor and Kalla hospital. On 9th May, 1970 the condition of his disease became serious. As advised by the colliery medical officer he left the colliery after reporting sick. As he did not get good result in Kalla Hospital when treated earlier for his disease, he was compelled to go to Calcutta for better treatment. After receiving the management's letter dated 17th June, 1970 he continued his treatment in Kalla hospital and was continuing such treatment there. He was not provided with any quarter in the colliery and then was nobody there to look after him during his sick period. So, he was compelled to leave the colliery. He could not inform the authority concerned as his condition was very serious. Medical Officer, Kalla Hospital advised him to take rest. He attended Kalla Hospital on 1st July, 1970 and also on 8th July 1970, E.N.T. Department. E.N.T. department specialist advised him to take rest on the prescription. He attended the Kalla Hospital on 29th July, 1970. His out door tickets are ENT-00D/2271 dated 1st July, 1970, M.O./3429/126 of 29th July, 1970. He went to Calcutta on 16th May, 1970 and was treated by Dr. A. B. Mukherjee M.D.M.R.C.P. whose prescriptions were shown to the enquiry officer. He said, "I may kindly be excused for this time as I could not inform the authority concerned in time". From his evidence it is clear that he violated Regulation 39(b) of the Coal Mine Regulations 1957. Madhusudan Saha, PW 2, deposed on 7th August, 1970 as the Medical officer of Ranipur colliery. From record he found that Chatterjee surveyor took one Kalla Hospital form for his necessary treatment at Kalla Central Hospital on 9th May, 1970. After that the Medical Officer did not receive any information from Chatterjee, surveyor, when the doctor joined in his duties at the colliery on 5th July, 1970. So, from 9th May 1970 to 5th July 1970 the Medical Officer also got no information about Chatterjee. Chatterjee did not cross-examine the medical officer though he was present and took part in the proceedings. He in his statement before the enquiry officer said that on 9th May

1970 the condition of his disease became serious and that under the advice of the colliery medical officer he left colliery after reporting sick. But Colliery Medical Officer, Madhusudan Saha, was not asked by Chatterjee that the Medical Officer advised him to leave the colliery after reporting sick. The Medical Officer said that surveyor Chatterjee took one Kalla hospital form for his necessary treatment at Kalla Hospital on 9th May 1970. He did not say that on 9th May 1970 to him Chatterjee reported sick nor did he say that on 11th May 1970 Chatterjee reported sick to the Medical Officer. Balaram Patra, PW 3, the time-keeper said that he received sick report from the colliery Medical Officer in respect of surveyor certifying that Chatterjee was sick from 11th May 1970. Ext. W1 is dated 9th May 1970. It is a printed form on which the Manager of the colliery addressed the Superintendent Medical Officer, Central Hospital, Kalla. The printed form shows that the Manager is sending the bearer of the form A. K. Chatterjee, duly filled in for treatment in the hospital. The details about his employment in the mine were given in the form. Dhar, Welfare Officer, for Manager signed the form on 9th May 1970. Description of Sri Chatterjee is in the relevant column of the form, Saha, the Medical Officer on 9th May 1970 certified "chronic ulcer of throat". So, on 9th May 1970 there was no evidence of seriousness of the disease. It was only chronic ulcer of the throat. This form was presented by Chatterjee before the Medical Officer and Welfare Officer who deposed before the enquiry officer. The Manager was sending Chatterjee for treatment at Kalla Hospital. A similar form as Ext. W1 is Ext. W2. It is dated 3rd October 1969. Manager addressed it to Superintendent, Medical Officer, Central Hospital, Kalla and gave the form duly filled up with the signature while sending Chatterjee for treatment in the hospital with full details in the relevant columns of the form. There also the Medical Officer certified that the disease was "throat trouble". So, it was then nothing serious Ext. W3 is a letter by the Manager dated 17th June, 1970 sent by registered post to Chatterjee. The Manager informed Chatterjee that he reported sick at the colliery dispensary on 11th May, and thereafter left the colliery without any permission. So, he was asked to present himself before the Medical Officer, Kalla Hospital for treatment within 3 days of the receipt of the letter failing which action would be taken against him as per law. Chatterjee said that he got the letter on 22nd June 1970. From his statement before the enquiry officer it appears as follows: "I attended the Kalla Hospital on 1st July 1970 and after that I attended on 8th July 1970 to ENT department.... again I attended hospital on 29th July 1970. Hospital out door tickets are dated 1st July 1970 and 29th July 70". Ext. W7 prescription, etc., are of 1969 which is not relevant. Ext. W6 is on one side prescription dated 11th August and on the other side date is 2nd September 1970. Advised blood, chest, stool examination and prescription for some medicine. There is the date 11th September, 1970. Who made this document cannot be deciphered. Ex. W5 bears the date 1st July, 1970, 11th September, 1970 and 21st September, 1970 and on one side there is a prescription for medicine dated 2nd September, 1970, but who made it, it cannot be deciphered. On the other side there is the date 11th September, 1970 and advice rest for one week and also prescription for some medicine. Ext. W5 is dated 21st September, 1970, and a prescription therein is dated 11th September, 1970 but who made the prescription nobody knows but on the reverse side the date is 1st July, 1970, Ranipur Colliery. There is a document marked 'X' for identification. On the top of it it is written Ranipur colliery 1st July, 1970, 36 years—Ajit Kumar Chatterjee, Surveyor-complaint pain throat-examination, prescription, blood culture. On the other side there is the date 8th July, 1970, blood report Kt. negative-prescription. There is the date 29th July, 1970. There are these words "MNP 34293-126/29-7-70 (X for identification)". There is a date 27th July, 1970 under the prescription (X for identification) but who wrote the entire document was not proved.

On the back of Ext. W3 there is an endorsement which was not proved. Ext. W7-prescription of 1969 and is not relevant. There is Ext. W8 a prescription on the letter head of Dr. A. B. Mukherjee M.D., M.R.C.P., for A. K. Chatterjee. This prescription appears to have been served at White Hall Medical Stores on 16th May, 1970 as per Rubber Stamp impression on the Back of Ext. W8. Dr. Mukherjee is a Calcutta specialist. All these are the documents which were only produced and shown to the enquiry officer, but were not marked as Exhibits in the domestic proceedings but those were allowed to be produced before the tribunal and were marked as Exhibits without proof for what they are legally worth for. All those documents were required to be proved according to law before the enquiry officer. I am not entering into the merits of the disease of Chatterjee and his treatment. He reported sick on 11th May, 1970 and management knew that. He obtained from management on 9th May, 1970 a letter Ext. W1 with the avowed purpose of visiting Kalla Hospital for his treatment of chronic ulcer of throat. The Welfare Officer who signed Ext. W1 for the Manager on 9th May, 1970 could not have issued the letter to the Superintendent unless he was satisfied that on the strength of this letter Chatterjee would visit Kalla Hospital maintained by the Central Government for the Welfare of the Colliery staff and would be treated there. If on the strength of this letter, Ext. W1, Chatterjee would have visited Kalla Hospital on 11th May, 1970 or 12th May, 1970 and continued his treatment till 17th June, 1970 at the hospital, then his absence from the colliery from 11th May, 1970 to 17th June, 1970 could have been otherwise justified. If instead of staying at the hospital as an indoor patient he attended the hospital during all those days while residing in the colliery mess, then also he could have justified his absence from the colliery during that period. But taking the letter Ext. W1, from the Welfare Officer certified by the Medical officer of the colliery, Chatterjee left for Calcutta. Why he did so, I am not at all concerned with. He gave no information from 12th May, 1970 till 17th July, 1970 to the management. The management by a letter, Ext. W3, dated 17th June, 1970 informed Chatterjee that he reported sick at the colliery dispensary on 11th May, 1970 and thereafter left the colliery without any permission. He received the letter on 25th June, 1970. The office copy of the letter, Ext. M8 dated 17th June, 1970, was received by Chatterjee on 25th June, 1970 as per Acknowledgement receipt. But he gave no reply to that letter. Only letter which he produced addressed to Manager, sent by post, is dated 24th August, 1970. In this letter he informs that he had received a letter dated 12th August, 1970 from the management. The enquiry proceedings terminated on 7th August, 1970. In the letter marked 'Y' identification Chatterjee writes from Ekra village, Burdwan that he is suffering from strong fever with chronic colities and some other disease for long days. Doctors of Kalla hospital is not allowing him to resume duties. So it is not possible for him to join in his duties. He did not submit along with the letter any certificate or any document showing that he was not being permitted to resume his duties by doctors of Kalla Hospital. Chatterjee in "his statement before the enquiring officer stated that he took the form, got it signed and certified, meaning Ext. W1, on 9th May, 1970 and then left for Calcutta. He received the management's letter dated 17th June, 1970 on 22nd June, 1970 and then he went to Kalla Hospital for the first time on 1st July 1970. So from 11th May, 1970 to 1st July, 1970 he did not attend Kalla Hospital though on 9th May, 1970 he took the authority letter from the Manager and direction from the Manager that he must present himself before the Kalla Hospital for treatment of his chronic ulcer of the throat as certified by the Medical Officer on 9th May, 1970. In his statement before the enquiring officer he said, "I could not inform the authority concerned as my condition was very serious". But the documents he has produced and examined by me do not show that his illness

was ever serious. On 9th May, 1970 his illness was chronic sore of throat. On 11th May, 1970 what was his illness when he reported sick is not known. If he left for Calcutta on 11th May, 1970 or thereafter he came to Calcutta as per prescription, Ext. W8 of Dr. Mukherjee on 16th May, 1970. He did not inform the authorities at any time that although he was directed by the Manager to attend Kalla hospital for treatment, he was not visiting Kalla hospital and he was following his own ways. According to Chatterjee's own admission, he did inform the authorities during the period from 11th May, 1970 to 17th July, 1970 that he was going on leave being sick. After receipt of the letter from the management dated 17th June, 1970, he did not present himself at Kalla hospital within 3 days from the receipt of that letter on 26th June, 1970, till before 1st July, 1970, and he absented himself from his duty at the colliery without taking any leave, without taking any previous permission even upto 17th July, 1970. He made a show of his illness and reported before the Welfare Officer and the Medical Officer of the colliery that if he was furnished with a letter as Ex. W1 he would go to Kalla hospital for treatment. He got the letter on 9th May, 1970, reported sick to the colliery dispensary on 11th May, 1970 and left the colliery without taking leave and without taking permission of the Manager. Chapter VII, Sec. 49 onwards of Mines Act, 1952, deal with leave with wages relating to a person employed in a mine Section 52(5) of Mines Act 1952 says that a person employed in the mine who satisfies certain conditions as stated earlier in the Section may apply in writing to Manager of the mine not less than 15 days before the date on which he wishes his leave to begin, for all leave or any portion thereof then allowable to him under sub-sections (1), (3) and (4). Sub-section (7) of Section 52 of the Mines Act says that if a person employed in a mine wants to avail himself of the leave with wages due to him to cover a period of illness he shall be granted such leave even if the application for leave is not made in the time specified in sub-section (5). Sri Chatterjee did not comply even with the provisions of sub-section (7) of Section 52 of the Mines Act before leaving the colliery on 11th May, 1970 reporting sick and thereafter at any time. Paragraph 39(b) clearly says that every competent person shall be subject to orders of superior officials and shall not absent himself without having previously obtained permission from such official for the term of his absence or without having been relieved by duly competent person. Chatterjee left the colliery even though he might be sick on 11th May, 1970 violating paragraph 39(b) and violating Section 52(7). Upto 17th July, 1970 the date on which he was charge-sheeted he absented himself even then without applying for leave due to his illness as required under Section 52(7) of the Mines Act, 1952. He absented himself from the colliery from 11th May, 1970 according to his own admission before the enquiry officer violating the mandatory statutory direction of Reg. 39(b) of the Coal Mines Regulations, 1957. So, for such violation the Manager is well authorised under Reg. 41(10) of the Coal Mines Regulations to take such disciplinary action as he thinks fit. After receiving the report of the enquiring officer the Manager recorded on Ex. M-12 on 25th August, 1970 perused all records etc. and recommended dismissal. The Superintendent of the colliery after perusing the record of the departmental proceedings noted that he perused Ex. M-12, and recorded in Ext. M7 "Perused all records of enquiry report in connection with the chargesheet. On being satisfied with the same, I dismiss the accused person from colliery's service (9th Sep. 1970)". Now, the Manager before making the note Ex. M-12 wrote a letter to Chatterjee, Ext. M6 on 12th August, 1970. The manager referring to the chargesheet dated 17th July, 1970 advised Chatterjee to report for duty within 3 days of the receipt of the letter and to furnish assurance in writing that he would attend regularly and shall not leave the station without receiving a written permission from the Manager. It was made clear in that letter that if he failed to report for duty drastic dis-

ciplinary action would be taken. This letter was sent per registered post to the addressee Chatterjee. He received it. Chatterjee produced a letter dated 24th August, 1970 which was marked Y for identification addressed to Manager, Ranipur colliery written from his village Ekra, District Burdwan on 24th August, 1970 and informed the Manager that the Kalla hospital Doctors were not allowing him to resume duties. So, the Manager's advice was not followed by Chatterjee. He did not resume his duties though management asked him to join in his duties subject to certain assurances to be given by him in writing. The Manager, therefore, referring to that letter recorded as in Ex. M-12 dated 25th August, 1970 that Chatterjee should be dismissed as he was found guilty of the charge. I have already observed that Chatterjee cannot be governed by Standing Order rules. It is not the question of his violation of paragraph 27(16) of the Standing Order rules. Paragraph 26(6) embodies a type of misconduct which says, continuous absence without permission and without satisfactory cause for more than 10 days. Regulation 39(b) of the Coal Mines Regulation does not contain anything which is not covered by Paragraph 27 clause (16) of the Standing Order rules. In other words 11th May, 1970 to 17th July, 1970 the admitted fact is that after reporting sick to the management on 11th May, 1970 but without obtaining permission of the Manager Chatterjee left the colliery. He absented himself without leave and without permission of the Manager from the colliery from 11th May, 1970 to 17th July, 1970. This was admitted by Chatterjee. No other fact is necessary. On his admission he clearly violated, irrespective of his violation of paragraph 27(16) of the Standing Order rules which is not applicable to him, the mandatory provision of Reg. 39(b) of the Coal Mines Regulations read with Section 52(7) of the Mines Act. On the admitted facts the law can be applied on the same. On the admitted facts there has been clear violation by Chatterjee the provisions of Reg. 39(b) of the Coal Mines Regulations when he left the colliery on 11th May, 1970 and absented himself from 11th May, 1970 without any information, without taking any permission of the Manager and without giving any information as was stated by him in explanation to the charge levelled against Chatterjee. There was no violation of natural justice in the domestic proceedings which was very fair and was in strict observation of the rules of natural justice. Chatterjee was given ample opportunity to defend himself. He participated in the domestic proceedings. Before me there was no complaint made either against the management or against the enquiring officer regarding violation of the rules or natural justice in the domestic proceedings or *mala-fide* either of the management or of the enquiry officer. Enquiry officer was appointed by the Manager. He was very fair and conducted the domestic proceedings following meticulously the rules of natural justice. Chatterjee was found absent from the colliery during the period mentioned in the Chargesheet from 11th May, 1970 to 17th July, 1970 without previously obtaining permission from the Manager and without informing the Manager as to his whereabouts, during that period. Therefore the Manager lawfully proceeded against him for disciplinary action. He took a very compassionate view before taking the drastic action. He asked Chatterjee to join in his duties and to give an assurance in writing that he would not violate the rules, regulations and the laws governing the colliery. When Chatterjee did not reply to that letter the Manager who kept the decision on the report of the enquiry officer pending passed the order recommending his dismissal. The Superintendent considered the entire proceedings of the domestic enquiry and approved the recommendation of dismissal and dismissed Chatterjee from his service. So, from this aspect, I find that Chatterjee cannot contend that he was wrongfully dismissed by the management. The effect of the letter of 12th August, 1970 written by the Manager to Chatterjee was that the Manager wanted Chatterjee to resume his duties, and to give certain assurance in

writing and kept the final order on the report of the enquiry officer pending subject to Chatterjee's compliance with the advice of the Manager, but Chatterjee took a very adamant and obdurate attitude and flouted the advice. So, the Manager upon considering the entire matter recommended dismissal. The letter dated 12th August, 1970 cannot be construed as that the Manager dropped the departmental proceedings before recommending the order of dismissal. The Manager kept the matter pending and took a charitable view in order to bring Chatterjee to his senses and wrote him a letter dated 12th August, 1970 and in that letter he made it clear that it was with reference to the chargesheet and the enquiry report that was pending decision before him. So, by the letter he did not drop the disciplinary proceedings nor did he withdraw the charges.

15. In the result I find that Chatterjee who is an official was proceeded with in the domestic enquiry following rules of natural justice. He was found to have had contravened Reg. 39(b) of the Coal Mines Regulation, 1957 read with Section 52(7) of the Mines Act, 1952 during the period from 11th May, 1970 to 17th July, 1970. He was given an opportunity to mend his ways when the Manager wrote him a letter on 12th August, 1970 asking him to join his duties after giving certain assurance in writing but he did not listen to the Manager's advice and remained as obdurate as possible. He obtained a letter from the Welfare Officer, Ext. W1, addressed to the Superintendent, Kalla Hospital with the avowed purpose of attending the hospital. The Management was given to understand that Chatterjee with the honest intention of getting his chronic sore throat treated by the Kalla Central hospital was obtaining the manager's sanction to be treated by that hospital. Giving such assurance to the management he obtained the letter, Ex. W1, but he flouted the direction of the Manager conveyed in that letter addressed to the Superintendent of Kalla hospital and went in his own ways. This is certainly a very reprehensible conduct. He had been in the service of the colliery from 1951. He committed an act of serious misconduct. A Surveyor is one of the most important officials in a mine. Upon his accuracy of survey and plan making the safety of the mine largely depends. He left the mine and that suddenly without taking any previous permission from the Manager and without being relieved by a competent person from his duty. The management was without a surveyor on and from 11th May, 1970 and the safety of the mine on that account was likely to be in a jeopardy. That is why paragraph 39(b) of the Regulation uses the word "shall not". A competent person cum-official like the surveyor A. K. Chatterjee as paragraph 39(b) of the Regulation says shall not absent himself without having previously obtained permission from such official for the term of his absence or without having been relieved by duly competent person. The reason for such a mandatory provision is this that if a competent person-cum-official violates paragraph 39(b) of the Coal Mines Regulations the safety of the colliery will be at jeopardy at any moment. A surveyor has been categorised as one holding a position in the supervisory capacity only because that survey work in a colliery is a very important work and upon the accuracy of the survey work the safety of the colliery largely depends. Mining operation can hardly continue without meticulous survey and preparation of underground plans to be prepared from time to time with the progress of the mining operation accurately by the surveyor with the aid of his assistants and under his directions and supervision. For all these reasons a surveyor is included within the expression "official" and is deemed to be a person holding position of supervision in a mine or a part of the mine. Taking all these into consideration, I find no reason to interfere with the order of dismissal. I make it clear here and now that I have already held that Chatterjee being not a workman, the dispute

under the reference is not an industrial dispute and as such the reference is *ultra vires* the jurisdiction of the Central Government.

16. If Chatterjee is found to be a workman, he cannot be governed by the provisions of paragraph 27(16) of the Standing Orders rules since he is not an employee as defined in the Standing order rules. In that event, the entire domestic proceedings was *ultra vires* the jurisdiction of the management of the colliery. In that event also Chatterjee's order of dismissal should stand vacated and he should be reinstated to his post on and from 12th September, 1970 with all back wages and other emoluments retrospectively from the date of the award to 12th September, 1970. I have considered the propriety and legality of the domestic proceedings only on humane considerations finding that Chatterjee is not a workman but is an official appointed to perform duties of supervision of the mine, while holding a position "being employed in a supervisory capacity" and drawing pay above Rs. 500/- on 11th September, 1970. From this aspect also on considering the entire materials of the domestic enquiry, I find no reasonable ground to interfere with the order of dismissal. On my finding that Chatterjee is not a workman, I have no jurisdiction to enter into the merits of the domestic proceedings but still on humane considerations I have examined the legality and the propriety of the domestic proceedings. As I have found that Chatterjee is not a workman, and, therefore, no industrial dispute can be raised by the union on his behalf, the reference is not competent in law and its *ultra vires* the jurisdiction of the Central Government.

17. In the result the reference is rejected.

This is my award.

(Sd.) S. N. BAGCHI,
Presiding Officer.

Dated April 26th, 1972.

[No. L/1912/14/71-LR.II.]

KARNAIL SINGH, Under Secy.

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 6th May 1972

S.O. 1129.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Act, 1970 (37 of 1970), read with rule 3 of the Contract Labour (Regulation and Abolition) Central Rules, 1971, the Central Government hereby nominates Shri Kalicharan and Shri V. C. Rajagopal as members of the Central Advisory Contract Labour Board and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 5207, dated the 30th October, 1971, namely:—

In the said notification, for serial Nos. 4 and 5 and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"4. Shri Kalicharan, Director, Civil Engineering, Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi.

"5 Shri V. C. Rajagopal, Director, Traffic (Commercial), Ministry of Railways (Railway Board), New Delhi."

[No. S-16025/14/72-LWI-I.]

LALFAK ZUALA, Under Secy.

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 6 मई, 1972

का० आ० 1129.—संविदा श्रम (विनियमन और उत्पादन) केन्द्रीय नियम, 1971 के नियम 3 के साथ पठित संविदा श्रम (विनियमन और उत्पादन) अधिनियम, 1970 की धारा 3 द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री कालीचरन और श्री वी० सी० राजगोपाल को केन्द्रीय सलाहकार संविदा श्रम बोर्ड के सदस्य नामनिर्देशित करती है और भारत सरकार के श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 5207 तारीख 30 अस्तुवर, 1971 और निम्नलिखित में संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में क्रम सं० 4 और 5 तथा तत्सम्बन्धी प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्,—

“4—श्री काली चरन,
निदेशक, सिविल इंजीनियरी,
रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड), नई दिल्ली।

“5—श्री वी० सी० राजगोपाल,
निदेशक, परियात (वर्गज्य),
रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड),
नई दिल्ली।

[सं० एस-16025/14/72-एल० डब्ल्यू० आई०।]

लालफक ज्वाला,

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

New Delhi, the 13th May, 1972

S.O. 1130.—Whereas for the development of export trade of India certain proposals for subjecting non-baled coir yarn to quality control and inspection prior to export, were published as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964 at pages 1385 to 1392 of the Gazette of India-Part II-Section 3-Sub-section (ii), Extraordinary, dated the 27th October, 1969, under the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade and Supply, No. S.O. 4423, dated the 27th October, 1969;

And whereas objections and suggestions were invited till the 26th November, 1969 from all persons likely to be affected thereby.

And whereas the said Gazette notification was made available to the public on the 28th October, 1969;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963, (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council being of opinion that it is necessary and expedient

so to do for the development of the export trade of India, hereby—

(1) Notifies that non-baled coir yarn shall be subject to inspection prior to export;

(2) Specifies the type of inspection in accordance with the Export of Non-baled Coir Yarn (Inspection) Rules, 1972, as the type of inspection which shall be applied to non-baled coir yarn;

(3) Recognises the specifications for non-baled coir yarn as set out in Annexure to this notification as the standard specifications for non-baled coir yarn;

(4) Prohibits the export in the course of international trade of non-baled coir yarn unless the same is accompanied by a certificate issued by any one of the Export Inspection Agencies established under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) to the effect that the non-baled coir yarn is export-worthy.

2 Nothing in this notification shall apply to the export by sea, land or air of samples of non-baled coir yarn to prospective buyers.

3. This notification shall come into force on the 3rd June, 1972.

ANNEXURE

Specifications of different varieties of coir yarn in non-baled form.

1. **Anjengo A**—(a) Wheel spun yarn, spun from long or medium stapled, natural bright golden coloured, well cleaned coir fibres extracted from properly retted husks, containing little or no pith, husk, and, etc., appreciably very less hairy, hard twisted—both the single strand and the two plies of yarn, mostly evenly spun and uniformly twisted, smooth textured in appearance usually spun in the scorages ranging from 12 to 20.

(b) Wheel spun yarn, spun from long or medium stapled natural reddish brown to bluish grey, cleaned coir fibres extracted from retted husks, containing a little pith, husk, sand, etc., appreciably less hairy; hard twisted—both the single strand and the two plies of yarn spun less evenly and twist less uniform in comparison to (a) above; slightly rough textured in appearance usually spun in the scorages ranging from from 12 to 20.

2. **Anjengo M**—(a) Wheel spun yarn spun from long or medium stapled natural bright golden coloured, well-cleaned coir fibres extracted from retted husks; containing little or no pith or husks and varying percentages of sand, somewhat hairy, hard-twisted—both the single ply and the two plies of yarn are more hard twisted than Anjengo A yarn—thus Anjengo M being the most hard twisted of all the varieties falling under “hard twisted yarns”; less even in thickness and twist than Anjengo A; hard and rough to feel, spun usually thicker than Anjengo A yarn—in the scorages ranging from 10 to 15.

(b) Wheel spun yarn; spun from long or medium stapled, natural reddish brown to bluish grey cleaned coir fibres extracted from retted husks; containing a little pith or husks and varying percentages of sand; somewhat hairy; hard twisted—both the single ply and two plies of yarn are more hard twisted than Anjengo A yarn—thus Anjengo M being the most hard twisted of all the varieties falling under hard twisted yarn; less even in thickness and twist than Anjengo A; hard and rough to feel; spun usually thicker than Anjengo A yarn—in the scorages ranging from 10 to 15, [comparatively rougher than Anjengo M(a)].

3. **Aratory**—(a) Wheel spun yarn; spun from long or medium stapled coir fibres extracted from retted husks and of colour ranging from slight reddish brown to bluish grey; containing very small amounts of pith, husk and also sand, appreciably hairy; fibres not

teased properly; slightly dirtier in appearance than Anjengo A and Anjengo M hard twisted—single strand is soft twisted but the two plies of the yarn are hard twisted but a little less hard than either Anjengo A or Anjengo M yarn—thus Aratory being the least hard twisted of all the varieties falling under “hard twisted” yarns; more irregular in twist than either Anjengo A or Anjengo M yarns; usually spun in the scorages ranging from 11 to 18.

(b) Wheel spun yarn; spun from long or medium stapled coir fibres extracted from retted husks and of colour ranging from reddish brown to bluish grey; containing varying amounts of pith, husk and also sand; appreciably hairy; fibres not teased properly; slightly dirtier in appearance than Anjengo A and Anjengo M; hard twisted—Single strand is soft twisted but the two plies of the yarn are hard twisted but a little less hard than either Anjengo A or Anjengo M yarns; thus Aratory being the least hard twisted of all the varieties falling under “hard twisted” yarns; more irregular in twist than either Anjengo A or Anjengo M yarns; usually spun in the scorages ranging from 11 to 18.

4. **Mangadan K.**—Wheel spun yarn, spun from long or medium stapled coir fibres extracted from retted as well as partly retted husks and of colour ranging from natural bright to slight reddish brown and bluish grey, containing varying amounts of pith and sand, fibres not teased properly, appearance not as good as Anjengo M, hard twisted but a little less hard than Anjengo M, hairy, not as regular in twist as Anjengo M, the scorages ranging from 10 to 15.

5. **Imitation Alapat/Ashtamudy/Caruwa.**—(a) Wheel spun yarn; spun usually thicker than Anjengo A, Anjengo M, Aratory or Real Alapat; from less cleaned coir fibres extracted from retted husks, brownish to greyish in colour; containing a small amount of sand, husk and short fibres; hairy and less clean in appearance compared to Anjengo A or Anjengo M; with a somewhat harsh feel to touch; fibres often lie in entangled lumps and in criss-cross manner; medium to soft twisted—usually spun in the storages ranging from 8 to 13.

(b). Wheel spun yarn; spun usually thicker than Anjengo A, Anjengo M, Aratory or Real Alapat, from less cleaned coir fibres extracted from retted husks, dark brown to dark grey in colour; containing a good amount of sand and varying amounts of husks and short fibres; hairy and unclean in appearance with a harsh feel to touch; fibres lie in entangled lumps and in criss-cross manner, medium to soft twisted—usually spun in the scorages ranging from 8 to 13.

6. **Real Alapat.**—(a) Falling under the class of “soft twisted”, yarns, Real Alapat is spun both by wheel and hand from coir fibres, extracted from retted husks, and of shades ranging from bright golden colour to bright brown or grey. The hand spun yarn is softer to touch and more uniform in twist; containing little or no pith smooth textured and not hairy; soft twisted—both the single strand and the 2 plies are soft twisted; the thickness of the yarn is remarkably uniform and the yarn is evenly twisted; usually spun in the scorages ranging from 11 to 15.

(b) Both wheel spun and hand spun, soft twisted yarn from coir fibres extracted from undersoaked or inadequately retted husks and of colour ranging from reddish brown to bluish grey. Containing a little pith, not very hairy in appearance; fibres are not teased well and so lie in lumps in the yarn, soft to medium twisted; the thickness of the yarn is generally uniform and the yarn is evenly twisted; usually spun in the scorages ranging from 11 to 15.

7. **Vycome (Weaving).**—(a) Yarn spun both by hand and wheel, mostly the latter, from bright coloured, fairly well cleaned coir fibres extracted from retted husks; characterised by the very soft textured appearance; containing small amounts of pith, husk and sand

but no dirt; somewhat hairy; soft and light in appearance; fairly even in thickness and twist; fibres are not tested so well as in Anjengo A and so lumps of entangled fibres are found frequently in the strands of yarn; soft twisted—both the single strand and the 2 plies are soft twisted; usually spun in the scorages ranging from 11 to 17.

(b) Yarn spun both by hand and wheel, mostly the latter, from reddish brown to darkish grey, not well cleaned coir fibres extracted from retted husks; characterised by the very soft textured appearance; containing varying amounts of pith, husk, soft fibres and sand; rather hairy, uneven in thickness and twist; fibres are not teased well and so lumps of entangled fibres are found very frequently in the strands of yarn; soft twisted—both the single strand and the 2 plies are soft twisted; usually spun in the scorages ranging from 11 to 17.

8. **Beach.**—Hand spun yarn; spun from inferior types of coir fibres extracted from undersoaked or inadequately retted husks, the fibres are insufficiently cleaned and of very reddish brown in colour; containing a very large amount of pith but not sand; the fibres being in an unopened state lie adhering to each other in the yarn with a lot of pith; little or no hairiness; very soft twisted with the single strand practically lying untwisted; usually spun in the scorages ranging from 9 to 14.

9. **Hard Unsoaked.**—Hand spun yarn from practically unsoaked coir fibres; containing a very large amount of pith larger than that found in fine unsoaked; more reddish in colour than, fine unsoaked yarn; very less hairy; heavier, hard twisted among the “unsoaked” types of yarns; usually spun in the scorages ranging from 9 to 12.

10. **Roping.**—Hand spun yarn; spun from coir fibres which are less cleaned and extracted from inadequately retted husks; containing varying amounts of pith; characterised by its extraordinary thickness; unclean in appearance; very less hairy; usually spun in the scorages ranging from 4 to 6.

11. **Beypore.**—Hand spun yarn; spun from coir fibres extracted from insufficiently retted husks; of bluish brown colour; comparable in thickness to thinner types of roping; containing small amounts of pith and husk; less dirty than the other types of inferior varieties of yarns; usually spun in the scorages ranging from 6 to 9.

12. **Qullandy.**—Hand spun yarn; from fairly well cleaned coir fibres extracted from retted husks; natural bright golden to greyish in colour; similar in appearance and texture to Ashtamudy; fibres being insufficiently opened lie adhering to each other in the yarn; often with pith uniform in thickness; usually spun in the scorages ranging from 8 to 12.

13. **Fine Unsoaked.**—Bearing a very close resemblance to Beach Yarn and often substituted for it, Fine Unsoaked Yarn is hand spun from practically unsoaked coir fibres colour ranging from cream buff to dark reddish brown; characterised by a very large amount of pith—larger than that found in Beach yarn; very less hairy; soft twisted—in single strand lying practically untwisted—but slightly harder twisted than the beach; usually spun in the scorages ranging from 9 to 12.

14. **3-Ply.**—Wheel spun yarn consisting of three plies, spun from coir fibres which are less cleaned and extracted from inadequately retted husks; containing varying amounts of pith; characterised by its thickness comparable to thin roping yarn; hairy and hard twisted; hard and rough to feel; usually spun in scorages ranging from 4 to 8.

15. Single Ply.—Wheel spun yarn consisting of one ply only; spun from coir fibres which are well cleaned and extracted from adequately retted husks; containing only a small amount of pith; characterised by its thickness and fluffy appearances; medium twisted and very hairy; usually spun in the scorages ranging from 16 to 20.

16. Superfine Unsoaked.—Hand spun yarn; spun from clean coir fibre extracted from practically unsoaked green husk; golden yellow in colour; slightly more hairy than Fine Unsoaked; containing negligible quantity or no quantity of pith; medium twisted, i.e., slightly harder twisted than Fine Unsoaked but softer than Hard Unsoaked; usually spun in the scorages ranging from 9 to 12.

17. Edavannan.—Hand spun yarn; spun from coir fibres less cleaned and extracted from insufficiently retted husks; containing varying amounts of pith; comparable to thinner type or Roping; uncleaned in appearance; less hairy; usually spun in the scorages ranging from 6 to 9.

18. Manumangadan.—Wheel spun yarn; spun from long or medium stapled fibres extracted from retted husks; colour ranging from reddish brown to bluish grey; containing a little pith or husks and more percentages of sand; hairy in appearance; both the single ply and the two plies of the yarn hard twisted; less even in thickness and twist; hard and rough to feel; usually spun in the scorages ranging from 8 to 10.

19. Parur.—Wheel spun yarn; spun from long or medium stapled well cleaned fibre of colour ranging from light golden to reddish brown or bluish grey extracted from retted husks; containing little or no pith or husks; hard twisted both the single ply and the two plies of yarn hard twisted thus being more

hard twisted than even Anjengo M; containing varying percentages of sand; hairy and less even in thickness; hard and rough to feel; usually spun in the scorages ranging from 6 to 12.

20. Alleppey Vycome (Thurumpu Vycome).—Hand spun yarn; spun from fibre extracted from bits of various varieties of coir yarn; soft swisted, both the single ply and the two plies or yarn soft twisted, more hairy; containing varying percentages of sand; (having lower breaking strength compared with other varieties of yarn) usually spun in the scorages ranging from usually spun in the scorage ranging from 12 to 18.

21. Ordinary Bango Yarn.—Hand spun yarn; spun from cleaned short or medium stapled coir fibre extracted from not properly retted tender coconut husks; reddish brown in colour, containing little or no pith less hairy; somewhat similar in twist to Anjengo A but slightly dirty in appearance; hard-twisted both the single strand and the two plies of yarn; mostly evenly spun and uniformly twisted; usually spun in the scorage ranging from 12 to 18.

General requirements.—The general characteristics of a particular variety of yarn, as declared by the seller, shall conform to the description normally understood by the trade and as described in the definitions. The declaration by the seller shall contain detailed descriptions or shall have reference to the trade varieties of yarn accompanied by representative samples or to the trade varieties of yarn without the samples. The yarn shall be evenly spun and uniformly twisted.

SPECIFIC REQUIREMENTS

1. Construction.—The yarn shall be of reasonably uniform construction and colour.

The tolerance in the number of spinning and splicing defects shall be as per the Table No. 1 given below for yarn in the form of Coils and Dholls.

TABLE NO. 1

Variety of yarn.	Spinning defects per export hank	Splicing defects per export hank.
1	2	3
Anjengo A	2	1
Anjengo M	2	1
Aratory	3	2
Mangadan K	3	2
Imitation Alapat/Ashtamudy/Carruwa.	3	3
Real Alapat	3	3
Vycome (Weaving)	3	3
Beach	3	3
Hard Unsoaked	3	3
Roping	2	2
Beyapore	2	2
Quilandy	3	3
Fine Unsoaked	3	3
3-Ply	3	3
Single Ply*	3	3
Super Fine Unsoaked	2	2
Edavannan	2	1
Manumangadan	2	1
Parur	3	3
Alleppey Vycome (Thurumpu Vycome)	2	1
Ordinary Bango Yarn		

*This yarn is not spliced but only knotted.

The tolerance in the number of spinning and splicing defects for yarn in the form of country hanks shall be as agreed to between the buyer and the seller.

2. (1) Freed from extraneous matter.—The yarn shall be free from extraneous matter and reasonably free from impurities like salt, sand and the like.

(2) Moisture content.—The moisture content in salt water yarn and fresh water yarn in dry season and rainy season shall not exceed the limits prescribed in Table No. 2 below:

TABLE NO. 2.

Variety of yarn,	Salt water yarn mois- ture con- tent % du- ring dry season.	Salt water yarn mois- ture con- tent % du- ring rainy season*	Fresh water yarn mois- ture con- tent % du- ring dry season	Fresh water yarn mois- ture con- tent % du- ring rainy season.
I	2	3	4	5
Anjengo A	16	20	15	17
Anjengo M	18	22	17	19
Aratory	15	19	14	16
Mangadan K	14	18	13	15
Imlt. Alapat/Ashtamudy/Caruwa	16	22	14	16
Real Alapat	14	18	13	15
Vycome (Weaving)	15	20	13	15
Beach	13	15
Hard Unsoaked	13	15
Roping	15	22	13	15
Beypore	16	23	15	17
Quilandy	16	23	15	17
Fine Unsoaked	13	15
3-Ply	15	19	13	15
Single Ply	14	18	13	15
Super Fine Unsoaked	13	14
Edavannan	16	23	15	17
Mannumangadan	18	22	17	19
Parur	18	22	17	19
Alleppey Vycome (Thurumpu Vycome)	15	20	13	15
Ordinary Bongo Yarn	13	15

*The rainy season for this purpose shall mean the period from the 1st June to 15th August. This period may be extended upto the 30th November depending on prevailing weather conditions in different localities, on instructions issued by the Export Inspection Council

(3) Salt content.—The salt content in salt water yarn and fresh water yarn shall not exceed the limits prescribed in the Table No. 3 below:

TABLE NO. 3.

Variety of yarn.	Salt water yarn salt content (percent)	Fresh water yarn salt content (percent)
I	2	3
Anjengo A	5	4
Anjengo M	6	5
Aratory	4	3
Mangadan K	4	3
Imitation Alapat/Ashtamudy/Caruwa	7	5
Real Alapat	4	3
Vycome (weaving)	5	3
Beach	2	1
Hard Unsoaked	2	1
Roping	7	5
Beypore.	6	5
Quilandy	6	5
Fine Unsoaked	2	1
3-Ply	7	5
Single ply	4	3
Super Fine Unsoaked	2	1
Edavannan	6	5
Mannumangadan	6	5
Parur	6	5
Alleppey Vycome (Thurumpu Vycome)	5	3
Ordinary Bonge Yarn.	2	1

(4) Sand content.—The sand content in salt water yarn or fresh water yarn shall not exceed the limits prescribed in the Table No. 4, prescribed below :

TABLE No. 4

Variety	Sand content (percent)
1	2
Anjengo A	0.5
Anjengo M	0.5
Aratory	1.0
Mangadan K	0.5
Imitation Alapat Ashtamudy/Caruwa	0.5
Real Alapat	0.5
Vycome	0.5
Beach	0.5
Hard Unsoaked	0.5
Roping	0.5
Beypore	0.5
Quilandy	0.5
Fine Unsoaked	0.5
3-Ply	0.5
Single Ply	1.0
Super Fine Unsoaked	0.5
Edavannan	0.5
Mannumangadan	2.5
Parur	0.5
Alleppy Vycome (Thurumpu Vycome)	0.5
Ordinary Bongo Yarn	0.5

[No. 60 (19)/69-EIEP]

विदेश व्यापार मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 मई 1972

क्र०प्र० 1130.—यतः भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिये निर्यात के पूर्व बिना गांठ के कयर सूत को क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण के अधीन करने के लिये कतिपय प्रस्ताव, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप-नियम (2) द्वारा यथाप्रपेक्षित भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार और पूर्ति मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० प्र० 4423, तारीख 27 अक्तूबर, 1969 के अधीन भारत के राजपत्र, असाधारण, तारीख 27 अक्तूबर, 1969, भाग 2, खंड 3, उपखंड (II) के 1385 से 1392 तक के पृष्ठों पर प्रकाशित किए गये थे :

और यतः उनसे संभावितः प्रभावित होने वाले सभी व्यक्तियों से 26 नवम्बर, 1969 तक आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किये गये थे :

और यतः उक्त राजपत्र-अधिसूचना जनसाधारण को 28 अक्तूबर, 1969 को उपलब्ध की गई थी :

और यतः उक्त प्राप्ति पर जनसाधारण से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया है : अतः, अब, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात्, केन्द्रीय सरकार की यह राय होने पर कि भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिये ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है, वह एतद्द्वारा —

(1) अधिसूचित करती है कि निर्यात के पूर्व बिना गांठ का कयर सूत निरीक्षण के अधीन होगा :

(2) विनिर्दिष्ट करती है कि बिना गांठ के कयर सूत का

निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1972 के अनुसार निरीक्षण के प्रकार को बिना गांठ के कयर सूत के निरीक्षण के प्रकार के रूप में लागू किया जायेगा :

(3) इस अधिसूचना के उपाबन्ध में यथाउपवर्णित बिना गांठ के कयर सूत के लिये विनिर्देशों को बिना गांठ के कयर सूत के लिये मानक विनिर्देशों के रूप में मान्यता देती है :

(4) बिना गांठ के कयर सूत के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अनुक्रम में निर्यात तब तक प्रतिषिद्ध करती है, जब तक उसके साथ निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन स्थापित निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से किसी एक द्वारा जारी किया गया इस प्रभाव का प्रमाण-पत्र कि बिना गांठ का कयर सूत निर्यात-योग्य है, न हो।

2. इस अधिसूचना में की कोई भी बात भावी क्रेताओं को जल-मार्ग, भू-मार्ग या वायु-मार्ग द्वारा बिना गांठ के कयर सूत के नमूनों के निर्यात को लागू नहीं होगी।

3. यह अधिसूचना 3 जून 1972 को प्रवृत्त होगी।

उपाबन्ध

बिना गांठ के रूप में कयर सूत के विभिन्न किस्मों के विनिर्देश।

1. अन्जेंगो ए—(क) चरखे पर कता हुआ सूत, उचित रूप से गलाए हुए छिलकों से निकाले गए प्राकृतिक चमकीले सुनहरे रंग के अच्छे साफ किए हुए लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं के कता हुआ, जिसमें कम या कोई भी भूसा और छिलका आदि न हो, पर्याप्त मात्रा में बहुत कम रेशेदार, सख्त ऐंठा हुआ, सूत का एक रेशा और दो लड्डे, दोनों, लगभग एकसा कते हुए और एक-सा ऐंठे हुए, देखने में मुलायम पोत का, प्रायः 12 से 20 तक के स्कारेजों के रेंज में कता हुआ।

(ख) चरखे पर कता हुआ सूत, गलाए हुए छिलकों से निकाले गए प्राकृतिक रक्ताभ भूरे से नीलाभ भूरे रंग के साफ किए हुए लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें कम भूसा, छिलका, रेत आदि हों, पर्याप्त मात्रा में कम रेशेदार, सख्त ऐंठा हुआ, सूत का एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों, उपरोक्त (क) की तुलना में कम एकसा कते हुए और एकसा ऐंठे हुए, देखने में थोड़े सा खुरदरे पोत का, प्रायः 12 से 20 तट के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

2. अन्जेंगो राम—(क) चरखे पर कता हुआ सूत, गलाए गए छिलकों से निकाले गए प्राकृतिक चमकीले सुनहरे रंग के अच्छे साफ किए गए लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें बहुत कम या कोई भूसा या छिलका न हो और रेत के विभिन्न प्रतिशत हों, थोड़ा सा रेशेदार, सख्त ऐंठा हुआ—अन्जेंगो “ए” सूत के एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों, अधिक सख्त ऐंठे हुए इस प्रकार “सख्त ऐंठे हुए सूतों के” अधीन आने वाली सभी किस्मों से अन्जेंगो “एम” बहुत सख्त ऐंठा हुआ, अन्जेंगो “ए” से मोटा और ऐंठ में भी कम एकसा, स्पर्श में सख्त और खुरदरा : अन्जेंगो “ए” सूत से प्रायः मोटा कता हुआ—10 से 15 तक के स्कोरेजों के रेंज में ।

(ख) चरखे पर कता हुआ सूत, गलाए हुए छिलकों से निकाले गए प्राकृतिक रक्ताभ भूरे से नीलाभ भूरे रंग के साफ किए गए लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें थोड़ा सा भूसा या छिलका और रेत के विभिन्न प्रतिशत हों, थोड़ा सा रेशेदार, सख्त ऐंठा हुआ—अन्जेंगो “ए” सूत से सूत का एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों, अधिक सख्त ऐंठे हुए, इस प्रकार “सख्त ऐंठे हुए सूतों के” अधीन आने वाली सभी किस्मों से अन्जेंगो—एम बहुत सख्त ऐंठा हुआ, अन्जेंगो “ए” से मोटाई और ऐंठ में भी कम एकसा, स्पर्श में सख्त और खुरदरा, अन्जेंगो—ए सूतों से प्रायः अधिक मोटा कता हुआ—10 से 15 तक के स्कोरेजों में, (अन्जेंगो एम (क) की तुलना में अधिक खुरदरा)

3. एराटोरी—(क) चरखे पर कता हुआ सूत, गलाए हुए छिलकों से निकाले गए और थोड़ा सा रक्ताभ भूरे से नीलाभ भूरे रंग के लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसा, छिलका और रेत की भी बहुत कम मात्रा हो, पर्याप्त मात्रा में रेशेदार, उचित रूप से रेशे न निकाले हुए तन्तु अन्जेंगो—ए और अन्जेंगो—एम से देखने में थोड़ा अधिक मैला, सख्त ऐंठा हुआ, किन्तु एकल रेशा मुलायम रूप से ऐंठा हुआ, किन्तु सूत की दो लड़ें सख्त ऐंठी हुई, किन्तु अन्जेंगो—ए या अन्जेंगो—एम सूतों से थोड़ा सा कम सख्त—इस प्रकार “सख्त ऐंठे हुए सूतों के” अधीन आने वाली सभी किस्मों से सब से कम सख्त ऐंठा हुआ, एराटोरी, अन्जेंगो—ए या अन्जेंगो—एम सूतों से ऐंठ में अधिक अनियमित, प्रायः 11 से 18 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

(ख) चरखे पर कता हुआ सूत, गलाए हुए छिलकों से निकाले गए और रक्ताभ भूरे से नीलाभ धूसर रंग के लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसा, छिलका और रेत की भी विभिन्न मात्राएं हों, पर्याप्त मात्रा में रेशेदार, उचित रूप से रेशे

न निकाले हुए तन्तु, अन्जेंगो—ए और अन्जेंगो—एम से देखने में थोड़ा अधिक मैला, सख्त ऐंठा हुआ—एकल रेशा मुलायम रूप से ऐंठा हुआ किन्तु सूत की दो लड़ें सख्त ऐंठी हुई किन्तु अन्जेंगो—ए या अन्जेंगो—एम सूतों से थोड़ा कम सख्त, इस प्रकार “सख्त ऐंठे हुए” सूतों के अधीन आने वाली सभी किस्मों से एराटोरी सब से कम सख्त ऐंठा हुआ, अन्जेंगो—ए या अन्जेंगो—एम सूतों से ऐंठ में अधिक अनियमित, प्रायः 11 से 18 तक के स्कोरेजों के रेंजों में कता हुआ ।

4. मंगादान—के चरखे पर कता हुआ सूत : गलाए हुए साथ ही साथ भागतः गलाए हुए छिलकों से निकाले गए और प्राकृतिक चमकीले से थोड़ा रक्ताभ भूरे और नीलाभ भूसर रंग के लम्बे या मध्यम रेशेदार कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसा और रेत की विभिन्न मात्राएं हों, उचित रूप से रेशे न निकाले हुए तन्तु, देखने में अन्जेंगो—एम इतना अच्छा नहीं, सख्त ऐंठा हुआ, किन्तु अन्जेंगो—एम से थोड़ा कम सख्त, रेशेदार, अन्जेंगो—एम के बराबर ऐंठ में नियमित नहीं, 10 से 15 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

5. इमिटेशन एलपेट/अष्टमुडी/कहवा—(क) चरखे पर कता हुआ सूत : गलाए हुए छिलकों से कम साफ किए गए कयर तन्तुओं से, अन्जेंगो—ए, अन्जेंगो—एम, एराटोरी या रीयल एलपेट से प्रायः अधिक मोटा कता हुआ, रंग में भूरा-सा से धूसराभ तक जिसमें रेत, छिलका और छोटे तन्तुओं की कम मात्रा हो, अन्जेंगो—ए या अन्जेंगो—एम की तुलना में देखने में रेशेदार और कम साफ, स्पर्श में थोड़ा-सा सख्त, किन्तु प्रायः ग्रन्थी में उलझे हुए और आड़े-तिरछे प्रकार में तन्तु, मध्यम से मुलायम तक ऐंठा हुआ प्रायः 8 से 13 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

(ख) चरखे पर कता हुआ सूत : गलाए हुए छिलकों से निकाले गए कम साफ किए गए कयर तन्तुओं से अन्जेंगो—ए, अन्जेंगो—एम, एराटोरी या रीयल एलपेट से प्रायः अधिक मोटाई में कता हुआ, रंग में गहरा भूरे से गहरे धूसर तक, जिसमें रेत की अच्छी मात्रा, छिलका और छोटे तन्तुओं की विभिन्न मात्राएं हों रेशेदार और देखने में मलिन, स्पर्श में सख्त, प्रायः ग्रन्थी में उलझे हुए और आड़े-तिरछे प्रकार में तन्तु मध्यम से मुलायम तक ऐंठा हुआ, प्रायः 8 से 13 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

6. रीयल एलपेट—(क) “मुलायम ऐंठे हुए” सूतों के वर्ग के अधीन आने वाले, गलाए हुए छिलकों से निकाले गए और चमकीले सुनहरे रंग से चमकीले भूरे या धूसर रंग के कयर तन्तुओं से चरखे पर और हाथ से, दोनों से रीयल एलपेट कता है । हाथ से कता हुआ सूत, स्पर्श में अधिक मुलायम और ऐंठ में अधिक एक-सा, जिसमें कम या बिल्कुल भूसा न हो : मुलायम पोत का होता है और रेशेदार नहीं होता, मुलायम रूप से ऐंठा हुआ, एकल रेशे और दो लड़ें दोनों, मुलायम रूप से ऐंठे हुए सूत की मोटाई असाधारण रूप से एक सी है और सूत एक-सा ऐंठा हुआ है, प्रायः 11 से 15 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

(ख) चरखे और हाथ से दोनों से, कता हुआ, कम सीधे गए या अपर्याप्त रूप से गलाए हुए छिलकों से निकाले गए और

रक्ताभ भूरे से नीलाभ धूसर रंग के कयर तन्तुओं से मुलायम रूप से ऐंठा हुआ सूत, जिसमें कम भूसा हो, देखने में अधिक अधिक रेशेदार नहीं हो, अच्छी तरह से रेशा न निकाले हुए तन्तु और इसलिए सूत में ग्रन्थियां होती हैं, मुलायम से मध्यम तक ऐंठा हुआ सूत की मोटाई साधारणतया एक-सी है और सूत एक-सा ऐंठा हुआ है, प्रायः 11 से 15 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

7. वायकम (बीबिंग). —(क) गलाए हुये छिलकों से निकाले गये उचित रूप से अच्छी तरह साफ किए गए चमकीले रंग के कयर तन्तुओं से हाथ से और चरखे पर दोनों से विशेष रूप से दूसरे द्वारा, कता हुआ सूत, देखने में बहुत मुलायम पोत के वैशिष्ट्य का, जिसमें भूसा, छिलके और रेत की कम मात्राएँ हों किन्तु मैला नहीं हो, थोड़ा-सा रेशेदार, देखने में मुलायम और चमकीला, मोटाई और ऐंठ में उचित रूप से एक-सा, अन्जेंगों-ए के जैसा अच्छी तरह से रेशे न निकाले गए तन्तु और इसलिये सूत के रेशों में उलझे हुये तन्तुओं की ग्रन्थियां बहुधा पायी जाती हैं, मुलायम रूप से ऐंठा हुआ-एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों मुलायम रूप से ऐंठे हुये, प्रायः 11 से 17 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

(ख) गलाए हुए छिलकों से निकाले गये अच्छी रीति से साफ न किए गए रक्ताभ भूरे से कालाभ धूसर रंग के कयर तन्तुओं से हाथ से और चरखे पर, दोनों से, विशेष रूप से दूसरे द्वारा, कता हुआ सूत देखने में अधिक मुलायम पोत के वैशिष्ट्य का, जिसमें भूसा, छिलके, छोटे तन्तुओं और रेत की विभिन्न मात्राएँ हों, कुछ-कुछ रेशेदार, मोटाई और ऐंठ में एक-सा नहीं हो, अच्छी तरह से रेशा नहीं निकाले गये तन्तु, इसलिये सूत की लड़ों में उलझे हुये तन्तुओं की ग्रन्थियां बहुधा पायी जाती हैं, मुलायम रूप से ऐंठा हुआ एकल रेशे और दो लड़ें, दोनों मुलायम रूप से ऐंठे हुये, प्रायः 11 से 17 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

8. बीब—हाथ से कता हुआ सूत : कम सोखे गये या अपर्याप्त रूप से गलाए हुए छिलकों से निकाले गए निम्न प्रकार के कयर तन्तुओं से कता हुआ, तन्तु अपर्याप्त रूप से साफ किए गए और रंग में अधिक रक्ताभ भूरा जिसमें भूसे की बहुत अधिक मात्रा हो किन्तु रेत नहीं हो, तन्तु खुले न किए जाने की दशा में होते हुये सूत में एक दूसरे से जकड़े हुये होते हैं और साथ ही बहुत अधिक मात्रा में भूसा भी होता है, कम या बिल्कुल रेशेदार नहीं, एक प्रकार से न ऐंठे हुये एकल रेशा के साथ बहुत मुलायम रूप से ऐंठा हुआ, प्रायः 9 से 14 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

9. कम सोखे गये (हार्ड आसकड).—एक प्रकार से न सोखे गये कयर तन्तुओं के हाथ से कता हुआ सूत, जिसमें न सोखे गए फाइन क्वालिटी के सूत से भूसे की मात्रा बहुत अधिक हो, न सोखे गए फाइन किड्टी के सूत से रंग में अधिक रक्ताभ बहुत कम रेशेदार, “न सोखे गए” सूत के प्रकारों में अधिक बजना-दार, सख्त ऐंठा हुआ : प्रायः 9 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

10. रस्ता (र पिग).—हाथ से कता हुआ सूत, अपर्याप्त रूप से गलाये गये हुये छिलकों से निकाले गये और कम साफ किए गए कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसे की विभिन्न मात्राएँ हों, असाधारण मोटाई उसका वैशिष्ट्य है, देखने में मलिन, बहुत कम रेशेदार, प्रायः 4 से 6 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

11. बेपर.—हाथ से कता हुआ सूत : अपर्याप्त रूप से गलाए हुये छिलकों से निकाले गए कयर तन्तुओं से कता हुआ, नीलाभ भूरे रंग का : रोपिंग के अधिक पतले प्रकारों से मोटाई में तुलनीय, जिसमें भूसे और छिलकों की कम मात्राएँ हों, सूतों की निम्न किस्मों के अन्य प्रकारों से कम मैला, प्रायः 6 से 9 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

12. किलाण्डी.—हाथ से कता हुआ सूत : गलाए हुए छिलकों से निकाले हुए बहुत अच्छी तरह से साफ किए गए कयर तन्तुओं से कता हुआ, रंग में प्राकृतिक चमकीले मुनहरे रंग से भूरे रंग तक, देखने में आर पोत में अप्टमुडी के समान, तन्तुओं को अपर्याप्त रूप से निकाले जाने के कारण वे सूत में एक दूसरे के साथ गुथे हुये बहुधा भूसे के साथ, मोटाई में एकसा, प्रायः 8 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

13. अससकड फाइन.—बीच सूत से बिल्कुल मिलता-जुलता सूत और उसके लिए बहुधा प्रतिस्थापित में न सोखा हुआ फाइन सूत, एक प्रकार से न सोखे गए दूधिया-मलिन पीले रंग से स्याह रक्ताभ भूरे रंग तक के कयर तन्तुओं से हाथ से कता हुआ सूत : भूसे की बहुत अधिक मात्रा जिसका वैशिष्ट्य हो, जो बीच सूत में पाई गई मात्रा से अधिक हो : बहुत कम रेशेदार, मुलायम रूप से ऐंठा हुआ एकाध रेशे में एक प्रकार से ऐंठा हुआ—किन्तु बीच से थोड़ा सा अधिक सख्त ऐंठा हुआ, प्रायः 9 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

14. 3—प्लाड (लड़ें).—तीन लड़ों वाला चरखे पर कता हुआ सूत, अपर्याप्त रूप से गलाये हुये छिलकों से निकाले गये और अच्छी तरह से साफ न किए हुए कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसे की विभिन्न मात्राएँ हों, पतले किस्म के रोपिंग सूत से मोटाई के लक्षण में तुलनीय, रेशेदार और सख्त ऐंठा हुआ, स्पर्श में मखन और खुरदरा, प्रायः 4 से 8 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

15. एकल लड़ (सिगल प्लाड).—केवल एक लड़ वाला चरखे पर कता हुआ सूत, पर्याप्त रूप से गलाए हुये छिलकों से निकाले गये और अच्छी तरह से साफ किए गए कयर तन्तुओं से कता हुआ जिसमें केवल भूसे की कम मात्रा हो, जिसकी विशेषता उसकी मोटाई और रोपदार रूप है, मध्यम रूप से ऐंठा हुआ और अधिक रेशेदार, प्रायः 16 से 20 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

16. न साया गया (अनसोबड).—अपूर फाइन सूत-हाथ से कता हुआ सूत : एक प्रकार से न सोखे गये हुये छिलकों से निकाले

गया, साफ कयर तन्तु से कता हुआ, रंग में मुनहरा पीला, न सोखी गई फाइन क्वालिटी से कुछ अधिक रेशेदार, जिसमें भूसे की अत्यल्प या कुछ भी मात्रा न हो, मध्यम रूप से ऐंठा हुआ, अर्थात् न सोखी गई फाइन क्वालिटी से अधिक सख्त ऐंठा हुआ किन्तु न सोख गई सख्त क्वालिटी से अधिक सख्त ऐंठा हुआ किन्तु न सोखी गई सख्त क्वालिटी से अधिक मुलायम, प्रायः 9 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

17. एडाइन—हाथ से कता हुआ सूत : अपर्याप्त रूप से गलाये गए छिलकों से निकाले गए कम साफ किए हुये कयर तन्तुओं से कता हुआ, जिसमें भूसे की विभिन्न मात्राएँ हों, पतली रोपिंग किस्म से तुलनीय, देखने में मलिन कम रेशेदार, प्रायः 6 से 9 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

18. मन्मंगडन—चरखे पर कता हुआ सूत : गलाए हुए छिलकों से निकाले गए लम्बे या मध्यम रेशेदार तन्तुओं से कता हुआ, रक्ताम भूरे से नीलाम धूसर तक के रंग का, जिसमें कम भूसा या छिलके और रेत के अधिक प्रतिशत हों, देखने में रेशेदार, सूत का एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों सख्त ऐंठे हुए, मोटाई में और ऐंठ में भी कम, स्पर्श में मख्त और खुरदरा, प्रायः 8 से 10 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

19. पेहर—चरखे पर कता हुआ सूत : गलाए हुए छिलकों से निकाले हुए हल्के मुनहरे से रक्ताम भूरे या नीलाम-धूसर रंग के अच्छी तरह से साफ किए हुए लम्बे या मध्यम रेशेदार तन्तु से कता हुआ, जिसमें भूसा या छिलके बहुत कम या कुछ भी न हों, सख्त ऐंठा हुआ, सूत का एकल रेशा और दो लड़ें दोनों, सख्त ऐंठे हुए, इस प्रकार अल्जेन्गो-एम से भी अधिक सख्त ऐंठा हुआ, जिसमें रेत के विभिन्न प्रतिशत हों, रेशेदार और मोटाई में भी कम, एक-सा स्पर्श में सख्त और खुरदरा, प्रायः 6 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

20. एलेप्पी बायकम (थुदम्पु बायकम).—हाथ से कता हुआ सूत : विभिन्न किस्मों के कयर सूत के टुकड़ों से निकाले गये तन्तु से कता हुआ, मुलायम रूप से ऐंठा हुआ, सूत का एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों, मुलायम रूप से ऐंठे हुए, अधिक रेशेदार, जिसमें रेत के विभिन्न प्रतिशत हों, (सूत के अन्य किस्मों के साथ तुलना में जिसमें टूट जाने की शक्ति कम हो) प्रायः 8 से 12 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

21. मामूली बंगी सूत.—चरखे पर कता हुआ सूत : डाब के उचित रूप से न गलाए गए छिलकों से निकाले गए साफ-सुथरे, छोटे या माध्यम रेशेदार कयर तन्तु से कता हुआ, रंग में रक्ताम-भूरा, जिसमें कम या कुछ भी भूसा न हो, कम रेशेदार, अल्जेन्गो-ए से ऐंठ में थोड़ा सा फिलता-जुलता, किन्तु देखने में कुछ मैला, सूत का एकल रेशा और दो लड़ें, दोनों, सख्त ऐंठे हुए, लगभग एक सा कता हुआ और एक सा ऐंठा हुआ, प्रायः 12 से 18 तक के स्कोरेजों के रेंज में कता हुआ ।

साधारण आवश्यकताएं—क्रेता द्वारा यथाव्यपित किसी विशिष्ट किस्म के सूत का साधारण लक्षण प्रामाण्यतः व्यापारियों द्वारा समझे गए वर्णन के अनुरूप और परिभाषाओं में यथावर्णित

होंगे । क्रेता द्वारा की गई घोषणा में व्यौरेवार वर्णन होंगे या प्रातिनिधिक नमूनों के साथ सूत की व्यापारी किस्मों के प्रति या ऐसे नमूनों के बिना सूत की व्यापारी किस्मों के प्रति, निर्देश होगा सूत एकसा कता हुआ और एकसा ऐंठा होगा ।

विशिष्ट आवश्यकताएँ

1. संरचना-सूत समुचित रूप से एक सी संरचना और रंग का होगा । कताई और जोड़ की त्रुटियों की संख्या के लिए सस्यता कुण्डलियों तथा डोलों के रूप में सूत के लिए नीचे दी गई सारणी संख्या 1 के अनुसार होगी ।

सारणी सं० 1

सूत की किस्म	प्रति निर्धारित	प्रति निर्धारित
	लच्छी कताई की त्रुटियाँ	लच्छी जोड़ की त्रुटियाँ
1	2	3
अन्जंगो ए	2	1
अन्जंगो एम	2	1
एराटोरी	3	2
मंगादान के०	3	2
इमिटेशन एलपट/अष्टमुडी/केरवा	3	2
रीयल एलपेट	3	3
बायकोम (बीबिंग)	3	3
बीच	3	3
हार्ड अनसोक्ड	3	3
रोपिंग	3	3
बेपोर	2	2
क्विलाण्डी	2	2
फाइन अनसोक्ड	3	3
3-प्लाई	3	3
सिंगल प्लाई	3	—
सुपर फाइन अनसोक्ड	3	3
एडाइन	2	2
मन्मंगडन	2	1
पेहर	2	1
एलेप्पी बायकोम (थुदम्पु बायकोम)	3	3
मामूली बंगी सूत	2	1

यह सूत जोड़ा नहीं होता है किन्तु इसमें केवल गांठ लगाई जाती है । देशी लच्छियों के रूप में सूत को कताई और जोड़ की त्रुटियों की संख्या में सस्यता विक्रेता और क्रेता के बीच पाये गये करार के अनुसार होगा ।

2. (1) बाह्य पदार्थ से मुक्ति :—सूत बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा और लवण, रेत और वैसे ही जैसे मिश्रण से उचित रूप से मुक्त होगा ।

(2) आद्रता की अन्तर्वस्तु :—समुद्र जल सूत और मीठा जल सूत में आद्रता की अन्तर्वस्तु सूखे मौसम और वर्षा की मौसम में नीचे दी गई सारणी संख्या 2 में विहित सीमाओं से अधिक नहीं होगी।

सारणी संख्या 2

सूत की किस्म	मौसम के वर्षा के सूखे वर्षा के दौरान मौसम मौसम के मौसम के समुद्र जल के दौरान समुद्र-जल मीठा जल मीठा सूत की आद्रता की अन्तर्वस्तु का प्रतिशत	सूत का आद्रता की अन्तर्वस्तु का प्रतिशत	सूत की आद्रता की अन्तर्वस्तु का प्रतिशत	जल सूत की आद्रता की अन्तर्वस्तु का प्रतिशत
1	2	3	4	5
अर्न्जेंगो ए	. 16	20	15	17
अर्न्जेंगो एम	. 18	22	17	19
एराटोरी	. 15	19	14	16
मंगादान के०	. 14	18	13	15
इमिटेशन/एलपेट/अष्टमुंडी/केरुवा	. 16	23	14	16
रीयल एलपेट	. 14	18	13	15
बायकोम (बीबिंग)	. 15	20	13	15
बीच	. —	—	13	15
हार्डअनसोकड	. —	—	13	15
रोपिंग	. 15	22	13	15
बेपोर	. 16	23	15	17
क्विलाण्डी	. 16	23	15	17
फाइन अनसोकड	. —	—	13	15
3-प्लाइ	. 15	19	13	15
सिंगल प्लाइ	. 14	18	13	15
सुपर फाइन अनसोकड	. —	—	13	14
एडावनन	. 16	23	15	17
मश्रुमांगडन	. 18	22	17	19
पेरुर	. 18	22	17	19
एलेप्पी बायकोम (थुरुम्पु-बायकोम)	. 15	20	13	15
मामूली बागो सूत	. —	—	13	15

† इस प्रयोजन के लिए वर्षा के मौसम से एक जून से पन्द्रह अगस्त तक की अवधि अभिप्रेत है। यह अवधि नियत निरीक्षण परिषद् द्वारा जारी किये गये निदेशों पर विभिन्न स्थलों में विद्यमान मौसमी दशाओं पर अवलंबित होते हुए तीस नवम्बर तक बढ़ायी जा सकेगी।

(3) लवण अन्तर्वस्तु :—समुद्र जल सूत और मीठा जल सूत में लवण अन्तर्वस्तु नीचे दी गई सारणी संख्या 3 में विहित सीमाओं से अधिक नहीं होगी।

सारणी संख्या 3

सूत की किस्म	समुद्र जल सूत लवण अन्तर्वस्तु (प्रतिशत)	मीठा जल सूत लवण अन्तर्वस्तु (प्रतिशत)
1	2	3
अर्न्जेंगो ए	. 5	4
अर्न्जेंगो एम	. 6	5
एराटोरी	. 4	3
मंगादान के०	. 4	3
इमिटेशन ए पेट/अष्टमुंडी/केरुवा	. 7	5
रीयल एलपेट	. 4	3
बायकोम (बीबिंग)	. 5	3
बीच	. 2	1
हार्ड अनसोकड	. 2	1
रोपिंग	. 7	5
बेपोर	. 6	5
क्विलाण्डी	. 6	5
फाइन अनसोकड	. 2	1
3-प्लाइ	. 7	5
सिंगल प्लाइ	. 4	3
सुपर फाइन अनसोकड	. 2	1
एडावनन	. 6	5
मश्रुमांगडन	. 6	5
पेरुर	. 6	5
एलेप्पी बायकोम (थुरुम्पु बायकोम)	. 5	3
मामूली बागो सूत	. 2	1

(4) रेत की अन्तर्वस्तु :—समुद्र जल सूत या मीठा जल सूत में रेत की अन्तर्वस्तु नीचे विहित सारणी संख्या 4 में विहित सीमाओं से अधिक नहीं होगी।

सारणी संख्या 4

किस्म	रेत, अन्तर्वस्तु (प्रतिशत)
1	2
अर्न्जेंगो ए	. 0.5
अर्न्जेंगो एम	. 0.5

1	2	3
एरादोरी	.	1.0
मंगादान के०	.	0.5
इमिटेशन एस्पेट/अष्टमंडी/केरुवा	.	0.5
रीयल एस्पेट	.	0.5
बायकोम	.	0.5
बीच	.	0.5
हार्ड अनसोख्ड	.	0.5
रोपिंग	.	0.5
बेपोर	.	0.5
स्त्रिलाण्डी	.	0.5
फाइन अनसोख्ड	.	0.5
3-प्लाह	.	0.5
सिंगल प्लाह	.	1.0
सुपर फाइन अनसोख्ड	.	0.5
एडावनन	.	0.5
मल्लमांगडन	.	2.5
पेरर	.	0.5
ऐलेप्पी बायकोम (युरुम्पु बायकोम)	.	0.5
मामूली बोंगो सूत	.	0.5

[सं० 60(19)/69-इ०आई०ई०पी०]

S.O. 1131.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Export of Non-baled Coir Yarn (Inspection) Rules, 1972.

(2) They shall come in to force on the 3rd June 1972.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires:—(a) "Agency" means any one of the Export Inspection Agencies, recognised under section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);

(b) "Non-baled coir yarn" means the different varieties of coir yarn spun out of coir fibres and exported in non-baled form.

3. Basis of Inspection.—Inspection of non-baled coir yarn intended for export shall be carried out with a view to seeing that the non-baled coir yarn conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), (hereinafter referred to as the recognised specification).

4. Procedure of Inspection.—(2) Any exporter intending to export non-baled coir yarn shall give intimation in writing of his intention so to do to the nearest office of the Agency declaring the particulars of the consignment intended to be exported to enable it to carry out inspection in accordance with rule 3.

(2) Every intimation and declaration under sub-rule (1) shall be submitted not less than seventy two hours before the expected time of despatch of the consignment.

(3) On receipt of the intimation and declaration referred to in sub-rule (2), the Agency shall arrange to carry out inspection with a view to satisfying itself that the consignment of non-baled coir yarn complies with the recognised specifications.

(4) If on inspection the consignment is observed to conform to the requirements of rule 3, it shall be sealed in the presence of the Inspecting Officer authorised in this behalf by the Agency.

5. Place of inspection.—The inspection shall be carried out at the premises of the exporter or at the port of shipment.

6. Certificate of Inspection.—After satisfying itself that the consignment of the non-baled coir yarn has complied with the recognised specifications and has been sealed in accordance with the instructions issued in this behalf, the Agency shall issue a certificate declaring the consignment export-worthy.

7. Inspection fee.—A fee at the rate of 10 paise for every one hundred rupees or fraction thereof of the F.O.B. value of each consignment shall be paid as inspection fee under these rules.

8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal to issue a certificate under rule 6, may, within ten days of receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three persons as may be constituted by the Central Government for the purpose.

(2) The quorum of the panel shall be three.

(3) The decision of the panel on such appeal shall be final.

[No. 60(19)/69-EIEP.]

का०आ० 1131 निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निम्नलिखित नियम एतद्वारा बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम बिना गांठ के कयर सूत का निर्यात (निरीक्षण) नियम, 1972 होगा ।

2. ये 3 जून, 1972 को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं :—इन नियमों में जहाँ तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,

(क) "अभिकरण" से निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 के अधीन मान्यताप्राप्त निर्यात निरीक्षण अभिकरणों में से कोई एक अभिकरण अभिप्रेत है :

(ख) "बिना गांठ का कयर सूत" से कयर तन्तुओं में कता हुआ और बिना गांठ के रूप में निर्यात किया गया विभिन्न किस्म का कयर सूत अभिप्रेत है ।

3. निरीक्षण का आधार :—निर्यात के लिए अशयित बिना गांठ के कयर सूत का निरीक्षण यह देखने की दृष्टि से किया जाएगा कि बिना गांठ का कयर सूत निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण)

और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त विनिर्देशों के (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् मान्यताप्राप्त विनिर्देश कहा गया है) अनुरूप हों।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया:—(1) बिना गांठ के कयर सूत का निर्यात करने के लिए आशय रखने वाला कोई निर्यातकर्ता ऐसा करने के अपने आशय की लिखित प्रज्ञापना निर्यात किए जाने के लिए आशयित परेषण की विशिष्टियां घोषित करते हुए देगा ताकि वह नियम 3 के अनुसार निरीक्षण करने में समर्थ हो सके।

(2) उप-नियम (1) के अधीन प्रत्येक प्रज्ञापना और घोषणा परेषण के भेजने के प्रत्यक्षित समय के कम से कम 72 घंटे पूर्व भेज दी जाएगी।

(3) उप-नियम (2) ; निरिष्ट प्रज्ञापना और घोषणा की प्राप्ति पर अभिकरण अपना यह समाधान करने की दृष्टि से निरीक्षण करने की व्यवस्था करेगा कि बिना गांठ के कयर सूत का परेषण मान्यताप्राप्त विनिर्देश के अनुरूप है।

(4) यदि निरीक्षण पर यह देखा गया कि परेषण नियम 3 की आवश्यकताओं के अनुरूप है तो अभिकरण द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत निरीक्षण अधिकारी की उपस्थिति में उसे सील किया जाएगा।

5. निरीक्षण का स्थान:—निरीक्षण निर्यातकर्ता के परिसर में या नौभरण के पत्तन पर किया जाएगा।

6. निरीक्षण का प्रमाणपत्र:—अपना समाधान करने के पश्चात् कि बिना गांठ के कयर सूत के परेषण ने मान्यताप्राप्त विनिर्देश का अनुपालन कर लिया है और उसे इस निमित्त जारी किये गये अनुदेशों के अनुसार सील किया गया है तो, अभिकरण यह घोषणा करते हुए प्रमाणपत्र जारी करेगा कि परेषण निर्यात-योग्य है।

7. निरीक्षण फीस:—प्रत्येक परेषण के पोत पर्यन्त निःशुल्क मूल्य के एक सौ रुपये या उसके भाग के लिए दस पैसे की दर पर फीस इन नियमों के अधीन निरीक्षण फीस के रूप में संदस्त की जाएगी।

8. अपील:—(1) नियम 6 के अधीन प्रमाणपत्र जारी करने इंकार से व्यथित कोई व्यक्ति, उसके द्वारा ऐसे इंकार की संसूचना की प्राप्ति के दस दिन के भीतर कम से कम तीन व्यक्तियों से मिल कर बने विशेषज्ञों के पैनल को, जो इस प्रयोजन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा गठित किया जाए, अपील कर सकेगा।

(2) पैनल की गणपूर्ति तीन होगी

(3) ऐसी अपील पर पैनल का विनिश्चय अन्तिम होगा।

[सं० 60(19)/69 ई०आई०ई०पी०]

S.O. 1132.—In exercise of the powers conferred by section 7 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby recognises the following Export Inspection Agencies for the inspection of non-baled cotton yarn prior to export, namely:—

1. Export Inspection Agency-Cochin, 'Manohar Building' Mahatma Gandhi Road, Ernakulam, Cochin-11.
2. Export Inspection Agency-Madras, 'Sire Mansion' 123, Mount Road, Madras-6.
3. Export Inspection Agency-Calcutta, 'World Trade Centre', 14/1-B, Ezra Street (4th floor), Calcutta-1.
4. Export Inspection Agency-Bombay, 'Mani Mahal', 11/21, Mathew Road, Bombay-4.
5. Export Inspection Agency-Delhi, 6B/9, Northern Extension Area, Rajender Nagar New Delhi-5.

[No. 60(19)/69-ETEP.]

M. K. B. BHATNAGAR, Dy. Director.
Export Promotion).

का० प्र० 1132 निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, निर्यात के पूर्व बिना गांठ के कयर सूत के निरीक्षण के लिए निम्नलिखित निर्यात अभिकरणों को एतद्वारा मान्यता देती है, अर्थात्:—

1. निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कोचीन,
"मनोहर फिडिंग" महात्मा गांधी रोड,
एर्नाकुलम, कोचीन-11.
2. निर्यात निरीक्षण अभिकरण-मद्रास,
"सायर मान्सन", 123, माउण्ट रोड,
मद्रास-6.]
3. निर्यात निरीक्षण अभिकरण-कलकत्ता,
"वर्ड ट्रेड सेंटर", 14/1-बी, एजरा स्ट्रीट
(चौथी मंजिल) कलकत्ता-1.
4. निर्यात निरीक्षण अभिकरण-मुंबई,
"मणी महल", 11/21, मैथ्यू रोड,
मुंबई-4.
5. निर्यात निरीक्षण अभिकरण-दिल्ली,
6 बी/9, नार्दन ए.स्टेशन एरिया,
राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली-5.

[सं० 60(19)/69 ई०आई०ई०पी०]

एम० के० बी० भटनागर,
उप-निदेशक (निर्यात प्रोमोति)।

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 28th Feb. 1972

S.O. 1133.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned, in the Schedule hereto annexed;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal there in,

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the National Coal Development Corporation Limited Revenue Section), Darbhanga House Ranchi or at the office of the Collector Bilaspur (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in subsection (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House Ranchi within 90 days from due date of publication of this notification.

SCHEDULE

JATRA BLOCK

Korba Coalfield

Drawing No. REV/42/71
Dated 23-8-1971.

Sl. No.	Village	Tahsil	Halka No.	Khewat No.	District	Area	Remarks
1.	Geora	Katghora	5	91	Bilaspur.		Part.
2.	Naraibad	"	"	"	"		"
3.	Bhathira	"	"	"	"		"
4.	Barbhatha	"	"	"	"		"
5.	Pandripani	"	"	"	"		"
6.	Salora	"	"	"	"		"
7.	Khodri	"	"	"	"		Full
8.	Barpali	"	5	96	"		Part
9.	Durpa	"	9	118	"		"
10.	Risd	"	"	"	"		"
11.	Churel	Katghora	"	"	Bilaspur.		Part
12.	Wullapur	"	"	"	"		Full.
13.	Barkuta	"	"	"	"		Full.
14.	Pali	"	"	"	"		Part
15.	Padania	"	"	"	"		Part.
16.	Jatraj U. S.	"	9	"	"		Full.
17.	Sonpuri	"	"	"	"		Part.
18.	Khairbhaona	"	"	"	"		Part.

{ Total Area: 5920.00 acres (approximately).
or: 2395.71 Hectares (approximately).

BOUNDARY DESCRIPTION

A—B Line passes along with part common boundary of villages Geora and Mangaon and meets at point 'B'.

B—C Line passes along the part common boundary of villages Geora and Mangaon, through village Naraibad and Bhathira (i.e. Eastern boundary of Kosmanda Block notified under section 9(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) 1957 vide SO. No. 150 dated 4-1-1964) and meets at point 'C'.

C—D Line passes through village Bhathira and meets at point 'D'.

D—E Line passes through villages Bhathira, Naraibad, Barbhatha, Pandripani, Salora, Churel, along the part common boundary of villages Risd and Amgaon, through villages Risd Pali, Padania, Khairbhaona and Sonpuri and meets at point 'E'.

E—F Line passes along the left bank of River Hasdo in villages Sonpuri Jatraj and Durpa.

F—G—A Lines pass through villages Durpa, Barpali and Geora and meet at point 'A'.

[No. F. 2(4)/71-C.3].

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1972

का० प्रा० 1133:—यतः केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में से कोयला अभिप्राप्त होने की संभावना है ;

अतः, खब कोयला खनन क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उसमें कोयले के लिए दुरुक्षण करने के अपने अभिप्राय की सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षक राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व

अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय अथवा कलकत्ता, बिलासपुर (मध्यप्रदेश) के कार्यालय में अथवा कोयला नियंत्रक 1, फाउन्डमल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यक्रम में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितबद्ध

मभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्देशित समस्त मानचित्र, चार्ट और अन्य दस्तावेज, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख में 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाउस रांची को परिदत्त करेंगे।

अनुसूची

जटराज खाण्ड

कोरवा कोयला क्षेत्र

ड्राइंग संख्या—राजस्व/42/71

तारीख 23 अगस्त, 1971

क्रम संख्या	ग्राम	तहसील	हलका संख्या	खोबट संख्या	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियां
1	गेओरा	कटघोड़ा	5	91	बिलासपुर	भाग	
2	नरार्डबाद	"	"	"	"	"	"
3	भथिरा	"	"	"	"	"	"
4	बारभट्टा	"	"	"	"	"	"
5	पडिपणि	"	"	"	"	"	"
6	नलौरा	"	"	"	"	"	"
7	खोडि	"	"	"	"	"	सम्पूर्ण
8	बरपाली	"	5	96	"	"	भाग
9	हुर्पा	"	9	118	"	"	भाग
10	रिसदी	"	"	"	"	"	"
11	चुरेय	"	"	"	"	"	"
12	हुल्लापुर	"	"	"	"	"	सम्पूर्ण
13	बरकुटा	"	"	"	"	"	"
14	बाली	"	"	"	"	"	भाग
15	पदनिया	"	"	"	"	"	"
16	जटराज यु० एम०	"	9	"	"	"	सम्पूर्ण
17	मोनपुरी	"	"	"	"	"	भाग
18	खेरभोता	"	"	"	"	"	भाग

कुल क्षेत्र 5920.00 एकड़ (लगभग)

अथवा 2395.71 हेक्टेयर (लगभग)

सीमा वर्णन

- क—ख लाइन ग्राम गेओरा और मनगाव की भागत साभान् सीमा से होकर गुजरती है और बिन्दु 'ख' पर मिलती है।
- ख—ग लाइन ग्राम गेओरा और मनगाव की भागत साभान् सीमा से, ग्राम नरार्ड बाद और मथेरा से (अर्थात् कोयला वाले क्षेत्र अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 (1) के अधीन का० आ० संख्या 150 तारीख 4-1-1964 द्वारा अधिसूचित कमभान् खण्ड की पूर्वी भाग सीमा होकर गुजरती है और बिन्दु 'ग' पर मिलती है।
- ग—घ लाइन ग्राम मथेरा से होकर गुजरती है और बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

- घ—ङ लाइन ग्राम भेयरा, नराईवाड, बरभटा, पडिमाणि, सनोरा, चुंदर मे, ग्राम रिजदी और ग्रनांभ को भागत मावाय मौवा से, ग्राम रिमदी, पाली, पदानि गा, खेरभोना, और सोनपुरी से होकर गुजरती है और बिन्दु 'ङ' पर मिलती है।
- झ—च लाइन ग्राम सोनपुरी, जटराज और खुर्पा में इस दो नदी के बायें किनारे से होकर गुजरती है।
- ख—छ—क लाइन ग्राम दुर्पा, बरपाली और गेओरा से होकर गुजरती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[मं० फ० 2(4)/71-को 3]

S.O. 1134.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the National Coal Development Corporation Limited Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi or at the office of the Collector, Nagpur (Maharashtra) or at the office of the Coal Controller, Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, National Coal Development Corporation Limited, Darbhanga House, Ranchi within 90 days from due date of publication of this notification.

DRG No. Rev./43/71.
Date 8-9-71.

(Showing lands notified for prospecting).

SCHEDULE
PATANSAONGI BLOCK
Kamptee Coalfield.
Maharashtra

Sl. No.	Village	Tahsil	Mouza No.	District	Area	Remarks.
1	Paransaongi	Saoner	..	Nagpur		Part.
2	Beloti	"	"	"		"
3	Eltur	"	35	"		"
4	Kodas	"	52	"		"
5	Pipla	"	33	"		"
6	Ranala	"	183	"		"
7	Dahegaon	"	108	"		"
8	Nadukpani	Nagpur.	..	Nagpur.		Full.
9	Babulkhera	"	"	"		Part.
10	Chichauli	"	"	"		"
11	Khapa	"	"	"		"
Total Area : 3302.00 acres (Approximately) or : 1336.25 Hectares (Approximately) or : 5.16 Sq. Miles.						

BOUNDRY DESCRIPTION:

A—B Line passes through villages Patansaongi and Beloti.

B—C Line passes through villages Beloti, Babulkhera Chichauli, Khapa Pipla and Dahegaon.

C—D Line passes through villages Dahegaon and Ranala.

D—E Line passes through villages Ranala and Dahegaon (i.e. along the part common boundary of Kamptee Block 'B' Extension notified under section 4(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. 3428 dated 20-8-69).

E—F Line passes through villages Dahegaon, Pipla and Kodas (along the part northern boundary of the road) which is also along the part common boundary of Kamptee Block 'B' Extension notified under section 4(1) of Coal Bearing Areas Act 1957 vide S.O. No. 3428 dated 20-8-69.

F—G Line passes through villages Kodas, along the part common boundary of village Isapur and Kodas, Isapur and Eltur (i.e. the part common boundary of Kamptee Block 'B' Extension notified under section 4(1) of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 vide S.O. 3428 dated 20-8-69).

G—A Line passes through villages Kodas, Eltur and Patansaongi and meets at starting point 'A'.]

[No. F. 2(6)/71-C 3]

K. SUBRAHMANYAN Dy. Secy.

का० आ० 1134-यतः केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि इससे उभावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में से कोयला अभि-प्राप्त होने की संभावना है ।

अतः अब, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधि-नियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उसमें कोयले के लिए पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना देती है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक का निरीक्षण, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड (राजस्व

अनुभाग), दरभंगा हाउस, रांची के कार्यालय अथवा कलकत्ता, नागपुर (महाराष्ट्र) के कार्यालय में अथवा कोयला निर्वहक 1, काउंसिल हाऊस स्ट्रीट, कलकत्ता के कार्यालय में किया जा सकता है ।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाली भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति, उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (7) में निर्दिष्ट समस्त मानचित्र, चार्ट और अन्य दस्तावेज, इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 90 दिन के भीतर राजस्व अधिकारी, राष्ट्रीय कोयला विकास निगम लिमिटेड, दरभंगा हाऊस, रांची को परिस्त करेंगे ।

अनुसूची
पतनसौगी खंड
कैम्पटी कोयला क्षेत्र
महाराष्ट्र

ड्राईंग संख्या राजस्व/43/71

तारीख 8 सितम्बर, 1971

(पूर्वेक्षण के लिये अधिसूचित भूमि को दर्शित करते हुये)

क्रम संख्या	ग्राम	तहसील	ग्राम संख्या	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
1	पतनसौगी,	सोनार	..	नागपुर		भाग
2	बेलोटि	"	..	"		"
3	एलपुरा]	"	35	"		"
4	कोडास	"	52	"		"
5	पिपला]	"	33	"		"
6	रानाला	"	183	"		"
7	दहेगांव	"	108	"		"
8	नाडुकपाणि	नागपुर	..	नागपुर		सम्पूर्ण
9	बाबलखेरा	"	..	"		भाग
10	चिचौली,	नागपुर	..	नागपुर		भाग]
11	खापा	नगर				भाग

कुल क्षेत्र 3302.00 एकड़ (लगभग)

अथवा 1336.25 हेक्टेयर (लगभग)

अथवा 5.16 वर्ग मील

सीमा वर्णन

क—ख

साइन ग्राम पतनसौगी और बेलोटि से होकर गुजरती है ।

ख—ग

साइन ग्राम बेलोटि, बाबलखेरा, चिचौली, खापा पिपला और दहेगांव से होकर गुजरती है ।

ग—घ

साइन ग्राम दहेगांव और रानाला से होकर गुजरती है ।

घ—ङ

साइन ग्राम रानाला और दहेगांव (अर्थात् कोयला वाले क्षेत्र अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1) के अधीन का० आ० 3428 तारीख 20-8-69 द्वारा अधिसूचित कैम्पटी खण्ड 'ख' विस्तारण की भागतः सामान्य सीमा के साथ, होकर गुजरती है ।

ङ—च

साइन ग्राम दहेगांव, पिपला और कोडास, (सड़क की भागतः उत्तरी सीमा के साथ), जो कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 का धारा 4(I) के अधीन का० आ० 3428, तारीख 20-8-69 द्वारा अधिसूचित कैम्पटी खण्ड 'ख' विस्तारण की भागतः सामान्य सीमा के भी साथ है, से होकर गुजरती है ।

- ख—छ लाइन ग्राम कोडास से, ग्राम ईसापुर और कोडास, ईसापुर और एलतूर की भागत: सामान्य सीमा से अर्थात् (कोयला वाले क्षेत्र अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1) के अधीन का० ग्रा० संख्या 3428, तारीख 20-8-69 द्वारा अधिसूचित कैम्पटी खण्ड 'ख' विस्तारण की भागत: सामान्य सीमा के साथ, होकर गुजरती है ।
- छ—ज लाइन ग्राम कोडास, एलतूर और पतनसौंगी से होकर गुजरती है और प्रारम्भिक बिन्दु 'क' पर मिलती है ।

[संख्या फा० 2/6/9/71—को० 3]

के० सुबह्मण्यन,
उप सचिव, भारत सरकार ।